वार्षिक प्रतिवेदन

2015-16

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

Published by:
The Registrar
Ambedkar University Delhi
Lothian Road, Kashmere Gate, New Delhi - 110 006

Designed & Printed at:
Art Design Print Solution
artdesignpress@gmail.com, 011-42440587, 9899578245

अंतर्वस्तु

01 विश्वविद्यालय

12 विश्वविद्यालय के स्कूल

60 विश्वविद्यालय के केन्द्र

82 प्रकाशन

94 अंतरराष्ट्रीय साझेदारियाँ

99 अनुसंधान परियोजनाएँ

102 विभाग

132 परिशिष्ट

विश्वविद्यालय

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी), राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार द्वारा 2007 में पारित विधानमंडल के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया। इसे जुलाई 2008 में अधिसूचित किया गया। डॉ. अम्बेडकर के विचारों, समानता और सामाजिक न्याय सम्बन्धी निदेशन से प्रेरित यह विश्वविद्यालय समाज विज्ञान और मानविकी में शोध तथा अध्यापन को केन्द्र में रखते हुए अध्यादेशित है। एयूडी उच्च शिक्षा तक पहुँच एवं सफलता के बीच सतत और प्रभावी संपर्क निर्धारित करने को अपना लक्ष्य समझता है। एयूडी मानवता, गैर–सोपानीकरण, सामूहिक कार्य और सृजनात्मकता को परिपोशित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में यह कश्मीरी गेट में लोथियन रोड पर स्थित परिसर से अपने सभी कार्य संचालित कर रहा है। इस परिसर को यह इंदिरा गांधी महिला तकनीकी विश्वविद्यालय दिल्ली के साथ साझा करता है।

राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने एयूडी को परिसर–निर्माण के लिए दो स्थानों पर भूमि प्रदान की है। इसमें से एक रोहिणी सेक्टर–3 (7.02 हेक्टेयर) में और दूसरी धीरपुर फेज–1 (20 हेक्टेयर) में है। दोनों स्थानों पर परिसर बनाने का कार्य जारी है। आगामी शैक्षणिक वर्ष में विश्वविद्यालय के कर्मपुरा परिसर में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश शुरू करने की योजना है। दिल्ली सरकार ने उच्च शिक्षा निदेशालय के माध्यम से एयूडी को कर्मपुरा परिसर के लिए 6.5 एकड़ भूमि एवं भवन स्थानांतरित किया है। यहीं से दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय अब तक अपना कार्य संचालित कर रहा था।

सभी अकादमिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने स्कूलों एवं केन्द्रों के साथ विकेन्द्रीकृत संरचना को अपनाया है। इसने अपने स्कूलों, केन्द्रों एवं कार्यक्रमों की कल्पना नई संभावनाओं को तलाशने के लिए किया है। इन संभावनाओं को आकार देने के लिए ऐसा प्रारूप अपनाया गया है जो अंतर्विषयक पद्धतियों के साथ अनिवार्य रूप से कार्य करे। साथ ही स्कूलों की अवधारणा को इस प्रकार से निरूपित किया गया है कि इसका प्रत्येक कार्यक्रम अंतर्विषयक हो। साथ ही अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्रों की संकल्पना भाोध परियोजना, अधिवक्तृत्व नीति, प्रशिक्षण, अभियन्त्रीकरण और गृह–कार्य समाशोधन के अनुरुप की गयी है ताकि समकालीन महत्त्व के क्षेत्रों को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

संकल्पना

विश्वविद्यालय लिबरल आर्ट्स, मानविकी और सामाजिक विज्ञानों पर विशेष ध्यान के साथ उच्चतर शिक्षा में अध्ययन, शोध और विस्तार कार्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। समाज के स्थायित्व और समाज के विसंतुलन के कारकों का विश्लेषण करते हुए यह पता लगाना चाहता है कि सामाजिक विकास किस प्रकार एक ऐसे समाज का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिसमें लोग अपनी पूर्ण मानवीय क्षमता प्राप्त कर सकें।

दर्शन

समता, सामाजिक न्याय व उच्च गुणवत्ता अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के दर्शन और मूल्यों के सुदृढ़ आधार का निर्माण करते हैं। एक सार्वजनिक संस्थान के रूप में, एयूडी स्वयं को सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखता है। साथ ही नागरिक (सिविल) समाज व राज्य की अंतःक्रिया हेतु सामाजिक क्रियाकलाप पर ध्यान केंद्रित करता है।

लक्ष्य

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञानों और मानविकी में उच्चतर शिक्षा की उच्च गुणवत्ता के प्रति प्रयासरत है। उच्चतर शिक्षा तक पहुंच और सफलता के बीच एक स्थायी और प्रभावशील कड़ी का निर्माण करना एयूडी का मुख्य लक्ष्य है। एयूडी मानववाद, गैर–सोपानिकता और विकेन्द्रित कार्यकलाप, सामूहिक कार्य और सृजनात्मकता की सांस्थानिक संस्कृति के सृजन के प्रति प्रतिबद्ध है।

उद्देश्य

विश्वविद्यालय को लिबरल आर्ट्स, मानविकी और समाज विज्ञान पर ध्यान के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण व्यापक उच्चतर शिक्षा विकसित और प्रदान करने का दायित्व सौंपा गया है। इसे दूरस्थ और सतत शिक्षा के संचालन का अधिदेश दिया गया है। उच्च गुणवत्ता का पालन करने वाले किसी अन्य विश्वविद्यालय की तरह, इससे भी उन्नत अध्ययनों का आयोजन करने और शोध को बढ़ावा देने, व्याख्यानमालाओं, परिसंवादों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करते हुए ज्ञान व कार्य प्रक्रियाओं का वितरण करने और भारत व अन्य देशों में उच्चतर शिक्षण एवं शोध संस्थाओं से संपर्क करने की अपेक्षा की जाती है। इससे शोध विनिबंधों, प्रबंधों, पुस्तकों, प्रतिवेदनों और पत्रिकाओं के प्रकाशन की अपेक्षा भी की जाती है। इन उद्देश्यों को विस्तार देने के साथ ही इससे सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की अपेक्षा भी की जाती है।

शैक्षिक संरचना

एयूडी के प्राध्यापक वर्ग की संरचना में पूर्णकालिक, नियमित, मुख्य प्राध्यापक और अंशकालिक, अतिरिक्त, अतिथि व मानद प्राध्यापकों का प्रावधान है। इस विस्तृत प्राध्यापक वर्ग में शिक्षण सहायकों के रूप में वरिष्ठ स्नातकोत्तर एवं शोध छात्र भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय की शिक्षा कार्मिक नीति इस प्रकार तैयार की गई है कि यह विश्वविद्यालय के सरोकारों को अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों की अपेक्षा ज्यादा बेहतर प्रतिबिम्बित करे। अपने सभी कार्मिकों में साझा शासन की भावना को प्रोत्साहित करने तथा विश्वविद्यालय के मूल्यों और दर्शन को बल व स्थायित्व प्रदान करने वाली कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु यह सुनिश्चित करना विश्वविद्यालय का कार्य होगा कि कार्यकलापों का संचालन पारदर्शी, क्रमबद्ध, समुचित एवं न्यायसम्मत ढंग से हो। आरक्षणों के लिए संविधान में अधिदेशित प्रावधानों–उपबंधों का पालन करते हुए, यह सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने और विशेष रूप से बहाली में लैंगिक–संवेदनशीलता की एक सक्रिय नीति लागू करने का प्रयास भी करेगा।

विश्वविद्यालय का शासन

विश्वविद्यालय प्राधिकारियों का संगठनात्मक ढांचा

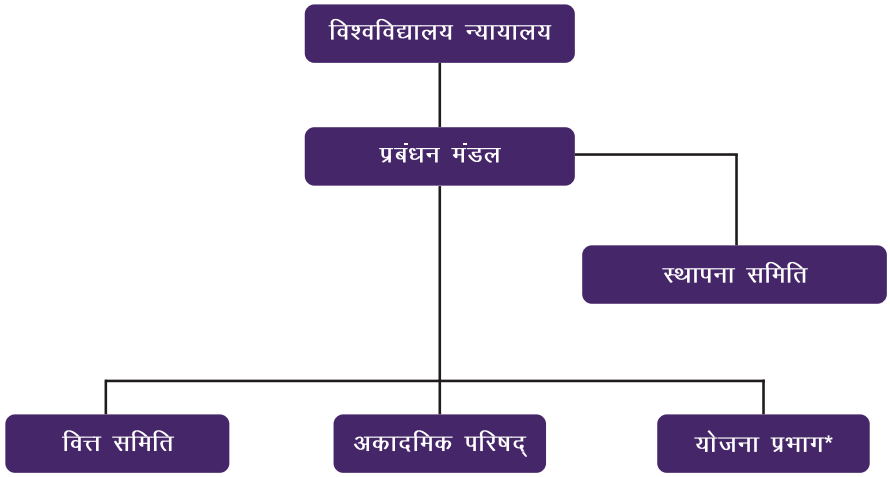

* योजना प्रभाग को सक्रिय करने का प्रस्ताव

विश्वविद्यालय न्यायालय

श्री नजीब जंग, कुलाधिपति (अध्यक्ष)
प्रोफेसर श्याम बी. मेनन (कुलपति)
न्यायमूर्ति लीला सेठ (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
डॉ. बिमल जालान (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
श्री श्याम शरण (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर ए. के. जलालुद्दीन (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर एस. आर. हाशिम (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रधान सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी
सचिव, उच्चतर शिक्षा एवं टीटीई, जीएनसीटीडी
सचिव, कला और संस्कृति, जीएनसीटीडी
प्रोफेसर उमेश राय (यूजीसी के प्रतिनिधि)
कुल सचिव, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुल सचिव (सचिव)

विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा

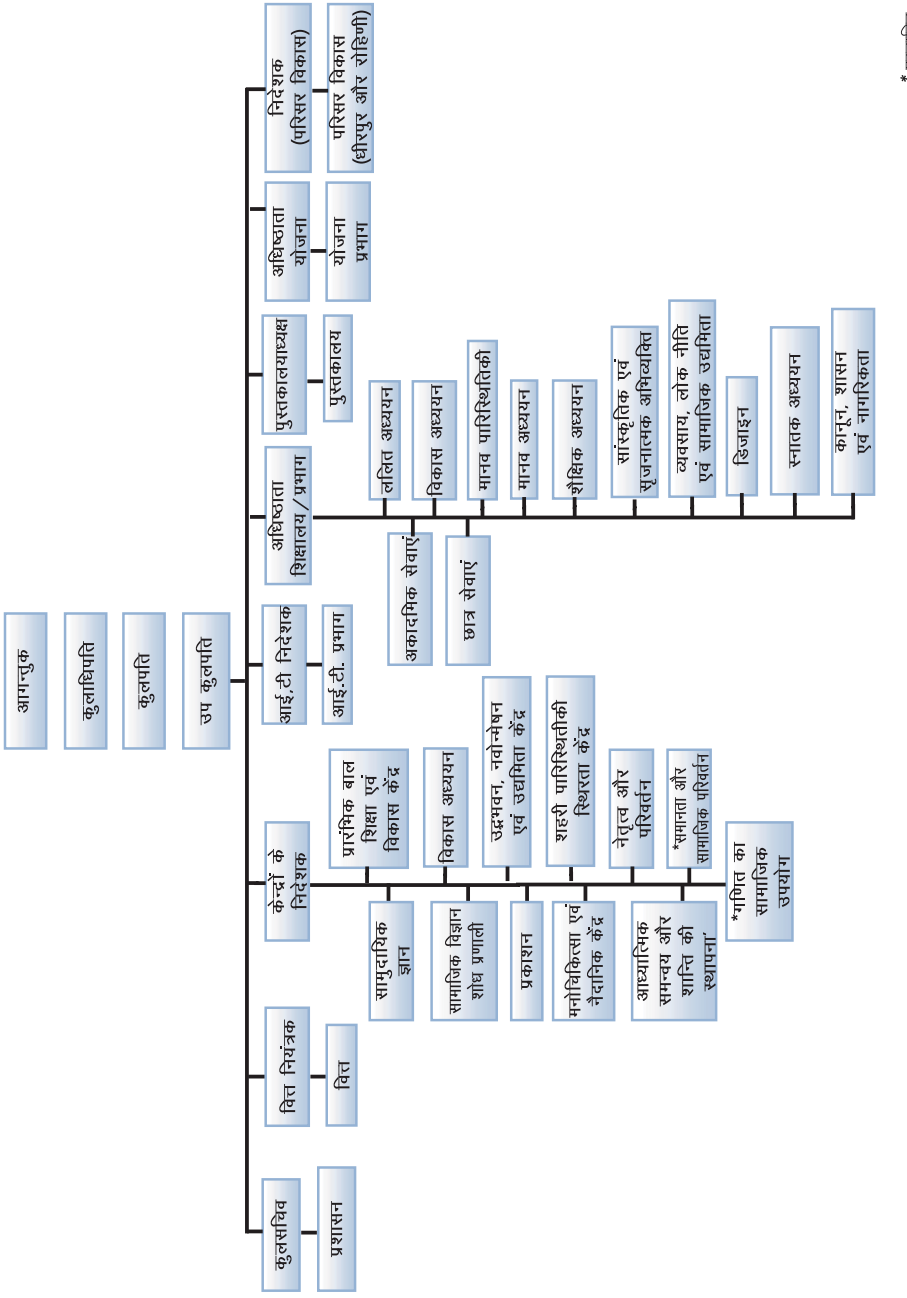

* प्रस्तावित

प्रबंधन मंडल के सदस्य

प्रोफेसर श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
प्रोफेसर एन. आर. माधव मेनन (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर एस. परशुरामन (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
डॉ. किरण दातार (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर अशोक नागपाल (कुलाधिपति द्वारा नामित)
प्रोफेसर जतिन भट्ट (कुलाधिपति द्वारा नामित)
प्रोफेसर सलिल मिश्र (कुलाधिपति द्वारा नामित)
प्रधान सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी
सचिव, उच्चतर शिक्षा एवं टीटीई, जीएनसीटीडी
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुलसचिव (सचिव)

अकादमिक परिषद

प्रोफेसर श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
प्रोफेसर के. रामचन्द्रन, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर फरीदा खान, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर माधवन के. पलाट, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
डॉ. मिहिर शाह, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर ए. के. शर्मा, यूजीसी द्वारा नामित
अधिष्ठाता (डीन), व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, विकास अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, डिजाइन स्कूल
अधिष्ठाता, शैक्षिक अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, मानव पारिस्थितिकी स्कूल
अधिष्ठाता, मानव अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, लिबरल अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, स्नातक अध्ययन स्कूल
प्रोफेसर सलिल मिश्र, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर हनी ओबेरॉय वहाली, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर गीता वेंकटरमण, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर चन्दन मुखर्जी, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर राधारानी चक्रवर्ती, कुलपति द्वारा नामित
डॉ. सत्यकेतु सांकृत, एसोसिएट प्रोफेसर, कुलपति द्वारा नामित
डॉ. ओइनम हेमलता देवी, सहायक प्राध्यापक, कुलपति द्वारा नामित
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुलसचिव (सचिव)

अध्ययन मंडल (बोर्ड ऑफ स्टडीज़)

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित स्कूलों के लिए अध्ययन मंडल का गठन किया है–

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
डिजाइन स्कूल
विकास अध्ययन स्कूल
शैक्षिक अध्ययन स्कूल
मानव पारिस्थितिकी स्कूल
मानव अध्ययन स्कूल
लिबरल अध्ययन स्कूल
स्नातक अध्ययन स्कूल

वित्त समिति

प्रोफेसर श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग एवं टीटीई, जीएनसीटीई
प्रधान सचिव, वित्त विभाग, जीएनसीटीडी
डॉ. किरण दातार, प्रबंधन मंडल द्वारा नामित
प्रोफेसर चंदन मुखर्जी, प्रबंधन मंडल द्वारा नामित
श्री जे. एर्नेस्ट सैम्युएल रतनाकुमार, वित्त नियंत्रक

अधिष्ठान समिति

प्रोफेसर श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
डॉ. किरण दातार, प्रबंधन मंडल द्वारा नामित
प्रोफेसर अशोक नागपाल, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर जतिन भट्ट, कुलपति द्वारा नामित
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुल सचिव (सदस्य सचिव)

सलाहकार समितियाँ

दो सलाहकार समितियाँ है–

1. अंतरराष्ट्रीय साझेदारियाँ

प्रोफेसर डेनिस पी. लीटन, अधिष्ठाता, लिबरल अध्ययन स्कूल (सभापति)
अधिष्ठाता, योजना प्रभाग (सदस्य)
अधिष्ठाता, विद्यार्थी सेवाएँ (सदस्य)
अधिष्ठाता, अकादमिक सेवाएँ (सदस्य)
स्कूल–अधिष्ठाताओं में से दो सदस्य
1 प्रोफेसर वनिता कौल (निदेशक, शैक्षिक अध्ययन स्कूल)
2 प्रोफेसर जतिन भट्ट (अधिष्ठाता, डिजाइन स्कूल)

प्रबंधन मंडल से एक सदस्य
1 प्रोफेसर अशोक नागपाल
अकादमिक परिषद से एक सदस्य
1 डॉ. प्रवीण सिंह
कुल सचिव
डॉ. कार्तिक दवे, एसोसिएट प्रोफेसर, एसबीपीपीएसई (संयोजक)
सुश्री शर्मिष्ठा रॉय, उप–कुलसचिव (पीआर एवं आईपी) (सचिव)

2. अनुसंधान एवं परियोजना प्रबंधन

प्रोफेसर वनिता कौल, निदेशक, शैक्षिक अध्ययन स्कूल (सभापति)
अधिष्ठाता, अकादमिक सेवाएँ (सदस्य)
अधिष्ठाता, योजना प्रभाग (सदस्य)
स्कूल–अधिष्ठाताओं में से दो सदस्य
1 प्रोफेसर जतिन भट्ट, अधिष्ठाता, डिजाइन स्कूल (सदस्य)
2 डॉ. सुमंगला दामोदरन, अधिष्ठाता (कार्यवाहक), विकास अध्ययन स्कूल (सदस्य)
केन्द्र–निदेशकों में से एक सदस्य
1 डॉ. अनूप धर, निदेशक, विकास प्रणाली (अभ्यास) केन्द्र (सदस्य)
प्रबंधन मंडल से एक सदस्य
1 प्रोफेसर अशोक नागपाल (सदस्य)
अकादमिक परिषद से एक सदस्य
1 डॉ. प्रवीण सिंह (सदस्य)
कुलसचिव (सदस्य)
वित्त–नियंत्रक (सदस्य)
डॉ. सुरजीत सरकार, समन्वयक (कार्यक्रम), सीसीके (संयोजक)
सुश्री शर्मिष्ठा रॉय, उप–कुलसचिव (पीआर एवं आईपी) (सचिव)

समितियों की बैठकें

न्यायालय की 5वीं बैठक	18–11–2015
प्रबंधन मंडल की विशेष बैठक	08–05–2015
प्रबंधन मंडल की 18वीं बैठक (स्थगित)	08–10–2015 एवं 02–11–2015
अकादमिक परिषद की 7वीं बैठक	16–07–2015
अकादमिक परिषद की विशेष बैठक	05–10–2015
वित्त समिति की 12वीं बैठक	14–07–2015
वित्त समिति की 13वीं बैठक	10–09–2015
अधिष्ठान समिति की 13वीं बैठक	14–07–2015

अधिष्ठान समिति की 14वीं बैठक	05–11–2015
अधिष्ठान समिति की 15वीं बैठक	09–03–2016

विश्वविद्यालय के अधिकारी

कुलपति	प्रोफेसर श्याम बी. मेनन
उप कुलपति	प्रोफेसर चन्दन मुखर्जी (04–11–2015 तक)

स्कूल–अधिष्ठाता

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल	प्रोफेसर कुरियाकोस ममकूट्टम (निदेशक)
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल	प्रोफेसर चन्दन मुखर्जी (13–09–2015 तक) डॉ. राजन कृष्णन (14–09–2015 से)
डिजाइन स्कूल	प्रोफेसर जतिन भट्ट
विकास अध्ययन स्कूल	डॉ. सुमंगला दामोदरन
शैक्षिक अध्ययन स्कूल	प्रोफेसर वनिता कौल (निदेशक)
मानव पारिस्थितिकी स्कूल	डॉ. अस्मिता काबरा
मानव अध्ययन स्कूल	प्रोफेसर हनी ओबेरॉय वहाली (31–08–2015 तक) प्रोफेसर अशोक नागपाल (01–09–2015 से)
लिबरल अध्ययन स्कूल	प्रोफेसर डेनिस पी. लीटन
स्नातक अध्ययन स्कूल	डॉ. रचना जौहरी

प्रभाग–अधिष्ठाता

अकादमिक सेवाएँ	प्रोफेसर सलिल मिश्र (10–08–2015 तक) उप कुलपति (11–08–2015 से 28–09–2015 तक) कुलपति (29–09–2015 से)
विद्यार्थी सेवाएँ	प्रोफेसर कुरियाकोस ममकूट्टम
योजना प्रभाग	प्रोफेसर विजय एस. वर्मा (04–01–2016 तक) डॉ. प्रवीण सिंह (05–01–2016 से)

कुल सचिव	प्रोफेसर जतिन भट्ट (29–07–2015 तक / अतिरिक्त प्रभार)
	डॉ. एम. ए. सिकंदर (29–07–2015 अपराह्न से)
वित्त नियंत्रक	प्रोफेसर चंदन मुखर्जी (28–09–2015 तक / अतिरिक्त प्रभार)
	श्री जे. एर्नेस्ट सैम्युएल रतनाकुमार (29–09–2015 से)
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. देबल सी. कार
केंद्र / प्रभाग निदेशक	
सामुदायिक ज्ञान केंद्र	डॉ. संजय कुमार शर्मा
विकास प्रणाली केंद्र	डॉ. अनूप कुमार धर
प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र	प्रोफेसर वनिता कौल
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र	प्रोफेसर हनी ओबेरॉय वहाली
सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र	प्रोफेसर चंदन मुखर्जी
प्रकाशन केंद्र	प्रोफेसर कुरियाकोस ममकूट्टम
एयूडी उद्भवन, नवोन्मेशन	प्रोफेसर कुरियाकोस ममकूट्टम (10–03–2016 तक)
एवं उद्यमिता केंद्र	श्री एम. एस. फारूकी (11–03–2016 से)
शहरी पारिस्थितिकी स्थिरता केंद्र	डॉ. सुरेश बाबू
आईटी सेवाएँ	प्रोफेसर चंदन मुखर्जी (04–11–2015 तक / अतिरिक्त प्रभार)
	प्रोफेसर विजय एस. वर्मा (05–11–2015 से 04–01–2016 तक) (अतिरिक्त प्रभार)
	प्रोफेसर चंदन मुखर्जी (05–01–2016 से / अतिरिक्त प्रभार)

परिसर विकास	प्रोफेसर विजय एस. वर्मा (04–01–2016 तक) प्रोफेसर जतिन भट्ट (05–01–2016 से)

स्कूल एवं केंद्र

मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अपने स्कूलों एवं केंद्रों के माध्यम से कार्य करता है। यह व्यावसायिक विशेषज्ञता एवं ज्ञान सम्बन्धित क्षेत्रों पर आधारित है जिन पर प्रासंगिक होने के बावजूद अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वर्तमान में एयूडी में नौ स्कूल हैं। ये सामाजिक विज्ञान, कला, मानविकी, गणितीय विज्ञान और लिबरल अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान कार्यक्रम चला रहे हैं। स्कूल इस प्रकार हैं–

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
डिजाइन स्कूल
विकास अध्ययन स्कूल
शैक्षिक अध्ययन स्कूल
मानव पारिस्थितिकी स्कूल
मानव अध्ययन स्कूल
लिबरल अध्ययन स्कूल
स्नातक अध्ययन स्कूल

विश्वविद्यालय ने कई केंद्र स्थापित किए हैं। ये हाशिए के या उपेक्षित क्षेत्रों से सम्बन्धित ज्ञान के लिए शोध की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। एयूडी के केंद्र परियोजना आधारित अनुसंधान, नीति प्रतिपालन, क्षमता निर्माण तथा समुदायों के साथ संपर्क तंत्र स्थापित करने के लिए विशिष्ट रूप से पहचाने जाते हैं। वर्तमान में, एयूडी में निम्नलिखित केंद्र संचालित हैं–

सामुदायिक ज्ञान केंद्र
विकास प्रणाली केंद्र
प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र
एयूडी उद्भवन, नवोन्मेशन एवं उद्यमिता केंद्र
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र
प्रकाशन केंद्र
सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र
शहरी पारिस्थितिकी स्थिरता केंद्र

स्कूल एवं केन्द्र 7 अंडर ग्रेजुएट, 17 पोस्ट–ग्रेजुएट, 2 पी.जी. डिप्लोमा, 5 एम.फिल् और 9 पीएच.डी. प्रोग्राम का प्रावधान है।

प्रभाग

विश्वविद्यालय की संरचना में कई प्रभाग शामिल हैं। ये विभिन्न कार्य करते हैं। प्रभाग इस प्रकार हैं–

पुस्तकालय सेवाएँ
सूचना एवं तकनीकी सेवाएँ
विद्यार्थी सेवाएँ
अकादमिक सेवाएँ
मानव संसाधन
योजना विभाग
परिसर विकास
प्रशासन
संपत्ति (भूसंपत्ति) विभाग
वित्त

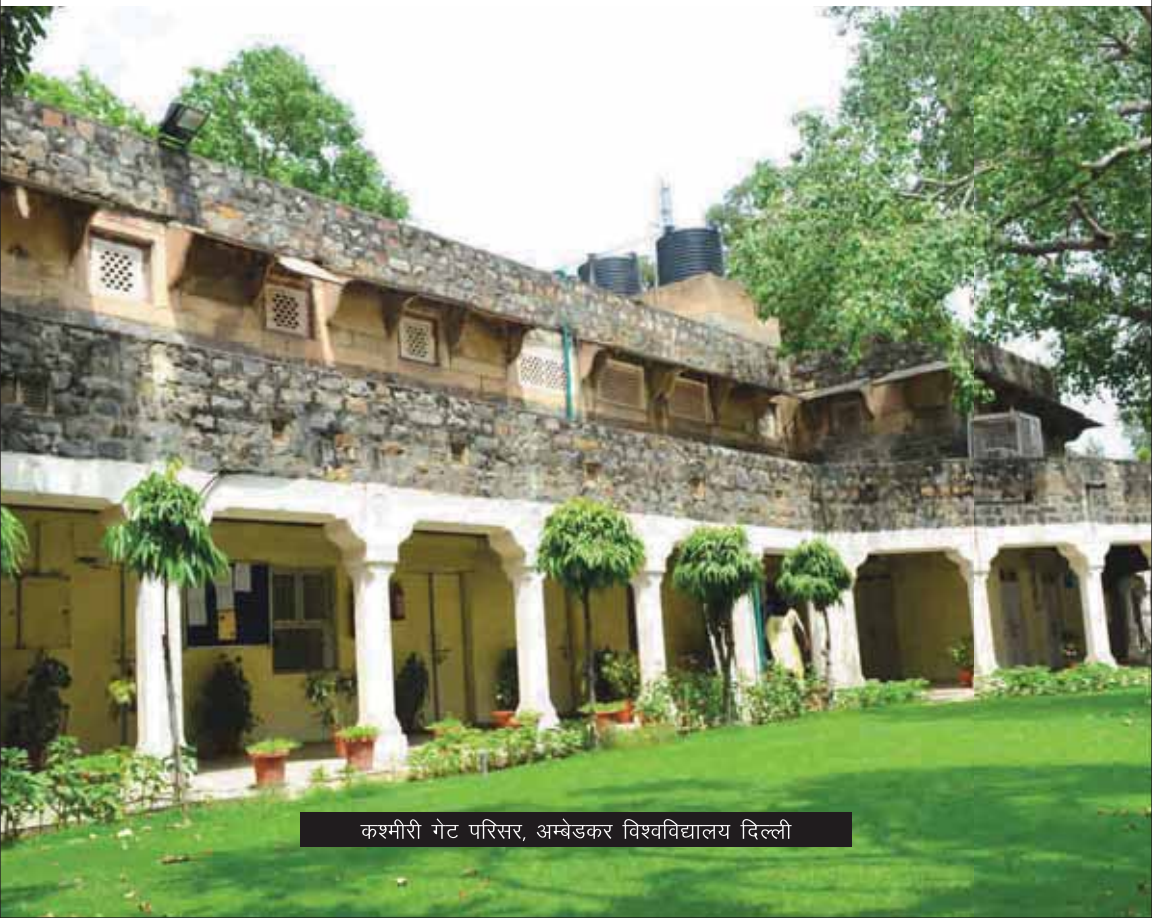

कश्मीरी गेट परिसर, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

स्कूल

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल (एसबीपीपीएसई) की स्थापना वर्ष 2011 में हुई। यह शोध व व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रबंधन, लोक नीति व सामाजिक उद्यमिता के प्रशिक्षण को बढ़ावा देता है। एसबीपीपीएसई का प्रयास समाज व अर्थव्यवस्था के बृहत्तर संदर्भ के भीतर व्यवसाय एवं लाभ की एक सर्वांगीण पद्धति विकसित करना है। स्कूल जुलाई 2012 से व्यवसाय प्रबंधन में दो वर्ष का (पूर्णकालिक) स्नातकोत्तर (एमबीए) और वर्ष 2013 से प्रकाशन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीपी) संचालित कर रहा है। साथ ही वर्ष 2014 से स्कूल सामाजिक उद्यमिता में दो वर्ष का (पूर्णकालिक) स्नातकोत्तर (एमएएसई) कार्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। एसबीपीपीएसई ने डिजाइन स्कूल के साथ मिलकर एयूडी उद्भवन, नवोन्मेशन एवं उद्यमिता केंद्र (एसीआईआईई) की स्थापना की है जो कंपनी अधिनियम (2013) के तहत जनवरी 2016 से एक लाभ निरपेक्ष कंपनी के रूप में पंजीकृत है।

एमबीए

दो वर्षीय (पूर्णकालिक) एमबीए कार्यक्रम का अभिप्रेत भविश्य के लिए प्रबंधकों को व्यावसायिक शिक्षा देना, इस काम में लगे विश्व के अन्य कार्मिकों के ज्ञान एवं कौशल का उत्थान व नवीकरण करना और नए उद्यम आरंभ करने हेतु भागीदारों में प्रेरणा जागृत करके ज्ञान एवं कौशलों का विकास करना है। कार्यक्रम धन प्रबंधन के साथ–साथ धन सृजन पर ध्यान केंद्रित करता है।

एमबीए कार्यक्रम का पाठ्यक्रम नवोन्मेशी पाठ्यक्रम संरचना पर आधारित है, जिसमें प्रबंधन शिक्षा में नवीनतम विकासक्रम को शामिल किया गया है। नवीन प्रबंधन के सभी सिद्धांत और अवधारणाएँ प्रदान करते समय, एमबीए कार्यक्रम की विशिष्टता बृहत्तर समाज एवं अर्थव्यवस्था के समग्र संदर्भ के भीतर व्यवसाय एवं लाभ के प्रति उसका आग्रह है। सैद्धांतिक अवधारणाओं की शिक्षा और अनुप्रयोग कौशलों का एक वातावरण तैयार करने के अतिरिक्त, कार्यक्रम व्यावहारिक कौशलों के महत्त्व पर ध्यान देता है।

ग्रीष्मावकाश के दौरान, छात्रों को 8 से 10 सप्ताह का एक प्रशिक्षण दिया जाता है। शिक्षक वर्ग के सदस्यों के मार्गदर्शन में किसी विषय पर छात्र जो अनुभवमूलक शोध शुरू करते हैं उस पर आधारित एक परियोजना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की उनसे अपेक्षा की जाती है। एमबीए कार्यक्रम के सभी छात्रों को अध्ययन के दौरान एक अतिरिक्त (विदेशी) भाषा की शिक्षा भी दी जाती है। एमबीए कार्यक्रम के शुरू होने के तीन वर्ष बाद इसमें एक मुख्य संशोधन 2015–16 के दौरान किया गया।

एमए सामाजिक उद्यमिता

सामाजिक उद्यमिता में एमए (एमएएसई) कार्यक्रम के प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम एमबीए के पहले वर्ष के समान है। जबकि एमएएसई कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में अवधारणाओं, समस्याओं और सामाजिक उद्यमिता की कार्य प्रणालियों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है और उन्हें एयूडी के उद्भवन, नवोन्मेशन एवं उद्यमिता केंद्र की गतिविधियों से जोड़ा जाता है।

कार्यक्रम के छात्रों को कोर व्यवसाय प्रबंधन कौशल प्रदान किये जाते हैं जो सभी संगठनों के प्रबंध के लिए आवश्यक हैं। एमएएसई भागीदारों को सृजनात्मक एवं नवोन्मेशी समाधानों का पता लगाते हुए नए व्यवसाय शुरू करने के लिए अपेक्षित, खास कर सामाजिक क्षेत्र में, विशिष्ट कौशलों का पता लगाने के योग्य बनाता है। कार्यक्रम की संरचना मुख्य व्यवसाय कौशलों का निर्माण एवं संवर्धन करने, सामाजिक–राजनीतिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करने और समस्या समाधान हेतु सृजनात्मक सोच, सामाजिक नवाचार एवं उद्यमी पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए की गई है। यहाँ सैद्धांतिक अवयवों को व्यावहारिक प्रशिक्षण से जोड़ा जाता है और छात्रों को क्षेत्र आधारित परियोजनाओं के माध्यम से कक्षा की शिक्षा को यथार्थ जीवन की स्थितियों में उतारने को प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रों को उनके आसपास के सामाजिक सरोकारों से अवगत कराने के लिए कार्यशाला/परिसंवाद पाठ्यक्रमों के रूप में पहले वर्ष तीन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं।

स्कूल ने पिछले दो वर्षों के अपने अनुभव के आधार पर एमएएसई में एक बड़ा सुधार किया है। साथ ही स्कूल संशोधित सामाजिक उद्यमिता कार्यक्रम के विकास के लिए ब्रिटिश काउंसिल से मिले अनुदान द्वारा नॉर्थम्पटन विश्वविद्यालय, यूके के साथ मिलकर सोशल इंटरप्राइज एजुकेशन प्रोग्राम (एसईईपी) के लिए एक सहयोगी परियोजना पर भी कार्य कर रहा है।

प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (एनबीटी) के सहयोग से, एसबीपीपीएसई ने जुलाई 2013 में एक वर्षीय 'प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' प्रारंभ किया। यह प्रकाशन उद्योग में तेजी से आ रहे बदलावों को देखते हुए, 21वीं सदी में प्रकाशन के क्षेत्र के प्रति नवागंतुकों को आकर्षित और मौजूदा प्रकाशन व्यवसायियों को 'पुनर्प्रशिक्षित' करने हेतु आवश्यक है। यह ध्यातव्य भी है कि तेजी से बदलते इस उद्योग ने प्रकाशन में 'व्यवसाय' तत्त्व के महत्त्व को और आगे बढ़ा दिया है। अतः कार्यक्रम का लक्ष्य अध्यवसायियों का एक ऐसा वर्ग तैयार करना है, जो कुशल और उद्यमशील हों। प्रकाशन में पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में एक नया ऐच्छिक पाठ्यक्रम 'ई–प्रकाशन' शामिल किया गया है। तीसरे अकादमिक वर्ष (2014–15) के तीन छात्र प्रशिक्षित होकर, वर्तमान में प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थानों में कार्य कर रहे हैं, जबकि अकादमिक वर्ष 2015–16 के दस छात्रों ने मई 2016 में अपना पाठ्यक्रम समाप्त किया। आशा की जाती है कि प्रकाशन में जीवन वृत्त की संभावनाओं और व्यवसाय अवसरों के संदर्भ में कार्यक्रम संवर्धित मूल्य का सृजन करेगा।

सहयोग

अंतरराष्ट्रीय सहयोग हेतु स्कूल अन्य विश्वविद्यालयों से विचार–विमर्श कर रहा है। प्राध्यापक वर्ग व छात्रों के आदान–प्रदान को सरल करने के लिए एयूडी एवं सेन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसी आशय से यूके नॉर्थम्पटन यूनिवर्सिटी के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

सामाजिक उद्यमिता स्कूल में एक संयुक्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रारंभ करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए नॉर्थम्पटन यूनिवर्सिटी, यूके के साथ एक सहयोगी परियोजना पर कार्य कर रहा है।

शोध परियोजना

दवे, कार्तिक, प्रधान अनुसंधाता : आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित "सर्विस क्वालिटी इन रेस्टोरेंट इंडस्ट्री : ए स्टडी ऑफ सिलेक्टेड स्टेट्स इन नार्थ इंडिया" परियोजना की रिपोर्ट फरवरी 2016 में प्रस्तुत की।

प्रस्तुतियाँ

दवे के. एवं जी. त्रिपाठी : वेनिस, इटली में जनवरी 2016 में आयोजित इंटरनेशनल मार्केटिंग ट्रेंड्स सम्मेलन में "स्टोर फॉर्मेट चॉइस एंड सर्विस क्वालिटी : ए स्टडी ऑफ सिलेक्टेड अपैरल रिटेल फॉर्मेट्स इन डेल्ही–एनसीआर" शोध पत्र प्रस्तुत किया।

केकर एन. : आईआईएम कोझिकोड में जनवरी 2016 में आयोजित 52वें सम्मेलन इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी में ''केओस इन द इंडियन इक्विटी मार्केट्स" शोध पत्र प्रस्तुत किया।

केकर एन., वी. कुलकर्णी एवं आर. गैहा : साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में फरवरी 2016 में आयोजित साउथ एशियन इकनॉमिक डेवलपमेंट के दूसरे सम्मेलन में "डिमांड फॉर न्यूट्रिएंट्स : एन एनालिसिस बेस्ड ऑन 55, 61 एंड 68 राउंड्स ऑफ द एनएसएस" शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इंडियन रीटेल कांफ्रेंस, व्यवसाय, लोक नीति एवं सामाजिक उद्यमिता स्कूल

सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल

स्कूल अग्रलिखित विषयों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध कराता है : (1) दृश्य कला (2) साहित्य कला : सृजनात्मक लेखन (3) अभिनय अध्ययन एवं (4) फिल्म अध्ययन। इन कार्यक्रमों में ऐतिहासिक और सैद्धांतिक शिक्षा प्रदान करते हुए शोध उन्मुखी एवं प्रायोगिक अभ्यासों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिनमें विवेचनात्मक अध्ययन–पठन और अभ्यास अनिवार्य होते हैं। इनमें सृजनात्मकता से संबद्ध क्षेत्रों में भी शिक्षा और कौशल प्रदान किए जाते हैं।

एमए दृश्य कला

दृश्य कला कार्यक्रम लिबरल आर्ट्स के शिक्षण में आ रही समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करता है। इसी कारण यह नए शैक्षणिक मॉडल की आवश्यकता पर जोर देता है। यह कार्यक्रम अंतःविषय प्रकृति के विभिन्न आदानों को कौशल, पद्धतिगत ढांचे, वैचारिक सोच, सैद्धांतिक व ऐतिहासिक ज्ञान, सामाजिक–राजनीतिक जागरूकता और नैतिक अखंडता के साथ एकीकृत करने का प्रयास करता है।

एमए साहित्य कला : सृजनात्मक लेखन

इस कार्यक्रम ने भारत में सृजनात्मक लेखन के अध्यापन की शुरुआत की है। विशेष तौर पर यह छात्रों में व्यावहारिक तथा साहित्यिक लेखन के सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह लेखक की व्यक्तिगत साहित्यिक प्रकृति पर गहराई से प्रभाव डालते हुए उसके ऐतिहासिक, सामाजिक एवं अस्तित्व संबंधी ज्ञान की सीमा को कल्पनात्मक रूप प्रदान करने की कोशिश करता है। यह सिर्फ अंग्रेजी भाषा में दक्ष छात्रों को तैयार करने की जगह उन्हें पूरक कौशल के रूप में उपमहाद्वीप और यूरोप की कई भाषाओं की साहित्यिक जानकारी देकर शिक्षित करता है। यह कार्यक्रम छात्रों की रचना पद्धति, मीडिया (नृत्य, फिल्म, रंगमंच व दृश्य कला) एवं ऐतिहासिक व भौगोलिक सीमाओं को व्यापकता तथा नवीनता प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।

एमए अभिनय अध्ययन

एमए अभिनय अध्ययन कार्यक्रम एयूडी एवं भारत का एक अद्वितीय कार्यक्रम है। यह न सिर्फ अभिनय की व्यापकता पर केंद्रित है बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन का एक केंद्रीय तत्त्व भी है। इसमें रंगमंच और नृत्य ही शामिल नहीं हैं, बल्कि रोजमर्रा के रीति–रिवाज व प्रथाएँ, अवांगार्द अभिनय कला, लोकप्रिय मनोरंजन, खेल, राजनीतिक अभिव्यक्ति एवं संभावित रूप से भावपूर्ण व्यवहार या सांस्कृतिक अधिनियमन की कोई भी प्रेरणा शामिल हो सकती है। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की संस्कृति एवं विरासत में मौजूद समृद्ध और विविध अनुभवों को ध्यान में रखकर अन्यान्य संभावनाओं के क्षेत्रों में छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना है।

एमए फिल्म अध्ययन

यह कार्यक्रम भारत में सिनेमा का अध्ययन करने के लिए सुरुचिपूर्ण श्रेष्ठता और कलात्मक उत्कृष्टता के किसी पूर्व–निर्धारित पदानुक्रम के बिना वैश्विक तुलनात्मक विधा को अपनाने

की कोशिश करता है। यह कला के रूप में फिल्म की दार्शनिक समझ और सांस्कृतिक अध्ययन के अंतराल को पाटना चाहता है। इसके लिए यह बेंजामिन, क्रेकाउर और डेल्यूज़ की समृद्ध सैद्धांतिक विरासत के माध्यम से संचार मीडिया की भूमिका निभाना चाहता है। कार्यक्रम मानता है कि भारत में बहु–स्तरीय फिल्म निर्माण पर विशेष ध्यान देने के लिए बॉलीवुड के अध्ययन पर अतिरिक्त जोर नहीं देना चाहिए, जिससे कि भारत में फिल्म संस्कृतियों की बहुलता को ग्रहण किया जा सके। यह कार्यक्रम सिनेमा के ऐतिहासिक, मानववैज्ञानिक तथा शास्त्रीय विश्लेषण की अंतर्निहित प्रकृति के लिए देश के सामाजिक एवं राजनीतिक इतिहास पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

साथ ही एससीसीई ने भारत में पहली बार दृश्य कला, साहित्य कला और फिल्म अध्ययन में अभ्यास–आधारित पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

सम्मान / विशेष सम्मान

दीपन शिवरमण ने महिंद्रा एक्सीलेंस नेशनल थिएटर अवार्ड्स (एमईटीए 2015) में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा निर्मित 'द कैबिनेट ऑफ डॉ. कैलीगरी' के लिए श्रेष्ठ सीनोग्राफी पुरस्कार प्राप्त किया। यह नाटक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (बीआरएम 18) के अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव में भी मंचित हो चुका है।

शेफाली जैन एक महीने की फेलोशिप पर जून–जुलाई 2015 में लोअर मैनहट्टन, न्यूयॉर्क शहर में स्थित एक गैर–लाभकारी कला एवं शिक्षा केंद्र 'अपैक्सआर्ट' गई।

प्रस्तुतियाँ

बिस्वास बी. : पीसीएम महाविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में अप्रैल 2015 में यूजीसी द्वारा प्रायोजित 'शतबरशे शंभु मित्र' राष्ट्रीय संगोष्ठी में "राष्ट्र–ओ–राज्येरंगिनाये शंभु मित्रेर बक्तित्यो एबोंग नाट्य–चिंता" पत्र प्रस्तुत किया।

——. सितम्बर 2015 में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति और अन्य हाशिए पर स्थित समूहों के शोधकर्ताओं तथा संकाय सदस्यों के लिए आईसीएसएसआर–ईआरसी एवं सेंट जेवियर्स महाविद्यालय, कोलकाता के समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रायोजित 'आइडेन्टिटीज़, मोबिलिटी एंड वेल–बीइंग' राष्ट्रीय कार्यशाला और उन्मुखीकरण कार्यक्रम में "परफॉर्मिंग फ्रैग्मेण्टेड आइडेंटिटी : नमोशुद्र, दलित, इंडियन, बंगाली?" पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में कोलोन यूनिवर्सिटी, जर्मनी के सहयोग द्वारा एसएए, जेएनयू में 'द थिएटर हिस्ट्री कॉलोक्विउम' में "हिस्टोरिसाइजिंग कास्ट इन बंगाल थ्रू नमोशुद्र परफॉरमेंस" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जतिन एस. : सितम्बर 2015 में ग्लैसगो यूनिवर्सिटी में "पेंटिंग डिस–इज : ए रिफ्लेक्शन ऑन द साइंस ऑफ द मोंस्ट्रॉस इन मॉडर्न एंड कन्टेम्परारी रिप्रजेंटेशन्स ऑफ डिजीज एंड डिसेबिलिटी" पत्र प्रस्तुत किया।

कृष्णन आर. एवं रवीन्द्रन श्रीरामचन्द्रन : आईआईएएस, शिमला में अक्टूबर 2015 में आयोजित 'रीलिजन एंड सोशल डाइवर्सिटी इन साउथ एशिया' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पोरस

सक्रेलिटीस : द ओकेजनल एंड डाइवर्स अपरिएन्सेस ऑफ राम इन तमिलनाडु" पत्र प्रस्तुत किया।

शिवरमण, दीपन : दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में 25 फरवरी 2016 को आयोजित 'सिटी लिव्स : स्पेसेस एंड नैरेटिव्स' अंतर्विषयक सम्मेलन में "पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस स्पेसेस : स्पेक्टेटर्शिप एंड प्रिविलेज्स" समापन भाषण प्रस्तुत किया।

प्रदर्शन / प्रोडक्शंस / कार्यशालाएं

बिस्वास बेनिल : 2 दिसंबर 2015 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा चार पुस्तकों के विमोचन पर 'फसेट्स ऑफ इंडियन आर्ट एंड कल्चर : बुक्स बाय पब्लिकेशन डिवीजन' पर चर्चा की।

——. जून 2015 में फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली में आयोजित व्याख्यान श्रृंखला 'कल्चर एंड इट्स रेलेवंस : वर्ल्ड पर्सपेक्टिव टू इंडिया पर्सपेक्टिव' प्रस्तुत की।

——. मार्च 2016 में एमईटीए 2016 के लिए 'द कैबिनेट ऑफ डॉ. कैलीगरी' की प्रोडक्शन टीम में अभिनेता तथा ग्राफिक डिजाइनर के रूप में भाग लिया।

शिवरमण, दीपन : थिएटर प्रोडक्शन के साथ ज्यूरिस्ट के रूप में बॉस्का कॉमेडिया इंटरनेशनल थियेटर फेस्टिवल क्राको, पोलैंड (दिसम्बर 2015), केरल के अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव (जनवरी 2016), राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (बीआरएम 18), दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव एवं महिंद्रा एक्सीलेंस नेशनल थिएटर अवार्ड्स दिल्ली (मार्च 2016) में भाग लिया।

——. दिसंबर 2015 में केरल के त्रिकरपुर गांव में केएमके स्मारक कालसमथी द्वारा निर्मित ओ. वी. विजयन के उपन्यास खसस्कन्नेट इथिहसम (द लेजेंड ऑफ खसैक) पर बने नाटक को डिजाइन व निर्देशित करने के साथ ही उसे नाटकीय रूप भी प्रदान किया। इसे केरल के अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव (आईटीएफओके 2016) सहित कई स्थानों पर आयोजित भी किया गया।

——. 27–28 फरवरी 2016 को शिव नादर विश्वविद्यालय के टीईएसटी कार्यक्रम के लिए रंगमंच कार्यशाला 'अंडरस्टैंडिंग स्पेस एंड डिजाइन' आयोजित की।

——. 25–27 नवम्बर 2015 को श्री केरला वर्मा महाविद्यालय, कालीकट विश्वविद्यालय, त्रिशूर में यूजीसी की राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पोस्ट–ड्रामेटिक टर्न इन थिएटर' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. 24–30 नवम्बर 2016 को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में 'ड्रामातर्जी थ्रू डिजाइन' रंगमंच कार्यशाला आयोजित की।

आयोजित कार्यशालाएं : बी. वी. सुरेश, बरोडा (5–15 अक्टूबर 2015), मनुअल रोचा इटूर्बिड (6–17 जनवरी 2016), थियोडोरा स्किपिटर्स (16–23 नवम्बर 2015), विनोद वेलयुधन (1–21 नवम्बर 2015), लुकास्ज चोकोव्स्की (17–19 नवम्बर 2015) एवं उर्मिला सरकार (20–21 नवम्बर 2015)

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

लक्ष्मी, सीएस. : 27 जनवरी 2016 को 'राइटिंग टू बी : सिक्स डिकेड्स ऑफ बीइंग ए राइटर' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

भनोट, कविता : 13 अप्रैल 2016 को 'राइटिंग एस ए पॉलिटिकल प्रोसेस' पर परिचर्चा की।

पाउलो : 22 जनवरी 2016 को 'इंटरैक्टिव डोक्युमेंटरिस : द पॉलिटिक्स ऑफ एन इमर्जिंग जैनर' पर परिचर्चा की।

नरवा, मोनिका एवं जीबेश बागची, रॉक्स मीडिया कलेक्टिव : 6 नवम्बर 2015 को 'थिंकिंग इन ए गार्डन' पर अपने कलात्मक एवं प्रबन्धकीय कार्य के संदर्भ में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इटूर्बिड, मनुअल रोचा : 13 जनवरी 2016 को 'द हिस्ट्री ऑफ साउंड–आर्ट इन मेक्सिको' एवं अपने कलात्मक कार्य के संदर्भ में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

5 फरवरी 2016 को फिल्म 'देअर इज समथिंग इन द एअर' की स्क्रीनिंग की गई। साथ ही इस फिल्म के निदेशक से चर्चा की गई।

10 फरवरी 2016 को डाक्यूमेंट्री फिल्म 'व्हाट इज द फील्ड्स रिमेम्बर बाय शुबश्री कृश्णन' की स्क्रीनिंग की गई।

8–12 अगस्त 2015 तक 2012–14 के पूर्व छात्रों द्वारा क्यूरेटेड प्रदर्शनी 'स्टूटर इन योर एलोकेन्स' आयोजित की गई।

'सुनो शेफाली' का पूर्वाभ्यास

डिजाइन स्कूल

एयूडी का डिजाइन स्कूल (एसडिज) अपनी संकल्पना में विशिष्ट है–भारत में यह पहली बार है कि डिजाइन शिक्षा को मानविकी एवं समाज विज्ञान में संस्थागत रूप से सन्निहित और संबद्ध किया गया है। डिजाइन की मुख्य विशेषताओं को सामाजिक स्तर पर जटिल समस्याओं, आवश्यकताओं एवं क्षेत्रों से जोड़ने की दृष्टि से स्कूल का मानविकी एवं समाज विज्ञान विश्वविद्यालय के भीतर अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है। वस्तु–केंद्रित डिजाइन को पुनः 'सामाजिक' पर केंद्रित कर, डिजाइन स्कूल नए परिणामों, सेवाओं, प्रणालियों, अंतराफलकों और दृश्य–विधानों के जरिए सुशिक्षित, संवेदनशील, सशक्त और संतुलित समुदायों के निर्माण का विचार रखता है। तेजी से बदलते, परस्पर गहरे तक जुड़े स्थानीय एवं वैश्विक भूदृश्य से मिली नानाविध चुनौतियों को सृजनात्मक ढंग से पूरा करने के लिए यह विन्यास डिजाइन शिक्षा एवं कार्यप्रणाली की पुनर्कल्पना का एक अवसर प्रदान करता है। वहीं, डिजाइन स्कूल डिजाइन के माध्यम से सामाजिक कार्यकलाप के जरिए समतामूलक, न्यायविहित एवं स्थायी समाज के निर्माण के एयूडी के अधिदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है।

स्कूल समस्त विश्व में डिजाइन शिक्षा एवं प्रणाली के भीतर प्रचलित विशेषताओं के प्रति प्रश्न पूछने, प्रचलित पाठ्यक्रम संरचनाओं एवं अध्यापन विधियों की पड़ताल करने और भारतीय संदर्भ में डिजाइन की एक बृहत्तर भूमिका एवं संभावना पर विचार करने का अवसर देता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली पर ध्यान देने के साथ–साथ स्कूल का लक्ष्य डिजाइन के छात्रों को नई सेवाओं, प्रणालियों, अंतराफलकों, उत्पादों और उद्यमों की संकल्पना की चुनौतियों को दूर करने हेतु तैयार करना है।

एसडिज की कल्पना डिजाइन शिक्षा को स्नातक स्तर से एम.फिल./पीएच.डी. स्तर तक पहुँचाने के लिए एक अभ्यास एवं शोध आधारित स्कूल के रूप में की जाती है। मौजूदा सामाजिक डिजाइन कार्यक्रम के अलावा स्कूल भविष्य में सेवा डिजाइन, डिजाइन समीक्षा, डिजाइन सिद्धांत, डिजाइन इतिहास और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम तथा उसके अनंतर स्नातक कार्यक्रम और अंततः एम.फिल./पीएच.डी कार्यक्रम प्रस्तुत करना चाहता है।

एमए सामाजिक डिजाइन

सामाजिक डिजाइन में एमए कार्यक्रम ढाई वर्षों का एक पूर्णकालिक गहन, अभ्यास एवं अनुप्रयोग उन्मुखी कार्यक्रम है, जिसके केंद्र में समाज है। भागीदारी एवं सह–सर्जना विधियों के माध्यम से समावेशन, पहुँच, समानता और अवसरों के गंभीर मुद्दों के सृजनात्मक ढंग से निदान हेतु इसमें अभिकल्प विधाओं की विशिष्ट विधियों, उपकरणों और पद्धतियों को समाज विज्ञान की विधियों, उपकरणों और पद्धतियों में सम्मिलित किया जाता है। समाज की गंभीर समस्याओं (समानता, पहुँच, सहभागिता, समावेशन एवं अवसर), जो समुदायों, संस्थाओं, संगठनों व राज्यों में सन्निहित हो सकती हैं, के निदान हेतु कार्यक्रम में आवश्यक उद्यमिता क्षमताओं एवं नेतृत्व गुण के साथ छात्रों को तैयार करने पर बल दिया जाता है।

उपलब्धियाँ/सम्मान/पुरस्कार

वेणुगोपाल मद्दिपति को पोस्ट–डॉक्टरेट फैलोशिप से फोरम ट्रांसरेजिनल स्टडीज़, आर्ट

हिस्ट्रीज़ एंड एस्थेटिक प्रैक्टिसेज, बर्लिन में सम्मानित किया गया। यह कुंस्थिस्टोरिस्कीस इंस्टीट्यूट, फ्लोरेंस की पहल का एक हिस्सा है।

परियोजना

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन एवं अबीर गुप्ता ने राष्ट्रीय संग्रहालय (सजावटी कला विभाग) के साथ एक वर्ष तक एनएम संग्रह के 80 ब्रोकेड के टुकड़ों का अनुसंधान, क्युरेशन एवं प्रदर्शन किया। 25 फरवरी से 25 अप्रैल 2016 तक राष्ट्रीय संग्रहालय में इनकी 'अटूट डोर/अनब्रोकन थ्रेड : बनारसी ब्रोकेड सारीज़ एट होम एंड इन द वर्ल्ड' के रूप में प्रदर्शनी भी लगाई।

प्रस्तुतियाँ

बालासुब्रमण्यन, एस. : दिसम्बर 2015 में सीईपीटी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित 'इनसाइड फ्यूचर–फ्यूचर इनसाइड : प्रैक्टिस, पैडागोजी एंड परसेप्शन ऑफ इंटीरियर डिजाइन' संगोष्ठी में "थ्री रीजन्स वाय इट इज टाइम टू रीथिंक डिजाइन पैडागोजी इन इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

भट्ट, जे. : मार्च 2016 में नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी, यूके के सहयोग से आयोजित 'कल्चर, हेरिटेज एंड सस्टेनबिलिटी' अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "थ्रेडिंग स्कैटर्ड बीड्स : क्राफ्ट्स, हेरिटेज एंड सस्टेनबिलिटी" पत्र प्रस्तुत किया। यह संगोष्ठी एनटीयू के साथ तीन वर्ष की सहयोगी अनुसंधान परियोजना का भाग थी।

चोपड़ा, डी. : अक्टूबर 2015 में 'हाऊ टू बिल्ड द सिटी इन ए कोआपरेटिव वे?' एम्स्टर्डम कार्यशाला में "कलेक्टिव इमेजिनेशन्स फॉर एवरीडे रिअलिटीज : सिटी बिल्डिंग थ्रू 'क्रेएटिव' कोऑपरेशन" पत्र प्रस्तुत किया। यह कार्यशाला 51वें आईएसओसीएआरपी (इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सिटी एंड रीजनल प्लानरस) इंटरनेशनल कांग्रेस : सिटीज सेव–द वर्ल्ड–लेट्स रेंवेंट प्लानिंग, रॉटरडैम, नीदरलैंड्स का भाग थी।

मद्दीपति, वी. : दिसम्बर 2015 में फ्लोरेंस में आयोजित 'केएचआई फ्लोरेंस, इकोलॉजीस, एस्थेटिक्स एंड हिस्ट्रीज ऑफ आर्ट' सम्मेलन में "अर्बनाइजिंग फिनिट्यूड : इको–एस्थेटिक्स, आर्किटेक्चर, डेंसिटी, डेथ एंड द पॉसिबिलिलाइजेशन ऑफ न्यू मटेरियल लाइव्स (इंडिया, सिरका 1975–2011)" पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान/उपलब्धियाँ

बालासुब्रमण्यन, सुचित्रा : 18 नवम्बर 2016 को साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में 'इमैजिनिंग द इंडियन नेशन : द डिजाइन ऑफ गांधीज़ डांडी मार्च एंड नेहरूज़ रिपब्लिक डे परेड' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. सोसाइटी एंड कल्चर इन साउथ एशिया में 'द मिथ, द प्रोप, द डांस–कनेक्टिंग द ट्रेडिशन थ्रू बॉडी' निबंध की समीक्षा प्रस्तुत की।

——. डिजाइन हिस्ट्री, लंदन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस में 'कॉन्जुमिंग द ओरिएंट इन लेट नाइनटींथ–सेंचुरी ब्रिटेन : पर्शियन कार्पेट एंड द साउथ केंसिंगटों म्यूजियम' एवं 'क्राफ्टिंग कम्युनिटी : जॉर्ज नकाशिम एंड मॉडर्न डिजाइन इन इंडिया' निबंधों की समीक्षा प्रस्तुत की।

गुप्ता, अबीर : 30–31 जुलाई तथा 1 अगस्त 2015 को हैरिंगटन स्ट्रीट आर्ट्स सेंटर, कोलकाता में 'टीचिंग हिस्ट्री कांफ्रेंस' एवं 'कंटेम्परारी हिस्ट्री एंड द क्लासरूम' विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की।

निर्णायकों के समक्ष डिजाइन स्कूल के छात्र

विकास अध्ययन स्कूल

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के विकास अध्ययन स्कूल (एसडीएस) का उद्देश्य समाजशास्त्र, मानव शास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र जैसे अनुशासनों के आधार पर अंतर्विषयक पद्धतियों के जरिए समाज विज्ञान की शिक्षा एवं शोध की व्यवस्था को सशक्त करना है। विश्वविद्यालय की विस्तृत, बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहन की समग्र संकल्पना से स्कूल का विशेष संबंध है, जिसका समाज की आवश्यकताओं से गहरा संबंध है। यह इस समझ के अनुरूप चलता है कि विकास सिद्धांत, विकास के अनुभव, अस्मिता एवं भेदभाव के सरोकारों, पर्यावरण के सरोकारों और विकास प्रबंध के अन्य स्वरूपों का, वर्तमान के संदर्भ में, संचालन एक अंतर्विषयक पद्धति से अधिक प्रभावशील ढंग से किया जा सकता है। स्कूल का लक्ष्य संकटग्रस्त, उपेक्षित और वंचित समूहों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक मुद्दों, क्रियाकलापों और यथार्थताओं के क्षेत्र में नवोन्मेशी एवं उच्च शोध को प्रोत्साहन देना है। अपने एमए कार्यक्रम के जरिए शिक्षक वर्ग के माध्यम से और शिक्षा जगत तथा व्यवहार जगत के विशेषज्ञों की सलाह के अनुरूप यह 2009 से विकास की अंतर्विषयक पद्धतियों की शिक्षा प्रणाली के सृजन में रत है। इसके पाठ्यक्रम सैद्धांतिक एवं वैचारिक संकल्पनात्मक ज्ञान को वास्तविक क्षेत्र–आधारित शिक्षा से जोड़ते हैं, जिसमें स्नातकोत्तर स्तरों पर शोध केंद्रित शोध–निबंध लेखन पर विशेष बल दिया जाता है। यह अंतर्विषयक दृष्टिकोण को केंद्र में रखते हुए छात्रों को विशेष अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर अधिक ध्यान देने की भी अनुमति प्रदान करता है। साथ ही अगर वे चाहते हैं तो उन्हें अन्य शिक्षण योजनाओं से भी अवगत कराता है।

अनुसंधान परियोजनाएं

दामोदरन, सुमंगला : इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एवं टाटा ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित श्रमिक परियोजना के एक भाग के रूप में 'माइग्रेशन एंड लाइवलीहुड्स इन द सिटी ऑफ डेल्ही'। (10 लाख रु., दो वर्ष : जारी)

——. मेलॉन फाउंडेशन एवं केप टाउन यूनिवर्सिटी के सहयोग द्वारा वित्त पोषित 'री–सेंटरिंग अफ्रो–एशिया थ्रू एंड आर्क ऑफ लमेंट'। (यूएस 2.3 लाख डॉलर : जारी)

——. अमृता पांडे, समाजशास्त्र विभाग, केप टाउन यूनिवर्सिटी के साथ सहयोगी अनुसंधान परियोजना। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, साउथ अफ्रीका एवं आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित। (6 लाख रु., एक वर्ष : जारी)

प्रस्तुतियाँ

दामोदरन, सुमंगला : नवम्बर 2015 में यूएन वीमेन एवं जेंडर पार्क, केरल, तिरुवनंतपुरम द्वारा आयोजित 'जेंडर इक्वलिटी' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "जेंडर एंड कलेक्टिव एक्शन" पत्र प्रस्तुत किया।

धर, आई : अप्रैल 2015 में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी ने यूएन वीमेन, दिल्ली के सहयोग द्वारा आयोजित 'जेंडर, कंफ्लिक्ट एंड सिक्यूरिटी : पर्सपेक्टिव फ्रॉम साउथ एशिया' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "जेंडर एंड कंफ्लिक्ट प्रिवेंशन : एक्टिविज्म ऑफ वीमन्स पीस ब्रिगेड (महिला शांति सेना) इन इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

——. अक्टूबर 2015 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन, वाराणसी के आपसी सहयोग द्वारा आयोजित 'री–इंवेंटिंग पॉलिटिक्स इन इंडिया' राष्ट्रीय सम्मेलन में "जेंडर वायलेंस एंड पब्लिक प्रोटेस्ट : द न्यू फेस ऑफ इंडियन एक्टिविज्म" पत्र प्रस्तुत किया।

——. जनवरी 2016 में केआर कामा ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट, मुम्बई द्वारा आयोजित 'टेक्सटाइल्स, कलेक्शन्स, कम्यूनिटीज, कल्चर एंड ट्रेड' अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "द सोशल सिग्नीफिकेन्स ऑफ काजैनसेमधारा : पर्सपेक्टिव्स ऑन द कॉस्ट्यूम्स ऑफ द खासी कम्युनिटी" पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) के सामुदायिक ज्ञान केंद्र तथा पूर्वोत्तर मंच (नॉर्थ ईस्ट फोरम) एवं इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चर हेरिटेज, शिलांग के आपसी सहयोग द्वारा आयोजित 'ओरल ट्रेडिशन्स : कॉन्टीनुइटी एंड ट्रांस्फोर्मेशन्स, नार्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "काजैनसेमधारा : वीविंग बॉर्डर्स एंड कल्चर्स" पत्र प्रस्तुत किया।

नायक, एन. : सितम्बर 2015 में इंटरनेशनल इनीशिएटिव फॉर द प्रमोशन ऑफ पॉलिटिकल इकॉनमी (आईआईपीपीई), लीड्स यूनिवर्सिटी, यूके द्वारा आयोजित छठे वार्षिक सम्मेलन 'पॉलिटिकल इकॉनमी' में "एग्रेरियन रेजिस्टेंस थ्रू ए टेक्स्ट ऑफ लॉ : रेफ्लेक्शन्स ऑन द नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट, इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

सेनगुप्ता, ए. : नवम्बर 2015 में इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'द इकनोमिक सोशियोलॉजी कांफ्रेंस, ट्रस्ट इन ट्रांसैक्शन्स' सम्मेलन में "कमोडिटीजेशन ऑफ ट्रस्ट मीडिएशन एंड डेवलपमेंट ऑफ न्यू बिजनेस रिलेशनशिप्स" पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

धर, आइ : 16 मार्च 2016 को विकास अध्ययन स्कूल के एमए विद्यार्थियों के लिए भारतीय विकास पाठ्यक्रम गतिविधि 'फोटो एस्से एग्जिबिशन' आयोजित की गई।

दामोदरन, सुमंगला : नवम्बर 2015 में एशिया फ्लोर वेज कोलिशन द्वारा आयोजित 'ग्लोबल वैल्यू चेन्स एंड चैलेंजेज फॉर लेबर' पैनल परिचर्चा में चर्चा की।

——. दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस महाविद्यालय में 'जेंडर एंड इंफॉर्मलाइजेशन इन इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

सेठ, अश्विनी, प्रोफेसर एमेरिटस, हेग के इंस्टीट्यूट फॉर सोशल स्टडीस से : एसडीएस में एक अतिथि प्राध्यापक के रूप में पाठ्यक्रम के दौरान विशेष व्याख्यान 'फ्रॉम बुक टू फिल्ड : लर्निंग फ्रॉम द विलेज एंड सोशल एक्सक्लूशन; पॉवर्टी बाई एनअदर नेम?' प्रस्तुत किया। प्रोफेसर सेठ ने एसडीएस के पीएच. डी. कार्यक्रम में परामर्शदाता के रूप में कार्य किया। साथ ही एसडीएस के सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम 'री–सर्चिंग डेल्ही' के प्रस्ताव में सहयोग भी दिया। यह अनुसंधान विश्वविद्यालय में प्रस्तुत हो चुका है।

18 अप्रैल 2015 को गेब्रियल दत्तात्रेयन के सेमिनार एवं क्राई आउट लाउड डाक्यूमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग की गई।

नियमित संगोष्ठी श्रृंखला के अन्तर्गत निम्नलिखित व्याख्यान सम्मिलित थे–

- आचार्य, संगमित्रा, प्रोफेसर, आईआईडीएस एवं जेएनयू : 9 फरवरी 2016 को 'हेल्थ कंसर्न्स ऑफ वीमेन एंड चिल्ड्रन इन स्लम्स ऑफ डेल्ही ऑन लोकेटिंग द स्वच्छ भारत' व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- कैबेलियन, जॉइल, टूर्स यूनिवर्सिटी, फ्रांस : 12 जनवरी 2016 को 'डिसप्लेसिंग एंड रिलोकेटिंग (पैजंट) सोशल डिस्पोसिशन्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- क्युलेट, फिलिप : 16 सितम्बर 2015 को 'द राइट टू फ्री वॉटर : ए लॉजिकल स्टेप फॉरवर्ड' व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- कुमार, जितेन्द्र : 3 नवम्बर 2015 को 'मीडिया, कास्ट एंड रिप्रजेंटेशन' व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- मेनन, कृष्णा, लेडी श्री राम कॉलेज : फरवरी 2016 को 'द नेशन एंड इट्स म्यूजिक : सम क्वेश्चन्स ऑफ कास्ट एंड जेंडर इन द क्लासिकल परफार्मिंग आर्ट्स ऑफ साउथ इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- रावल, विकास : 13 अक्टूबर 2015 को 'नियोलिबरलिस्म एंड इकनोमिक डिस्पैरिटीज़ इन रूरल इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- रॉय, बिजोय, सीडब्लूडीएस : 15 मार्च 2016 को 'कॉमर्सिलाइजेशन ऑफ हेल्थकेयर इन इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- संपत, प्रीति : 22 सितम्बर 2015 को 'द कंट्राडिक्शन्स विदइन : स्टेट डेरिज़िस्म, लिबरलिस्म एंड पीजेंट एसर्शन्स ओवर लैंड एक्वीजेशन' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सामूहिक परिचर्चा

शैक्षिक अध्ययन स्कूल

एसईएस की स्थापना एक विधा एवं प्रणाली के रूप में शिक्षा की विभिन्न चुनौतियों को समझने, उनका विश्लेषण व उन्हें दूर करने के ध्येय से की गई थी। अधिकृत शोध व अभ्यास के माध्यम से शिक्षा को उसके ऐतिहासिक एवं समकालीन संदर्भों में समझने के लिए इसके अध्ययनकर्त्ताओं और इस दिशा में प्रयासरत विद्वानों के एक समुदाय के रूप में विकसित होने की अपेक्षा की जाती है। स्कूल का लक्ष्य अपनी विभिन्न अवस्थितियों में शिक्षा के सिद्धांत और अभ्यास के बीच के अंतर को दूर करना है, इस हेतु यह एक सामाजिक अभिप्राय के रूप में शिक्षा के अध्ययन एवं व्यवसायिक शिक्षकों की तैयारी के बीच बृहत्तर योजना स्थल के विकास का प्रयास करता है। शिक्षक शिक्षा, अध्यापन, पाठ्यक्रम, नीति, योजना और प्रशासन के अतिरिक्त विश्लेषण व शोध के लिए यह एक परिशुद्ध अभ्यास आधारित सैद्धांतिक परिदृश्य के विकास के प्रति कार्य करता है। एसईएस के उद्देश्य इस प्रकार है–

- समाज, संस्कृति और राजनीतिक व्यवस्था के व्यापक संदर्भों, संरचनाओं तथा प्रक्रियाओं के अंतर्गत घटना एवं ज्ञान के क्षेत्रों के रूप में शिक्षा की स्थिति जानना।
- कई सैद्धांतिक दृष्टिकोणों के माध्यम से शिक्षा क्षेत्रों के साथ अनुबद्धता और ज्ञान क्षेत्र संरचना के प्रकारों को तलाशना; एवं
- सार्वजनिक प्रणाली के साथ शिक्षा तंत्र के निरंतर संबंधों का विकास करना तथा शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण और रचनात्मक हस्तक्षेप बनाने के लिए शिक्षकों को अभ्यास करवाना।

अपनी संकल्पना के अनुरूप एसईएस ने वर्ष 2012 में अपना पहला कार्यक्रम, एमए शिक्षा शुरू किया। प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी) के सहयोग से स्कूल ने 2014 में एमए शिक्षा (प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा) कार्यक्रम की शुरुआत की। निकट भविष्य में यह शिक्षा में एम.फिल./पीएच.डी., पूर्व–सेवा (प्री–सर्विस) अध्यापक शिक्षा और सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करना चाहता है।

एमए शिक्षाशास्त्र

एमए शिक्षाशास्त्र कार्यक्रम शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि के उदार और पेशेवर दोनों पहलुओं को केंद्र में रखता है। आधारित क्षेत्रों और विभिन्न सैद्धांतिक परिदृश्यों तथा वाद–विवादों के अतिरिक्त, छात्र कार्यक्रम संरचना में एसईएस के भीतर और बाहर अपनी रुचि के अनुरूप क्षेत्रों और दिशाओं में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। इस कार्यक्रम की खास विशेषता शिक्षा के उन स्थलों से इसका संबंध है, जो स्कूली और गैर–स्कूली दोनों हैं। इस संरचनाबद्ध क्षेत्र को विभिन्न शिक्षक शिक्षा नीति मंचों द्वारा न सिर्फ स्वीकृत किया गया, बल्कि इसकी सराहना भी की गयी। एसईएस के एमए शिक्षा कार्यक्रम में अगस्त 2015 में चौथे अकादमिक सत्र की शुरुआत हुई जबकि इसके तीसरा अकादमिक सत्र वर्ष 2016 में समाप्त हुआ।

एमए शिक्षाशास्त्र : प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा (ईसीसीई)

दो वर्षों का एमए शिक्षा (ईसीसीई) कार्यक्रम अद्वितीय है। साथ ही इसे पूरे भारत में बहुत कम संस्थानों में पढ़ाया जाता है। यह राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल संरक्षण तथा शिक्षा नीति, 2013 के साथ कार्यान्वित है। इससे इस क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षित व्यवसायिकों की बृहत्तर संख्या प्राप्त होगी, जो पूरे देश में ईसीसीई से संबंधित कार्य सफलतापूर्वक कर सकेंगे। यह कार्यक्रम बहुविध विषयों—बाल विकास, समाजशास्त्र, इतिहास, मनोविश्लेशी संरचना, मानव विज्ञान, गंभीर अध्यापन और प्रबंधन—का उपयोग करते हुए प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा का गहरा ज्ञान प्रदान करता है। कार्यक्रम में छात्र विभिन्न व्यावसायिक दिशाओं का चयन कर सकते हैं जैसे—शिक्षक शिक्षा, शोध, पाठ्यक्रम विकास व सामाजिक उद्यमिता। कार्यक्रम का लक्ष्य ईसीसीई के क्षेत्र में पाठ्यक्रम निर्माताओं, सामाजिक उद्यमियों और शिक्षक अध्यापकों की बढ़ती मांग को पूरा करना है। एमए शिक्षाशास्त्र (प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा) का प्रथम अध्ययन सत्र वर्ष 2014 में प्रारंभ हुआ।

उपलब्धियाँ / सम्मान

अखा कहीरी माओ ने सितम्बर—अक्टूबर 2015 में संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य विभाग द्वारा प्रायोजित तथा फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी एवं सांता फे कॉलेज, फ्लोरिडा, यूएसए द्वारा आयोजित कम्युनिटी कॉलेज एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोग्राम (सीसीएपी) पर 40 दिनों की कार्यशाला में भाग लिया।

देविका शर्मा एवं मानसी थपलियाल जून 2015 में सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट—इंडिक स्टडीज, भोपाल, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 'टुवर्ड्स कॉन्सेप्चुअलिजेशन ऑफ सेंटर फॉर अल्टरनेटिव एजुकेशन' राष्ट्रीय परामर्शदाता कार्यशाला की सदस्य थीं।

मनीश जैन अप्रैल 2015 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'वॉइस ऑफ टीचर्स एंड टीचर एजुकेटर्स' के अतिथि संपादक थे।

मनीश जैन को मई—जून 2015 में जॉर्ज एकेर्ट इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल टेक्स्टबुक रीसर्च (जीईआई) में 'इनोवेटिव मेथोडोलोजिकल एप्रोचेस इन इंटरनेशनल टेक्स्टबुक रीसर्च' के लिए ओटो बेन्नेमन फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

मनीश जैन 2015—16 में शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार द्वारा पाठ्यक्रम न्यूनीकरण के लिए बनी कोर कमेटी एवं सामाजिक विज्ञान उप—समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत हुए।

दिसम्बर 2015 में वनिता कौल को विश्व बैंक द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त समीक्षा मिशन के लिए आमंत्रित किया गया। साथ ही उन्होंने राज्य रिपोर्ट एवं राष्ट्रीय सहायता ज्ञापन में भी अपना योगदान दिया।

मार्च 2016 में वनिता कौल को 'इंवेस्टिंग इन यंग चिल्ड्रन फॉर पीसफुल सोसाइटीज : इंडिविजुअल एंड स्ट्रक्चरल ट्रांसफार्मेशन इन जॉर्डन' अतंरराष्ट्रीय कार्यशाला के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिसिंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, वॉशिंगटन द्वारा गठित आईवायसीजी ग्रुप के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

वनिता कौल को फरवरी 2016 में प्रारंभिक बाल एसोसिएशन, भारत द्वारा प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

वनिता कौल एवं अखा कहीरी माओ को 2015 में राज्य सहलाकार परिषद के सदस्यों के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा नियुक्त किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

डे, एम. : 'टेक्निकल एसिस्टेंस ऑन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन, यूएनआईसीईएफ', पश्चिम बंगाल, 2015।

जैन, एम. : 'प्राइवेटाइजेशन ऑफ स्कूल इन विलेज्स अक्रॉस थ्री स्टेट्स (इन इंडिया)', 2015–16 (जारी)।

प्रस्तुतियाँ

जैन, एम. : अप्रैल 2015 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'ट्रांसफॉरमिंग पेडागॉजी इन इंडिया' राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हाऊ फार शुड एजुकेशनल प्रोसेस बी डारेक्टेड एंड सपोर्टेड वाय द गर्वमेंट?" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मई 2015 में ट्रांसनेशनल रिसर्च ग्रुप (टीआरजी), सेंटर फॉर मॉडर्न इंडियन स्टडीज (सीएमआईएस), गौटिंगेन यूनिवर्सिटी, जर्मनी में "कैरक्टर्स, सिटीजनशिप एंड सिविक्स इन लेट कोलोनियल इंडिया (1918–1947)" पत्र प्रस्तुत किया।

——. जून 2015 में जॉर्ज एकर्ट इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल टेक्स्टबुक रिसर्च (जीईआई), ब्रौंस्चवैग, जर्मनी में "द न्यू सब्जेक्ट(स) : सिविक्स एंड द 'सिटीजन' इन कोलोनियल इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

——. अगस्त 2015 में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (एनयूईपीए), नई दिल्ली में आयोजित 'क्वालिटेटिव रिसर्च मेथड्स इन एजुकेशन' कार्यशाला में "रीडिंग कोलोनिअलिस्म, सिटीजनशिप एंड टेक्स्टबुक्स एंड कंपेयरिंग एंड रीडिंग अदर सोसाइटी थ्रू टेक्स्टबुक्स" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में विश्वविद्यालय प्रशासन, नई दिल्ली में विश्वविद्यालय अधिकारियों के लिए आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में एयूडी, दिल्ली में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी (बोथेल) से आए छात्र–संकाय प्रतिनिधि मंडल के समक्ष "जेंडर्ड स्पेसेस एंड टेक्स्ट्स" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में "एजुकेटिंग द गर्ल चाइल्ड : ए फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव ऑन द राइट टू एजुकेशन एंड जेंडर इक्वलिटी" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

माओ, ए. के. : फरवरी 2016 में एयूडी के सामुदायिक ज्ञान केंद्र (सीसीके) एवं इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चर हेरिटेज (आईएनटीएसीएच), शिलांग, मेघालय, भारत द्वारा आयोजित 'ओरल ट्रेडिशन्स : कॉन्टीनुइटी एंड ट्रांस्फोर्मेशन्स, नार्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "लाइजु कोखु (क्लाइम्बिंग द लाइजु पीक) : सोशल एंड कल्चरल सिग्नीफिकेन्स अमंग द माओ–नागास" पत्र प्रस्तुत किया।

शर्मा, जी. : नवम्बर 2015 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'कॉन्टेस्टेड साइट्स : द कंस्ट्रक्शन ऑफ चाइल्डहुड इंटरनेशनल कांफ्रेस' सम्मेलन में "चाइल्डहुड एंड बायोपॉलिटिक्स" पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में आयोजित 'राइट्स बेस्ड एप्रोच टू एजुकेशन–पॉलिसीस, प्रेमिसेस एंड प्रैक्टिसेज' तीसरी राष्ट्रीय नीति संगोष्ठी में "राइट टू एजुकेशन एंड द प्रोपोज्ड नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन" पत्र प्रस्तुत किया।

थपलियाल, एम. : अक्टूबर 2015 में एएनएचएडी, दिल्ली द्वारा आयोजित 'चैलेंजेज बिफोर वीमन इन कंटेम्परारी इंडिया' राष्ट्रीय सम्मेलन में "वीमन्स पार्टिसिपेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

डे, मोनीमलिका : 'ग्लोबल एजुकेशन रिव्यु' पत्रिका की समीक्षक।

जैन, मनीश : एमुना सनी द्वारा लिखित पत्र 'स्प्राउट : ए सोशल जियोग्रफी ऑफ राजस्थान' की समीक्षा, शिक्षा विमर्श, 2015।

——. मार्च 2016 में एयूडी, दिल्ली में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी (बोथेल) से आए छात्र–संकाय प्रतिनिधि मंडल के समक्ष "जेंडरड स्पेसेस एंड टेक्स्ट्स" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में "एजुकेटिंग द गर्ल चाइल्ड : ए फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव ऑन द राइट टू एजुकेशन एंड जेंडर इक्वलिटी" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कौल, वनिता : अक्टूबर 2015 में अक्षरा फाउंडेशन, बैंगलोर में 'अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इन आंगनबाड़ीस : पार्टनरशिप एंड ॲपार्चुनिटीज' मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. अक्टूबर 2015 में एसएनडीटी विश्वविद्यालय, मुम्बई में 'इनोवेशन इन अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन' मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शर्मा, गुंजन : भुला भद्रा द्वारा संपादित 'सोशियोलॉजी ऑफ चाइल्डहुड एंड यूथ' की समीक्षा, टीचर सपोर्ट, 2015।

——. जॉन फॉर्लान्ग द्वारा ' एजुकेशन – एन एनाटोमी ऑफ द डिसिप्लिन : रेस्क्यूइंग द यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट?' की समीक्षा, इंडियन जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन, 2015।

——. सितम्बर 2015 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2015–16 पर शिक्षा विचार–विमर्श मंच, भारत के सहयोग से परामर्शदात्री बैठक आयोजित की।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

स्कूल ने छात्रों को शिक्षित करने के लिए कई प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया। जैसे–परिचर्चाएं एवं कार्यशालाएं आयोजित की, साथ ही कई अतिथि वक्ताओं को भी व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया।

आशेर, नीना, मिनेसोटा यूनिवर्सिटी, मिनियापोलिस, यूएसए : एयूडी में 9 अप्रैल 2015 को 'टू बी वैरी फ्रैंक, आई एम ए प्रोडक्ट ऑफ दीज्स टाइम्स, आई एम ट्रेंड टू बी एन ऑप्पुरटुनिस्ट : आइडेन्टिटीज, कल्चर्स, एंड एजुकेशन इन एन इकोनोमिकली लिबरलाइसड, पोस्टकोलोनिअल इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

क्रिस्टोफ, बारबरा, जॉर्ज एकर्ट इंस्टीट्यूट फॉर इंटरने ानल टेक्स्टबुक रीसर्च, ब्रौंस्चवेग, जर्मनी : एयूडी में 5 अगस्त 2015 को 'टीचिंग द कोल्ड वॉर : मेमोरी प्रैक्टिसेज इन द क्लासरूम' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

गुलाटी, निधि, इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय : 19 अगस्त 2015 को एयूडी में 'इंटेरोगेटिंग द फिगर ऑफ चाइड–एस–ऑर्फन इन पॉपुलर हिन्दी सिनेमा' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जॉनसन, रिचर्ड, प्रोफेसर : एसईएस के साथ एसयूएस ने स्वागत किया।

कुमार, अश्विनी, माउंट सेंट व्हिन्सेंट यूनिवर्सिटी, हैलिफैक्स, कनाडा : 16 मार्च 2016 को एयूडी में 'होलिस्टिक एजुकेशन हैज नथिंग टू डू विद सो कॉल्ड रिलीजियस एजुकेशन' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मर्लिन, आतिशी, सलाहकार, राष्ट्रीय क्षेत्र दिल्ली सरकार : 16 मार्च 2016 को एयूडी में 'एजुकेशनल पॉलिसीस ऑफ द गर्वमेंट ऑफ डेल्ही' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

नागपाल, शीतल : पाठ्यक्रम संचालन हेतु इक्विटी स्टडीज सेंटर के साथ समन्वित, स्व–विकसित।

नमला, एनी, कार्यकारी निदेशक, सोशल इक्विटी एंड इंक्लूसिव सेंटर : 10 फरवरी 2016 को एयूडी में 'प्रोमोटिंग जेंडर एंड सोशल इंक्लूसन एज राइट्स इन एजुकेशन' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सिंह, अभिमन्यु, पूर्व निदेशक, यूनेस्को, बीजिंग : 30 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'एजुकेशन फॉर ऑल : ए कंपरिजन बिटवीन चाइना एंड इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

टिर्ननी, विलियम, फुलब्राइट फैलो एवं प्रोफेसर, साउथ कैरोलिना यूनिवर्सिटी, यूएसए : 9 मार्च 2016 को एयूडी में 'अंडरस्टैंडिंग द इम्पोर्टेंस ऑफ सोशल कैपिटल इन इनेबलिंग एजुकेशनल इक्विटी' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

तस्चुरेनेव, जन, ट्रांसनेशनल रिसर्च ग्रुप (प्रॉवर्टी एंड एजुकेशन), गौटिंगेन यूनिवर्सिटी, जर्मनी : 4 नवम्बर 2015 को एयूडी में 'इम्पीरिअल एक्सपेरिमेंट्स इन एजुकेशन : द बिगिनिंग्स ऑफ मोनिटॉरिअल स्कूलिंग इन इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, बोथेल के छात्र एवं संकाय सदस्यों के सहयोग से 18 मार्च 2016 को "जेंडर्ड स्पेसेस एंड टेक्स्ट्स" कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ईसीसीई द्वारा हेल्थ एंड न्यूट्रिशन एवं मेथड्स एंड मैटेरियल्स पर आयोजित एवं संगठित कार्यशालाएं। साथ ही क्रमशः कहानी–चर्चा दीक्षा कपूर, सावित्री सिंह एवं विनीता जुत्शी द्वारा की गईं।

क्षेत्र–यात्राएं

दो संकाय–सदस्यों के साथ एमए (ईसीसीई), द्वितीय वर्ष के 15 विद्यार्थियों ने टिलोनिया के बेयरफुट महाविद्यालय का दौरा किया। साथ ही वे 20–22 दिसम्बर 2015 को किशनगढ़, राजस्थान के प्रारंभिक साक्षरता संवर्धन संगठन (ओईएलपी) भी गए। जहाँ छात्रों को संगठन की विभिन्न प्रक्रियाओं एवं प्रणालिओं को समझने का मौका मिला। इससे वे ओईएलपी द्वारा सरकारी विद्यालयों की कक्षा 1 एवं 2 के लिए संचालित प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम से अवगत हुए।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के अंतर्गत एमए शिक्षा एवं एमए शिक्षा (ईसीसीई) के विद्यार्थियों को तीन सप्ताह के ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए, प्रथम दिल्ली में भेजा गया। इस अवधि के दौरान छात्रों ने घरेलू सर्वेक्षण किया। साथ ही 6 से 14 वर्ष की उम्र के बच्चों के लिए एक उपलब्धि परीक्षा भी आयोजित की। इनके अलावा ईसीसीई विद्यार्थियों ने बच्चों के साथ केंद्रित (फोकस) समूह चर्चा भी की। सभी छात्रों को एक रपट प्रस्तुत करनी आवश्यक थी तथा कक्षा प्रस्तुतीकरण के अन्तर्गत अपने अनुभवों और दुविधाओं को साझा करना था।

कार्यक्षेत्र अनुभव प्रदान देने के लिए एमए शिक्षा कार्यक्रम के विद्यार्थियों को 12 से 16 अक्टूबर 2015 तक दिल्ली से बाहर के स्थलों पर भेजा गया। जहाँ एक सप्ताह तक उन्हें तीन गैर–सरकारी संगठनों द्वारा संचालित संस्थायें–दिगंतर (जयपुर), अधारशिला (मोरेना) एवं सिरोही में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे विद्यालय, का निरीक्षण करना था। पहले जहाँ छात्रों को दिल्ली के विद्यालयों में भेजा जाता था, वहीं इसके विपरीत इस अनुभव ने उन्हें गैर–सरकारी संगठनों द्वारा संचालित विद्यालयों के संचालन को देखने और समझने का मौका प्रदान किया। यह बदलाव इस विचार से किया गया था कि इससे विद्यार्थियों को विद्यालय–संचालन के साथ–साथ बाहरी विद्यालयों की चुनौतियों एवं परिस्थितियों का भी बेहतरीन ज्ञान प्राप्त होगा। इस विद्यालय कार्यक्षेत्र–अध्ययन के दौरान विद्यालय–पारिस्थितिकी से संबंधित चार विषयों–कक्षाओं की अंतःक्रिया एवं अध्यापन प्रक्रिया और आरटीई संबंधित नीतियों तथा शिक्षककार्य के क्रियान्वयन, पर छात्रों का ध्यान केंद्रित था।

फरवरी–अप्रैल 2015 में द्वितीय सत्र के दौरान विद्यार्थियों को आठ दिनों के लिए दो प्रारंभिक बाल शिक्षा केंद्रों–जामिया नर्सरी विद्यालय एवं आईआईटी नर्सरी विद्यालय में भेजा गया।

अक्टूबर 2015 में तृतीय सत्र के दौरान विद्यार्थियों को एक सप्ताह के लिए चार विद्यालयों–हरिटेज विद्यालय (गुड़गांव), शिक्षांतर विद्यालय (गुड़गांव), सेंटा मारिया (बसंत कुंज) एवं आईआईटी नर्सरी विद्यालय (हौज खास) में भेजा गया।

सितम्बर–नवम्बर 2015 में प्रथम सत्र के दौरान विद्यार्थियों को चार अलग–अलग प्रकार के प्रारंभिक बाल शिक्षा केंद्रों–आईआईटी नर्सरी विद्यालय (हौज खास), प्रथम बालबाड़ी (त्रिलोक पुरी), शिक्षांतर विद्यालय (गुड़गांव) एवं आरएके बाल अध्ययन केंद्र, लेडी इरविन कॉलेज (मंडी हाउस) का दौरा करने का मौका दिया गया।

कौशल सीखते हुए शिक्षा अध्ययन स्कूल के छात्र

मानव पारिस्थितिकी स्कूल

मानव पारिस्थितिकी स्कूल (एसएचई) एयूडी के सबसे पुराने स्कूलों में से एक है। इसकी शुरुआत पारिस्थितिकी एवं समाज के अंतराफलक मुद्दों पर कार्य करने के उद्देश्य से हुई थी। स्कूल का लक्ष्य सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों के परिदृश्यों से युक्त पर्यावरण सरोकारों के एक गहरे एवं बहुआयामी ज्ञान का विकास करना है। यह उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण एवं शोध को बढ़ावा देता है, जो सामाजिक न्याय के लिए सिद्धांत को प्रयोगों के अलावा स्थिरता संबंधित गहरे मुद्दों से जोड़ता है। स्कूल मानव समाज के आपसी सरोकारों और ग्लोबल साउथ के अनुभवों में निहित परिदृश्यों के साथ–साथ जैवभौतिक पर्यावरण के अंतर्विशयक शिक्षण, शिक्षा एवं शोध को बढ़ावा देता है।

पर्यावरण एवं विकास में एमए (एमएईडी) तथा मानव पारिस्थितिकी में पीएच.डी. कार्यक्रम एसएचई के प्रमुख कार्यक्रम हैं। ये अपने विन्यास एवं क्षेत्र में भारत के विशिष्ट कार्यक्रम हैं। ये कार्यक्रम इस संकल्पना से प्रेरित हैं कि सामाजिक–राजनीतिक एवं जैवभौतिकी कारकों के एक–दूसरे पर जटिल प्रभाव के फलस्वरूप वायुमंडल में प्रदूषण, संसाधनों में कमी और पर्यावरण प्रणालियों तथा जैव–विविधता के समक्ष संकट जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सके।

सामाजिक समता, अकादमिक पकड़ और पारिस्थितिकी के संतुलन को ध्यान में रखते हुए, स्कूल अपने छात्रों से पर्यावरण सरोकारों का विश्लेषण तथा समाधान करने संबंधी ज्ञान एवं कौशलों के साथ स्नातक होने की अपेक्षा रखता है। एसएचई के अध्यापन की अनूठी विशेषताओं में क्षेत्र आधारित शिक्षा, छात्रों को व्यक्तिगत परामर्श एवं पाठ्यक्रम के विशेषज्ञों की सलाह तथा विद्यार्थियों के मत पर आधारित नियमित मूल्यांकन पर बल दिया जाना शामिल हैं।

उपलब्धियाँ / सम्मान

अस्मिता काबरा ने नवम्बर 2015 में विश्व बैंक की पर्यावरण एवं सामाजिक सुरक्षा नीतियों की समीक्षा करने तथा उन्हें सामयिक बनाने हेतु तीसरे चरण के परामर्श में भाग लिया।

अस्मिता काबरा को दिसम्बर 2015 में टीआईएसएस के प्रस्तावित नए एमए कार्यक्रम पर्यावरण, पारिस्थितिकी, समाज एवं विकास (विशेषतः पश्चिमी घाट पर केंद्रित) के संचालन समूह में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया।

पुलक दास को सितम्बर 2015 में इग्नू, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) प्रणाली से एमएससी पर्यावरण विज्ञान की कार्यक्रम डिजाइन समिति के विशेषज्ञ पैनल समूह के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया।

रोहित नेगी को एमएचआरडी कार्यक्रम ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन अकादमी नेटवर्क (जीआईएएन) के लिए विश्वविद्यालय समन्वयक के रूप में मनोनीत किया गया।

रोहित नेगी को अफ्रीका में एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज की संचालन समिति में आमंत्रित किया गया।

सुरेश बाबू को पारिस्थितिकी अर्थशास्त्र की भारतीय संस्था के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

शोध परियोजनाएं

बाबू, सुरेश, प्रधान अन्वेषक : 'इकोलॉजिकल रिस्टोरेशन ऑफ डिग्रडेड लैंडस्केप इन बोलानी आइरन ओर माइन्स एरिया ऑफ एसएआईएल : ए मॉडल फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट, बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन एंड सीओ2 मिटिगेशन स्ट्रेटीजी', स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित (रु. 75 लाख, 3 वर्ष : जारी)।

बाबू, सुरेश, मुख्य विशेषज्ञ, रोहित नेगी एवं अस्मिता काबरा : 'ई–क्वाल : एनहैंसिंग अंडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया' (ब्रिटिश काउंसिल के साथ एक अंतर–विश्वविद्यालय सहयोगी परियोजना), यूरोपियन यूनियन द्वारा वित्त पोषित (रु. 132.6 लाख, 4 वर्ष : जारी)।

बाबू, सुरेश : शहरी पारिस्थितिकी स्थिरता केंद्र के लिए शुरुआती अनुदान। एयूडी द्वारा वित्तपोषित (रु. 12.5 लाख, जारी)।

देवी, ओइनम हेमलता, प्रधान अन्वेषक : 'कल्चर एंड इकोलॉजी ऑफ सैक्रेड ग्रूव्ज एंड टेंपल्स इन मणिपुर', आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित (रु. 4 लाख, फरवरी 2016 तक विस्तारित)।

सिंह, प्रवीण, प्रधान अन्वेषक, रोहित नेगी, अस्मिता काबरा, ओइनम हेमलता देवी एवं पुलक दास : 'मैपिंग सोशियोइकोलॉजिकल वल्नरेबिलिटी', आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित (रु. 21.88 लाख, 3 वर्ष : जारी)।

प्रस्तुतियाँ

बाबू, एस. : जनवरी 2016 में आईआईएससी, बेंगलुरु में आयोजित 'शहरीकरण एवं पर्यावरण' पर आईएनएसईई के आठवें द्विवार्षिक सम्मेलन में "फ्यूलवुड डिपेंडेंस ऑफ अर्बन फॉरेस्ट्स" पत्र की सह–प्रस्तुति की।

दास, पी. : जुलाई 2015 में एबरडीन, स्कॉटलैंड में आयोजित 'एनर्जी चैलेंजेज एंड मैकेनिक्स' तीसरी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "टुवर्ड्स ए बिग पिक्चर" पत्र प्रस्तुत किया।

देवी, ओ. एच. : फरवरी 2016 में एयूडी के सीसीके एवं आईएनटीएसीएच के आईसीएच, शिलांग, मेघालय द्वारा आयोजित 'ओरल ट्रेडिशन्स : कॉन्टीनुइटी एंड ट्रांस्फोर्मेशन्स, नार्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया' सम्मेलन में "फूड एंड द शेयर्ड कॉमनालिटीस : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एनई इंडिया एंड ईस्ट एंड साउथ ईस्ट एशिया" पत्र प्रस्तुत किया।

——. नवम्बर 2015 में भारतीय सामाजिक संस्थान (आईएसआई) में "रिथिंकिंग सक्सेसफुल को–एसिस्टेंस एंड हीलिंग थ्रू द डाइवर्सनेस" व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम पीस एजुकेशन रिसोर्स सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित था।

——. मार्च 2016 में आईजीआरएमएस, भोपाल द्वारा आयोजित 'कॉन्सेर्विंग द सेक्रेड ग्रूव्स इन नार्थ–ईस्ट इंडिया : प्रेसेप्शन्स, प्रैक्टिसेज एंड पॉलिसी इम्प्लिकेशन्स' संगोष्ठी में "सेक्रेड ग्रूव्स इन मणिपुर : कॉन्सेप्ट्स, मीनिंग्स एंड प्रैक्टिसेज" पत्र प्रस्तुत किया।

काबरा, ए. : नवम्बर 2015 में सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर रीसेटलमेंट मैनेजमेंट' पुनर्स्थापन प्रशिक्षण कार्यशाला में तीन व्याख्यान प्रस्तुत किए।

——. मार्च 2016 में वैंकूवर, कनाडा में आयोजित 'एप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी सोसाइटी, अमेरिका' की 76वीं वार्षिक बैठक में "एपिस्टेमोलोजिकल एंड मेथोडॉलोजिकल चैलेंजेज ऑफ कंसर्वेशन–डिस्प्लेसमेंट" पत्र प्रस्तुत किया।

नेगी, आर. : मार्च 2016 में अमेरिकन जियोग्राफर्स एसोसिएशन, सैन फ्रांसिस्को के वार्षिक सम्मेलन में 'इंटेरोगेटिंग द हिमालयन एंथ्रोपोसीन' पैनल के एक भाग के रूप में "अर्बन फ्यूचर्स इन द इंडियन हिमालयाज" पत्र प्रस्तुत किया।

——. दिसम्बर 2015 में गुड़गांव में 'कम्पेरेटिव सबआल्टरनिटीस, इंडियाना यूनिवर्सिटी एंड द अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर इंडियन स्टडीज' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पहाड़िस एंड द एन्थ्रोपोसीन : इन्फ्रास्ट्रक्चर्स एंड एसोसिएशनल लाइव्स इन द स्मॉल हिमालयन टाउन" पत्र प्रस्तुत किया।

——. अक्टूबर 2015 में सोशल डेवलपमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी स्कूल एवं गांधियन एंड इंडियन स्टडीज सेंटर, फूडन यूनिवर्सिटी, शंघाई में "डेल्ही : वर्ल्ड सिटी ऑफ द ग्लोबल साउथ?" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. 'सिटी थ्योरी फॉर द न्यू मिलेनियम'। अक्टूबर 2015 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी एवं सोशल साइंसेज शंघाई एकेडमी, शंघाई में आयोजित कार्यशाला में पैनलिस्ट रहे।

——. 'अफ्रीका एंड एशिया इन द वर्ल्ड : टुवर्ड्स एन एफ्रेसियन पर्सपेक्टिव'। सितम्बर 2015 में अकरा में आयोजित 'अफ्रीका–एशिया : ए न्यू एक्सिस ऑफ नॉलेज' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पैनलिस्ट रहे।

——. मार्च 2016 में अमेरिकन जियोग्राफर्स एसोसिएशन, सैन फ्रांसिस्को की वार्षिक बैठक में 'अर्बन–रूरल इन्वेस्टमेंट्स एंड सोशियो–इंफ्रास्ट्रक्टर्स इन साउदर्न अफ्रीका' पर चर्चा की।

——. जनवरी 2015 में जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'ब्रेकिंग बॉन्डरीज : इंटरडिस्किप्लीनरिटी, ई–लर्निंग एंड यूनिवर्सिटीज विदआउट वाल्स' सम्मेलन में "रिइमैजिनिंग इंटरडिस्किप्लीनरिटी : द स्टोरी ऑफ ग्लोबल स्टडीज एट अम्बेडकर यूनिवर्सिटी डेल्ही" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सिंह, पी. : जनवरी 2016 में आईआईएससी, बेंगलुरु में आयोजित 'शहरीकरण एवं पर्यावरण' पर पारिस्थितिकी अर्थशास्त्र भारतीय सोसाइटी (आईएनएसईई) के आठवें द्विवार्षिक सम्मेलन में "द स्ट्रगल फॉर रिक्लेमिंग द अर्बन कॉमन्स इन डेल्ही" पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

बाबू, सुरेश : 'करंट साइंस, ह्यूमन इकोलॉजी एंड कंसर्वेशन एंड सोसाइटी' के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा, 2015 : जारी।

——. 4–6 जनवरी 2016 को बेंगलुरु में 'शहरीकरण एवं पर्यावरण' पर आईएनएसईई के आठवें द्विवार्षिक सम्मेलन 2016 को सह–आयोजित किया।

——. जनवरी 2016 में बेंगलुरु में आयोजित 'शहरीकरण एवं पर्यावरण' पर आईएनएसईई के आठवें द्विवार्षिक सम्मेलन के एक भाग 'ई–वेस्ट मैनेजमेंट इन इंडिया' पर पैनल की अध्यक्षता की।

——. फरवरी 2016 में ई–क्वाल परियोजना, दिल्ली के अंतर्गत छात्र सम्मेलन 'लर्निंग फ्रॉम लर्नर्स' में "डिजिटल टेक्नोलॉजीज" पर पैनल की अध्यक्षता की।

दास, पुलक : अप्रैल 2015 में इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर साइंस के लिए एक अनुसंधान अनुदान प्रस्ताव की समीक्षा की।

——. एल्सेवियर जर्नल 'इकोलॉजिकल इंडीकेटर्स' के लिए पांडुलिपि की समीक्षा की।

देवी, ओइनम एच. : फरवरी 2016 में एयूडी के सीसीके एवं आईएनटीएसीएच के आईसीएच, शिलांग, मेघालय द्वारा आयोजित 'ओरल ट्रेडिशन्स : कॉन्टीनुइटी एंड ट्रांस्फोर्मेशन्स, नार्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया' सम्मेलन में "फोकलोर एंड परफॉरमेंस" सत्र की अध्यक्षता की।

काबरा, अस्मिता : 'कंसर्वेशन एंड सोसाइटी', 2013 की निर्देशिका (रेफरी) एवं विषय संपादक : जारी।

——. जून 2015 में उत्तराखंड सेवा निधि पर्यावरण शिक्षा संगठन (यूएसएनपीएसएस), अल्मोड़ा द्वारा आयोजित तथा आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत 'जेंडर एंड सोशल इकोलॉजी' पर चर्चा की।

——. 17 जनवरी 2016 में 'यंग इकोलॉजिस्ट टॉक एंड इंटरैक्ट' (वायईटीआई 2016) राष्ट्रीय सम्मेलन में "सोशल साइंस रिसर्च मैथड्स फॉर इकोलॉजिकल रिसर्चर्स" शोध कार्यशाला का आयोजन किया।

——. विश्वविद्यालय–शिक्षकों के लिए जनवरी 2016 में साइंस एंड एनवायरमेंट सेंटर द्वारा आयोजित 'एनवायरमेंट, हेल्थ एंड पॉवर्टी एट द नॉलेज कॉन्क्लेव' सत्र का संचालन तथा अध्यक्षता की।

नेगी, रोहित : 'एंटीपोड एंड पैसिफिक अफेयर्स', 2015–16 के निर्देशी (रेफरी)।

——. जून 2015 में पालमपुर में 'रेडिकल कन्वर्जेन्स : ए वर्कशॉप ऑन क्रिटिकल जॉग्राफीस ऑफ साउथ एशिया' का सह–आयोजन किया।

——. फरवरी 2016 में ई–क्वाल परियोजना, दिल्ली के अंतर्गत छात्र सम्मेलन 'लर्निंग फ्रॉम लर्नर्स' में "मार्जिनालिजेशन एंड इक्विटी" पर पैनल की अध्यक्षता की।

——. सितम्बर 2015 में लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में 'द इकोलॉजिकल थॉट : रिथिंकिंग एनवायरमेंटलिस्म इन द टाइम ऑफ टॉक्सिक एयर' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

एसएचई ने अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए गए–

एक्सेलबी, रिचर्ड, एंथ्रोपोलॉजी विभाग, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स : 10–11 अगस्त 2015 को 'बियॉन्ड नोमैडिज्म : (सोशल) मोबिलिटी अमंग गद्दीस एंड गुज्जर्स इन चम्बा डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश एंड एथोनोग्राफिक रिसर्च मैथड्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉर्टच, जैसन, प्रवक्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, यूके, भूगोल, स्कूल ऑफ एनवायरमेंट, एजुकेशन एंड डेवलपमेंट : 26 अगस्त 2015 को 'हाऊ डू माउंटेन्स इवॉल्व थ्रू टाइम?' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जॉय, के. जे, (सोपपीकॉम, पुणे) एवं आशीष कोठारी (कल्पवृक्ष, पुणे) : 22 फरवरी 2016 को 'द चेंजिंग डायनैमिक्स ऑफ इंडियाज डेवलपमेंट एंड एनवायरमेंटलिस्म' पर चर्चा की।

सेठी, नितिन, पर्यावरण पत्रकार एवं सौम्या प्रसाद, पर्यावरणविद्, जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू : 28 अक्टूबर 2015 को 'कंजरवेशन–डेवलपमेंट डाइलेमाज इन द वेस्टर्न घाट्स' पर चर्चा की।

एसएचई एवं एयूडी के पर्यावरण क्लब टेरा ने प्रकृति संरक्षण फाउंडेशन, मैसूर के रमन कुमार की मदद से 29 सितम्बर 2015 को सिटीजन साइंस आउटरीच कार्यक्रम 'बर्डिंग टू मेक ए डिफरेंस : ए वर्कशॉप ऑन बर्ड लिस्टिंग एंड मॉनिटरिंग' आयोजित किया।

फरवरी 2016 में ई–क्वाल परियोजना, दिल्ली के सहयोग द्वारा दो–दिवसीय छात्र सम्मेलन 'लर्निंग फ्रॉम लर्नर्स' आयोजित किया।

कार्यक्षेत्र–यात्राएं

अप्रैल 2015 में विकास एवं जन स्वास्थ्य पर आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत धीरपुर गांव, दिल्ली की कार्यक्षेत्र–यात्रा आयोजित की गई।

15 अक्टूबर 2015 को विद्यार्थियों को दिल्ली शहर संबंधी पारिस्थितिकी की जानकारी देने के लिए संजय वन, नई दिल्ली की कार्यक्षेत्र–यात्रा पर ले जाया गया।

छात्रों को पारिस्थितिकी एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संबंधी बुनियादी (बेसिक) कार्यक्षेत्र कौशल सिखाने के लिए अक्टूबर 2015 में छः दिवसीय यात्रा पर आसन बैराज तथा टिमली रिजर्व वन ले जाया गया।

20 फरवरी 2016 को वनस्पति और जीवों में रिमोट सेंसिंग तथा जीआईएस मैपिंग के उपयोग संबंधित विषयों को पूर्ण करने के उद्देश्य से असोला भट्टी वन्यजीव अभ्यारण्य की कार्यक्षेत्र–यात्रा आयोजित की गई।

नियोजन सहायता

स्कूल का कोई औपचारिक नियुक्ति विभाग नहीं है। इसके बावजूद एमएईडी की उपाधि प्राप्त छात्र शैक्षिक अनुसंधान परियोजनाओं, सरकारी एजेंसियों, शिक्षण, गैर–सरकारी संगठनों, परामर्श फर्मों, सिविल सोसाइटी एवं मीडिया में रोजगार हासिल करने में अत्यधिक सफल हुए हैं। इन क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों के साथ एसएचई संकाय–सदस्यों के मजबूत संबंधों ने लगभग 100 प्रतिशत नियुक्ति दर के साथ ही विद्यार्थियों को लाभोन्मुख रोजगार प्राप्त करने में सहायता की है। कार्यस्थल में कार्यक्षेत्र–आधारित अधिगम अनुभव एवं इंटर्नशिप के दौरान स्वावलंबी शोधों व लघु शोध–प्रबंध ने एमएईडी स्नातकोत्तरों की सफलता में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है।

संगोष्ठी में भागीदारी

मानव अध्ययन स्कूल

शिक्षण के माध्यम से व्यक्तिगत–जीवनों 'के' और जीवनों के 'प्रति', अपने वातावरण–परिवार, समुदाय, बदलती जीवनशैलियों, संबंधों, यौनिकता, कार्य स्थलों के बदलते चरित्र, जीवन की अवस्थाओं (खास तौर पर वृद्धावस्था) आदि से जुड़े मुद्दों के समाधान हेतु मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस) ने भारतीय शिक्षा जगत में प्रायः पहली बार मनोविज्ञानियों, सामाजिक मानव विज्ञानियों, समाजशास्त्रियों, राजनीति विज्ञानियों, नारीवादी विद्वानों तथा दार्शनिकों के एक अंतरविषयक समूह का समाहार किया है। मानवीय अनुभव, सोच और सपने को संरक्षित एवं मुक्त रखते हुए एसएचएस हमारे समय की खास यथार्थताओं के साथ सोद्देश्य तथा महत्त्वपूर्ण संबंध को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। स्कूल की कल्पना वैचारिक धुरी और संबद्ध प्रणालियों, जिनसे इसके कार्यक्रमों के महत्त्व की जानकारी मिलती है, तथा शिक्षण, सलाह, मूल्यांकन, शोध की प्रक्रियाओं और समाज की परंपरा के क्षेत्रों की सहभागिता के एक विन्यास पर की गई है। इसके अलावा, मानव जीवन और जीवन की घटनाओं के प्रति कुछ गंभीर मुद्दों को हँसते–खेलते समझने के लिए भी, जिनका सामान्य स्थिति में उच्चतर शिक्षा से कोई संबंध नहीं होता, स्कूल आबद्ध है। वर्तमान में, स्कूल में एमए मनोविज्ञान (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन), एम.फिल मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन, एमए जेंडर अध्ययन, एम.फिल/पीएच. डी. महिला एवं जेंडर अध्ययन, पीएच.डी. मनोविज्ञान तथा एम.फिल विकास प्रणाली की शिक्षा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, एसएचएस विकास प्रणाली केंद्र, मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र तथा एक मनोचिकित्सा एवं परामर्श निदान–गृह 'एहसास' की मेजबानी करता है।

एमए मनोविज्ञान (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन)

एमए मनोविज्ञान (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन) एक ऐसा अनोखा कार्यक्रम है जिसे विद्यार्थियों की आलोचनात्मक और नैदानिक सोच को प्रोत्साहित करने हेतु तैयार किया गया है। साथ ही यह इस विषय को और अधिक सूक्ष्म रूप से समझने में मदद भी करेगा। आशा की जाती है कि इससे छात्र जीवन की विभिन्नताओं एवं अनेकताओं को बेहतर ढंग से मूल्यांकित करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा विद्यार्थियों में उन गतिशील प्रक्रियाओं को समझने की समीक्षात्मक दृष्टि भी उत्पन्न होगी जो अप्रत्यक्षता एवं अपवर्जन को बढ़ावा देते हैं।

एमए जेंडर अध्ययन

कार्यक्रम एयूडी के अंतर्विषयक, अंतरानुभागीय एवं गतिशील दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है। यह विद्यार्थियों को सामाजिक वास्तविकताओं एवं मुद्दों से संबंधित आलोचनात्मक वैचारिक ढांचा प्रदान करता है। जहाँ दक्षिण एशिया एवं वैश्विक नारीवाद (साउथ एशिया एंड ग्लोबल फेमिनिज्म्स) जैसे मुख्य पाठ्यक्रम लिंग (जेंडर) तथा महिलाओं संबंधित आंदोलनों का ऐतिहासिक और पद्धतिगत विश्लेषण प्रदान करते हैं, वहीं वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को उन विकल्पों का चयन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करायेंगे।

एम. फिल / पीएच. डी. महिला एवं जेंडर अध्ययन

महिला एवं जेंडर अध्ययन कार्यक्रम में एम.फिल / पीएच.डी. का पाठ्यक्रम 27 अगस्त 2012 को शुरू किया गया। एयूडी एवं महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडीएस) के सहयोग से उद्भूत ये कार्यक्रम एक विशिष्ट प्रयास हैं। यह सहयोग एक शोध क्षेत्र, सीडब्ल्यूडीएस और एक नितांत शैक्षिक क्षेत्र, पाठ्यक्रमों एवं अध्यापन के नए रूपों के साथ प्रयोगरत एयूडी के एकजुट होने का परिणाम है। कार्यक्रम देश भर में महिला शोध कार्यक्रमों द्वारा किए गए श्रेष्ठ एवं समृद्ध कार्य का इस्तेमाल करता है। इस एम.फिल / पीएच.डी. कार्यक्रम की एक विशिष्टता यह भी है कि यह मानव अध्ययन स्कूल के भीतर अवस्थित है। साथ ही यह अपने भीतर तथा विषय के बाहर के आयाम में अपना ध्यान विषय (जेंडर केंद्रित) की जटिलता पर केंद्रित रखता है। कार्यक्रम में महिला अधीनता के कारणों, संदर्भों और परिणामों के अतिरिक्त जाँच की एक वस्तु के रूप में जेंडर (संबंध) के महत्त्व एवं शक्ति की वाहिकाओं तथा विन्यास के अध्ययन की आवश्यकता के विश्लेषणात्मक ज्ञान को शामिल किया जाता है। कार्यक्रम एयूडी में पहले से ही जारी एमए जेंडर अध्ययन से संबद्ध है इसलिए एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रमों को शोध उपाधि के लिए आवेदकों के आंतरिक स्रोत और मौजूदा प्राध्यापक वर्ग व प्रशासनिक सहायता समेत संस्थागत आधारभूत संरचना का लाभ मिलता है। यही नहीं, एमए कार्यक्रम उन आगंतुक शोध छात्रों के लिए एक सेतु का कार्य भी करता है, जिन्हें क्षेत्र में कुछ पुन चर्या पाठ्यक्रमों की आवश्यकता महसूस होती है।

एम. फिल मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन

यह एक तीन वर्षीय कार्यक्रम है। इसमें मनोविज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत मनोचिकित्सकों और नैदानिक शोधकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसका मुख्य कार्य मानसिक स्वास्थ्य अध्यवसायियों को तैयार करना है जो संवेदनशील, सक्षम एवं खुले मन के साथ ही संस्कृति, इतिहास तथा राजनीति के भी जानकार हों। इसके अलावा वे परामर्शकर्ता के रूप में भी कार्य कर सके। लक्षणों को किसी व्यक्ति अथवा परिवार के जीवन इतिवृत्त से जोड़ते हुए, मानव द्वंद्वों एवं एक सुस्पष्ट अवस्थिति से संघर्षों के उतार–चढ़ावों को समझने पर बल दिया जाता है। सिद्धांत की गहन शिक्षा, सर्वेक्षित नैदानिक कार्य, चिकित्सक (क्लिनिसियन) की व्यक्तिगत चिकित्सा और नैदानिक शोध कार्य समेत इससे नैदानिक दृष्टि से चिंतन करने की क्षमता को मजबूत करने की अपेक्षा की जाती है। इसमें मानसिक अवस्थाओं की पहचान, निरूपण एवं अभिव्यक्ति शामिल हैं। इस लयात्मक प्रक्रिया को अपनाने तथा इसके मनन से चिकित्सा और तदनंतर शोध के प्रति एक प्रवृत्ति को बल मिलता है। मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन में एम. फिल कार्यक्रम को पीएच. डी. कार्यक्रम से लंबवत ढंग से जोड़ा गया है। इसके लिए स्थानों की संख्या सीमित है।

एम. फिल विकास प्रणाली

एम.फिल विकास प्रणाली कार्यक्रम (एयूडी एवं विकास क्षेत्र के जानेमाने अभिकरण पीआरएडीएएन / प्रदान के सहयोग से), अपरीक्षित "अंडरडेवलपमेंट ऑफ द रूरल" और समान रूप से अपरीक्षित "रॉयल रोड्स टु डेवलपमेंट" की जाँच कर ग्रामीण संदर्भों में दस माह

की निमग्नता–आधारित शिक्षा के माध्यम से ग्रामीणों के साथ संबंध कायम कर विकास क्षेत्र के अध्यवसायियों का एक समूह तैयार करना चाहता है, जिनमें ग्रामीण भारत में रूपांतरकारी सामाजिक कार्य आरंभ करने की क्षमता हो।

पीएच. डी. मनोविज्ञान

इस कार्यक्रम से मनोवैज्ञानिक खोज की एक स्व–विवेचित व्याख्या का संवर्धन करने की अपेक्षा की जाती है। अंतर्विषयक शक्ति (संयोजन) और स्व–चिंतनशील परिप्रेक्ष्य से प्रेरित, शोध का यह मनोवैज्ञानिक ढांचा ज्ञान एवं शक्ति दोनों के प्रति अविरत जिज्ञासा बनाए रखने का प्रयास करता। इसके अलावा तदनंतर एक मनोवैज्ञानिक मानव विज्ञान अपनाने की इच्छा रखता है जो सांस्कृतिक स्तर पर संवेदनशील, उपनिवेशवादी मनोदशा से मुक्त और सामाजिक–राजनीतिक दृष्टि से विवेकशील हो। यह एक अंतर–विषयक शोध संवेदनशीलता को केंद्र में रखने का प्रयास करता है, जिसके भीतर जीवन की चेतन और अचेतन धाराओं, अनुभूतियों तथा घटना–क्रमिक प्रवाह को प्रमुखता दी जाए। जीवन और उसके संघर्षों के लिए कार्य करते एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य, जिसमें सतत् सहभागिता को स्थान व शोधकर्ता एवं शोध्य के स्व में रूपांतरकारी क्षमताओं का प्रसार किया जाता है, पर ध्यान देते हुए, पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक गतिशीलन की दृष्टि से प्रवण (प्रवृत्त), विवेचनात्मक, सहभागी और संवाद–संचार उन्मुखी कार्य आरंभ करने के इच्छुक भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए आधारशिला प्रस्तुत करता है।

उपलब्धियाँ / सम्मान

अनूप धर सीयूएसपी के संपादक थे : 'जर्नल ऑफ स्टडीज इन कल्चर, सब्जेक्टिविटी, साइके' एवं 'क्रिटिकल साइकोलॉजी' की वार्षिक समीक्षा के संपादकीय मंडल के सदस्य।

शिफा हक व नीतू सरीन को 5–8 फरवरी 2016 को नयी दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 'एन इनविटेशन टू एंगेजिंग विद द अदर–एन इंडो–ईरानियन डायलॉग' में अपने पत्रों "द होली वन इनसाइड : एन एपोलॉजी फॉर मॉर्निंग" एवं "डिस्संजेशन : कन्वर्सिंग विद एन एनइनवायटेड एंड एनब्रिडलेड अदर" के लिए 'सुधीर कक्कड़ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

प्रस्तुतियाँ

बनर्जी, पी. : अक्टूबर 2015 में कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'साइकोलॉजी : एन इंटरनेशनल इवेंट' शताब्दी सम्मेलन में "हाऊ डू आई रिलेट टू द थेरेपिस्ट? क्लाइंट्स' नेगोटिएशन ऑफ द रिलेशनल बॉन्डरीज इन साइकोथेरेपी" पत्र प्रस्तुत किया।

बिबिनाज, टी., ए. गैला, के. के. बसा, एस. चौधरी, डी. मेधी एवं फादर जे. पुथेनपुराल : फरवरी 2016 में शिलांग, मेघालय में आयोजित 'ओरल ट्रेडिशन्स : कॉन्टीनुइटी एंड ट्रांस्फोर्मेशन्स, नार्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल परिचर्चा पर "म्यूजियम्स एस कल्चरल सेंटरस एंड द रोल इन रिविटलिसिंग इंटनजिबल कल्चरल हेरिटेज" पत्र की सह–प्रस्तुती की।

चौधरी, आर. : फरवरी 2016 में गौटिंगेन में आयोजित 'द रूरल अर्बन डायनैमिक्स एंड इमर्जेंट फॉर्म्स ऑफ लेबर इन इंडिया एंड चाइना, सीएमआईएस, सीएमईएएस, सीटीआरईएन, जॉर्ग–ऑगस्ट–यूनिवर्सिटाट' में "रिफैशनिंग पॉलिसींग : 'रूरल' वीमेन इन 'अर्बन' डेल्ही" संयुक्त–पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में शिव नादर विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश के अंग्रेजी विभाग में आयोजित द्वितीय वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'लाइन–बाय–लाइन : हैबिट्स एंड प्रैक्टिसेज ऑफ राइटिंग' में "राइटिंग एकाडमिक कल्चर्स : द पॉलिटिक्स ऑफ नॉलेज प्रोडक्शन" संयुक्त–पत्र प्रस्तुत किया।

——. अप्रैल 2015 में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन 'जेंडर, कनफ्लिक्ट एंड सिक्यूरिटी : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम साउथ एशिया' में "सेक्योरिंग पब्लिक (स्पेसेस) : द डेंजर इन एंगेंडेरिंग सिक्यूरिटी" संयुक्त–पत्र प्रस्तुत किया।

घई, ए. : जनवरी 2016 में आईएएस अकादमी, मसूरी में 'जेंडर इक्वलिटी एंड चाइल्ड राइट्स : शेयरिंग नॉलेज एंड डेवलपिंग एन एजेंडा फॉर एक्शन' सम्मेलन के एक भाग के रूप में "पैट्रिआर्कि, डिसेबिलिटी एंड जेंडर" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में नेशनल साइकोलॉजी एकेडमी, भारत में आयोजित 'साइकोलॉजी ऑफ बॉडी' संगोष्ठी में "एंगेजिंग विद द डिसेबल्ड बॉडी : सम एनांसरेड क्वेश्चन्स" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

हक, एस. : जनवरी 2016 में बैंगलोर में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'काउंसलिंग, साइकोथेरेपी एंड वेलनेस, एंड फोर्थ कांग्रेस ऑफ द सोसाइटी फॉर इंटेग्रेटिंग ट्रेडिशनल हीलिंग इनटू काउंसलिंग, साइकोथेरेपी एंड साइकाइट्री' में "लिविंग मेमोरियल्स एंड जनरेशनल मॉर्निंग–अल्टरनेटिव रुट्स टू हीलिंग इन द कॉन्टेस्ट ऑफ डिसेपीयरेंसेस" पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 को नई दिल्ली में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 'एन इनविटेशन टू एंगेजिंग विद द अदर–एन इंडो–ईरानियन डायलॉग' में "द होली वन इनसाइड : एन एपोलॉजी फॉर मॉर्निंग" पत्र प्रस्तुत किया।

जौहरी, आर. एवं के. मेनन : अगस्त 2015 में हिरोशिमा में आयोजित एशियाई सम्मेलन 'द सोशल साइंस, सोशियोलॉजी एंड ग्लोबलाइजेशन' में "मार्केट्स एंड मॉल्स : स्कूलिंग द इंडियन वीमन्स बॉडी–क्वेश्चन्स ऑफ जेंडर एंड ग्लोबाइजेशन इन कंटेम्पररी इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

——. एवं ए. अद्या : अगस्त 2015 में हिरोशिमा में आयोजित एशियाई सम्मेलन 'द सोशल साइंस, सोशियोलॉजी एंड ग्लोबलाइजेशन' में "फाइंडिंग डिजायर, केयर एंड प्रेयर : इंडियन वीमेन इन द ग्लोबल ए सोका गक्काई मूवमेंट" पत्र प्रस्तुत किया।

——. दिसम्बर 2015 में एनएओपी सम्मेलन की 25वीं रजत जयंती, इलाहाबाद में आयोजित 'साइकोलॉजी ऑफ बॉडी' संगोष्ठी में "बेयरिंग ए न्यू बॉडी, टुवर्ड्स ए साइकोसोशल एनालिसिस ऑफ वीमन्स बॉडीज इन ग्लोबलाइसिंग इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

कामेई, जी. : फरवरी 2016 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, मणिपुर के सामाजिक कार्य विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'एथनॉसाइन्स एंड ट्रेडिशनल टेक्नोलॉजी ऑफ ट्राइब्स एंड इंडिजेनस पीपल ऑफ नार्थईस्ट इंडिया' राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इनोवेशन, इंटरप्रेन्योरशिप एंड कल्चर इंटरफेस अमोंगस्ट द रोंगमई नागा ट्राइब ऑफ मणिपुर" पत्र प्रस्तुत किया।

मित्रा, डब्ल्यू. : अप्रैल 2015 में ग्रैहम सेंटर फॉर एग्रीकल्चर इनोवेशन, चार्ल्स स्टुअर्ट विश्वविद्यालय एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, दिल्ली द्वारा आयोजित 'रूरल डेवलपमेंट एंड फूड सिक्योरिटी, 2015' संगोष्ठी तथा कार्यशाला में "द डायरी एंड द फील्ड : मेथेडोलॉजिकल रिफ्लेक्शन्स ऑन ट्रांसफोर्मेटिव प्रैक्सिस, और द लेसन फ्रॉम एंथ्रोपोलॉजी" पत्र प्रस्तुत किया।

——. जून 2015 में मणिपुर सेंटर फॉर फिलोसोफी एंड ह्यूमैनिटीज, मणिपुर द्वारा आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय डेल्यूज अध्ययन एशिया सम्मेलन, 2015 में "सुसाइड एंड स्किजोएनालिसिस : द वर्क ऑफ सुसाइड एंड द डबल ऑफ डेथ इन गाइल्स डेल्यूज" पत्र प्रस्तुत किया।

नगालिया, एस. : फरवरी 2016 में शिव नादर विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश के अंग्रेजी विभाग में आयोजित द्वितीय वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'लाइन–बाय–लाइन : हैबिट्स एंड प्रैक्टिसेज ऑफ राइटिंग' में "राइटिंग एकेडमिक कल्चर्स : द पॉलिटिक्स ऑफ नॉलेज प्रोडक्शन" संयुक्त–पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली में आयोजित अकादमिक महोत्सव 'माजी–ओ–मुस्तकबिल' में "रिस्टोरिंग / रेक्यूपेरेटिंग / रिकॉन्सट्रक्टिंग व्हाट? : द पॉलिटीकल इकॉनमी ऑफ मेमोरी" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले महिला अध्ययन केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र में विद्यार्थियों के लिए आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'चिकित्सा 2016' में "शादी का पंचनामा : डिसइनटैंगलिंग मैरिज, मार्केट एंड स्टेट" पत्र प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'क्वेश्चन्स ऑफ इंडिजेनस कल्चर, लैंग्वेज एंड जेंडर इन सेंट्रल इंडिया' में "डिस्किपलिंनिंग इंडिजेनिस्म : पेडगोजीज्स ऑफ रेजिस्टेंस" पत्र प्रस्तुत किया।

——. नवम्बर 2015 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'कॉन्टेस्टेड साइट्स : द कंस्ट्रक्शन ऑफ चाइल्डहुड इंटरनेशनल कांफ्रेस' सम्मेलन में "बाइसेक्सुअलिटी एस ए नेग्लेक्टेड थीम इन द कंस्ट्रक्शन ऑफ चाइल्डहुड" पत्र प्रस्तुत किया।

सचदेव, डी. : जून 2015 में मणिपुर सेंटर फॉर फिलोसोफी एंड ह्यूमैनिटीज, मणिपुर द्वारा आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय डेल्यूज अध्ययन एशिया सम्मेलन, 2015 में "डेल्यूज, ड्रीम–कैचर्स एंड प्लैगरिस्म" पत्र प्रस्तुत किया।

सरीन, एन. : फरवरी 2016 को नई दिल्ली में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 'एन इनविटेशन टू एंगेजिंग विद द अदर–एन इंडो–ईरानियन डायलॉग' में "डिस्संजेशन : कन्वर्सिंग विद एन अनइनवायटेड एंड एनब्रिडेल्ड अदर" पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, राजिंदर : 9–11 अक्टूबर 2015 को कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'साइकोलॉजी : एन इंटरनेशनल इवेंट' शताब्दी सम्मेलन में "वायलेंस : एट द कस्प ऑफ सोशियो– पॉलिटीकल" पत्र प्रस्तुत किया। साथ ही इसे सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार के लिए भी चुना गया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

धर, अनूप कुमार : अक्टूबर 2015 में कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'साइकोलॉजी : एन इंटरनेशनल इवेंट' शताब्दी सम्मेलन में "री–एनविशनिंग साइकोलॉजी : अलांग द साइकोसोशल क्लीनिकल एक्सिस" पर चर्चा की।

घई, अनिता : नवम्बर 2015 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'कॉन्टेस्टेड साइट्स : द कंस्ट्रक्शन ऑफ चाइल्डहुड इंटरनेशनल कांफ्रेस' सम्मेलन में "चिल्ड्रन विद डिसएबिलिटीएस : ए कॉन्टेस्टेड कांस्टिटुएंसीय" पर चर्चा की।

——. फरवरी 2016 में तथापि ट्रस्ट, पूना में 'वीमन एंड हेल्थ' संगोष्ठी में "सेक्सुअलिटी एंड डिसएबिलिटी" मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में अमन बिरादरी एवं इक्विटी स्टडीज सेंटर, आईआईसी, दिल्ली की 'द सेकंड इंडिया एक्सक्लूशन रिपोर्ट 2015' रपट पर टिप्पणी की।

——. मार्च 2016 में इंटरनेशनल रेड क्रॉस, आईआईसी, दिल्ली में 'अतंरराष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) परिचर्चा' पर चर्चा की।

सी., बिन्दु के. : जून 2015 में टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के रैडिकल स्टडी सर्कल द्वारा आयोजित 'कोर्ट' की स्क्रीनिंग पर चर्चा की।

——. जनवरी 2016 में जनसंस्कृति, नई दिल्ली में उद्घाटन व्याख्यान दिया।

——. मार्च 2016 में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में 'द ट्राइब इन द अर्ली सेन्सस रिपोर्ट्स : कॉन्सट्रक्टिंग द नेशन, हिन्दू एंड आउटसाइड हिन्दू' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

करोल्लिल, ममता : 17–18 मार्च 2016 में एयूडी में प्रस्तावित 'सेंटर फॉर क्वीर : सपोर्ट, नॉलेज, आर्काइव' के लिए राष्ट्रीय स्तर की सलाहकार बैठक आयोजित की।

कृष्णन, राजन : जनवरी 2016 में एयूडी में 'रीडिंग डेस्कर्ट्स मेडिटेशन्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

नागपाल, अशोक : अक्टूबर 2015 में कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित

'साइकोलॉजी : एन इंटरनेशनल इवेंट' शताब्दी सम्मेलन में "री–एनविशनिंग साइकोलॉजी : अलोंग द साइकोसोशल क्लीनिकल एक्सिस" पर चर्चा की।

सहाय, विक्रमादित्य : अक्टूबर 2015 में अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत के जेंडर एंड सेक्सुअलिटी स्टडी सेंटर में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. जनवरी 2016 में लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 'जेंडर, सेक्सुअलिटी एंड एजुकेशन' पर चर्चा की।

——. फरवरी 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के क्वीर स्टडीज रीडिंग ग्रुप के लिए व्याख्यान दिया।

——. मार्च 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 'सेंटीमेंट, पॉलिटिक्स, सेंसरशिप : द स्टेट ऑफ हर्ट' पर चर्चा की।

——. नवम्बर 2015 में भारतीय भाषा महोत्सव, नई दिल्ली के लिए 'इन द नेम ऑफ लव' कार्यशाला आयोजित की।

वहाली, हनी ओबेरॉय : अक्टूबर 2015 में कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'साइकोलॉजी : एन इंटरनेशनल इवेंट' शताब्दी सम्मेलन में "री–एनविशनिंग साइकोलॉजी : अलोंग द साइकोसोशल क्लीनिकल एक्सिस" पर चर्चा की।

——. 2015 में लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली द्वारा आयोजित 'साइकोलॉजी एट द एज' सम्मेलन में विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. सितम्बर 2015 में जेएनयू, दिल्ली द्वारा आयोजित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय विद्यार्थी परामर्श इकाई की संकल्पना पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीपीसीआर), एसएचएस, फ्राइडियन ग्रुप ऑफ तेहरान एवं डेल्ही चैप्टर ऑफ द इंडियन साइकोएनैलिटिक सोसायटी एंड साइकोएनैलिसिस इंडिया के सहयोग द्वारा अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली ने 5–8 फरवरी 2016 को तीसरे अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 'एन इनविटेशन टू एंगेजिंग विद द अदर–एन इंडो–ईरान डायलॉग' की मेजबानी की।

चक्रवर्ती, उमा, उर्वशी बुटालिया, कुमकुम संगारी एवं इलिना सेन : मार्च 2016 में इलिना सेन की पुस्तक 'इनसाइड छत्तीसगढ़ : ए पॉलिटिकल मेमॉयर' की पैनल परिचर्चा में भाग लिया।

बैरी, रमेश : मार्च 2016 में 'द इमप्योर वर्ल्डस ऑफ कास्ट टुडे : थिंकिंग विद एनहिलेशन ऑफ कास्ट' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

गुंडीमेडा, सांबिया : मार्च 2016 में 'फ्रॉम आरगुइंग फॉर पुअर मैन्स फूड टू क्लेमिंग ऑफ डंग एस मोर वैल्युएबल देन कोहिनूर डाइमंड : डिबेटिंग काऊ इन द इंडियन जुडिशरी' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मंगाई : जनवरी 2016 में 'डूइंग जेंडर, डूइंग थिएटर : ए फेमिनिस्ट वर्कशॉप थ्रू थिएटर' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सुनंदन, के. एन. : मार्च 2016 में 'रीडिंग द बॉडी थ्रू डोना हारवे' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

वर्गीस, अनिल थारायथ : मार्च 2016 में दूसरे सत्र के विद्यार्थियों की इंटर्नशिप के अंतर्गत 'ब्रेनस्टोर्मिंग सेशन फॉर पीजी जेंडर स्टडीज इंटर्नशिप' कार्यशाला का आयोजन किया।

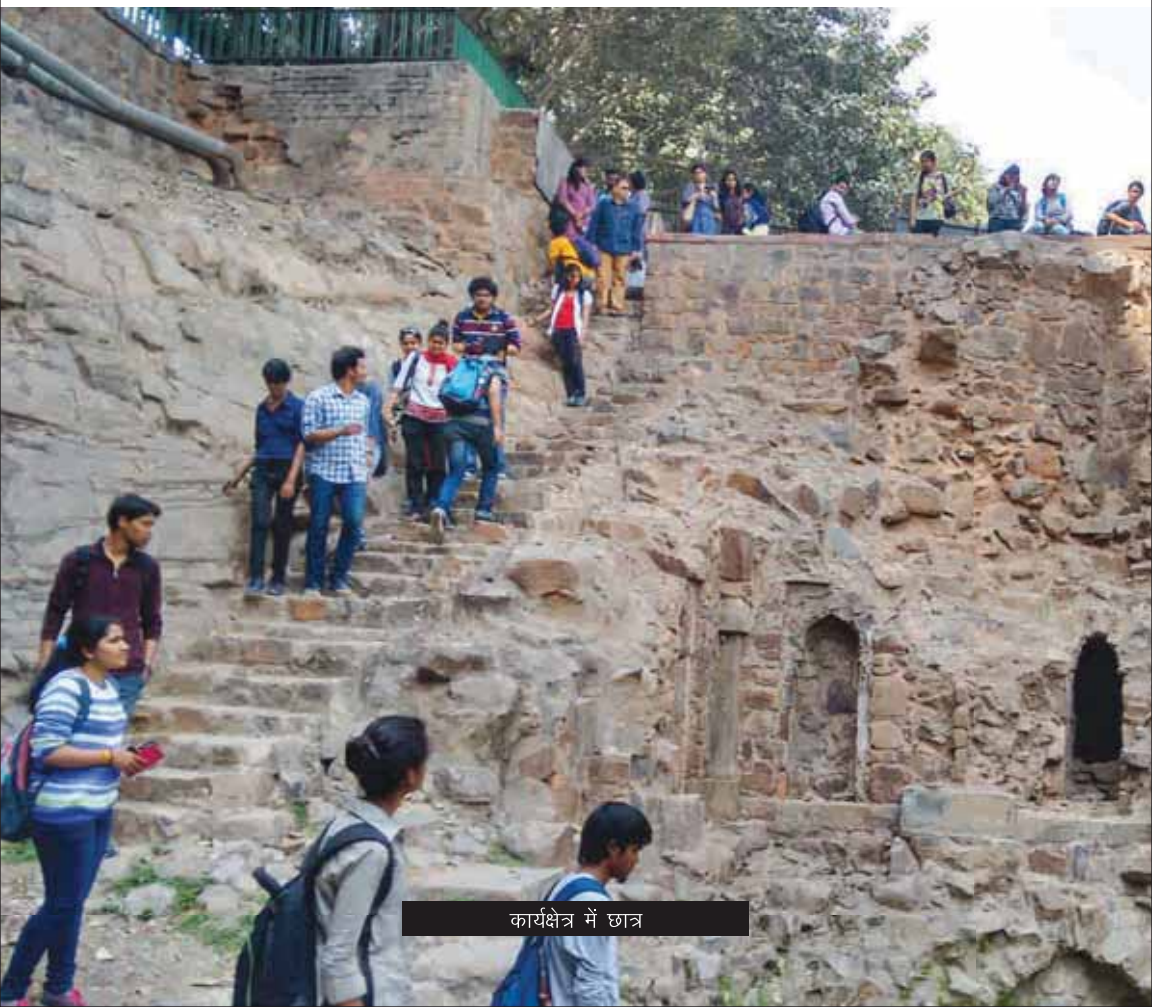

कार्यक्षेत्र में छात्र

लिबरल अध्ययन स्कूल

लिबरल अध्ययन स्कूल चार एमए कार्यक्रमों—अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास एवं समाजशास्त्र के अलावा हिन्दी तथा इतिहास में शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है। कार्यक्रमों का स्वरूप अंतर्विषयक है। ये उच्च कोटि के पाठ्यक्रमों, परस्पर प्रभावी अध्यापन और शिक्षा के माध्यम से लिबरल शिक्षा को प्रोत्साहित करके, उसकी पुनर्व्याख्या करते हैं जो कक्षा के परिवेश से बाहर काम आती है। स्कूल अपने कार्यक्रमों से संबंधित क्षेत्रों में व्यवसायी निपुणता के साथ सामाजिक रूप से संवेदनशील शोधकर्ताओं को उत्पन्न करना चाहता है।

एमए अर्थशास्त्र

एमए अर्थशास्त्र कार्यक्रम का केंद्र बिन्दु आर्थिक विश्लेषण में विद्यार्थियों को दृढ़ एवं गहराई से प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसके साथ ही यह कार्यक्रम विकासशील देशों जैसे—भारत के समकालीन आर्थिक मुद्दों को समझने हेतु छात्रों को विभिन्न कौशलों से निपुण भी करना चाहता है।

एमए अंग्रेजी

एमए अंग्रेजी कार्यक्रम अल्प ज्ञात भाषाओं एवं क्षेत्रों के साहित्य को सामने लाने के लिए, ब्रिटिश और अंग्रेजी के अन्य साहित्य (अनुवाद सहित) के बीच श्रेणीबद्धता को विघटित करने हेतु प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम संस्कृति, समाज एवं राज्य संबंधित राजनीति के प्रति समालोचनात्मक संवेदनशीलता को बढ़ावा देता है।

एमए इतिहास

एमए इतिहास कार्यक्रम ऐतिहासिक घटनाओं एवं प्रक्रियाओं के साथ—साथ ऐतिहासिक विश्लेषण संबंधित कौशलों, अन्य विषयों संबंधित व्याख्यात्मक तकनीक और आलोचनात्मक नजरिए को जानने हेतु तैयार किया गया है। इससे विद्यार्थियों को शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्रों को भी समझने में मदद मिलेगी।

एमए समाजशास्त्र

ज्ञान और कौशल द्वारा विद्यार्थियों की समालोचनात्मक सोच एवं प्रतिक्रियात्मक जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु एमए समाजशास्त्र कार्यक्रम तैयार किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विषय एवं संदर्भ, स्वयं तथा समाज और अतीत व वर्तमान के बीच संबंधों की ओर छात्रों का ध्यान आकर्षित करना है। इससे विद्यार्थी सामाजिक न्याय सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध होकर सक्रिय शिक्षार्थियों के रूप में विकसित हो सकेंगे।

एम. फिल हिन्दी

एम. फिल हिन्दी कार्यक्रम अनुसंधान पद्धति एवं हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि से संबंधित समस्याओं का दृढ़ प्रशिक्षण प्रदान करना चाहता है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को पर्यवेक्षण द्वारा स्वावलंबी शोध विद्वान बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एम. फिल इतिहास

एम. फिल इतिहास कार्यक्रम को ऐतिहासिक कार्यप्रणाली और पद्धतियों का दृढ़ एवं केंद्रित प्रशिक्षण देने हेतु तैयार किया गया है। इसके अलावा यह अनुसंधान विद्वानों के लघु शोध–प्रबंध की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूरा करने का प्रयास करेगा, जिससे स्वावलंबी अनुसंधान को बढ़ावा मिल सके।

अनुसंधान परियोजनाएं

बनर्जी, निहारिका एवं कैथरीन ब्राउन : 'मेकिंग लिवेबल लाइव्स : रीथिंकिंग सोशल एक्सक्लूशन। इकनोमिक एंड सोशल रिसर्च कौंसिल', ब्राइटन यूनिवर्सिटी द्वारा वित्त पोषित (डॉलर 320,793, तीन वर्ष : जारी)।

कुमार, क्रांति, प्रधान अनुसंधानकर्ता : 'मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ व्हीकल ट्रैफिक फ्लो प्रॉब्लम्स', यूजीसी द्वारा वित्त पोषित (रु. 6,00,000 : जारी)।

कुंडू, राजेन्द्र पी. एवं सुजॉय चक्रवर्ती : 'सोशल आइडेंटिटी एंड रीडिस्ट्रिब्यूटिव प्रैफरेन्सेज', यूपीओई–2 के तहत जेएनयू द्वारा वित्त पोषित (2014–19)।

संखिल, शेलमि : 'ट्रांसलेटिंग लमकांग फोकसोंग्स एंड सेइंग्स / प्रोवर्बस इनटू इंग्लिश' (पुस्तक विस्तार परियोजना)।

सेन, रुक्मिणी : रीमेंबरिंग, रीकास्टिंग, रीनेगोशीएटिंग : हिअरिंग हर पर्सपेक्टिव्स ऑफ इंस्टीट्यूशनल हिस्टोरीस', आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।

सिंहा, दीपा : 'इम्प्लीमेंटेशन ऑफ द आईसीडीएस इन इंडिया', पोषण – आईएफपीआरआई द्वारा वित्त पोषित, इक्विटी स्टडीज सेंटर के माध्यम से (जून 2016 में पूर्ण करनी है)।

उपलब्धियाँ एवं सम्मान

चक्रवर्ती, राधारानी : 'शेड्स ऑफ डिफरेंस : सिलेक्टेड राइटिंग्स ऑफ रवीन्द्रनाथ टैगोर', सोशल साइंस प्रेस, 2015। इसे सन् 2015 की सन्डे गार्डियन पुस्तकों की सूची में शामिल किया गया है।

——. आईओडब्ल्यूए यूनिवर्सिटी के अंतरराष्ट्रीय लेखन कार्यक्रम द्वारा जून 2015 में रचनात्मक लेखन (कविता) एवं नवम्बर 2015 में रचनात्मक लेखन (फिक्सन) प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

चौधरी, सायनदेव : 15 अप्रैल से 9 जुलाई 2015 तक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज (आईआईएएस), लिडेन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड में अर्बन नॉलेज नेटवर्क के तहत रिसर्च फेलो।

लीटन, डेनिस : 4–5 सितम्बर 2015 को एमएचआरडी / भारतीय विश्वविद्यालय संघ / सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित नई शैक्षणिक नीति 'इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन' की परामर्श बैठक में एयूडी प्रतिनिधि।

वेंकटरमण, गीता : 'रिसोनेंस–जर्नल ऑफ साइंस एजुकेशन' के संपादकीय मंडल की सदस्य के रूप में नियुक्त, भारतीय विज्ञान अकादमी एवं स्प्रिंगर, 2015–2017।

——. अप्रैल 2014 से अमेरिकन मैथमेटिक्स सोसायटी की 'मैथमेटिक्स रिव्यूज' हेतु समीक्षक के रूप में नियुक्त।

——. 'भारतीय महिला एवं गणित परियोजना' की कार्यकारी समिति की सदस्य के रूप में नियुक्त, राष्ट्रीय उच्च गणित परिषद, डीएई, भारत सरकार द्वारा सम्मानित, 2016–2019।

——. भारत सरकार द्वारा माध्यमिक विद्यालय के गणित पाठ्यक्रम को कम करने हेतु उप–समिति की सदस्य के रूप में नियुक्त, जनवरी 2016।

——. 2–4 अप्रैल 2015 को दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'भारतीय महिला एवं गणित' नामक कार्यशाला/सम्मेलन की आयोजन समिति की सदस्य के रूप में नियुक्त।

——. आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'इफेक्टिव कम्युनिकेशन एंड पर्सनलिटी डेवलपमेंट थ्रू थिएटर' समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।

नावेद, शाद. : महिला अध्ययन पर आधारित पत्रिका 'संयुक्ता' के स्त्री–लेखन विशेषांक (2015), एक्सवी (2) के अतिथि संपादक।

प्रस्तुतियाँ

बनर्जी, एन. : सितम्बर 2015 में एक्सेटर यूनिवर्सिटी, यूके में आयोजित ब्रिटिश जिओग्राफर्स इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर रॉयल जिओग्राफिकल सोसायटी के वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "रिसर्चिंग लिवेबल लाइव्स : रिफ्लेक्शंस ऑन ट्रांसनेशनल एलजीबीटीक्यू मेथोडोलॉजिस" शोधपत्र सह–प्रस्तुत किया।

बनर्जी, ए. : सितम्बर 2015 में डरबन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित विश्व सामाजिक विज्ञान मंच 2015 'ट्रांसफार्मिंग ग्लोबल रिलेशन्स फॉर ए जस्ट वर्ल्ड' में "ग्लोबल इनइक्वलिटी एंड फूड इनसिक्योरिटी इन डेवलपिंग कंट्रीज : ड्राइवर्स एंड डाइमेंशन्स" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. सितम्बर 2015 में मनीटोबा यूनिवर्सिटी, विनीपेग, कनाडा में आयोजित 'फ्रॉम ए थर्टी इयर्स क्राइसिस टू मल्टी–पोलरिटी : द ईवोलूशन ऑफ द जिओपॉलिटीकल इकॉनमी ऑफ द ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी वर्ल्ड' सम्मेलन में "अंडरस्टैंडिंग कंटेम्पररी जिओ–पॉलिटिक्स थ्रू द लेंस ऑफ फूड सिक्योरिटी : ए पॉलिटिकल इकॉनमी एनालिसिस" पत्र प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में 'डज इंडिया नीड ए पल्सेज़ रेवोलुशन?' पैनल परिचर्चा के अंतर्गत "पर्सपेक्टिव्स ऑन फूड एंड न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी इन इंडिया" प्रस्तुति दी।

——. मार्च 2016 में एआरएसडी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित वार्षिक अर्थषास्त्र महोत्सव 'क्वेस्ट्स 2016' में "फूड मैनेजमेंट पॉलिसी इन इंडिया : एक्सप्लोरिंग द डिबेट्स" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली में सत्र 2015 के आईईएस अधिकारी–प्रशिक्षुओं के लिए प्रोत्साहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत "पॉलिटिकल मैनेजमेंट एंड फूड सिक्योरिटी" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में आईटीईसी/एससीएएपी, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुसंधान व सूचना प्रणाली, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दे एवं विकास नीति (आईईआईडीपी) पर विदेशी शोधकर्ताओं तथा विद्वानों हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम में "डायनमिक्स ऑफ फूड सिक्योरिटी इन द ग्लोबल कॉन्टेस्ट" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

चक्रवर्ती, आर. : नवम्बर 2015 में साहित्य अकादेमी द्वारा एमएलबी महाविद्यालय, भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'ट्रैवल राइटिंग एंड द इंटैंजिबल हेरिटेज ऑफ इंडिया' में "रियल एंड इमैजिन्ड जर्नीस : रीडिंग अमिताव घोष" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

चौधरी, एस. : अक्टूबर 2015 में एमआईसीएम–एआरसी अनुसंधान परियोजना एवं यूनिवर्सिटी लिब्रे डे ब्रुसेल्स, ब्रसेल्स, बेल्जियम द्वारा आयोजित 'इंटरिंग द सिटी : स्पेसेस, ट्रांसपोर्ट्स, परसेप्शन्स, एंड रिप्रेसेंटशन्स फ्रॉम द एट्टीन्थ सेंचुरी' सम्मेलन में "ए ब्रिज ऑन रिवर हुगली : विसुवलिटीस, रिजीम्स, प्रैक्टिसेज" पत्र प्रस्तुत किया।

गोपालजी, पी. : अगस्त 2015 में यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय में पुन चर्या पाठ्यक्रम के अंतर्गत तीन व्याख्यान प्रस्तुत किए।

——. सितम्बर 2015 में जीपीएफ, नई दिल्ली में आयोजित 'महापंडित राहुल सांकृत्यायन स्मभति' संगोष्ठी में "राहुजली की आत्मकथा का महत्त्व" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. सितम्बर 2015 में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी 'सर्कश अल्फाज : प्रोग्रेसिव राइटर्स' महोत्सव में "स्टोरीज ऑफ भीष्म साहनी" पत्र प्रस्तुत किया।

——. सितम्बर 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अरविंदो महाविद्यालय में आयोजित 'वैश्वीकरण और भक्ति–काव्य' राष्ट्रीय संगोष्ठी में "राजसत्ता और भक्ति–कविता" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में आर्यभट्ट महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'पॉलिटिकल लीडरशिप इन इंडिपेंडेंट इंडिया : चैलेंजेज एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स' यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पॉलिटिकल लीडरशिप : ट्रेंड्स एंड चैलेंजेज" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू के हिन्दी विभाग में आयोजित 'नई सदी का साहित्य : चुनौतियाँ और संभावनाएँ' राष्ट्रीय संगोष्ठी में "नई सदी की हिन्दी कविता : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. नवम्बर 2015 में गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के ह्यूमन वैल्यूज एंड एथिक्स सेंटर में आयोजित 'आइडेंटिटी अर्सटेशन्स एंड कंफ्लिक्ट्स इन साउथ एशिया' अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "सीमाओं के आर–पार साहित्य" पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, के : जुलाई 2015 में एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्रप्रदेश के गणित विभाग में आयोजित गणितीय विज्ञान अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएस–2015) में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कुंडू, आर. पी. : जुलाई 2015 में लक्जमबर्ग यूनिवर्सिटी, लक्जमबर्ग की पब्लिक इकनोमिक थ्योरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित पब्लिक इकनोमिक थ्योरी कांफ्रेंस 15 में 'इनफार्मेशन एस पब्लिक गुड इन नेटवर्क्स' पत्र सह–प्रस्तुत किया।

महाजन, के. : फरवरी 2016 में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, भारत में आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'साउथ एशियन इकनोमिक डेवलपमेंट' में "वाए आर फेवर मैरिड वीमन जोइनिंग द वर्क फोर्स इन इंडिया? ए डेकॉमपोजीशन एनालिसिस ओवर टू डिकेड्स" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. अगस्त 2015 में मिलान, इटली में आयोजित कृषि अर्थशास्त्री अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कास्ट, फीमेल लेबर सप्लाई एंड द जेंडर वेज गैप इन इंडिया : बोसरअप रीविजिटेड' पत्र प्रस्तुत किया।

मुदिगंती, यू. : मार्च 2016 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय, बोस्टन, अमेरिका में अमेरिकी तुलनात्मक साहित्य संघ के वार्षिक सम्मेलन में 'यूजिंग रेगालिया फॉर वीमेन्स रिफार्म : ए स्टडी ऑफ काशीबाई कानिटकर्स द पलंक्विन टास्सेल' पत्र प्रस्तुत किया।

——. जनवरी 2016 में काकतिया विश्वविद्यालय, वारंगल में भारतीय राष्ट्रमंडल साहित्य एवं भाषा अध्ययन संघ के वार्षिक सम्मेलन में 'वन पार्ट वीमन्स चैलेंज टू हेजेमोनिक मस्कुलिनिटी' पत्र प्रस्तुत किया।

नाइट, डी. के. : मार्च 2016 में इंडियन लेबर हिस्ट्रीशियन एसोसिएशन, नई दिल्ली के सम्मेलन में 'एम्प्लोयी बेनिफिट्स एंड द माइग्रेंट वर्कर्स : द इंडियन कोलफील्ड (झरिया), 1895–1970' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. जून 2015 में माबुला लॉज, लिम्पोपो, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 'पुशिंग द बॉउन्डरीस' संगोष्ठी में "क्लाइमिंग द माइनिंग सेंस : द माइनिंग पर्सन्स इन साउथ अफ्रीकन गोल्ड एंड कोल माइंस, 1952–2012" पत्र प्रस्तुत किया।

संदीप, एस. : मार्च 2016 में बुडापेस्ट, हंगरी में आयोजित स्वास्थ्य परियोजना 'स्टोरीटेलिंग, इलनेस एंड मेडिसिन' की ग्यारहवीं वैश्विक बैठक में "लाइफ–राइटिंग एंड द डिसेबल्ड सेल्फ : डिस्कोर्सेस ऑन सब्जेक्टिविटी" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सेन, आर. : अप्रैल 2015 में सेंट स्टीफन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के जेंडर, कल्चर एंड सोशल प्रोसेसेज सेंटर द्वारा आयोजित 'इंटेरोगेटिंग मस्किुलिनिटीज' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मैन इन फेमिनिज्म ऑर फेमिनिजिंग मस्क्लिन पॉलिटिक्स : रेफार्मर्स, रेडिकल्स ऑर फ्रेंड्स?" पत्र प्रस्तुत किया।

——. अप्रैल 2015 में चार्ल्स स्टर्ट विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रीसर्च एंड एजुकेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड फूड सिक्योरिटी टू बिल्ड रेसिलिएन्ट रूरल एनवायरमेंट्स' अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रैक्टिस इन 'फील्ड' : डायलॉग्स, डिलेमास एंड डिस्कोर्सेस" पत्र प्रस्तुत किया।

——. जुलाई 2015 में अन्वेषण, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल ट्रांसफार्मेशन : पर्सपेक्टिव्स एंड अल्टरनेटिव्ज' सम्मेलन में "ह्यूमिलिएशन एज ए साइट ऑफ जुरिडिकल इंगेजमेंट : प्रोनाउंसिंग राईट(एस) और राईटिंग रांग्स?" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. जुलाई 2015 में राष्ट्रीय महिला आयोग, श्रुति विकलांगता अधिकार केंद्र एवं महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'वीमेन विद डिसएबिलिटीज : ट्राइंफ्स एंड चैलेंज्स' राष्ट्रीय सम्मेलन में "सेक्सुअल वायलेंस ऑन वीमेन विद डिसएबिलिटीज और डिसेबल्ड वीमेन? : एटेम्पट टुवर्ड ए डायलाग बिटवीन मूवमेंट्स" पत्र प्रस्तुत किया।

——. नवम्बर 2015 में डेवलपमेंट स्टडीज इंस्टीट्यूट, कोलकाता में आयोजित 'ट्रस्ट इन ट्रांसेक्शन्स' राष्ट्रीय सम्मेलन में "रेगुलेटिंग डोमेस्टिक वर्क और वर्क इन डोमेस्टिक स्पेस : मैपिंग ट्रस्ट, पॉवर एंड लेबर" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. नवम्बर 2015 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'कॉन्टेस्टेशन्स इन चाइल्डहुड' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कॉन्सट्रक्टिंग और एरसिंग इफेक्ट इन (एब्यूल्ड) चाइल्डहुड : व्हेन लॉ मीट्स द चाइल्ड" पत्र प्रस्तुत किया।

——. दिसम्बर 2015 में ऑस्ट्रेलिया सांस्कृतिक अध्ययन संघ, संस्कृति एवं संचार विभाग, मेलबोर्न विश्वविद्यालय, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित 'माइनर कल्चर्स' सम्मेलन में "फ्रॉम द स्ट्रीट्स टू द कोर्टरूम : इज देअर ए सेक्सुअल माइनॉरिटी ऑर ए माइनॉरिटी सेक्सुअल आइडेंटिटी" पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में डेवलपमेंट स्टडीज इंस्टीट्यूट, कोलकाता में आयोजित 'एग्जामिनिंग इंटरसेक्शन्स : कास्ट एंड जेंडर नैरेटिव्स इन इंडिया' राष्ट्रीय सम्मेलन में "बॉडीज एज जुरिडिको–पॉलिटिकल साइट्स : प्रेकरिटी, वायलेशन एंड ह्यूमिलिएशन" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शर्मा, एस. : सितम्बर 2015 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित 'फूड सिक्योरिटी एंड द एनवायरमेंट इन इंडिया एंड ब्रिटेन : हिस्टोरिकल एंड कल्चरल पर्सपेक्टिव्स' कार्यशाला में "प्रिजनर्स, पुअर हाउसेस एंड फेमिन रिलीफ इन कोलोनियल नार्थ इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

सिंहा, जी. एवं सेनगुप्ता, एस. : कलेक्टिव ऑन वीमन्स अनपेड वर्क, 2015 द्वारा आयोजित 'वीमन्स अनपेड वर्क : डेवलपिंग ए रोडमैप' राष्ट्रीय कार्यशाला में "मैटरनिटी राइट्स एंड चाइल्ड केअर" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

स्नेही, वाई. : अप्रैल 2015 में नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित 'न्यू पर्सपेक्टिव्स ऑन पंजाब स्टडीज : रिथिंकिंग हिस्टोरिओग्राफी' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "हिस्टोरिओग्राफी एंड फील्डवर्क इन द स्टडी ऑफ पॉपुलर श्राइन्स" पत्र प्रस्तुत किया।

——. सितम्बर 2015 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित फेलो साप्ताहिक संगोष्ठी में "हिस्टोरिओग्राफी, फील्डवर्क एंड डिबेट्स ऑन सेक्रेड श्राइन्स" पत्र प्रस्तुत किया।

——. अक्टूबर 2015 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'रिलिजन एंड सोशल डाइवर्सिटी इन साउथ एशिया' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "डायलेक्टिक ऑफ सेक्रेड स्पेसेस एंड आइडेंटिटी इन पंजाब" पत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2016 में दर्शनशास्त्र विभाग, यूसीएसएसएच, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में आयोजित 'अंडरस्टैंडिंग सोशल एपिस्टमोलॉजी ऑफ माइथोलॉजी, साइंस एंड सोसायटी' राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सम थॉट्स ऑन स्प्रिचुअलिटी, ड्रीम्स एंड मेमोरीज" पत्र प्रस्तुत किया।

थॉमस, एस. : जनवरी 2016 में दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'माइग्रेशन एंड आइडेंटिटी : द अर्बन सब्जेक्ट' राष्ट्रीय सम्मेलन में "माइग्रेशन एंड ट्रांसमाइग्रेशन इन बेन्यामिंस गोट डेज" पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

बनर्जी, निहारिका : अगस्त 2015 में सैंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक विद्यार्थियों के लिए 'हंगर इन्सिडेंस : लोकेटिंग इंडिया इन द ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

बनर्जी, निहारिका एवं शाद नावेद : 17–18 मार्च 2016 को एयूडी में प्रस्तावित 'सेंटर फॉर क्वीयर एक्टिविज्म : सपोर्ट, नॉलेज एंड आर्काइव' के लिए राष्ट्रीय स्तर की सलाहकार बैठक आयोजित की।

चक्रवर्ती, राधारानी : सितम्बर 2015 में एयूडी में आयोजित संगोष्ठी 'प्रोग्रेसिव राइटर्स' महोत्सव के एक सत्र की अध्यक्षता की।

चौधरी, सायनदेव : डॉ. रीना दुबे, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया की यात्रा का आयोजन किया। इन्होंने जनवरी–फरवरी 2016 के बीच एयूडी में अतिथि प्राध्यापक के रूप में कार्य किया एवं एमए अंग्रेजी के विद्यार्थियों के लिए चार व्याख्यान प्रस्तुत किए।

——. 16–18 सितम्बर 2015 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में 'सर्कश अल्फाज, प्रोग्रेसिव राइटर्स' महोत्सव का सह–आयोजन किया।

कुमार, क्रांति : सितम्बर 2015 में स्नातक छात्रों के लिए विश्वविद्यालय स्तर की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की।

लीटन, डेनिस : 24 फरवरी 2016 को रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'हैब्रिडीटी इन द लॉन्ग एटिन्थ सेंचुरी इन इंडिया' पर पैनल परिचर्चा को संयमित किया।

——. फरवरी 2016 में भारत पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में इ–क्वाल परियोजना छात्र सम्मेलन 'लर्निंग फ्रॉम लर्नर्स' में उद्घाटन भाषण एवं टिप्पणी प्रस्तुत की।

महाजन, कनिका : 14–15 दिसम्बर 2015 को अंतरराष्ट्रीय खाद्य एवं नीति अनुसंधान संस्थान और आनंदी, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा आयोजित कार्यशाला 'हाऊ कैन वी बैटर इंटेग्रेट जेंडर–अवेयर स्ट्रेटेजीज इनटू एक्सीस्टिंग फूड एंड न्यूट्रिशन सिक्योरिटी पॉलिसीस एंड प्रोग्राम्स इन इंडिया?' में भाग लिया।

नाइट, धीरज कुमार : अक्टूबर 2015 में तेजपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में 'मेमोरी, सोर्सेज एंड हिस्टोरिकल एनालिसिस' पर पाँच व्याख्यान प्रस्तुत किए।

——. मई 2015 में हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कानून विभाग में 'ग्लोबलाइजेशन एंड लिबरलाइजेशन : इम्पैक्टस ऑन लेबरिंग लाइफ एंड लेबर मूवमेंट' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रधान, गोपालजी : 17–18 मार्च 2016 को एयूडी में राष्ट्रीय संगोष्ठी 'अम्बेडकर चिंतन और हिन्दी साहित्य' का आयोजन किया।

संखिल, भोलमि : 12 नवम्बर 2015 को जेएनयू, नई दिल्ली में ईस्टेरिन कीयर की पुस्तक 'द डांसिंग विलेज' के विमोचन समारोह की अध्यक्षता की एवं पुस्तक पर चर्चा की।

——. मार्च 2016 में एयूडी, नई दिल्ली के एमए अंग्रेजी के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम 'वीमेन राइटिंग इन इंडिया' के अंतर्गत "वीमेन राइटिंग इन इंडियाज नार्थईस्ट" व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. 9 जनवरी 2016 को हेनरिक बॉल फाउंडेशन के सहयोग द्वारा भारत पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में 'कल्चर्स ऑफ पीस : फेस्टिवल ऑफ द नार्थईस्ट' वार्षिक जुबान इवेंट के दौरान "नैरेटिव ट्रेडिशन्स इन द नार्थ ईस्ट" पर चर्चा की।

शर्मा, संजय कुमार : मई 2015 में अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज, नई दिल्ली में 'डेल्ही एज द साइट ऑफ सेवन हिस्टोरिकल सिटीज' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सिंह, संदीप, आर. : मार्च 2016 में किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 'रीडिंग टेक्स्ट, रीडिंग मार्जिन्स : ए डिसएबिलिटी पर्सपेक्टिव' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

वेंकटरमण, गीता : 2–4 अप्रैल 2015 को दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित आईडब्ल्यूएम कार्यशाला/सम्मेलन में 'वीमेन इन मैथमेटिक्स : पर्सपेक्टिव्स' विषय पर पैनल परिचर्चा की अध्यक्षता की।

——. मार्च 2016 में सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'ग्रुप थ्योरी' राष्ट्रीय कार्यशाला में "ग्रुप एक्शन्स एंड नॉट द बर्नसाइड लेम्मा" उद्घाटन–व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द क्विनिग्सबर्ग ब्रिज्स प्रॉब्लम एंड यूलेरियन ग्राफ्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. फरवरी–मार्च 2016 में एसपीएम महाविद्यालय एवं हिन्दू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सिमिट्री अराउंड अस' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मई 2016 में आईआईटी गुवाहाटी के गणित विभाग में संगोष्ठी श्रृंखला के अंतर्गत 'क्वांटिफाईंग फाइनेट ग्रुप्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सरकश अल्फाज, लिबरल अध्ययन स्कूल

स्नातक अध्ययन स्कूल

स्नातक अध्ययन स्कूल (एसयूएस) में सात विशेष (ऑनर्स) कार्यक्रमों का प्रावधान है–अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, गणित, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और समाज विज्ञान एवं मानविकी (एसएसएच)। तीन वर्षीय ऑनर्स कार्यक्रमों में से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार एवं ढंग के पाठ्यक्रमों को चुनने एवं उनके द्वारा उन्हें आधारिक कौशल, विषय जन्य एवं अंतर्विषयक शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है। इन स्नातक कार्यक्रमों में छात्रों को लिबरल कला की एक विशिष्ट शिक्षा दी जाती है, जो युवाओं को शिक्षा की विभिन्न पद्धतियों से अवगत कराती है।

बीए (ऑनर्स) : अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र को प्रमुखता देते हुए बीए ऑनर्स कार्यक्रम को भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के समक्ष आने वाले मुद्दों पर जोर देने के साथ ही विद्यार्थियों को अर्थव्यवस्था–विश्लेषण का बुनियादी लेकिन दृढ़ प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बनाया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुशासन के अंतर्गत छात्रों के विभिन्न दृष्टिकोणों को उजागर करना है। इसके अतिरिक्त उन्हें अर्थशास्त्र के सामाजिक एवं राजनीतिक आयामों से भी परिचित करवाना है।

बीए (ऑनर्स) : अंग्रेजी

बीए ऑनर्स अंग्रेजी कार्यक्रम साहित्य–अध्ययन से संबंधित सभी पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराता है। पाठ्यक्रम अंग्रेजी में लिखित साहित्य के साथ ही, भारतीय भाषाओं के अंग्रेजी में अनुवाद एवं विश्व के अन्य सभी महत्त्वपूर्ण साहित्यिक अनुवादों का एक मजबूत घटक है। छात्रों द्वारा विश्व को आलोचनात्मक रूप से देखने का इसे प्रवेश बिंदु माना जा सकता है। कार्यक्रम से आशा है कि यह विद्यार्थियों को सांस्कृतिक एवं भाषाई पद्धति के रूप में साहित्य की व्यापक समझ देगा। इसके अलावा यह साहित्यक व सांस्कृतिक पद्धतियों में कृत्रिम एवं स्वीकृत अनुक्रमों को विघटित करने के उपकरणों को भी साथ लेकर चलेगा।

बीए (ऑनर्स) : इतिहास

इतिहास को प्रमुखता देते हुए बीए ऑनर्स कार्यक्रम विद्यार्थियों में व्यापक वैश्विक रुझानों के संबंध में भारतीय अतीत की विविधता के प्रति दिलचस्पी उत्पन्न करता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अतीत में प्रवेश करने के विभिन्न तरीकों से अवगत करना है जो इतिहास–अध्ययन को रोमांचित एवं उपयोगी बनाता है। वे सिनेमा एवं प्रत्यक्ष संस्कृति खोजने और परियोजनाओं द्वारा अपनी आलोचनात्मक सोच तथा विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करते हैं। वैकल्पिक पाठ्यक्रम इतिहास के विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित है। पाठ्यक्रम के अंतर्गत ट्यूटोरियल, क्षेत्र–यात्राएँ, कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं।

बीए (ऑनर्स) : गणित

गणित को प्रमुखता देते हुए बीए ऑनर्स कार्यक्रम के मुख्य पाठ्यक्रम में अमूर्त बीजगणित, वास्तविक विश्लेषण, संख्यात्मक विश्लेषण, अनुमान और आंकड़े, अंतर समीकरण एवं रेखीय

अनुकूलन शामिल हैं। गणित के वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में व्यापक विविधता जैसे—गणितीय वित्त, बीमांकिक गणित, कंप्यूटर विज्ञान हेतु गणित, असतत गणित, अंक सिद्धांत और कूटलेखन, उन्नत बीजगणित, उन्नत विश्लेषण, गणितीय प्रतिरूपण आदि शामिल हैं। कम्प्यूटेशनल कौशल एवं प्रोग्रामिंग कौशल को विस्तृत प्रयोगिक उदाहरणों द्वारा पढ़ाया जाता है। निश्चित मापदंड हेतु विद्यार्थी एक मुख्य विषय से दूसरे विषय में भी अंतरण कर सकते हैं। पाठ्यक्रम के अंतर्गत ट्यूटोरियल, प्रयोगशाला—सत्र, कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं।

बीए (ऑनर्स) : मनोविज्ञान

मुख्य पाठ्यक्रम इतिहास एवं मनोवैज्ञानिक—पद्धतियों का विद्यार्थियों को अभ्यास कराता है। वे संवेदनशीलता, बाल जीवन, तंत्रिका मनोविज्ञान, सामाजिक और असामान्य मनोविज्ञान के बारे में सीखते हैं। एक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम, भारतीय संदर्भ से संबंधित भी पढ़ाया जाता है। वैकल्पिक पाठ्यक्रम अधिक अंतर्विषयक हैं। ये परामर्श—सेवा, संगठनात्मक व्यवहार, शिक्षा, लैंगिकता एवं कहानी—वार्ता के क्षेत्रों में मनोवैज्ञानिक समझ की प्रयोज्यता प्रदर्शित करते हैं।

बीए (ऑनर्स) : समाजशास्त्र

समाजशास्त्र को प्रमुखता देते हुए बीए ऑनर्स कार्यक्रम विद्यार्थियों की स्वयं तथा समाज के मध्य संबंधों के प्रति आलोचनात्मक जागरूकता विकसित करने एवं रोजमर्रा की दुनिया से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान मान्यताओं के बारे में सवाल पूछने हेतु तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक, पद्धतिगत एवं सामयिक विचारों के संयोजन के माध्यम से प्रतिक्रियात्मक अवधारणा को विकसित करना है।

बीए (ऑनर्स) : समाज विज्ञान एवं मानविकी (एसएसएच)

समाज विज्ञान एवं मानविकी को प्रमुखता देते हुए बीए ऑनर्स कार्यक्रम (एसएसएच) ऐसा अनूठा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को लिबरल कला शिक्षा का अत्यधिक लाभ देते हुए स्कूल के भीतर, गहनता द्वारा मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं गणितीय विज्ञान के तीन ज्ञान—क्षेत्रों का समन्वेषण करने की अनुमति देता है।

पिछले अकादमिक सत्र में एसयूएस के कार्यक्रम ढांचे पर विचार—विमर्श किया गया। अकादमिक परिषद द्वारा पारित संशोधित कार्यक्रम संरचना को शैक्षणिक वर्ष 2015—16 में आरंभ किया गया। कुल मिलाकर 96 क्रेडिट की आवश्यकता एवं आधार, मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का भेद बना रहा, जबकि आधार पाठ्यक्रमों के स्वरूप में संशोधन किया गया। एसयूएस विद्यार्थियों ने अनिवार्य आधार पाठ्यक्रमों के अंतर्गत हिन्दी और 'पर्यावरण : मुद्दे एवं चुनौतियाँ' पाठ्यक्रमों का अध्ययन शुरू किया। पहले की तरह ही अंग्रेजी पाठ्यक्रम प्रत्येक छात्र के लिए अनिवार्य ही बना रहा। विद्यार्थियों ने सत्र एक के बाद से अपना प्रथम शिक्षण पाठ्यक्रम भी आरंभ किया। नए आधार पाठ्यक्रमों जैसे जेंडर—परिचय, चित्रांकन—परिचय भी मानसून सत्र 2015 में वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के रूप में प्रस्तुत किए गए।

एसयूएस के अधिष्ठाता की अध्यक्षता में कार्यक्रम समन्वयकों एवं संयुक्त समन्वयकों ने सभी निर्णय एसयूएस की शिक्षा समन्वयक समिति (एसीसी) के माध्यम से लिए। एसयूएस के तीन

उप–अधिष्ठाताओं अर्थात् सत्यकेतु सांकृत, धरित्री नर्जरी चक्रवर्त्ती एवं उर्फत अंजुम मीर ने प्रशासनिक और शैक्षिक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने हेतु उदारतापूर्ण योगदान दिया।

वर्तमान अकादमिक वर्ष में एसयूएस में 232 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। एसयूएस की मौजूदा क्षमता 598 छात्रों की है।

मानसून एवं शीतकालीन सत्र में, क्रमशः 67 और 69 पाठ्यक्रमों में से स्नातक छात्र अपनी रुचि के अनुरूप पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों की अत्यधिक संख्या एवं पाठ्यक्रमों के अध्यापन हेतु समस्त एयूडी के प्राध्यापक वर्ग के सदस्यों को देखते हुए, समन्वय एक विशाल चुनौती थी। एसीसी और कार्यक्रम समितियों ने नियमित बैठकों द्वारा इनसे निपटने की कोशिश की। निर्णय–निर्माण की सहभागितामूलक और अद्यतन बनाए रखने के लिए, कार्यक्रम समितियों और एसीसी के बीच संचार वीथियाँ खुली रखी गई हैं। एसीसी की बैठकों का कार्यवृत्त (विवरण) एयूडी के प्राध्यापक वर्ग के साथ विस्तारपूर्वक साझा किया जाता है।

डॉ. रुक्मिणी सेन की अध्यक्षता में एसयूएस मूल्यांकन एवं उपस्थिति समिति (ईएसी) ने अकादमिक वर्ष 2015–16 के संतुलित परिणामों की घोषणा की। इसके अतिरिक्त ईएसी ने एसयूएस के शैक्षिक पंचांग का निर्धारण, प्रत्येक सत्र में पूरक पुनरावृत्ति के योग्य विद्यार्थियों की सूची की घोषणा, मध्य तथा अंतिम सत्र परीक्षाओं के लिए परीक्षा की समय–सारणी का निर्धारण और मूल्यांकन एवं उपस्थिति से संबंधित विभिन्न सरोकारों पर परिचर्चा की तथा तदनुरूप निर्णय–निर्धारण किया।

डॉ. धरित्री नर्जरी चक्रवर्त्ती द्वारा संयोजित एक लघु समिति में, एसयूएस की सात कार्यक्रम स्तरीय छात्र संकाय समितियों (एसएफसी) के छात्र–सदस्यों के निर्वाचनों का निरीक्षण किया गया। एसएफसी, स्कूल स्तरीय एसएफसी की नियमित बैठकों तथा विद्यार्थियों के परामर्श द्वारा एसयूएस के छात्रों एवं शिक्षकों दोनों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक कार्यक्रमों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

एसयूएस में स्वतंत्र स्थायी संकाय नहीं है। एयूडी के सभी संकाय–सदस्यों द्वारा एसयूएस में योगदान देने की उम्मीद की जाती है। शीतकालीन सत्र 2016 में एसयूएस में अंग्रेजी भाषा शिषण में सहायक प्रोफेसरों के रूप में नुपूर सेमुअल एवं मोनिशिता हजरा पाण्डेय को नियुक्त किया गया।

प्रस्तुतियाँ

चक्रवर्त्ती, डी. एन. : अक्टूबर 2015 में डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्ज, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली द्वारा आयोजित 'इनिक्वलिटी इन ए राइजिंग एशिया : एनवायरमेंट, हिस्ट्री एंड कल्चर' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "क्रिएटिंग कल्चरल नॉलेज सेंटर : ए कम्पेरेटिव अंडरस्टैंडिंग फ्रॉम दि ऐनू एंड बोडो पर्सपेक्टिव" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. 2–3 नवम्बर 2015 को यूनेस्को, बैंकॉक द्वारा आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी 'डेवलपमेंट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री फोकसिंग ऑन इंटैंजिबल कल्चरल हेरिटेज इन दि एशिया पैसिफिक रीजन' में पत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया।

——. फरवरी 2016 में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सामुदायिक ज्ञान केंद्र और पूर्वोत्तर मंच एवं इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज, शिलांग, मेघालय द्वारा आयोजित 'ओरल ट्रेडिशन्स : कॉन्टीनुइटी एंड ट्रांस्फोर्मेशन्स, नार्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "वीमेन इन दि मेकिंग ऑफ बोडो कल्चर" पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

धरित्री एन. चक्रवर्त्ती को 18–19 अक्टूबर 2015 को बोडो साहित्य सभा कोकराझार, असम द्वारा आयोजित 'कल्चरल हेरिटेज सेंटर' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

इतिहास इकाई द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया :–

2 अप्रैल 2015 को फतेहपुर सीकरी के लिए एक दिन की लंबी यात्रा आयोजित की (एच 07 के हेतु)।

रचना मेहरा ने 2 मार्च 2016 को मुख्य रूप से बीए इतिहास, आधुनिक भारत के चौथे (एच 08) एवं छठे सत्र (एच 10) के विद्यार्थियों के लिए दिल्ली रिज टहलने का आयोजन किया। प्रो. संजय कुमार शर्मा विशेषज्ञ थे। समूह ने पुराने वायसराय लॉज, फ्लैगस्टॉफ, चौबुरजा, पीर गाइब, बाड़ा हिन्दू राव, अशोक स्तंभ एवं विद्रोह स्मारक का दौरा किया।

गीतांजलि त्यागी ने (एच 07, मध्यकालीन भारत के लिए) 18 मार्च 2016 को मिर्जा गालिब की हवेली एवं हुमायूं के मकबरे की यात्रा का आयोजन किया।

19 मार्च 2016 को (एच 04, प्रारंभिक भारत के लिए) कला अवशेष, सिक्के, पांडुलिपियों आदि के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के सबूतों के परीक्षण हेतु राष्ट्रीय संग्रहालय की यात्रा का आयोजन किया।

समाजशास्त्र इकाई द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया :–

11 सितम्बर 2015 को प्रोफेसर पी. सी. जोशी, न विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने बीए समाजशास्त्र के तीसरे सत्र के विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान प्रस्तुत किया।

13 मार्च 2016 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा की संकाय सदस्य डॉ. कालिंदी शर्मा ने बीए समाजशास्त्र के चौथे सत्र के विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान प्रस्तुत किया।

25 फरवरी 2016 को डॉ. अर्चना सरकार, सहायक निदेशक, ममता इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड हेल्थ, नई दिल्ली ने बीए समाजशास्त्र के चौथे सत्र के विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कोपल चौबे दत्ता ने कानूनी साक्षरता पाठ्यक्रम के अंतर्गत कानून साक्षरता अभियान का आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों ने लघु फिल्म, पोस्टर एवं पुस्तिकाएं बनाई थी, जिन्हें एयूडी में लगाया गया। इसके अतिरिक्त परिसर में सफाई अभियान आयोजित किया गया, कूड़ेदान लगाए गए तथा उन्होंने अपने असाइनमेंट के रूप में सुलभ कर्मचारियों का साक्षात्कार भी लिया।

20 अप्रैल 2015 को ओडोरी नृत्य संस्था ने एक नृत्य–नाटिका 'सेवन' (संस्कृत में 'सप्तह') का आयोजन किया। इसमें महाभारत की सात महिला पात्रों द्वारा क्रोध, त्याग, पितृसत्ता, वर्णभेद, महत्त्वाकांक्षा, प्रतिशोध एवं प्रेम का चित्रण किया गया है।

दाराशिकोह पुस्तकालय के सामने संगीत–संध्या

केंद्र

सामुदायिक ज्ञान केंद्र

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में स्थिति सामुदायिक ज्ञान केंद्र (सीसीके) विश्वविद्यालय आधारित अंतर्विषयक अनुसंधान केंद्र है, जो हमारी ज्ञान विविधता को समायोजित करने में नए स्रोतों, अभ्यासों एवं संभाषण को शामिल करता है तथा इनका विस्तार करता है। इस तरह, यह मौखिक एवं सामुदायिक ज्ञान को शैक्षणिक ज्ञान की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रहा है। सामुदायिक ज्ञान का एक संग्रह केंद्र भी है। यह नृजातीय तथा नृवैज्ञानिक शोधकर्ताओं से प्राप्त किए गए अभिलेखों का डिजिटल अभिलेखागार सृजित करने में लगा हुआ है। इसे सामुदायिक संगठनों के साथ–साथ स्वयं आरंभ किया गया है।

1. दिल्ली नागरिक स्मृति कार्यक्रम

दिल्ली की विरासत को समझने हेतु दिल्ली के पुराने निवासियों के अनुभवों और मौखिक श्रुतियों के संग्रह एवं प्रचार–प्रसार की इस दीर्घकालिक परियोजना के एक अंग रूप में, निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :–

दारा शिकोह उत्सव : एयूडी के कश्मीरी गेट परिसर में मार्च से अप्रैल 2015 तक दिल्ली की अल्प ज्ञात कहानियों के दारा शिकोह उत्सव का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत दारा शिकोह भवन में ध्वनि तथा प्रकाश कार्यक्रम की व्यवस्था की गई और विशेष शोध द्वारा दारा शिकोह की जीवनी संबंधी एक दास्तान–'दर–ए–शिकोह' तैयार की गई, जिसे दरवेश रंगमंच समूह द्वारा प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा दिल्ली की 17वीं एवं 18वीं शताब्दियों की संगीत कला पर व्याख्यान–प्रदर्शन भी किया गया।

दिल्ली मौखिक आख्यान परियोजना : दिल्ली मौखिक आख्यान परियोजना आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित है। यह सितम्बर 2014 में शुरू की गई और इसमें अब तक शहर के 35 विस्तृत जीवन वृत्तांतों का संग्रह किया जा चुका है। इसका उद्देश्य अगस्त 2016 तक इतिहासों के 100 विस्तृत मौखिक आख्यानों का संग्रह करना है। इन्हें 'दिल्ली की स्मृतियाँ' नाम से प्रकाशित भी किया जाएगा, जिसके लिए प्रकाशकों से बातचीत जारी है।

हम सब निजामुद्दीन : दक्षिण–मध्य दिल्ली के निजामुद्दीन (पूर्व और पश्चिम) में अप्रैल–मई 2015 में एक महीने के लंबे नेबरहुड म्यूजियम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह विश्वविद्यालय एवं शहर के सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय स्मृति के साथ संवाद बनाने के लिए चल रही नेबरहुड म्यूजियम श्रृंखला का एक भाग है।

शादीपुर शनि बाजार : शादीपुर बाजार पर अगस्त–अक्टूबर 2015 में एक महीने की लंबी प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस परियोजना के अंतर्गत पश्चिमी दिल्ली के साप्ताहिक अनौपचारिक बाजार के विक्रेताओं, व्यापारिक वस्तुओं एवं ग्राहकों पर नजर रखी गई, जो करीब दो पीढ़ियों से पड़ोस में कम लागत के उत्पाद प्रदान कर रहे हैं। इसमें बाजार से संबंधित

इतिहास, व्यवस्था, विक्रेताओं की कहानियों तथा अन्य दिलचस्प पहलुओं पर ध्यान दिया गया। यह सीसीके से संरक्षित एमए समाजशास्त्र के विद्यार्थी–समूह द्वारा किए गए क्षेत्र–अनुसंधान परियोजना की परिकाष्ठा थी।

2. पूर्वोत्तर मंच

प्रथम पूर्वोत्तर मंच शोध परियोजना (2011–14) : 'मटिरियल कल्चर, क्रिएशन एंड यूज : पर्स्पेक्टिव फ्रॉम इनसाइड दि कम्यूनिटी', के फलस्वरूप (दिसम्बर 2015 में) एक शोध–ऑब्जेक्ट्स, आइडेंटिटीज, मीनिंग्स के प्रकाशन पर सहमति बनी। व्यापक सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तनों के परिणामस्वरूप शौतिक संस्कृति में आए बदलावों पर आधारित शोध परियोजना का अनुसरण करते हुए, पूर्वोत्तर मंच द्वारा अगले अनुसंधान अंक के विषय पर चर्चा की गई।

'ओरल ट्रेडिशन्स : कॉन्टीनुइटी एंड ट्रांस्फोर्मेशन्स : नार्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया ' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : 1–4 फरवरी 2016 को शिलांग, मेघालय, भारत में आयोजित किया गया। इस अंतर्विषयक सम्मेलन को आईएनटीएसीएच द्वारा सह–संगठित किया गया। इसमें पूर्वोत्तर भारतीय क्षेत्रीय समुदायों एवं विशाल पूर्व और दक्षिण पूर्व एशियाई समुदायों के बीच इस क्षेत्र के अंतर्गत सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक संबंधों को उजागर करने हेतु सामग्री एवं दृश्य निरुपण में शामिल छोटे संग्रहालयों तथा संगठनों के साथ–साथ 40 विद्वानों व विरासत पेशेवरों को एक–साथ लाया गया।

3. डिजिटल अभिलेखीकरण एवं संग्रहण कार्यक्रम

अम्बेडकर डिजिटल अभिलेखागार (एयूडीए) विश्वविद्यालय में होने वाले सभी कार्यक्रमों का डिजिटल रूप में रिकॉर्ड एवं संचय करता है। वर्तमान में संग्रह में शामिल हैं–

एयूडी सांस्थानिक समृति परियोजना (आईएमपी) : इस परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों एवं वर्तमान व पूर्व एयूडी विद्यार्थियों, कर्मचारियों तथा संकाय सदस्यों के साक्षात्कारों का निरंतर संचय जारी है। विद्यार्थी समुदायों को संग्रहण दिखाने और विश्वविद्यालय समुदाय की रोजाना की जिंदगी पर संवाद शुरू करने तथा जारी रखने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। अतः सितम्बर 2015 में 'प्लेबैक' नामक विश्वविद्यालय–विस्तृत पारस्परिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले से ही विश्वविद्यालय की चुनिंदा घटनाओं को एयूडी सांस्थानिक स्मृति परियोजना यूट्यूब चैनल पर ऑनलाइन साझा किया जा चुका है। लिखित सामग्री एवं साक्षात्कारों का विवरण एयूडी डिजिटल अभिलेखागार में किया जाएगा, जो वर्तमान में निर्माणाधीन है। संप्रति ऑफलाइन रहते हुए, अभिलेखागार विश्वविद्यालय के घटकों हेतु अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहा है।

लतिका वरदराजन एथनॉलॉजिकल अभिलेखागार : यह अभिलेखागार 1960 से 2010 तक की अवधि में परंपरागत प्रौद्योगिकियों, बुनाई एवं समुद्री यात्रा की परंपराओं को सम्मिलित कर रहा है। इसके मई 2016 तक पूरी होने की संभावना है। यह अब www.maritimearchives-cck.com पर ऑनलाइन उपलब्ध है। अनुसंधान साम्रगी का यह संचय लतिका वरदराजन ने दान किया है। संस्कृति मंत्रालय से (2013–14 में) प्राप्त अनुदान द्वारा इसको व्याख्याति एवं

संग्रहित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कार्य की संभावना को देखते हुए, इसे मुंबई स्थित वसंत जे. सेठ संस्थान से (2015–16 में) एक और अनुदान प्राप्त हुआ।

समाज विज्ञान शोध अभिलेखागार : यह बीसवीं सदी के साहित्यिक आंकड़ों एवं शौकिया संग्रहकर्त्ताओं के दुलर्भ दस्तावेजों तथा छवियों का सीसीके–एसएलएस डिजिटल अभिलेखागार है। इसकी पहली दो पत्रिकाएं और डायरियाँ, प्रगतिशील लेखक अमृत लाल नागर के चित्रों एवं अप्रकाशित टिप्पणियों तथा नसीम मिर्जा चंगेजी, पहाड़ी इमली, दिल्ली द्वारा संग्रहित उत्तर भारत, मध्य एशिया व फारस से फारसी, संस्कृत और उर्दू दस्तावेजों एवं कलाकृतियों पर आधारित हैं। संग्रहण की एक ई–तालिका जून 2016 तक तैयार होने की उम्मीद है।

दैनिक जीवन का दिल्ली चित्र अभिलेखागार : इसमें दिल्लीवासियों से प्राप्त चित्रों एवं लोकचित्रों का संग्रहण है, जो अनुमानतः 1930 से 1980 तक के शहरी दैनिक जीवन का चित्रण करता है। इसमें विभिन्न शौकिया (लाला नारायण प्रसाद, फोजान अली अहमद), पेशेवर (जन फ्रिस, तस्वीर–पत्रकार) व्यक्तियों या चित्रकारों तथा नेबरहुड फोटो स्टूडियो (निजामुद्दीन व शादीपुर) से संचयन किया गया है। इसमें लोगों और दिल्ली शहर की लगभग एक हजार दो सौ डिजिटल छवियाँ सम्मिलित हैं। इसके अलावा और भी एकत्रित करने का प्रयास जारी है।

उपलब्धियाँ

अक्टूबर एवं नवम्बर 2015 में सुरजीत सरकार लीडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड में क्रिटिकल हेरिटेज स्टडीज पर एमए कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथि संकाय–सदस्य थे।

प्रस्तुतियाँ

प्रसाद, आर. एवं फराह यमीन : फरवरी 2016 में नई दिल्ली में सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसायटी द्वारा आयोजित 'सेशन, आर्काइव्ज, एक्सेसिबिलिटी एंड सोशल मीडिया' प्रथम इंटरनेट अनुसंधानकर्ता सम्मेलन में "आर्काइव अनार्की" पत्र सह–प्रस्तुत किया।

सरकार, एस. : अगस्त 2015 में यूरोपियन सेंटर फॉर एशियन फील्डवर्क, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इनहिबिटेड पॉट्स : द मेनी लाइव्स ऑफ मोन्यूमेंट्स इन डेल्ही' संगोष्ठी में "मोन्यूमेंट इन लोकल मेमोरी" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. नवम्बर 2015 में आईआईएएस, लीडेन, नीदरलैंड में ताइवान स्पॉटलाइट व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित 'शेयर्ड हेरिटेज : पोस्टकोलोनियल हेरिटेज एंड सिविल सोसायटी इन ताइवान' कार्यशाला में "लिविंग विद कॉन्टेस्टेड हेरिटेज : रिथिंकिग मेथोडोलॉजी एंड प्रैक्टिस" पत्र प्रस्तुत किया।

——. दिसम्बर 2015 में सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद में द आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क द्वारा आयोजित 'इंगेजिंग हैदराबाद विद कंसर्वेशन' संगोष्ठी में "इंगजेड स्कालरशिप एंड ए कम्युनिटी बेस्ड मुसोग्राफी" पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

लिबरल अध्ययन स्कूल, एयूडी एवं डेल्ही कंपरिटिस्ट (दिल्ली विश्वविद्यालय, आधुनिक भारतीय भाषाएं) के साथ मिलकर सीसीके ने 24–25 मार्च 2015 को 'इंटेर्रोगटिंग मैनुस्क्रिप्ट ट्रेडिशन्स' संगोष्ठी का आयोजन किया।

मार्च एवं अक्टूबर 2015 में दृश्य–श्रव्य प्रलेखन पर दो कार्यशालाएं आयोजित की गई। इसमें सांस्थानिक स्मृति तथा एथानोग्राफिक अभिलेखागार के निर्माण में सहायता करने वाले कई विद्यार्थियों को डिजिटलीकरण, प्रलेखीकरण एवं मेटाडेटा में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित किया गया।

अगस्त 2015 में एयूडी में प्रविष्ट हुए नए विद्यार्थियों के लिए परिसर चहलकदमी का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को परिसर के विभिन्न स्थलों व जगहों, इतिहास, मौखिक कहानियों एवं परिसर से संबंधित व्यक्तियों के अनुभवों से अवगत कराना था।

नए छात्र परिसर भ्रमण पर, सामुदायिक ज्ञान केंद्र

विकास प्रणाली केंद्र

विकास प्रणाली केंद्र (सीडीपी) को जुलाई 2013 में प्रबंधन मंडल द्वारा स्थापित किया गया। इसमें दो–आयामों पर ध्यान केंद्रित किया गया है–पहला, ग्रामीण विकास में परिवर्तनकारी सामाजिक कार्य करने हेतु व्यावसायिक संचालक संवर्ग का निर्माण एवं दूसरा, सहयोगी अनुसंधान, प्रलेखन व पद्धति संकलन में संलग्न और विकास व्यवसायियों तथा शिक्षाविदों के बीच बातचीत के लिए एक जीवंत स्थान/मंच के रूप में सीडीपी की स्थापना। सीडीपी ने निम्न के आस–पास अनुसंधान संगृहित करने शुरू किए हैं–

- जाति एवं वर्ग : सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक पुनः परीक्षा की आवश्यकता
- जेंडर, स्वास्थ्य और विकास
- सशक्तीकरण की व्याख्या : ग्रामीण भारत में परिवर्तन प्रक्रिया एवं प्रतिरोध
- विकास क्षेत्र का प्रारूप तैयार करना।

परियोजनाएं

जमशेदजी टाटा ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित 'इंस्टीट्यूशनलिसिंग ऐन एम.फिल इन डेवलपमेंट प्रैक्टिस', (रु. 3,46,97,000, चार वर्ष : जारी)।

प्रदान द्वारा वित्त पोषित 'टू एक्सप्लोर दि इश्यूज ऑफ सिंगल वीमेन इन रायगडा, ओडिशा', (रु. 3,96,000 : दिसम्बर 2016 में प्रदान के साथ समाप्त तथा आरजीएफ में सूचीबद्ध)।

चार्ल्स स्टुअर्ट विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित 'एडवांसिंग म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग एंड कोऑपरेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट', (रु. 5,00,000 : समाप्त)।

आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित 'कास्ट एंड कास्ट : नीड फॉर थियोरेटिकल एंड एम्पीरिकल री–एग्जामिनेशन', (रु. 14,03,036)।

प्राइस वाटरहाउस कोर्प्स (पीडब्ल्यूसी), इंडिया फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित 'इनक्यूबेटिंग कम्युनिटी–बेस्ड सोशल इनिटिएटिव–किनारे', (रु. 8,00,000 : जारी)।

'हेल्प योर एनजीओ' : एम.फिल. विकास प्रणाली के एक विद्यार्थी हेतु प्रायोजन (रु. 3,30,000 : समाप्त)।

फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित 'अनलॉकिंग दि पोटेंशियल ऑफ दि एनटीएफपी सेक्टर', (डॉलर 370,000 : जारी)।

'ट्रांसफॉर्मेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट 2016', जमशेदजी टाटा ट्रस्ट द्वारा संगोष्ठी हेतु प्रायोजन (रु. 4,59,000)।

तीन एम.फिल. विद्यार्थियों एवं दो सहकर्मियों हेतु 22 महीनों के लिए रु. 15,000/– का वजीफा, रोहिणी घादोक फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित (रु. 29,70,000 : समाप्त एवं नई परियोजना के अंतर्गत)।

10 एम.फिल. विद्यार्थियों को पूर्ण वजीफा एवं दूसरे 10 छात्रों को आकस्मिक सहायता हेतु प्रायोजन, एनएसडीएल ई–गवर्नेंस द्वारा वित्त पोषित (रु. 29,60,000 : जारी)।

एक पूर्णकालिक कार्य अनुसंधान फेलो के वेतन हेतु समर्थन, रोहिणी घादोक फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित (रु. 4,00,000 : जारी)।

एम.फिल विकास प्रणाली के दो विद्यार्थी हेतु वजीफा, सुश्री भारती गुप्ता रमोला द्वारा वित्त पोशित (रु. 6,60,000)।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

प्रदान के सहयोग द्वारा विकास प्रणाली की कल्पना को विकसित करने एवं क्रिया अनुसंधान के अर्थ की बारीकियों को बेहतर ढंग से समझने हेतु ग्रामीण क्षेत्र के विकास व्यवसायियों के साथ पाँच कार्यशालाएं आयोजित की।

ग्रीष्मकालीन स्कूलों के माध्यम से दस परिकल्पित पाठ्यक्रमों में से प्रथम का आयोजन किया गया एवं व्यवसायी तथा अकादमिक के बीच संयुक्त अनुसंधान के परिणाम हेतु 22 पेशेवरों को प्रशिक्षित किया गया।

20–22 अप्रैल 2015 को चार्ल्स स्टर्ट विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, एयूडी एवं प्रदान ने 'रिसर्च एंड एजुकेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड फूड सिक्योरिटी टू बिल्ड रेजिलिएन्ट रूरल एनवायरमेंट्स : ऑस्ट्रेलियन एंड इंडियन पर्सपेक्टिव्स' संगोष्ठी का आयोजन किया।

24 नवम्बर 2015 को अमन बिरादरी ट्रस्ट ने 'अंडरस्टैंडिंग दि रूरल' पर संगोष्ठी आयोजित की।

अहमद, सारा : 2 नवम्बर 2015 को 'क्वालिटीज्स ऑफ ए डेवलपमेंट प्रैक्टिशनर' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

आगा, अनु : 26 अप्रैल 2015 को रोहिणी घादोक स्मृति व्याख्यान के अंतर्गत 'एम्बेरेसिंग लाइफ थ्रू एक्सपीरियंस ऑफ डेथ' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

चक्रवर्त्ती, अंजन, प्रोफेसर : 31 अक्टूबर 2015 को 'डेवलपमेंट, इकोनॉमिक्स क्राइसिस, क्रिटिट एंड अल्टरनेटिव' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

चारुशीला : 28 अगस्त 2015 को 'पोस्टकोलोनियल पॉलिटिकल इकॉनमी' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

लैगौरी, लौरा : 16 सितम्बर 2015 को 'एक्सेस्सिंग दि लैंडस्केप विदइन : डिप्लोयिंग साइकोलॉजी एंड न्यूरोबायोलॉजी टू इंफॉर्म पॉवर्टी रिडक्शन एंड एम्पावरमेंट स्ट्रेटेजीज' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

नियुक्तियाँ

सीडीपी एम. फिल विकास प्रणाली के विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक प्रतिष्ठित विकास क्षेत्र संगठनों में नियुक्त कर रहा है। प्रथम समूह के 15 विद्यार्थियों को सेवा, आरजीएमवीपी, टीएसआरडीएस, टाटा ट्रस्ट, प्रदान, आजाद फाउंडेशन जैसे संगठनों में जगह मिली, जबकि द्वितीय समूह के 10 छात्रों को हर्षा ट्रस्ट, खेमका फाउंडेशन, प्रदान, टाटा ट्रस्ट आदि संगठनों में नियुक्त किया गया।

प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र(सीईसीईडी) की कल्पना एक ऐसी संस्था के रूप में की गई है जिसमें सुव्यवस्थित एवं सर्वांगीण वैचारिक ढाँचे के भीतर शोध, राजनीति और प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास क्षेत्र (ईसीईडी) का समावेश है। सीईसीईडी की सोच प्रारंभिक शिक्षा पर ध्यान के साथ विकास एवं संदर्भ की दृष्टि से समुचित एवं समावेशी ईसीईडी की सर्वांगी शिक्षा को बढ़ावा देना है। केंद्र का लक्ष्य हर बच्चे के जीवन हेतु ईसीईडी के माध्यम से ठोस आधार के अधिकार का समर्थन एवं प्रोत्साहन करते हुए, सामाजिक न्याय और समानता के राष्ट्रीय लक्ष्यों में सहयोग करना है। केंद्र शोध, क्षमता निर्माण और समर्थन से ईसीईडी में साक्ष्य आधारित गुणवत्ता के प्रोत्साहन को अपना लक्ष्य मानता है। अपनी शोध व मूल्यांकन; गुणवत्ता के प्रोत्साहन; और क्षमता निर्माण के साथ ही साथ ईसीईडी के क्षेत्र में समर्थन एवं नेटवर्किंग के लिए सीईसीईडी ने वर्ष 2009 से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अभिकरणों से सक्रियतापूर्वक धन जुटाना जारी रखा है। सीईसीईडी समूह में निदेशक, संकाय–सदस्य, परियोजना कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी सहित 39 व्यक्ति शामिल हैं।

सहयोग

केंद्र ने निम्नलिखित संस्थाओं के साथ सहयोग किया है–

1. आगा खान फाउंडेशन (एकेएफ), नई दिल्ली
2. आंध्र महिला सभा (एएमएस), हैदराबाद
3. एएसईआर केंद्र, नई दिल्ली
4. बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडेशन (बीवीएलएफ), नीदरलैंड्स
5. केयर इंडिया सॉल्युशंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (सीआईएसएसडी), नई दिल्ली
6. सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सीएसएफ)
7. चिल्ड्रेंस इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन (सीआईएफएस), लंदन
8. कथा, नई दिल्ली
9. मोबाइल क्रेशेज, नई दिल्ली
10. क्षेत्रीय केंद्र : राष्ट्रीय लोक सहकारिता एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी), गुवाहाटी, असम
11. सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी), मुंबई
12. विश्व बैंक, नई दिल्ली
13. यूएनआईसीईई इंडिया
14. येल विश्वविद्यालय, न्यू हेवेन, कनेक्टिकट, अमेरिका

परियोजनाएं

अनुसंधान एवं मूल्यांकन

डे, मणिमालिका, प्रधान अन्वेशक और आकांक्षा अद्या, समन्वयक : येल विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोशित 'इफेक्ट्स ऑफ न्यूट्रिशन एंड अर्ली स्टिम्यूलेशन : ए स्टडी इन ओडिशा', (रु. 16,76,325 : जारी) ।

डे, मणिमालिका, प्रधान अन्वेशक एवं प्रीति महालवाल, समन्वयक : मोबाइल क्रेशेज द्वारा वित्त पोशित "इम्पेक्ट इवैल्यूएशन ऑफ दि प्रोजेक्ट 'सेविंग ब्रेन्स, चेंजिंग माइंडसेट्स'", (रु. 17,84,970, दो वर्ष : जारी) ।

कौल, वनिता, प्रधान अन्वेशक एवं मोनू शर्मा, समन्वयक : सीएसएफ द्वारा वित्त पोषित 'स्टैण्डर्डाइजेशन ऑफ असेसमेंट टूल्स डेवलप्ड वाय सीईसीईडी', (रु. 17,50,000 : जारी) ।

कौल, वनिता, प्रधान अन्वेशक एवं अपराजिता भारगढ़, समन्वयक : यूनिसेफ, विश्व बैंक, चिल्ड्रेन्स इनवेस्टमेंट फंड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित 'दि इंडियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट (आईईसीईआई) स्टडी', (रु. 1,26,88,233 : जारी) ।

कौल, वनिता, प्रधान अन्वेशक एवं संदीप शर्मा, परियोजना समन्वयक : आगा खान फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित 'स्कूल रेडीनेस असेसमेंट इन निजामुद्दीन बस्ती (अर्बन रिन्यूअल प्रोग्राम', (रु. 1,69,000 : समाप्त) ।

सिंह, सुनीता, प्रधान अन्वेशक : केयर इंडिया द्वारा वित्त पोषित 'अर्ली लैंग्वेज एंड लिटरेसी पोजीशन पेपर', (रु. 3,81,494 : समाप्त) ।

सिंह, सुनीता, प्रधान अन्वेशक एवं अभिश्वेता झा, समन्वयक : बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित 'इवैल्यूएशन ऑफ प्रेम सीबीसीडी सेंटर्स', (रु. 20,57,000 : जारी) ।

सिंह, सुनीता, प्रधान अन्वेशक एवं मीनाक्षी डोगरा, परियोजना समन्वयक : कथा द्वारा वित्त पोषित ''इवैल्यूएशन ऑफ कथास 'आई लव रीडिंग कैंपेन' इन डेल्ही एमसीडी स्कूल्स'', (रु. 3,52,000 : जारी) ।

सिंह, सुनीता तथा मनीश जैन, प्रधान अन्वेशक एवं संदीप शर्मा, समन्वयक : 'एक्सप्लोरिंग दि फेनोमेनन ऑफ प्राइवेटाइजेशन ऑफ स्कूल्स', (जारी) ।

क्षमता निर्माण एवं गुणवत्ता संवर्धन

डे, मणिमालिका, प्रधान अन्वेशक एवं शिप्रा शर्मा, परियोजना समन्वयक : यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित 'टेक्निकल असिस्टेंस टू वेस्ट बंगाल', (रु. 6,26,932 : समाप्त) ।

कौल, वनिता, प्रधान अन्वेशक : यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित 'टेक्निकल सपोर्ट ड्यूरिंग कॉम्प्रेहेंसिव नेशनल न्यूट्रिशन सर्वे (सीएनएनएस)', (रु. 7,70,000 : समाप्त) ।

कौल, वनिता, प्रधान अन्वेशक एवं शिप्रा शर्मा तथा अपराजिता भारगढ़, समन्वयक : यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित 'फिजिबिलिटी असेसमेंट फॉर डेवलपिंग स्ट्रेटेजीज फॉर दि इम्प्लीमेंटेशन ऑफ नेशनल पॉलिसी फॉर अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड डेवलपमेंट', (रु. 78,88,425 : जारी) ।

सिंह, सुनीता, प्रधान अन्वेशक एवं मीनाक्षी डोगरा, समन्वयक : यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित 'डेवलपिंग अर्ली लर्निंग एंड डेवलपमेंट स्टैंडर्ड्स (ईएलडीएस) फॉर चिल्ड्रन फ्रॉम बर्थ टू ऐट इयर्स इन इंडिया', (रु. 78,88,425 : जारी)।

समर्थन

सीईसीईडी कम्यूनिकेशन क्लिसरिंग हाउस सीईसीईडी कम्यूनिकेशन समूह (वनिता कौल, रिंकू बोरा एवं पायल साहू) ने परियोजना समन्वयकों के साथ घनिष्ठ सामंजस्य में कार्य किया तथा केंद्र के उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु उनकी बढ़ी हुई आवश्यकताओं को पूरा किया। पिछले वर्ष (2015–16) में की गई कुछ गतिविधियाँ इस प्रकार हैं–

- अर्लीस्कोप वेब पोर्टल (http://ecceportal.in) : यह नीति निर्माताओं, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, व्यवसायियों, माता–पिता एवं स्वयं बच्चों को ध्यान में रखते हुए आपसी विचारों के आदान–प्रदान हेतु एक महत्त्वपूर्ण स्थान है।
- सीईसीईडी वेबसाइट (www.ceced.net) : सीईसीईडी वेबसाइट नियमित रूप से अपडेट की जाती है एवं परियोजनाओं, कर्मचारियों, कार्यक्रमों तथा यहाँ तक कि नौकरी के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करती है। सीईसीईडी के विभिन्न हितधारकों और साझेदारों की आवाज साझा करने हेतु सीईसीईडी वेबसाइट पर विचार पृष्ठ जोड़ा गया है।
- सीईसीईडी सोशल मीडिया एवं अर्ली स्कोप फेसबुक पेज 500 से अधिक अनुयायियों (फॉलोवर्स) तक पहुँच चुका है। अनुयायियों को सीईसीईडी से संबंधित नियमित अपडेट मिलते हैं। हाल ही में सीईसीईडी ट्विटर हैंडल (ceced_aud) भी सक्रिय किया गया है।

सीईसीईडी फिल्म्स

'एक्सप्लोरिंग स्कूल रेडीनेस' फिल्म विद्यालय के लिए बच्चों, परिवारों तथा विद्यालयों को तैयार करने में गतिशीलता लाने का प्रयास है। इस फिल्म को तीसरे वुडपैकर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव एवं फोरम 2016 में प्रदर्शित करने के लिए भी नामित किया गया। 'ए डे इन ए मॉडल आंगनवाड़ी सेंटर' फिल्म आईसीडीएस के सहयोग से निर्मित एक पक्षसमर्थन फिल्म है। इसे आंगनवाड़ी केंद्र में विशिष्ट प्रयोगों का प्रदर्शन करने हेतुबनाया गया है।

प्रस्तुतियाँ

झा, ए., ए. कुरियन, एम. डोगरा, ए. वरुण एवं एस. सिंह : 2015 में प्रारंभिक बाल विकास एवं अनुसंधान केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट : इमर्जिंग वर्ल्ड, पॉलिसीज एंड प्रैक्टिस फॉर अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट' में "एवोल्विंग अर्ली लर्निंग एंड डेवलपमेंट स्टैंडर्ड्स : सिग्नीफिकेन्स, प्रोसेस एंड चैलेंजेज सो फार इन इंडिया" पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, एस. : जनवरी 2016 में ओडिशा में गोपालपुर समुद्र तट पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'मदर टंग–बेस्ड मल्टीलिंगुअल अर्ली एजुकेशन एंड डेवलपमेंट' में "इन्वेस्ट इन यंग चिल्ड्रन" पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

13 मई 2015 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'प्रारंभिक भाषा एवं साक्षरता पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम' निर्मित करने हेतु परामर्श बैठक का आयोजन किया गया।

पुपाला, ब्रानिस्लाव, प्रारंभिक बाल शिक्षा के प्रोफेसर, ट्रनवा विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग, स्लोवाकिया : 19 अक्टूबर 2015 को 'प्रीस्कूल एजुकेशन इन स्लोवाक रिपब्लिक : यूरोपियन एंड पोस्ट–कम्युनिस्ट रियलिटी' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सरस्वती, टी. एस. : 20–22 जुलाई 2015 को अंतरराष्ट्रीय अतिथि भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक लेखन कौशल' पर सीईसीईडी समूह के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

शर्मा, एस. : सितम्बर 2015 में रिजल्ट्स फॉर डेवलपमेंट (आर4डी) एवं इंटरनेशनल स्टेप वाय स्टेप एसोसिएट (आईएसएसए), वाशिंगटन, डीसी, यूएसए के सहयोग से बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडेशन (बीवीएलएफ) द्वारा आयोजित 'अर्ली चाइल्डहुड नेटवर्क फॉर क्वालिटी–एम्पॉवरिंग ए हाई क्वालिटी वर्कफोर्स' पर योजना बैठक की।

सिंह, सावित्री, एनसीईआरटी, दिल्ली : 'प्रिपेयरिंग टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

12 अक्टूबर 2015 को सीईसीईडी समूह ने अपनी छठी सालगिरह मनाई एवं 'रिफ्लेक्टिंग दि मेजर माइलस्टोन्स ऑफ दि सेंटर ओवर दि इयर्स' फिल्म प्रदर्शित की।

9–17 जनवरी 2016 को सीईसीईडी ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में एयूडी स्टाल पर अपने कुछ नवीनतम प्रकाशनों एवं फिल्मों का प्रदर्शन किया।

नेपाली प्रतिनिधि, प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

एयूडी उद्भवन, नवोन्मेशन एवं उद्यमिता केंद्र

5 जनवरी 2016 को पंजीकृत उद्भवन, नवोन्मेशन एवं उद्यमिता केंद्र (एसीआईआईई) से एयूडी के विभिन्न स्कूलों के शैक्षिक कार्यक्रमों को पूरा करने में सहायता की आशा की जाती है। इसका लक्ष्य दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करना है : (1) सैद्धांतिक एवं संकल्पनात्मक शिक्षा को समाज के लिए उपयोगी प्रणाली का रूप देना; और (2) समाज के सुविधा वंचित तबकों तक पहुँचना, जिन्हें संभव है कि नई शिक्षा तथा समकालीन कार्यप्रलाणियों की कोई अन्य सुविधा न मिली हो।

केंद्र एयूडी एवं एयूडी के बाहर के विद्यार्थियों से नवोन्मेशी संकल्पनाएँ आमंत्रित कर उन्हें यथार्थ व्यवसाय कंपनियों का रूप देने हेतु परामर्श और नए छोटे उद्यमों या उद्यमियों में निवेश करने वालों (एंजेल इन्वेस्टर्स)/उद्यम पूँजीवादियों से वित्तीय सहायता संगठित/सुलभ कर उनका विकास करेगा। यह उन लोगों को अवसर मुहैया कराएगा जो सामाजिक उद्यमी बनना चाहते हैं। यह किसी अल्प–लागत वाले व्यवसाय की रूपरेखा तैयार कर उसकी स्थापना करने के लिए अपेक्षित कौशलों की शिक्षा और नई संकल्पनाओं के विकास एवं परीक्षण हेतु अवसर सुलभ कराएगा। केंद्र से उम्मीद की जाती है कि यह विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी सलाहकारों के के साथ कार्य करने से उभरी अनेक सफल कहानियों को साझा करने की जगह प्रदान करेगा। यह नए स्नातकों के आरंभिक उद्यमों जैसे–बुनियादी ढांचे का समर्थन, सलाह एवं नेटवर्किंग को उद्भवन अवलंब प्रदान करेगा, जो कि इस तरह की शुरुआत (स्टार्ट–अप) के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। केंद्र एमए सामाजिक उद्यमिता कार्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए, विशेष रूप से उनके अध्ययन के दूसरे वर्ष के दौरान, आश्रय स्थल का कार्य करेगा।

हाल ही एयूडी ने एसीआईआईई की गतिविधियों के समर्थन हेतु दिल्ली सरकार से 1.5 करोड़ रु. का अनुदान प्राप्त किया है।

'इमैजिनिंग अल्टरनेटिव्स' विषय पर कार्यशाला

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीपीसीआर) औपचारिक रूप से जुलाई 2013 में अस्तित्व में आया। इससे पहले, केंद्र के निर्माण एवं कार्य करने संबंधित विचार मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस) द्वारा रखा गया। केंद्र का आधार एक मनोविश्लेषक नैदानिक विन्यास है, जो आनुभविक दृष्टि से अवचेतन में विश्वास रखता है, संबंधों की देखभाल के महत्त्व एवं करुणा (संवेदना) के पोषण की नैतिकता में विश्वास रखता है। सीपीसीआर के लक्ष्य एवं उद्देश्य हैं–

- अल्पतम शुल्क के साथ गुणवत्तापूर्ण मनोवैज्ञानिक सेवाएँ विकसित करना एवं उपलब्ध कराना;
- मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अध्ययन में एक गहन एम.फिल कार्यक्रम के माध्यम से मनोविश्लेषी व समाज के प्रति संवेदनशील मनोचिकित्सकों को प्रशिक्षण देना;
- अंतर–व्यक्तिपरक एवं पारस्परिक रूप से परिवर्तनकारी माध्यम से समुदाय संदर्भों में कार्य करना;
- मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोचिकित्सा संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रकाशन एवं ज्ञान का प्रसार करना;
- मानसिक स्वास्थ्य और संबंधित पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के साथ ही मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में व्यक्तिनिष्ठ मूल्यांकन व ग्रहण करने हेतु आदर्श स्थापित करना; तथा
- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल नीति को ध्यान में रखते हुए भारत में मनोवैज्ञानिक व मनोचिकित्सकों का संगठन तैयार करना।

केंद्र ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु 2015–2016 में निम्नलिखित कार्य किए :–

एहसास–मनोचिकित्सा एवं परामर्श चिकित्सालय

एयूडी में स्थित एहसास चिकित्सालय 2011 में अपनी संकल्पना के बाद से मनोवैज्ञानिक मनोचिकित्सा हेतु प्रशिक्षण, शिक्षण एवं अभ्यास स्थल के रूप में कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के भीतर स्थित यह शैक्षणिक एवं सामाजिक हाशिये की आवाजों के मध्य की खाई को भाषा 'वैशिष्टय' के माध्यम से सूत्रबद्ध करने का महत्त्वपूर्ण कार्य करना चाहता है। विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण व प्रकृति अनुसार सामाजिक न्याय एवं समानता हेतु एहसास सभी सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को मुफ्त तथा मामूली शुल्क में परामर्श और मनोचिकित्सा प्रदान करता है। चिंतनशील नैदानिक कार्यों को सक्षम करने हेतु इन्हें एम.फिल विद्यार्थियों को सौंप दिया जाता है। वे नियमित पर्यवेक्षण एवं सलाह द्वारा इनका नवीकरण करते हैं।

2015–16 में, लगभग सौ मरीजों ने एहसास में दीर्घ व अल्पावधि मनोचिकित्सा का लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त कई अन्य लोग परामर्श तथा निदान हेतु चिकित्सालय आए। इस वर्ष चिकित्सालय का ज्यादातर महत्त्वपूर्ण कार्य एयूडी के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा गैर–शैक्षणिक

कर्मचारियों, दिल्ली के अन्य विश्वविद्यालयों के लोगों, साथ ही साथ समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों व परिवारों द्वारा किया गया। एहसास में आने वाले रोगियों ने उत्कंठा से लेकर मतभेदों, अवसाद तथा जेंडर डिस्फोरिया से उत्पन्न आत्मघाती विचारों, शारीरिक बनावट संबंधित मुद्दों, व्यावहारिक समस्याओं, समायोजन से जुड़ी समस्याओं, संगठनात्मकता, रिक्तता संबंधित भावनाएँ या जीवन में उद्देश्य की कमी, नशे की लत, किसी अपने को खोने का दर्द एवं परिवार से जुड़े मुद्दों जैसे–घरेलू हिंसा, शराब या परिवार में किसी सदस्य की मनोदशा, बिखरे पारिवारिक संबंध, यौन दुर्व्यवहार या रिश्तों को बनाए रखने में आने वाली कठिनाइयों के लिए चिकित्सा की मांग की।

विद्यार्थियों के साथ मनोवैज्ञानिक कार्य उनके शैक्षणिक प्रदर्शन एवं उनके आंतरिक जीवन के मध्य एक कड़ी के समान है जो उनके परिवारों एवं आसपास के रिश्तों के साथ ही कई सामाजिक स्थलों से प्रभावित था।

एहसास ने 2015 में इक्विटी स्टडीज सेंटर के सहयोग द्वारा यमुना पुश्ता इलाके के आसपास की बेघर आबादी के साथ अपना कार्य आरंभ किया। एहसास ने आश्रय घरों में रहने वाले बेघर–मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को मनोवैज्ञानिक मध्यस्थता तथा संक्षिप्त निदान प्रदान किया। इस पहल में सामुदायिक कार्यकर्ताओं के साथ काम किया गया। इन्होंने बेघर व्यक्तियों में मनोवैज्ञानिक विघटन एवं मनोदशा की गड़बड़ी का अनुभव करके, एहसास को इनकी पहचान करवाई और सुझाव भी दिए। एहसास को उम्मीद है कि उसका कार्यालय–आधारित कार्य एवं बाह्य स्थित सामुदायिक जीवन संबंधित द्वि–आधार तोड़ने हेतु सामुदायिक के साथ नैदानिक कार्य को जोड़ने का प्रयास जरूर सफल होगा।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस – आवाज 2015

2015 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर, सीपीसीआर एवं मानव अध्ययन स्कूल ने संयुक्त रूप से 18 और 20 नवम्बर 2015 को वार्षिक मानसिक स्वास्थ्य दिवस (आवाज) का आयोजन किया। इस वर्ष का विषय था–'गौरवपूर्ण जीवन व्यतीत करने वाले : बेघरों की देखभाल एवं बेघर मानसिक रूप से बीमार'। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में सामुदायिक चहलकदमी के अंतर्गत जामा मस्जिद में महिला आश्रय–घर एवं यमुना पुश्ता के पुरुष आश्रय–घर जाने का आयोजन किया गया। इसमें कई संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एक वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री) फिल्म 'पटरी पर बचपन' का प्रदर्शन किया गया। यह फिल्म दिल्ली की सड़कों पर रहने वाले बढ़ते बच्चों की कहानियों एवं उनके जीवन संदर्भों के बारे में थी। फिल्म के प्रदर्शन के बाद एक पैनल परिचर्चा हुई, जिसमें बेघर व्यक्तियों के साथ काम करने से संबंधित साक्ष्यों एवं कथाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। सड़कों पर मौजूद लोगों के साथ अन्वेषण कार्य आरंभिक उत्कंठा के साथ शुरू करने पर विचार–विमर्श किया गया। इसके अलावा इस कार्य हेतु निकले मनोवैज्ञानिकों के डर को अभिव्यक्त होने का मौका प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय में प्रदर्शन हेतु अपसाइक्लड मदों को लगाने में विश्वविद्यालय के बन्धुजन भी शामिल थे। आवाज 2015 का कविता की एक शाम एवं घर के आसपास के अनुभवों तथा बेघरपन की भावना साझा करने के माध्यम से सफलतापूर्वक अंत हुआ।

सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य

सामुदायिक साझेदारी की शुरुआत मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र, इक्विटी स्टडीज सेंटर एवं अमन बिरादरी की परियोजना 'हौसला' के मध्य एक अनौपचारिक सहयोग से हुई, जो वयस्क बेघरों के साथ काम करता है।

अक्टूबर 2015 से, सीपीसीआर के साथ क्षेत्र संबंधित साझेदारी बहुमुखी थी। सीपीसीआर ने अंतरराष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस के बजाए अपना दो दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया। इसका विषय था–'गौरवपूर्ण जीवन व्यतीत करने वाले : बेघरों की देखभाल एवं बेघर मानसिक रूप से बीमार'। हमारे चिकित्सकों ने बेघर/सड़क के बच्चों के लिए बने 'खुशी' आश्रय के क्षेत्र कर्मियों तथा आश्रय सलाहकारों हेतु एक सहकर्मी–पर्यवेक्षण समूह का आयोजन किया। हम सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के माध्यम से बेघर होने की कमजोरियों पर, विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य अनुभाग में शोध–मार्गदर्शन में भी व्यस्त हैं।

सीपीसीआर सामुदायिक इंटर्नशिप के क्षेत्र में एम.फिल प्रशिक्षुओं की भागीदारी के द्वारा इस साझेदारी को और मजबूती दे रहा है।

एम.फिल मनोवैज्ञानिक मनोचिकित्सा

विश्वविद्यालय जिन बड़े मूल्यों एवं सिद्धांतों पर स्थित है, अर्थात्–छात्रवृत्ति में संलग्न, ज्ञान की प्रयोग–आधारित संतति जो जीवित जीवन की आकृतियाँ अनुमानित करना चाहता है, सामाजिक न्याय और निश्पक्षता हेतु सक्रिय संबंध तथा सामाजिक–आर्थिक हाशिए पर मौजूद लोगों से संबंधों पर सीपीसीआर मनोवैज्ञानिक मनोचिकित्सक के प्रशिक्षण हेतु एक तीन वर्षीय एम.फिल कार्यक्रम पेश करता है।

इस तीन वर्ष के कार्यक्रम का दूसरा बैच अगस्त 2015 में 9 विद्यार्थियों के साथ शुरू हुआ। छात्रों को उनकी प्रथम अनुभवात्मक समझ के लिए बालाजी मंदिर, राजस्थान के साथ–साथ निजामुद्दीन दरगाह, दिल्ली ले जाया गया। ये दोनों ही स्थान मानसिक विकारों के सांस्कृतिक उपचार की जीवंत जगहें हैं। इस क्षेत्र–भ्रमण का प्राथमिक उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदुत्व एवं इस्लाम में मानसिक पीड़ा को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्रियाओं द्वारा कैसे देखा व समझा जाता है, का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था।

सीपीसीआर के मनोचिकित्सकों एवं संकाय सदस्यों ने एम.फिल उम्मीदवारों को नैदानिक पर्यवेक्षण तथा मार्गदर्शन देने में सक्रिय रूप से भाग लिया। वर्तमान में, वे एक प्रस्तावना कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं जो एम.फिल छात्रों को एहसास में उनकी नैदानिक इंटर्नशिप शुरू करने के साथ ही सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में सक्षम करेगा।

प्रस्तुतियाँ

मसीह, एस. : फरवरी 2015 में नई दिल्ली में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 'एन इनविटेशन टू एंगजिंग विद द अदर–एन इंडो–ईरान डायलॉग' में "मैडनेस एंड अदरनेस : मोमेंट्स ऑफ पॉसिब्लिटी" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रॉय, ए. : फरवरी 2015 में नई दिल्ली में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 'एन इनविटेशन टू एंगजिंग विद द अदर–एन इंडो–ईरान डायलॉग' में "लिमिटलैसनेस एंड फ्रेगमेंटेशन" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, आर. : फरवरी 2015 में लौसेन, स्विजरलैंड में आयोजित चौथे यूरोपीय सम्मेलन 'चाइल्ड एंड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ इन एजुकेशन सेटिंग्स' में "दि जर्नी फ्रॉम स्कूल टू दि यूनिवर्सिटी : सम रिफ्लेक्शन्स ऑन दि वर्क इन ए यूनिवर्सिटी क्लीनिक" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. फरवरी 2015 में नई दिल्ली में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 'एन इनविटेशन टू एंगजिंग विद द अदर–एन इंडो–ईरान डायलॉग' में "अदर(एड) कम्युनिटी : ए क्लीनिकल डिस्कोर्स" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

अख्तर, सलमान, प्रोफेसर : 18 मार्च 2016 को एयूडी में 'मदर, फादर एंड साइकोएनालिसिस' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अल्तमान, नील, प्रोफेसर : 10 अक्टूबर 2015 को एयूडी में 'साइकोएनालिसिस इन एन ऐज ऑफ एक्सीलरेटिंग कल्चरल चेंज स्पिरिचुअल ग्लोबलाइजेशन' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

धर, कुसुम, जुंगियन मनोविश्लेषक : 26 नवम्बर 2015 को 'जुंगियन साइकोएनालिसिस' कार्यशाला आयोजित की।

कक्कड़, सुधीर, प्रोफेसर : 24 नवम्बर 2015 को एयूडी में 'साइकोएनालिसिस टुडे–दि रिबर्थ ऑफ फ्रायड' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. 24 नवम्बर 2015 को एयूडी में 'कल्चर एंड साइकोथेरेपी' कार्यशाला आयोजित की।

शुक्ल, राकेश : 18 नवम्बर 2015 को एयूडी में 'लॉ एंड साइकोथेरेपी–ए डेब्यूशनट एंट्रेंस' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सोनपार, सोब्ना : 30 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'इंटिग्रेटिंग सिस्टमिक अप्रोच, कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी विद साइकोडायनामिक साइकोथेरेपी–ए प्रैक्टिशनर्स पर्सपेक्टिव ऑन साइकोसोशल केयर' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

स्टिल, जिलियन : 11 अक्टूबर 2015 को एयूडी में 'डायलेक्टिक बिहेवियर थेरेपी' कार्यशाला आयोजित की।

18 एवं 20 नवम्बर 2015 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 'आवाज' उत्सव मनाया गया। इसका विषय था–'गौरवपूर्ण जीवन व्यतीत करने वाले : मानसिक रूप से बीमार बेघरों की देखभाल'।

प्रकाशन केंद्र

एयूडी में दोहरे उद्देश्यों के साथ वर्ष 2013 में प्रकाशन केंद्र (सीएफपी) शुरू किया गया, अर्थात्–(1) प्रकाशन कार्य शुरू करना एवं (2) प्रकाशन में शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रावधान करना।

एयूडी प्रेस

अपनी प्रकाशन गतिविधियों द्वारा (एयूडी प्रेस के नाम से) सीएफपी सर्वोत्कृष्ट प्रणालियों और नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए विद्वत्तापूर्ण एवं सृजनात्मक सूचना तथा ज्ञान का सुनियोजित अधिग्रहण व प्रचार–प्रसार करने की आशा करता है। इससे एयूडी को सहायता मिलेगी एवं उसके लिए समय–समय पर पत्रों, सम्मेलन की कार्यवाहियों, मोनोग्राफ, संपादित पुस्तकों, पाठ्य साम्रगी तथा संदर्भ ग्रंथों के साथ–साथ अकादमिक साहित्य का प्रकाशन सरल होगा।

इस दिशा में प्रथम कदम के रूप में एयूडी में सीएफपी हेतु एक संपादन समिति का गठन किया गया है। इसमें एयूडी के प्राध्यापक वर्ग के सदस्यों एवं सदस्य सचिव के रूप में श्री सी. सजीश कुमार को नियुक्त किया गया है। प्रकाशन हेतु जरूरी सॉफ्टवेयर के अतिरिक्त दस कंप्यूटरों के साथ केंद्र के लिए कार्य–स्थल की स्थापना प्रगति पर है।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

कुमार, सजीश सी. : 8 अगस्त 2015 को कथा एवं इग्नू के अनुवाद अध्ययन केंद्र द्वारा नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी 'ट्रांसलेटिंग इंडिया : अंडरस्टैंडिंग डाइवर्सिटी' में भाग लिया।

——. 20 नवम्बर 2015 को एफआईसीसीआई द्वारा नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी 'पब्लिकॉन 2015' में उपस्थित हुए।

——. 15 जनवरी 2016 को एफआईसीसीआई द्वारा नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी 'रोल ऑफ पब्लिशिंग इन इनहांसिंग रिसर्च इन इंडिया' में भाग लिया।

विद्यार्थियों ने अपनी परियोजना कार्य 2014–15 के एक भाग के रूप में 'फ्री विंग्स' पुस्तक प्रकाशित की।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान / पैनल परिचर्चा / संगोष्ठी / प्रशिक्षण अग्रलिखित हैं :–

21 अप्रैल 2015 को प्रिया कूरियन, वंदना बिष्ट, बनिता सेन के साथ मिलकर केंद्र ने पैनल परिचर्चा 'पब्लिशिंग चिल्ड्रन्स लिटलेचर : ए डिटेल्ड लुक एट कॉन्सिविंग, राइटिंग, डिजाइनिंग एंड इलस्ट्रेटिंग बुक्स फॉर चिल्ड्रन' का आयोजन किया। इसका संचालन चन्दना दत्ता द्वारा किया गया।

अग्रवाल, चारु, उप–प्रबंधक, अधिकार एवं भत्ता, पियर्सन पब्लिशिंग : 15 अप्रैल 2016 को एयूडी में 'राइट्स एंड रॉयल्टी इन बुक पब्लिशिंग' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

बनर्जी, अरूप, मृदु कौशल प्रशिक्षक : 30 मार्च 2016 को एयूडी में 'प्रिपेयरिंग फॉर दि जॉब' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

भल्ला, आलोक, प्रोफेसर : 30 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'माइ एक्सपीरिएन्सेस विद पब्लिशिंग हाउसेस इन इंडिया' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

चक्रवर्ती, राधा, प्रोफेसर : 1 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'रोल ऑफ ट्रांसलेशन इन पब्लिशिंग' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

चौधरी, सायनदेब, सहायक प्रोफेसर : 11 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'न्यूजपेपर पब्लिशिंग' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कंठ, मान वर्धन, प्रमुख, संचार एवं प्रकाशन, टीआईएफएसी, नई दिल्ली : 29 फरवरी 2016 को एयूडी में 'एथिक्स इन मीडिया पब्लिशिंग' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कर, देबल सी., पुस्तकालयाध्यक्ष, एयूडी : 18 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'रोल ऑफ लाइब्रेरीज इन पब्लिशिंग' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कुमार, सुकृत पॉल, प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय : 2 मार्च 2016 को एयूडी में 'ट्रांसलेशन, ट्रांसलेशन स्टडीज एंड रोल ऑफ पब्लिशिंग इन इंडियन लिटलेचर' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मंकुट्टम, कुरियाकोस, प्रोफेसर : 14 अक्टूबर 2015 को एयूडी में 'मैनेजिंग दि पीपल' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मिस्त्री, सुविधा, लेखक एवं व्याख्याता : 7 मार्च 2016 को एयूडी में 'चिल्ड्रन्स बुक इलस्ट्रेशन एंड डिजाइन' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मित्तल, रमेश, सीएपीईएक्सआईएल के पुस्तक, प्रकाशन एवं प्रिंटिंग पैनल के अध्यक्ष : 23 नवम्बर 2015 को एयूडी में 'एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट ऑफ बुक्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

रस्तोगी, प्रशस्ति, निदेशक, जर्मन पुस्तक कार्यालय, भारत : 29 अप्रैल 2016 को एयूडी में 'वर्किंग विद स्काउट्स एंड लिटरेरी / को–एजेंट्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सेठ, विशाल, फोटोग्राफर एवं डिजाइनर : 27 नवम्बर 2015 को एयूडी में एक दिन की प्रशिक्षण कार्यशाला 'फोटोग्राफी फॉर बुक्स' आयोजित की।

शेगांव, एस., आनंदिता पाण्डे, रॉबिन्सन राजू, टेलर एंड फ्रांसिस इंडिया लिमिटेड : 4 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'जर्नल पब्लिशिंग एंड पब्लिशिंग एथिक्स' कार्यशाला आयोजित की।

सिंह, अमित, सहायक प्रोफेसर, एयूडी : 28 सितम्बर 2015 को एयूडी में 'पब्लिशिंग एंड इट्स इन्फ्लुएंस ऑन ह्यूमन एक्सप्रेशन ऑफ थॉट' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सुब्रह्मण्यम, मानसी, कमीशनिंग एडिटर, हार्पर कॉलिंस : 6 नवम्बर 2015 को एयूडी में 'कमीशनिंग फिक्शन बुक्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

त्रिवेदी, वैलेंटिना, शिक्षक एजुकेटर एवं कहानी वक्ता : 16 मार्च 2016 को एयूडी में 'मल्टीप्ल ट्रांसक्रेशन्स ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट्स' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्षेत्र–यात्राएं

प्रकाशन प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं के साथ ही सिद्धांत गठबंधन जानने हेतु विद्यार्थी निम्नलिखित में शामिल हुए/भाग लिया :–

18 अगस्त 2015 को जर्मन पुस्तक कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जम्पस्टार्ट कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

8 सितम्बर 2015 को वितस्ता पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली की संचालन रणनीतियों को समझने हेतु इसका दौरा किया।

16 सितम्बर 2015 को जुबैन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली का दौरा किया। इसके अतिरिक्त भारत में प्रकाशन प्रवृत्तियों को समझने हेतु प्रकाशक उर्वशी बुटालिया तथा उनकी टीम से बातचीत की।

23 सितम्बर 2015 को प्रकाशन–घर के विभिन्न विभागों एवं उनके कामकाज को समझने हेतु सेज पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली का दौरा किया।

9 अक्टूबर 2015 को प्रकाशन गृह की प्रेस तथा पोस्ट–प्रेस गतिविधियों को समझने हेतु सौरभ प्रिंटर्स, नोएडा का दौरा किया।

उत्तराखंड के नैनीताल में 24–27 अक्टूबर 2015 तक आयोजित कुमाऊं साहित्य उत्सव में भाग लिया।

प्रकाशन गृह के विपणन एवं प्रचार गतिविधियों को समझने हेतु एनबीटी भारत, नई दिल्ली द्वारा 9–17 जनवरी 2016 तक आयोजित 22वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में भाग लिया।

25 फरवरी 2016 को चित्र पुस्तकों का अनुभव प्राप्त करने हेतु ब्लू बेल्स इंटरनेशनल स्कूल, नई दिल्ली का दौरा किया। इससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिली कि तस्वीर–पुस्तकों पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती है एवं वे इस परिप्रेक्ष्य में कहानियों का मूल्यांकन किस प्रकार करते हैं।

दीक्षांत समारोह में छात्र

सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र

सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र (सीएसएसआरएम) का विचार दिसम्बर 2010 में आयोजित 'सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली महोत्सव' के दौरान उत्पन्न हुआ। इसकी कल्पना अनुसंधान विधियों से संबंधित शोध, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों के लिए सभी शास्त्रों के मध्य संवाद की संभावना बढ़ाने हेतु केंद्रीय–बिंदु के रूप में की गई।

केंद्र की गतिविधियाँ आरंभ तथा समन्वय करने हेतु नवम्बर 2015 में एक एसोसिएट प्रोफेसर नियुक्त किया गया। केंद्र की सलाहकार समिति के रूप में विशेषज्ञों की एक अस्थायी सूची निर्मित की गई। इसके अतिरिक्त केंद्र का अवधारणा मसौदा भी तैयार किया गया। इनको अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। इन उपक्रमों को आगे बढ़ाने हेतु शिक्षण एवं औद्योगिक अनुसंधान में रुचि रखने/शामिल, संकाय सदस्यों की एक बैठक बुलाई गई। केंद्र ने इस दौरान सीएसएसआरएम एवं संबंधित स्कूल/केंद्र के मध्य आपसी मामलों व रुचि–क्षेत्रों की पहचान करने हेतु एयूडी के स्कूलों/केंद्रों के संकाय सदस्यों से व्यक्तिगत परामर्श–प्रक्रिया आरंभ की। संबंधित स्कूलों के अधिष्ठाता/संकाय सदस्यों द्वारा किए गए अनुरोधों के आधार पर, सीएसएसआरएम ने अनुसंधान प्रणालियों के शिक्षण एवं लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन में अपना योगदान देना शुरू किया।

परियोजना

नक्कीरन, एन., सी. मुखर्जी, जी. शर्मा एवं ए. के. माओ : अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित 'नीड असेसमेंट ऑन डिमांड फॉर ट्रेजरी एजुकेशन इन एनसीटी एरिया ऑफ डेल्ही', (15.9 लाख रु.)।

प्रस्तुतियाँ

नक्कीरन, एन. : मार्च 2016 में आईसीएसएसआर–एनईआरसी द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान के पीएच. डी. विद्वानों हेतु शोध क्रियाविधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत 'रोल ऑफ कॉन्सेप्चूलाइजिंग इन रिसर्च, डाटा कलेक्शन मेथड्स इन क्वालिटेटिव रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड अंडरस्टैंडिंग क्वालिटेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्च' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. मार्च 2016 में अचुता मेनन सेंटर फॉर हेल्थ साइंस स्टडीज एवं श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम में सहयोगी अनुसंधान परियोजना के भागीदारों की प्रथम कार्यशाला "हेल्थ इक्विटी एंड ट्राइबल हेल्थ इन इंडिया : एन ऐक्टिविटी अंडर दि आईडीआरसी सपोर्टेड प्रोजेक्ट 'क्लोजिंग दि गैप : हेल्थ इक्विटी रिसर्च इनशीएटिव इन इंडिया'" में 'चैलेंजेज इन यूजिंग क्वालिटेटिव रिसर्च मेथड्स इन हेल्थ इक्विटी रिसर्च' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

नक्कीरन, एन. : फरवरी 2016 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ गांधीनगर, अहमदाबाद के कार्यक्रम के अंतर्गत एएफआईएच के विद्यार्थियों हेतु 'वीमेन, वर्क एंड हेल्थ' व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——. 15 फरवरी 2016 को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद के एमए डिजाइन के विद्यार्थियों को 'साइंस एंड लिबरल आर्ट : पर्सपेक्टिव्स ऑन इंडियन सोसायटी' पाठ्यक्रम पढ़ाया।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में एक दिन

शहरी पारिस्थितिकी स्थिरता केंद्र

शहरी पारिस्थितिकी स्थिरता केंद्र (सीयूईएस) की स्थापना अक्टूबर 2015 में स्थाई शहरों के निर्माण की दिशा में कार्य करने एवं दिल्ली शहर से प्राप्त अनुभवों से शहरी जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु की गई थी। इससे उम्मीद है कि यह केन्द्रीय बिंदु के रूप में शहरों में स्थायी पर्यावरणीय परियोजनाओं के नियोजन, कार्यान्वयन व मूल्यांकन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों, सरकारी एजेंसियों, निजी सलाहकारों तथा व्यक्तियों हेतु कार्य करेगा। केंद्र एयूडी के स्कूलों एवं अन्य केंद्रों के साथ सामान्य हित के क्षेत्रों पर सहयोग करता है। इसके अतिरिक्त यह विश्वविद्यालय के उन अकादमिक कार्यक्रमों के साथ भी संबंध बनाने की कोशिश करता है जो विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का अधिक–से–अधिक अवसर प्रदान करते हैं। केंद्र का संचालन निदेशक करता है, जिनका मार्गदर्शन कुलपति की अध्यक्षता में विधिवत रूप से गठित सलाहकार मंडल करता है।

सहयोग

दिल्ली विकास प्राधिकरण : केंद्र की प्रथम एवं प्रतिष्ठित परियोजना धीरपुर जलभूमि की पुनर्स्थापना है। यह एयूडी तथा डीडीए का सहयोगात्मक प्रयास है। इसके अंतर्गत डीडीए से संबंधित आर्द्रभूमि के टुकड़े को भूमिगत बहाली हेतु एयूडी को सौंपा गया है। परियोजना आरंभ करने के लिए डीडीए ने सीमित वित्तीय सहायता भी दे दी है।

शोध परियोजनाएँ

धीरपुर आर्द्रभूमि उद्धार परियोजना : यह परियोजना पाँच वर्ष की अवधि में पारिस्थितिकी रूप से सुधार करने की परिकल्पना करती है। डीडीए एवं एयूडी के मध्य हुए समझौते के अनुसार उद्धार विज्ञान की सुव्यवस्थित रूपरेखा के उपयोग द्वारा धीरपुर की 25.28 हेक्टेयर भूमि पर झीलों का संरक्षण किया जाएगा। वेटलैंड पार्क बनने के बाद मुखर्जी नगर, निरंकारी कॉलोनी, गांधी विहार एवं आगामी अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली परिसर के लोगों को जल विज्ञान, विनियामक, सांस्कृतिक तथा सौंदर्य संबंधी लाभ प्राप्त होगा। यह भी माना जाता है कि पार्क का वेटलैंड संसाधन सेंटर प्राकृतिक शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रमों हेतु एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इससे भविष्य में झीलों व शहरी स्थिरता को दीर्घकालिक संरक्षण प्राप्त होगा।

धीरपुर की झीलों को पुनर्स्थापित करने हेतु विस्तृत परियोजना प्रस्ताव तैयार करके, डीडीए में प्रस्तुत कर दिया गया है। प्रस्ताव में शामिल हैं :– 1) स्थलाकृति की रूपरेखा का विवरण, 2) झंझा–नीर झीलों की समीक्षा, 3) क्षैतिज प्रवाह जलीय क्षेत्रों की मिट्टी खुदाई के कार्य अनुमान की विस्तृत जानकारी, 4) पुनः वनस्पति योजना एवं 5) प्रजाति पुनर्स्थापना योजना। प्रस्तावित किया गया कि डीडीए की आंतरिक क्षमता की मदद द्वारा निर्माण–स्थल का खुदाई कार्य तथा परियोजना की नागरिक अवसंरचना को विकसित किया जाएगा। प्रस्ताव में यह भी अनुरोध किया गया कि एयूडी को निर्माण–स्थल पर कार्य शुरू करने हेतु आरंभिक अनुदान प्रदान किया जाए।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

केंद्र में कार्य करने वाले अनुसंधानकर्ताओं ने केंद्र हेतु विजन दस्तावेज तथा योजना तैयार की है। विजन दस्तावेज केंद्र के अन्य कार्यक्रमों का उद्देश्य भी बताता है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष श्री बलविंदर कुमार ने औपचारिक रूप से 19 जून 2015 को धीरपुर वेटलैंड पार्क का उद्घाटन किया।

आरंभिक अनुदान की सहायता से शोधकर्ताओं के एक छोटे समूह को नियुक्त किया गया है। धीरपुर परियोजना के आधारभूत आंकड़ों को एकत्रित करने के अलावा, सीयूईएस टीम दो वेबसाइटों का रखरखाव भी करती है :–

- सीयूईएस एट एयूडी (https://cuesataud.wordpress.com/) : सीयूईएस ब्लॉग केंद्र, इसके दृष्टिकोण, विशेष कार्यों, लक्ष्यों, संगठनात्मक संरचना, कार्यक्रमों एवं सलाहकार समिति के बारे में जानकारी देता है।
- अर्बन वेटलैंड रेस्टोरेशन (https://urbanwetlandrestoration.wordpress.com/) : अर्बन वेटलैंड रिस्टोरेशन (शहरी आर्द्रभूमि उद्धार) ब्लॉग विशेष रूप से धीरपुर झीलों एवं पार्क परियोजना से संबंधित है। यह आर्द्रभूमि बहाली, धीरपुर आर्द्रभूमि उद्धार योजना के दृष्टिकोण, सलाहकार समिति, धीरपुर पर किए गए शोध आदि के बारे में बुनियादी जानकारी प्रदान करता है।

मिट्टी, पानी, वनस्पतियों एवं जीवों के संदर्भ में धीरपुर आर्द्रभूमि की वर्तमान स्थिति जानने हेतु मूलाधार आंकड़े तैयार किए गए हैं। क्षेत्र सर्वेक्षण एवं मिट्टी व पानी का प्रयोगशाला मूल्यांकन भी किया गया है।

एयूडी के इको क्लब (टेरा) ने 'परिसर पक्षी गणना 2016' के अंतर्गत धीरपुर आर्द्रभूमि में पक्षी गणना सर्वेक्षण का आयोजन किया। इसमें विश्वविद्यालय के बाहर से आए कुछ मित्रों के साथ एयूडी के पक्षी प्रेमियों के एक समूह ने हिस्सा लिया। इस दौरान पक्षियों की कई प्रजातियों को देखा गया एवं नागरिक–विज्ञान परियोजनाओं द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों हेतु बने भंडार–गृह 'ई–बर्ड' पर चिन्हांकन–सूची को अपलोड किया गया।

कार्यक्षेत्र–यात्राएँ

टीम ने पंजाब में हरिके पक्षी अभयारण्य एवं दिल्ली के यमुना जैव विविधता पार्क और ओखला पक्षी अभयारण्य का भ्रमण किया। इन कार्यक्षेत्र–यात्राओं का उद्देश्य आर्द्रभूमि प्रजातियों की विस्तृत वितरण पद्धति को समझना और पारिस्थितिकी संदर्भ स्थापित करना था।

प्रकाशन

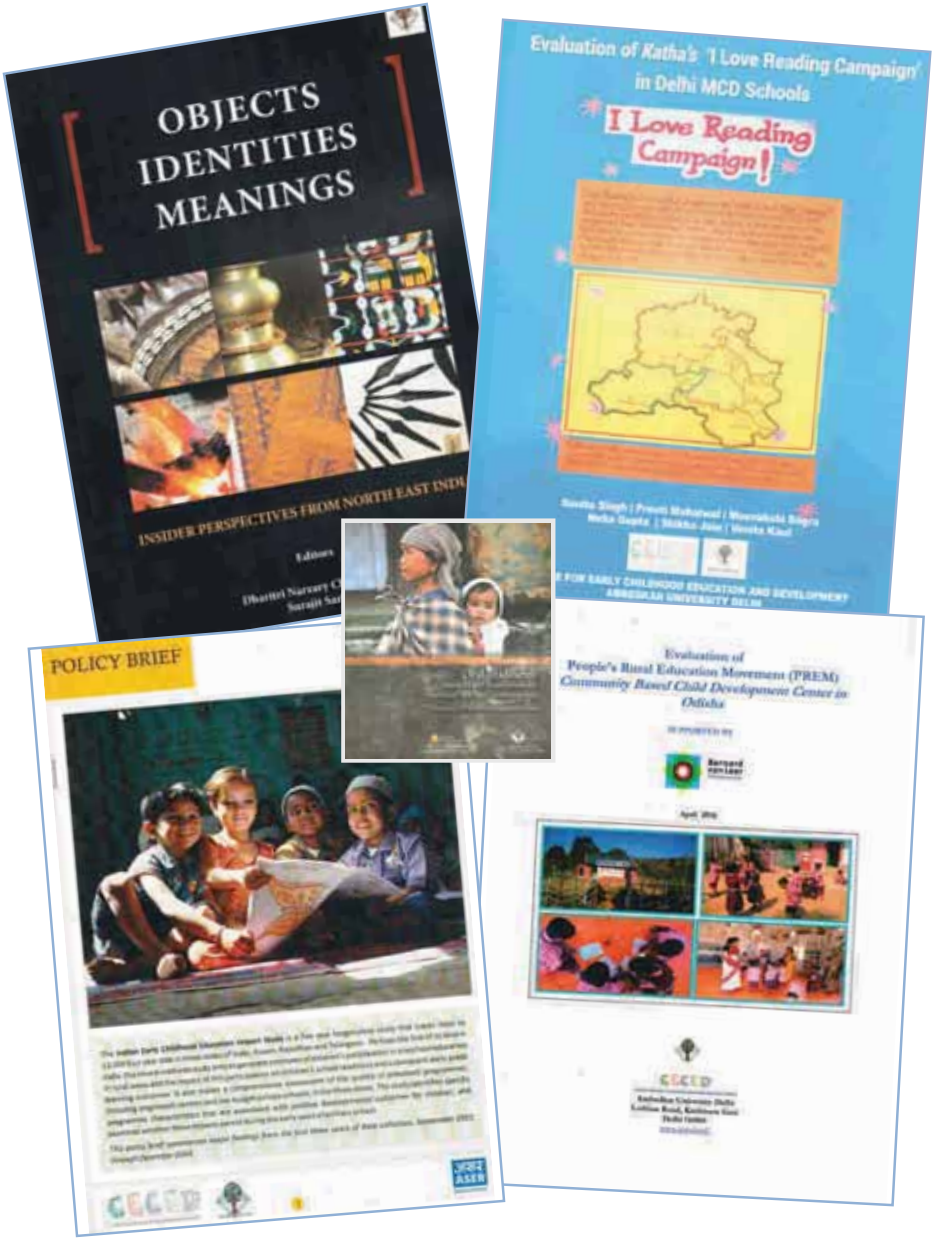
OBJECTS
IDENTITIES
MEANINGS
INSIDER PERSPECTIVES FROM NORTH EAST INDI
Evaluation of Katha's 'I Love Reading Campaign' in Delhi MCD Schools
I Love Reading Campaign!
POLICY BRIEF
Evaluation of
People's Rural Education Movement (PREM)
Community Based Child Development Center in Odisha

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

अनिल, के. : "सोशल एंट्रेप्रेनेयोर्शिप इन इंडिया : ए कंटेम्पररी केस एनालिसिस", आईएमआरए–आईआईएमबी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इंक्लूसिव ग्रोथ एंड प्रॉफिट्स विद पर्पस : न्यू मैनेजमेंट पराडिग्म', दिसम्बर 2015 ।

——. "पेमेंट बैंक एंड स्माल फाइनेंस बैंक्स इन इंडिया : ए प्राइमर", आईएमआरए–आईआईएमबी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इंक्लूसिव ग्रोथ एंड प्रॉफिट्स विद पर्पस : न्यू मैनेजमेंट पैराडाइम्स', दिसम्बर 2015 ।

ब्राइसन, डी., जी. अटवाल, एच. आर. चौधरी एवं के. दवे : 'अंडरस्टैंडिंग दि अंटिसडेंट्स ऑफ इंटेंशन टू यूज मोबाइल इंटरनेट बैंकिंग इन इंडिया : अपॉचुनिटीज़ फॉर माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन्स', स्ट्रटेजिक चेंज 24, नं. 3 (2015) : 207–224 ।

गैहा, आर., आर. झा, वी. कुलकर्णी एवं एन. केकर : 'डाइट्स, न्यूट्रीशन एंड पावर्टी इन इंडिया', रोनाल्ड जे. हेरिंग द्वारा संपादित ऑक्सफोर्ड हैंडबुक ऑफ फूड, पॉलिटिक्स एंड सोसायटी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क, 261–327, 2015 ।

केकर, एन., वी कुलकर्णी एवं आर. गैहा : 'व्हाय दि पुअर आर मोर लाइकली टू बी अंडरनॉरिश्ड?', आउटलुक, 31 जुलाई, 2015 ।

लायर, वी. एवं के. दवे : 'फ्रेशर्स एश्लों–एम्प्लॉयबिलिटी स्किल ग्रिड', ए. के. पांडे, ए. महापात्र एवं ए. के. उत्कर्स द्वारा संपादित इमर्जिंग ट्रेंड्स इन मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, रीगल प्रकाशन, 2016 ।

झा, पी. सी., एस. अग्रवाल, ए. गुप्ता एवं आर. सरकर : 'मल्टी–क्राइटेरिया मीडिया मिक्स डिसिशन मॉडल फॉर एडवरटाइजिंग ए सिंगल प्रोडक्ट विद सेगमेंट स्पेसिफिक एंड मास मीडिया', जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड मैनेजमेंट ऑप्टिमाइजेशन, 12 (2016) : 1367–1389 ।

मंकुट्टम, कुरियाकोस : जनवरी 2016 में 7वें आईआर सम्मेलन, एक्सएलआरआई में मुख्य व्याख्यान 'चेंजिंग लेबर मार्किट एंड इंडस्ट्रियल रिलेशन्स, चेंजिंग टाइम्स : मेक इन इंडिया एंड इंसुइंग लेबर रिफॉर्म्स' प्रस्तुत किया ।

माणिक, पी., ए. गुप्ता एवं पी. सी. झा : 'मल्टी स्टेज प्रमोशनल रिसोर्स एलोकेशन फॉर सेगमेंट स्पेसिफिक एंड स्पेक्ट्रम इफेक्ट ऑफ प्रमोशन फॉर ए प्रोडक्ट इंकॉर्पोरेटिंग रिपीट परचेस बिहेवियर', इंटरनेशनल गेम थ्योरी रिव्यु, 17 (2015) : 1540021–41 ।

माणिक, पी., ए. गुप्ता, पी. सी. झा एवं के. गोविंदन : 'ए गोल प्रोग्रामिंग मॉडल फॉर सेलेक्शन एंड सेड्यूलिंग ऑफ एडवर्टिजमेंट्स ऑन ऑनलाइन न्यूज मीडिया', एशिया–पैसिफिक जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 33 (2016) : 1650012–52 ।

सिंहा, पी. एवं के. माथुर : 'प्राइस, रिटर्न एंड वोलैटिलिटी लिंकेज्स ऑफ बेस मेटल फ्यूचर्स ट्रेडेड इन इंडिया', इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स, 130 (2015) : 35–54 ।

त्रिपाठी, जी. एवं के. दवे : 'एग्जामिनिंग दि डिफरेंसेस इन सर्विस क्वालिटी डाइमेंशन्स एंड देयर कॉन्सीक्वेन्सेज बेस्ड ऑन दि करैक्टरिस्टिक्स ऑफ रेस्टोरेंट पैट्रन्स', आईओएसआर जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, 17, नं. 12 (2015) : 28–33।

वर्मा, एस., आर. अवस्थी, के. नारायण एवं ऋषिका : 'कल्चरल डेटर्मिनेंट्स ऑफ अलायन्स मैनेजमेंट कैपेबिलिटी : एन एनालिसिस ऑफ जापानीज एमएनसीज इन इंडिया', एशिया पैसिफिक बिजनेस ऑफ रिव्यु, 23, नं. 3 (2015)।

सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल

बिस्वास, बी. : 'मणिपुरी थिएटर ऑन दि क्रॉसरोड्स ऑफ टाइम', दि हिन्दू बिजनेस लाइन, 5 फरवरी 2016, http://www.thehindubusinessline.com।

बिस्वास, बी. : 'रेवेर्बेरशन्स ऑफ बांडुंगडुप्पा : बिटवीन आइडेंटिटी, इकोलॉजी एंड थिएटर', निज़िन, 27 फरवरी 2016, http://www.nezine.com।

जैन, एस. : 'दि मेकिंग ऑफ ए मॉन्स्टर (इमेजेज ऑफ डिसएबिलिटी आर्ट्स एंड कल्चर : पर्सपैक्टिव्स फ्रॉम इंडिया)', कैफे डिसेंसुस, नं. 17 (14 अगस्त, 2015)।

संतोष, एस. : 'सिटी एज़ मेटाफर : एन आर्कियोलॉजी ऑफ कंटेम्परारी आर्टिस्टिक प्रोडक्शन एंड डिसप्ले', प्रिया महोले–जारादी द्वारा संपादित बड़ौदा : ए कॉस्मोपॉलिटन प्रोवेंस इन ट्रांजिशन, मार्ग प्रकाशन मुंबई, 106–119, 2015।

——. 'टेंस–पास्ट कंटीन्यूअस : सम क्रिटिकल रिफ्लेक्शन्स ऑन दि आर्ट ऑफ सावी सावरकर', जोशील के. अब्राहम एवं जूडिथ मिश्राही–बराक द्वारा संपादित दलित लिटरेचर्स इन इंडिया, नई दिल्ली : रटलेज, 309–319, 2015।

——. "क्वे चन्स ऑन दि टेक्नोलॉजीज ऑफ फासिज्म : मेकिंग दि 'मोदी इफेक्ट'", इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 51, नं. 3 (2016)।

शिवरमण, डी. : 'हाउ ऑथेंटिक इज ऑथेंटिक थिएटर पब्लिक', आर्ट्स डे ला स्केन कॉन्टैम्पोरेइन एन, जनवरी 2016।

——. मनीला सी. मोहन द्वारा साक्षात्कार 'थिएटर लाइफ ऑफ दि लेजेंड्स ऑफ खासक', मातृभूमि, 31 जनवरी 2016।

डिजाइन स्कूल

बालासुब्रमण्यन, एस. : 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन', क्लाइव एडवर्ड्स द्वारा संपादित दि ब्लूमस्बरी एनसाइक्लोपीडिया ऑफ डिजाइन, वॉल्यूम 2, ब्लूमस्बरी अकादमी लंदन, 2016।

——. 'डिजाइन इन इंडिया (1800–प्रेजेंट), क्लाइव एडवर्ड्स द्वारा संपादित दि ब्लूमस्बरी एनसाइक्लोपीडिया ऑफ डिजाइन, वॉल्यूम 2, ब्लूमस्बरी अकादमी लंदन, 2016।

बालासुब्रमण्यन, एस. ए. गुप्ता एवं ए. पाठक : 'अटूट डोर/अनब्रोकन थ्रेड : बनारसी ब्रोकेड सारीज एट होम एंड इन द वर्ल्ड', राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली, 2016।

विकास अध्ययन स्कूल

दामोदरन, एस. : 'ट्रेड एंड एम्प्लॉयमेंट इन इंडिया', जयती घोष द्वारा संपादित इकोनॉमिक्स : इंडिया एंड दि इंटरनेशनल इकॉनमी, वॉल्यूम 2, (आईसीएसएसआर रिसर्च सर्वेस एंड एक्सप्लोरेशन), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस दिल्ली, 2015 ।

——. 'दि काइमेरा ऑफ इंक्लूसिव ग्रोथ : इंफॉर्मलिटी, पावर्टी एंड इनइक्वलिटी इन इंडिया इन दि पोस्ट–रिफार्म पीरियड', डेवलपमेंट एंड चेंज, 46 (2015), 1213–24 ।

——. 'दि ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस एंड 'रेसिलिएंस' : दि केस ऑफ इंडिया', विश्वास सतगर द्वारा संपादित कैपिटलिज्म्स क्राइसिस : क्लास स्ट्रगल्स इन साउथ अफ्रीका एंड दि वर्ल्ड, बिट्स यूनिवर्सिटी प्रेस साउथ अफ्रीका, 2015 ।

——. 'दि शॉपिंग ऑफ इंडस्ट्रियल लैंडस्केप्स इन ए लार्ज मेट्रोपोलिस : लाइफ, वर्क एंड ऑक्यूपेशन्स इन एंड अराउंड इंडस्ट्रिल एरियाज इन डेल्ही', सुरजीत चक्रवर्ती एवं रोहित नेगी द्वारा संपादित स्पेस, प्लानिंग एंड एवरीडे कांटेस्टेशन्स इन डेल्ही, स्प्रिंगर भारत, 2016 ।

खेर, आर. एवं एन. नायक : 'वीमेन वर्कर्स एंड परसेप्शन्स ऑफ दि नेशनल रूरल एम्प्लायमेंट गारंटी एक्ट', जीन द्रेज़ द्वारा संपादित सोशल पॉलिसी : एसेज फ्रॉम इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, ओरिएंट ब्लैकस्वान नई दिल्ली, 2016 ।

शैक्षिक अध्ययन स्कूल

चहिल, एम. के. एवं ए. के. माओ : 'टू डिटेन चिल्ड्रन और नॉट : रिफ्लेक्शन्स ऑन दि प्रपोस्ड अमेंडमेंट्स टू दि आरटीई एक्ट', टीचर सपोर्ट, 4, नं. 3 (2015) : 47–51 ।

डे, एम. एवं डी. हर्नैंडेज : 'डिसकवरिंग प्लेस–बेस्ड एजुकेशन इन दि फूटहिल्स ऑफ दि हिमालयाज', ओकेजिनल पेपर्स सीरीज, बैंक स्ट्रीट कॉलेज, 33 (2015) : 57–71 ।

माओ, ए. के. : 'मीनिंग एंड सिग्नीफिकेन्स ऑफ दि ट्रेडिशनल माओ–नागा शॉल्स', डी. एन. चक्रवर्त्ती एवं सुरजीत सरकार द्वारा संपादित ऑब्जेक्ट्स, आइडेन्टिटीज मीनिंग्स : इनसाइडर पर्सपैक्टिव फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया, 1–17, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली, 2015 ।

शर्मा, जी. : 'रेवर्सिंग ट्विन आइडियल्स ऑफ राइट टू एजुकेशन : नो डिटेंशन एंड कंटीन्यूअस कंप्रेहेंसिव इवैल्यूएशन', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 51, नं. 9 (2016) : 85–89 ।

——. 'शेपिंग एवरीडे एजुकेशनल वोकेबुलरी : स्टेट पॉलिसी एंड ए स्लम स्कूल', ए. के. सिंह द्वारा संपादित एजुकेशन एंड एम्पावरमेंट : पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज, 275–292, रटलेज दिल्ली ।

——. 'फ्रॉम करिकुलम टू टेक्स्टबुक्स : पोस्ट–2005 रिवाइज्ड टेक्स्टबुक्स एंड सोशल एक्सक्लूशन', दि प्राइमरी टीचर, 40, नं. 1 (2015) : 50–69 ।

——. 'देल्हीज़ स्कूल्स नीड ए क्वालिटी अपग्रेड, नॉट ए हेस्टी कट इन सिलेबस', दि वायर, 28 सितम्बर 2015, http://www.thewire.in से पुनर्प्राप्त।

——. 'पाठ्यक्रम पर राजनीतिक निर्णय : सवाल और सरोकार' (पॉलिटिकल डिसिजन्स ऑन कैरिकुलम : क्वेश्चन्स एंड कंसर्न्स), शिक्षा विमर्श, 17, नं. 6 (नवम्बर 2015) : 21–25।

मानव पारिस्थितिकी स्कूल

बाबू, एस. एवं जी. यादव : 'एविडेंस फॉर अल्टरनेट स्टेबल स्टेट्स इन कोल्लपसिंग इकोलॉजिकल नेटवर्क', बायोरक्सिव, 28 मार्च 2016, बायो : http://dx.boi.org/10.1101/046045 ।

काबरा, ए. : 'असेसिंग इकोनॉमिक इम्पैक्ट्स ऑफ फोर्स्ड लैंड एक्वीजीशन एंड डिस्प्लेसमेंट : ए क्वालिटेटिव रैपिड रिसर्च फ्रेमवर्क', इम्पैक्ट एसेसमेंट एंड प्रोजेक्ट अप्रेज़ल, 34, नं. 1 (2016) : 24–32, bio.org/10.1080/14615517.2015.1096037।

काबरा, ए. : 'ए रिपोर्ट ऑन दि प्रोसीडिंग्स ऑफ दि आईएनडीआर सेशंस इन दि सेवेन्टीफिफ्थ एनुअल मीटिंग ऑफ दि सोसायटी फॉर एप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी', रिसेटलमेंट न्यूज, 2015, http://indr.org से पुनर्प्राप्त।

——. 'मेक वे–दि कुनो स्टोरी', मोशन पिक्चर द्वारा निर्मित, 2015, भारत।

नेगी, आर. : 'इन दि टाइम ऑफ टॉक्सिक एयर', हिमाल साउदियन, 28, नं. 3 (2015), http://himalmag.com/time-toxic-air से पुनर्प्राप्त।

——. 'स्माल टाउन कल्चर इन इंडिया', यूजीसी ई–पाठशाला कोर्स ऑन अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन्स, आईआईटी बम्बई।

——. 'अर्बन फ्यूचर्स इन दि इंडियन हिमालयाज', मोशन पिक्चर द्वारा सह–निर्मित, 2016, भारत।

ओइनम, एच. डी. : 'चेंजिंग अस्पेक्ट्स ऑफ वीविंग कल्चर इन मणिपुर', डी. एन. चक्रवर्त्ती एवं सुरजीत सरकार द्वारा संपादित ऑब्जेक्ट्स, आइडेन्टिटीज मीनिंग्स : इनसाइडर पर्सपैक्टिव फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया, 1–17, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली, 2015।

पुरकायस्थ, पी. एवं पी. दास : 'एन्वायरमेंटल फैक्टर्स इंफ्लुएंसिंग टेक्नोलॉजी ऑफ दि ट्राइब्स इन सेंट्रल इंडिया विद स्पेशल रिफरेन्स टू बैगास ऑफ मध्य प्रदेश', ब्योमकेश त्रिपाठी एवं डी. वी. प्रसाद द्वारा संपादित एथनोसाइंस एंड ट्रेडिशनल टेक्नोलॉजी इन इंडिया, वॉल्यूम 1, 125–131, आयु प्रकाशन नई दिल्ली, 2016।

सिंह, आर., आर. के. शर्मा एवं एस. बाबू : 'पास्टोरलिस्म इन ट्रांजीशन : लाइवस्टॉक अबंडेन्स एंड हर्ड कम्पोजीशन इन स्पीती, ट्रांस–हिमालय', ह्यूमन इकोलॉजी, 43 (2015), 799–810।

मानव अध्ययन स्कूल

थोकचॉम, बी. : 'ए रिमोट टच ऑफ आयरन फोर्गिंग इन काक्चिंग : कंटेम्पररी हेर्मेनेयुटिक्स ऑफ कल्चरल प्रैक्टिस', डी. एन. चक्रवर्त्ती एवं सुरजीत सरकार द्वारा संपादित ऑब्जेक्ट्स, आइडेन्टिटीज मीनिंग्स : इनसाइडर पर्सपैक्टिव फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया, 117–132, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली, 2015।

चक्रवर्ती, ए., बी. दासगुप्ता एवं ए. धर : 'दि इंडियन इकोनॉमी इन ट्रांजीशन : ग्लोबलाइजेशन, कैपिटलिज्म एंड डेवलपमेंट', कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2016।

चक्रवर्ती, ए. एवं ए. धर : 'दि क्वेश्चन बिफोर दि कम्युनिस्ट होराइजन', रिथिंकिंग मार्क्सिजम, 27, नं. 3 (2015)।

धर, ए. : 'क्रिटिकल साइकोलॉजी इन एशिया : फॉर फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स', आई. पार्कर द्वारा संपादित हैंडबुक ऑफ क्रिटिकल साइकोलॉजी, 425–433, रटलेज न्यूयॉर्क एवं लंदन, 2015।

——. 'व्हाट इफ दि हर्ट इज रियल? साइकी, नेबर एंड इंटिमेट वायलेंस', आर. रामदेव, एस. डी. नाम्बियार एवं डी. भट्टाचार्य द्वारा संपादित दि स्टेट ऑफ हर्ट : सेंटिमेंट, पॉलिटिक्स, सेंसरशिप, सेज प्रकाशन नई दिल्ली, 2015।

——. 'स्वराज इन आइडियाज : फ्रॉम थर्ड वर्ल्ड टू वर्ल्ड ऑफ दि थर्ड', जर्नल ऑफ कंटेम्पररी थॉट, 40 (2015)।

——. 'दि अल्थ्यूसर–लाकां कॅरेसपोंडेंस एज़ ग्राउंड फॉर साइको–सोशल स्टडीज', साइकोथेरेपी एंड पॉलिटिक्स इंटरनेशनल, 12, नं. 3 (2015)।

धर, आई : 'वीविंग एंड बेयरिंग का जैनसेम धारा : एक्सप्लोरिंग दि क्रॉस–कल्चरल क्रिएशन ऑफ खासी अटायर्स', डी. एन. चक्रवर्त्ती एवं सुरजीत सरकार द्वारा संपादित ऑब्जेक्ट्स, आइडेन्टिटीज मीनिंग्स : इनसाइडर पर्सपैक्टिव फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया, 19–36, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली, 2015।

——. 'असमीज आइडेंटिटी एंड दि एथनिक डिसेंट : असम साहित्य सभा एट दि क्रॉसरोड्स', दिलीप गोगोई द्वारा संपादित एनहीडिड हिंटरलैंड : आइडेंटिटी एंड सोवरेनटी इन नार्थईस्ट इंडिया, 144–162, रटलेज ऑक्सन एवं न्यूयॉर्क, 2016।

घई, ए. : 'रिथिंकिंग डिसेबिलिटी इन इंडिया', रटलेज नई दिल्ली, 2015।

घई, ए. एवं जी. वोल्ब्रिंग : 'इंटेरोगेटिंग दि इम्पेक्ट ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेंट ऑन डिसेबल्ड चिल्ड्रन इन इंडिया एंड बियॉन्ड', डिसेबिलिटी एंड दि ग्लोबल साउथ, 2 (2015) : 667–685।

हक, एस. : 'रिप्रेजेंटिंग एब्सेंस–सर्वाइवर आर्ट इन कश्मीर थ्रू वर्क्स ऑफ मसूद हुसैन', एस. चक्रवर्ती एवं एस. आर. बंद्योपाध्याय द्वारा संपादित प्रोसीडिंग्स ऑफ इंडियन आर्ट हिस्ट्री कांग्रेस XXIII सेशन 2014, 295–302, गुवाहाटी, नई दिल्ली : इंडियन आर्ट हिस्ट्री कांग्रेस, 2015।

कामेई, जी. : 'ट्रेडिशनल ब्रूइंग ऑफ राइज वाइन एंड बीयर : फ्रॉम मटेरियल कल्चर टू अल्टरनेटिव कल्चरल प्रोडक्शन इन दि रेंगमा नागा ट्राइब ऑफ मणिपुर', डी. एन. चक्रवर्त्ती एवं सुरजीत सरकार द्वारा संपादित ऑब्जेक्ट्स, आइडेन्टिटीज मीनिंग्स : इनसाइडर पर्सपैक्टिव फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया, 53–66, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली, 2015।

वहाली, एच. ओ. : 'कुड आई बिकम ह्यूमन बाय इंगेजिंग विद यू: अं(डर) स्टेटेड लाइफ : स्ट्रगल्स फ्रॉम साइकोएनालिटिक पर्सपैक्टिव ऑन लिसनिंग टू दि मेंटली इल पुअर एंड दि होमलेस पुअर', साइकोलॉजी एंड डेवलपिंग सोसाइटीज, 27 (2015) : 231–253।

लिबरल अध्ययन स्कूल

बनर्जी, अरिंदम : अमीया कुमार बागची एवं अमिता चटर्जी द्वारा संपादित 'मार्क्सिजम : विद एंड बियॉन्ड मार्क्स' पुस्तक की समीक्षा, सोशल साइंटिस्ट 44 (2016) : 1–2।

——. 'नियो–लिबरलिज्म एंड इट्स कांट्रडिक्शन्स फॉर रूरल डेवलपमेंट : सम इनसाइट्स फ्रॉम इंडिया', डेवलपमेंट एंड चेंज, 46 (2015) : 1010–1022, doi:10.1111/dech.12173।

——. 'लैंड एक्वीजीशन, प्रीमिटिव एक्युमलेशन एंड दि स्टेट', विकल्प, 17 अप्रैल 2015, http://www.vikalp.ind.in/2015/04/land-acquisition-primitive-accumulation.html?m=1 से पुनर्प्राप्त।

बनर्जी, अरिंदम, सी. दासगुप्ता एवं एस. मजूमदार : 'हिस्टोरिओग्राफी सांस हिस्ट्री : ए रिस्पांस टू तीर्थंकर रॉय', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 50, नं. 35 (2015) : 124–132।

——. 'कांटेस्टेशन्स ऑफ फूड सब्सिडी पॉलिसी : एग्जामिनिंग दि हाई–लेवल कमिटी रेकमेंडेशन्स', सोशल साइंटिस्ट, 43, नं. 7–8 (2015) : 41–58।

——. 'सैम मोयो : दि स्कॉलर फॉर दि ऑप्रेस्सड (1954–2015)', सोशल साइंटिस्ट, 43, नं. 11–12 (2015)।

भट्टाचार्य, आर., के. रूथ, डी. सिन्हा एवं डी. तिवारी : 'पब्लिक सर्विसेज, सोशल रिलेशन्स, पॉलिटिक्स एंड जेंडर : टेल्स फ्रॉम ए नार्थ इंडियन विलेज', हिमांशु, प्रवीण झा एवं गेरी रॉडर्स द्वारा संपादित लॉन्गिट्यूडनल रिसर्च इन विलेज इंडिया : मेथड्स एंड फाइंडिंग्स, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस नई दिल्ली, 2016।

बिराज, पी. एवं डी. सिन्हा : 'फ्रॉम दि फाइल्स टू दि फील्ड्स : दि स्टोरी ऑफ पब्लिक प्रोक्योरमेंट इन छत्तीसगढ़', एस. देसाई, एल. हद्दाद, डी. चोपड़ा एवं ए. थोराट द्वारा संपादित अंडरन्यूट्रिशन इन इंडिया एंड पब्लिक पॉलिसी : इंवेस्टिंग इन दि फ्यूचर, रटलेज यूके, 2016।

बिस्वास, आर., एन. बनर्जी, आर. बनर्जी एवं एस. बी. बंद्योपाध्याय : 'अंडरस्टैंडिंग लाइवएबिलिटी/इज़। ए रिपोर्ट ऑफ मेकिंग लाइवएबल लाइव्स : रिथिंकिंग सोशल एक्सक्लूशन', ब्राइटन यूनिवर्सिटी एवं सैफो फॉर इक्वलिटी के मध्य अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना।

चक्रवर्त्ती, डी. एन. : 'वीविंग मटेरियल कल्चर : एन एक्ट ऑफ आइडेंटिटी कंस्ट्रक्शन', धरित्री नर्जरी चक्रवर्त्ती एवं सुरजीत सरकार द्वारा संपादित ऑब्जेक्ट्स, आइडेन्टिटीज मीनिंग्स : इनसाइडर पर्सपैक्टिव फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया, 81–96, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली, 2015 ।

चक्रवर्ती, आर. : 'शेड्स ऑफ डिफरेंस : सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑफ रवीन्द्रनाथ टैगोर (विद डीवीडी : टैगोर एंड हिज़ वर्ल्ड)', सोशल साइंस प्रेस नई दिल्ली, 2015 ।

——. मार्टिन कैम्पचेन एवं इमरै बंघा द्वारा संपादित 'रवीन्द्रनाथ : 100 इयर्स ऑफ ग्लोबल रिसेप्शन' पुस्तक की समीक्षा, दि इंडियन एक्सप्रेस, मार्च 2016 ।

——. 'रिराइटिंग टैगोर : ट्रांसलेशन एज़ परफॉर्मेंस', मालाश्री लाल द्वारा संपादित टैगोर एंड दि फेमिनिन : ए जर्नी इन ट्रांसलेशन्स, 1–8, सेज प्रकाशन नई दिल्ली, 2015 ।

——. अमीया पी. सेन द्वारा संपादित 'रिलिजन एंड रवीन्द्रनाथ टैगोर' पुस्तक की समीक्षा, इंडियन लिटरेचर 287 (2015), 190–193 ।

——. 'मिस्ट्री ऑफ मुनरोई आईलैंड एंड अदर स्टोरीज, सत्यजीत राय' की समीक्षा, दि बुक रिव्यु, 2015 ।

चौधरी, एस. : 'ऐजलेस हीरो, सेक्सलेस मैन : ए पॉसिबल प्री–हिस्ट्री एंड थ्री हाइपोथेसिस ऑन सत्यजीत रायज़ फेलुदा', साउथ एशिया रिव्यु, 36, नं. 1 (2015) : 109–130 ।

——. 'दि इंडियन पार्टीशन एंड दि मेकिंग ऑफ न्यू स्कोपिक रिजीम इन बंगाली सिनेमा', यूरोपियन जर्नल ऑफ इंग्लिश स्टडीज, पोएटिक्स एंड पार्टीशन 19, नं. 3 (2016) : 255–270 ।

——. 'दि इनडेंजेर्ड सिटी इन ऋतुपर्णो घोषज़ अर्ली सिनेमा ऑफ कांफाइनमेंट', एस. दत्ता, के. बाखी एवं आर. दासगुप्ता द्वारा संपादित ऋतुपर्णो घोष : सिनेमा, जेंडर एंड आर्ट, 104–122, रूटलेज भारत, 2016 ।

चौधरी, एस. : गौरी गिल एवं सेहर शाह की संयुक्त प्रदर्शनी वेज़ ऑफ सीइंग की समीक्षा 'साइट्स एंड साइट्स', आर्ट इंडिया, XIX:II (द्वितीय तिमाही : 2015) : 79–81 ।

——. कलकत्ता दि सिटी आई लव वाय रथिन मित्रा एंड ए यैंक्स मेमोरीज ऑफ कलकत्ता वाय क्लाइड वाडेल्स की समीक्षा 'दि सिटी ऑफ कंटीन्यूअस कंट्रास्ट्स', आर्ट इंडिया, XIX:II (द्वितीय तिमाही : 2015) : 82–84 ।

——. 'जेएनयू : एक्टो पोरिकोल्पितो आक्रोमोण (जेएनयू : ए प्लांड असाल्ट)', आनंद बाजार पत्रिका, 18 फरवरी 2016 ।

——. कुणाल बासु द्वारा कलकत्ता की समीक्षा '14, जकरिया स्ट्रीट', पिकाडोर इंडिया 2015, बाइबिल इंडिया XXI नं. 1–3 (जनवरी–मार्च 2016) : 35 ।

——. आरती वाणी द्वारा दि फंटासी ऑफ मॉडर्निटी : रोमांटिक लव इन बाम्बे सिनेमा ऑफ दि 1950ज़ की समीक्षा 'दि फिफ्टीस मोमेंट', कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016, बाइबिल इंडिया XXI नं. 4 (2016) : 20 ।

दासगुप्ता, एस., एस. घोष एवं आर. पी. कुंडू : 'दि 11–20 मनी रिक्वेस्ट गेम एंड दि लेवल–के मॉडल : सम एक्सपेरिमेंटल रिजल्ट्स', एस. के. जैन तथा ए. मुखर्जी द्वारा संपादित 'पर्सपैक्टिव्स ऑन एफिशिएंसी, ग्रोथ एंड इनइक्वलिटी, रटलेज भारत, 2015।

दासगुप्ता, आर., एस. गर्ग, आर. महोबा, एस. नंदी एवं डी. सिन्हा : 'एनकवरिंग कवरेज : यूटिलाइजेशन ऑफ दि यूनिवर्सल हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम, छत्तीसगढ़, वाय वीमेन इन स्लम्स ऑफ रायपुर', इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज 23 (2016) : 43–68।

दासगुप्ता, आर., वाय. यामनम एवं डी. सिन्हा : 'रैपिड सर्वे ऑन चिल्ड्रन : वाट्स न्यू, वाट्स ओल्ड एंड वाट्स दि बज़', इंडियन पेडियाट्रिक्स 52, नं. 1 (2016)।

दासगुप्ता, आर., एस. दीपा, एस. गर्ग, आर. महोबा, एस. नंदी एवं एस. साहू : 'हाउ इंक्लूसिव इज दि यूनिवर्सलाइज्ड इंश्योरेंस स्कीम (आरएसबीवाय) इन छत्तीसगढ़? एक्सपीरियंस ऑफ अर्बन पुअर वीमेन इन स्लम्स ऑफ रायपुर', मेडिको फ्रेंड सर्किल बुलेटिन, 2016।

कोठियाल, टी. : 'नोमेडिक नैरेटिव्स : ए हिस्ट्री ऑफ मोबिलिटी एंड आइडेंटिटी इन दि ग्रेट इंडियन डेजर्ट', कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस नई दिल्ली, 2016।

कुमार, के. : सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग (सोसप्रोएस–2015) पर पाँचवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही–रपट 'ट्रैफिक एक्सीडेंट प्रेडिक्शन मॉडल यूजिंग सपोर्ट वेक्टर मशिन्स विद गाऊसीयन कर्नेल', doi : 10.1007/978-981-10-0451-3_1।

कुंडू, आर. पी., एस. साहू एवं एस. सुब्रह्मण्यम (संपादक) : 'थीम्स इन इकोनॉमिक एनालिसिस : थ्योरी, पॉलिसी एंड मेजरमेंट', रूटलेज भारत, 2015।

कुंडू, आर. पी. एवं के. जे. सतीश : लॉ एंड इकोनॉमिक की समीक्षा 'डेकोमपोजीशन ऑफ एक्सीडेंट लॉस एंड एफिशिएंसी ऑफ लायबिलिटी रूल्स', 2015।

कुंडू, आर. पी., आर. चक्रवर्ती एवं एस. चक्रवर्ती : 'नेटवर्क ऑफ लीगल साइटेशन्स : एन एनालिसिस ऑफ सम सुप्रीम कोर्ट डिसिजन्स ऑन लैंड एक्वीजीशन इन इंडिया', वी. बनर्जी, वी. मुखर्जी तथा एस. हलडर द्वारा संपादित अंडरस्टैंडिंग डेवलपमेंट : एन इंडियन पर्सपैक्टिव ऑन लीगल एंड इकोनॉमिक पॉलिसी, स्प्रिंगर, 2015।

मलिक, एस. बी., एल. रुएडा एवं एन. थॉम : 'दि क्लास ऑफ एम–ईपी एंड एम–नॉर्मल मैट्रिक्स', जर्नल ऑफ लीनियर एंड मल्टीलीनियर एलज्रेबा 64, नं. 11 (28 जनवरी 2016) : 2119–32।

नावेद, शाद : 'गे इंटरनेशनल, साऊदी अरेबिया, पोस्टक्लोनिअलिटी : अल–अखहराम / दि अदर्स', एस. बाला एवं ए. टेलिस द्वारा संपादित दि ग्लोबल कैरियर्स ऑफ कुयरनैस : रिथिंकिंग सेम–सेक्स पॉलिटिक्स इन दि ग्लोबल साउथ, रोडोपी प्रेस एम्स्टर्डम, 2015।

नेहरा, एस. एवं डी. सिन्हा : 'एड्रेसिंग मलन्युट्रिशन इन इंडिया : एनएफएसए एंड बियॉन्ड', बजट ट्रैक 11 (2016) : 25–28।

नाइट, डी. के. एवं पी. स्टीवर्ट : 'कंसेंटिंग टू लेबर अप्प्रोप्रिएशन? दि माइनवर्कर ऑन साउथ

अफ्रीकन गोल्ड एंड कोलमाइंस, 1951–2011', जर्नल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज, मार्च 2015।

नाइट, डी. के. : इग्नू के एमए श्रम एवं विकास की पुस्तक (ब्लॉक 2/संकल्पनात्मक श्रम–1, यूनिट 4) में 'लेबर एंड डेवलपमेंट : हिस्टोरिकल एक्सपीरिएन्सेस', 2016।

——. 'रिफैशिनिंग विमेन्स सेल्फ एंड माइनिंग : होममेकर्स एंड प्रोड्यूसर्स ऑन दि साउथ अफ्रीकन माइंस, 1976–2011', मूविंग दि सोशल : जर्नल ऑफ सोशल हिस्ट्री एंड सोशल मूवमेंट, 54 (दिसम्बर 2015) : 7–36।

——. 'बॉलीवुड विदइन एंड विदआउट : ए रीडिंग ऑफ तनु वेड्स मनु रिटर्न्स (ए फीचर फिल्म)', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 50, नं. 25 (2015)।

प्रधान, जी. : 'समग्र संघर्ष की महाकाव्यात्मक गाथा', एन. आर. राम द्वारा संपादित सत्ता विमर्श और दलित आत्मकथा, सांस्कृतिक संकुल इलाहाबाद, 2016 में प्रकाशित। इसके अलावा बहुजन वैचारिकी : तुलसी राम विशेषांक, खंड 1 (जनवरी 2016) में भी प्रकाशित।

——. 'इक्कीसवीं सदी के समाजवाद का गायक', प्रेमशंकर द्वारा संपादित रहूँगा भीतर नमी की तरह : वीरेन डंगवाल, सांस्कृतिक संकुल इलाहाबाद, 2016।

——. 'साहित्य में भी ज्ञानवर्धन की जरूरत है', समीक्षा (अक्टूबर 2014–मार्च 2015)।

——. 'बरगद की याद (महागुरु मुक्तिबोध)', समीक्षा (जुलाई–दिसम्बर 2015)।

——. 'अलका सरावगी के शिल्प की नवीनता का कारण क्या है?', नया प्रतिमान (अप्रैल 2016)।

——. 'अंधेरे समय की रोशन उम्मीदें', समकालीन जनमत (2015)।

——. 'उसने सांसे नहीं पूरा जीवन जिया', आह! जिन्दगी (2015)।

——. 'मार्क्सवाद की सदी', समकालीन जनमत (2015)।

——. 'नए दौर के नए सवाल और नए संघर्ष', साखी (2015)।

——. 'किसान और मार्क्स', प्रभात खबर : दीपावली विशेषांक (नवम्बर 2015)।

——. 'वर्तमान समय में मार्क्सवाद की चर्चा', अनभै सांच, 40 (अक्टूबर–दिसम्बर 2015)।

——. 'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की तर्कपद्धति', बहुवचन, 47 (अक्टूबर–दिसम्बर 2015)।

——. 'लेनिन का रस और पश्चिम', समकालीन जनमत (2016)।

——. 'निश्पक्षता के विरुद्ध', समकालीन जनमत (2016)।

प्रसाद, वी. एवं डी. सिन्हा : 'पोटेंशियल्स, एक्सपीरियंसिस एंड ओटोमेस ऑफ ए कॉम्प्रेहेंसिव कम्युनिटी–बेस्ड प्रोग्राम टू एड्रेस मालन्यूट्रिशन इन ट्राइबल इंडिया', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड न्यूट्रिशन 4 (2015) : 151–62।

——. 'दि रिलक्टेंट स्टेट : लैकूनाइ इन करंट चाइल्ड हेल्थ एंड न्यूट्रिशन पॉलिसीस एंड प्रोग्रोम्स इन इंडिया', आई. क्वाडर द्वारा संपादित सोशल डेवलपमेंट रिपोर्ट 2013, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस नई दिल्ली, 2015।

सेन, आर. : 'रेमेम्बरिंग दि प्रत्याहिक (डेली) : 'डी'—फैमिलिएरिजिंग फेमिलियल सोशल हिस्ट्री थ्रू मेमोयर्स', आर. प्रसांत एवं जी. नंदिनी द्वारा संपादित प्रत्यह एवरीडे लाइफवर्ल्डस : डिलेम्मस, कॉन्टेस्टेशन्स एंड नेगोटिएशन्स, 238—258, प्राइमस प्रकाशन दिल्ली, 2015।

——. 'ह्यूमिलिएशन एज़ पॉलिटिकल, पोलिटीसाज़िंग ह्यूमिलिएशन : वैन कास्ट बॉडीज आर सेक्सुअली वायलेटेड', विकल्प (29 अगस्त 2015), http://www.vikalp.ind.in/2015/08/humiliation-as-political-politicizing.html से पुनर्प्राप्त।

——. एन. जयराम द्वारा संपादित आइडियाज, इंस्टीट्यूशन्स, प्रोसेसेज : एसेज इन मेमोरी ऑफ सतीश सबरवाल पुस्तक की समीक्षा, ओरिएंट ब्लैकस्वान हैदराबाद, 2015।

सिन्हा, डी. : 'मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ : इन्चिंग अहेड, माइल्स टू गो', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 50 नं. 49 (2015)।

——. 'कैश फॉर फूड : ए मिसप्लेस्ड आइडिया', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 50 नं. 16 (2015)।

——. 'नेगलेक्टिंग हेल्थ एक्सपेंडिचर इन फेवर ऑफ दि काइमेरा ऑफ इंश्योरेंस', दि वायर, 2016।

——. 'लेट्स यूज़ दि कैग्स क्रिटिसिज्म्स टू स्ट्रेंथन, नॉट वीकन, स्कूल मिडडे मिल्स', दि वायर, 2016।

स्नेही, वाय. : 'सिचुएटिंग पॉपुलर वेनेरशन', हिस्ट्री एंड सोसायटी : न्यू सीरीज 68 (2015), नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय नई दिल्ली।

——. ऐनी मर्फी द्वारा संपादित दि मैट्रिएलिटी ऑफ दि पास्ट : हिस्ट्री एंड रिप्रजेंटेशन इन सिख ट्रेडिशन पुस्तक की समीक्षा, स्टडीज इन हिस्ट्री 31, नं. 2 (2015) : 252—56।

वेंकटरमण, गीता : 'थ्रू दि सिमिट्री लेंस : पार्ट 1 : प्लानर सिमिट्री एंड फ्रीज़ पैटर्न्स', एट राइट एंगल्स 5, नं. 1 (2016) : 5—14।

सामुदायिक ज्ञान केंद्र

चक्रवर्त्ती, डी. एन. एवं एस. सरकार द्वारा संपादित ऑब्जेक्ट्स, आइडेन्टिटीज मीनिंग्स : इनसाइडर पर्सपैक्टिव फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, दिल्ली, 2015।

विकास प्रणाली केंद्र

मंडर, एच. : 'इंगजिंग विद एनइक्वल इंडिया', सीडीपी, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, 2015।

प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

सीईसीईडी, इंडियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट स्टडी पॉलिसी ब्रीफ, 2015।

सीईसीईडी, एक्सप्लोरिंग स्कूल रेडीनेस (मोशन पिक्चर), अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, दिल्ली, 2015।

सीईसीईडी, प्रीस्कूल किट, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, दिल्ली, 2015।

खन्ना, आई एवं पी. साहू : 'अर्ली चाइल्डहुड एंड एजुकेशन : ए गाइड' का निरीक्षण, प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, 2015।

सिंह, पी., पी. महालवाल, एम. डोगरा, एन. गुप्ता, एस. जैन एवं वी. कौल (2015) : 'इवैल्यूएशन ऑफ कथाज़ 'आई लव रीडिंग कैंपेन' इन डेल्ही एमसीडी स्कूल्स' की परियोजना रपट, प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, 2015।

सिंह, एस. : 'लिटरेसी इंगेजमेंट इन रिफ्यूजी फैमिलीज़ : कनेक्टिंग प्रैक्टिसेज अक्रॉस कॉन्टेक्ट्स', पी. एस. सचमिडट तथा ए. लैज़र द्वारा संपादित रिकॉन्सेप्टुलाइजिंग लिटरेसी इन दि न्यू ऐज ऑफ मल्टीकल्चरलिस्म एंड प्लूरालिस्म, 343–359, इंफॉर्मेशन ऐज, 2015।

सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र

नक्कीरन, एन. : 'इज सैंपलिंग ए मिसनोमर इन क्वालिटेटिव रिसर्च', सोशयोलॉजिकल बुलेटिन, 65, नं. 1 (2016) : 40–49।

पुस्तकालय सेवाएँ

दिनेश, के. एवं डी. टी. कल्लोल : 'नॉलेज मैनेजमेंट वर्सिज इनर्फोमेशन मैनेजमेंट : ए न्यू पराडिग्म इन दि लाइब्रेरी एंड इमर्फोमेशन सेंटर', एम. राम द्वारा संपादित ऑटोमेशन एंड डिजिटाइजेशन सॉफ्टवेयर ऑफ लाइब्रेरी : ओपन सोर्स एंड कमर्शियल, 199–212, वायके प्रकाशक आगरा, 2015।

जैन, पी. के. एवं सी. के. देबल द्वारा संपादित 'इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड इश्यूज इन साइंटोमेट्रिक्स, इनर्फोमेट्रिक्स एंड वेबमेट्रिक्स', अने बुक्स नई दिल्ली, 2016।

जैन, पी. के. एवं सी. के. देबल द्वारा संपादित 'बिब्लियोमेट्रिक्स डाटा एंड इम्पैक्ट मैनेजमेंट इन इनर्फोमेशन साइंस', बुकवेल प्रकाशन नई दिल्ली, 2016।

अंतरराष्ट्रीय साझेदारियाँ

एयूडी की अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की देखरेख अंतरराष्ट्रीय सहभागिता सलाहकार समिति (एसीआईपी) द्वारा की जाती है। अपनी प्राथमिक भूमिका के अंतर्गत यह समिति विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के आदान–प्रदान हेतु विश्वविद्यालय और विदेशी संस्थानों/अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के बीच अनुबंध तैयार करते समय सलाह देती है। इसके साथ ही यह समिति अधिगम एवं अनुसंधान कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने तथा अध्ययन या अनुसंधान हेतु विदेश जाने वाले अध्येताओं, छात्रों, शोधकर्ताओं एवं एयूडी के सदस्यों का सहयोग भी करती है।

2008 में अपनी स्थापना के बाद अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली ने उच्च शिक्षा में स्थायी एवं प्रभावी संपर्क स्थापित करने तथा विदेशी संस्थानों से सहयोग विकसित करने का उद्देश्य निर्धारित किया। इसकी पूर्ति हेतु एयूडी ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सहयोग प्राप्त करने के लिए कई स्रोतों से अवसर प्राप्त किए, जिसके तहत विश्वविद्यालय ने विदेशी संस्थानों के साथ मिलकर समझौता–ज्ञापनों (द्विपक्षीय) पर हस्ताक्षर भी किए हैं। इन समझौता–ज्ञापनों के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं विदेशी संस्थानों के मध्य निम्नलिखित विषयों पर बातचीत की गयी :– अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए संस्थानों का निर्माण करना, संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान, संयुक्त उपाधि कार्यक्रम, अनुसंधान सहयोग एवं शैक्षिणक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना।

एयूडी ने कई विदेशी संस्थानों के साथ सहभागिता स्थापित की है। कुछ प्रमुख समझौते इस प्रकार हैं–

अर्बन नॉलेज नेटवर्क एशिया (यूकेएनए) यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित अंतर–विश्वविद्यालय सहयोगी आदान–प्रदान (2012–2016) एवं सदस्य–संस्थानों के मध्य प्राध्यापकों के अल्पावधि आदान–प्रदान द्वारा शोध साझा करना, वर्तमान में जारी है। सीसीके के सुरजीत सरकार ने इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एशियन स्टडीज, लीडन में तीन महीने (सितम्बर से नवम्बर 2015 तक) यूकेएनए विद्वान के रूप में व्यतीत किए।

सैन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी मुख्य एमओयू (जिस पर वर्ष 2011 में हस्ताक्षर किए गए) के भाग के रूप में एसएफएसयू ने संकाय एवं छात्र विनिमय हेतु नए उप–समझौते पर हस्ताक्षर किए है। यह संबंधित है– 1) पारस्परिक हित की शोध परियोजनाओं पर सहयोग; 2) पाठ्यक्रम तथा अध्यापन पर विशेषज्ञता का आदान–प्रदान; 3) संयुक्त परियोजनाओं के लिए संगोष्ठियों, परिसंवादों, सम्मेलनों का आयोजन करना; 4) संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाने हेतु संसाधनों का परस्पर आदान–प्रदान; 5) विद्यार्थियों का विनिमय; 6) शिक्षकों की अदला–बदली; 7) संयुक्त शिक्षा कार्यक्रमों का विकास; एवं 8) अन्य गतिविधियों का विकास।

अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट ज्ञप्ति साझेदारी अग्रगामी परियोजना को कार्यान्वित करने हेतु 2012 में हस्ताक्षर किए गए।

हवाई यूनिवर्सिटी, मनाओ 2012 में एयूडी एवं हवाई यूनिवर्सिटी (यूएच) के बीच अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के मसौदे पर हस्ताक्षर हुए परन्तु औपचारिक तौर पर इसका पर्दापण जुलाई 2013

में हुआ। इसका उद्देश्य संकाय संबंधित संस्थानों में शैक्षिक प्रक्रियाओं को बढ़ाने हेतु पाठ्यक्रम विकसित करना, पढ़ाना व अनुसंधान का संचालन करना है। इसके अतिरिक्त यूएचएम एसएसी ने एयूडी के साथ विश्वविद्यालय–आधारित विदेश सहभागिता अध्ययन कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।

वर्ष 2015 में हवाई यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ एजुकेशन के पाठ्यक्रम अध्ययन विभाग से प्रो. रिचर्ड जॉनसन के साथ तीन विद्यार्थियों ने स्नातक कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने दो पाठ्यक्रम पढ़े :– 'डेवलपमेंटली एप्रोप्रिएट प्रैक्टिसेज' एवं 'करिकुलम इम्प्लिकेशन्स ऑफ मल्टीकल्चरल एजुकेशन'। पाठ्यक्रमों के अलावा, शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय के संकाय के साथ उन्होंने अपनी शोध दिलचस्पी भी साझा की। पाठ्यक्रम के लिए आए तीन विद्यार्थियों में से एक छात्र श्री जेफरी चुंग ने दिसम्बर 2015 में मानसून सत्र के अंत में एक और सत्र की वृद्धि हेतु अनुरोध किया। उन्होंने अतिरिक्त पाठ्यक्रम पढ़े एवं क्षेत्र–यात्राओं व इंटर्नशिप पर भी गए। मई 2016 में शीतकालीन सत्र के अंत में वे वापस चले गए।

नॉर्थम्पटन यूनिवर्सिटी (इंग्लैंड) वर्ष 2013 में 1) शैक्षिक आदान–प्रदान व सामाजिक उद्यम में शिक्षण/अनुसंधान में संकाय सहयोग को बढ़ावा देने, 2) विद्यार्थी विनिमय, और 3) शैक्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं क्रियान्वयन (संयुक्त कार्यक्रम विकसित व पाठ्यक्रम स्तर पर सहयोग–अन्वेषण करना, जैसे–एमबीए सामाजिक उद्यम) हेतु हस्ताक्षर किए गए। एयूडी के एमए (सामाजिक उद्यमिता) कार्यक्रम के विकास एवं संयुक्त अनुसंधान, छात्र व संकाय विनिमय हेतु चर्चा जारी है।

बैंक स्ट्रीट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (संयुक्त राज्य अमेरिका) 2013 में हस्ताक्षर किए गए। इसमें परस्पर हित एवं लाभ की शोध परियोजनाओं पर सहयोग, पाठ्यचर्या व अध्यापन विशेषज्ञता साझा करना, संगोष्ठियों, परिसंवादों, सम्मेलनों तथा संयुक्त परियोजनाओं का आयोजना करना, संयुक्त सहयोगी परियोजनाओं हेतु संसाधनों का परस्पर आदान–प्रदान करना साथ ही साथ छात्रों और शिक्षकों का विनिमय करना एवं संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास करना अधिकृत है।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, इरेस्मस यूनिवर्सिटी रॉटरलैंड (नीदरलैंड्स) अकादमिक एवं शैक्षिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु 2013 में हस्ताक्षर किए गए। इसके अंतर्गत 1) द्वि–उपाधि कार्यक्रमों : एयूडी–आईएसएस स्नातकोत्तर कार्यक्रम एवं विशेष प्रमाण–पत्र कार्यक्रम; 2) संकाय व/या शोध अध्येताओं का विनिमय; और 3) सहयोगी अनुसंधानों, व्याख्यानों, संगोष्ठियों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

नार्वेजियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनयूपीआई) 'दि स्टेट, गलोबलाइजेशन एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट इन इंडिया : दि पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ रेगुलेशन एंड डीरेगुलेशन' परियोजना को कार्यान्वित करने हेतु 2013 में हस्ताक्षर किए गए। नॉर्वे की अनुसंधान परिषद् ने अपने इंडनॉर कार्यक्रम के तहत इस परियोजना को तीन वर्षों 2013 से 2016 तक सहायता देने हेतु चयनित किया। इस सहयोगी परियोजना में भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता ने एक अन्य संस्थान के रूप में भाग लिया। एयूडी के डॉ. सुरजीत मजूमदार एवं डॉ. चिरश्री दास गुप्ता इस परियोजना के अनुसंधानकर्ता हैं। 2014 में ओस्लो में

हुई कार्यशाला में अनुसंधान विषयों के विवरण स्पष्ट हुए। तत्पश्चात् इनकी नियुक्ति में परियोजना ने सहयोग किया व विभिन्न अध्ययनों को अंतिम रूप देने हेतु सहायता कार्य जारी है। संयुक्त शोध परियोजना 'इंडस्ट्रियल पॉलिसी इन इंडिया' के अंतर्गत आईआईएम कोलकाता में 30 नवम्बर 2015 को कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें भारत व नॉर्वे के शोधकर्ता शामिल हुए। इस कार्यशाला में परियोजना की प्रगति पर चर्चा की गयी। परियोजना का अंतिम विश्लेषण अभी बाकी है।

येल यूनिवर्सिटी के साथ एनआईएच परियोजना वर्ष 2014 में 'अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट फॉर दि पुअर : इम्पैक्टिंग एट स्केल (एनआईएच स्टडी)' के अध्ययन हेतु हस्ताक्षर किए गए। इसमें 1) वैकल्पिक सेवा प्रावधान विधियों, पिछले छोटे प्रयासों के सापेक्ष उनकी प्रगति एवं प्रभावशीलता की जाँच की जाएगी और 2) उन तंत्रों की पहचान की जाएगी जो बाल विकास पर ईसीडी के प्रभाव का निर्धारण करते हों।

इस अध्ययन के अंतर्गत दो वर्षों तक ओडिशा के तीन ग्रामीण जिलों {बालासोर (सोरो), कटक (सेलपुर) एवं बोलनगीर} के 2000 शिशुओं तथा बच्चों का विश्लेषण किया गया। सीईसीईडी अपने तकनीकी भागीदारों–आईएफएस, येल यूनिवर्सिटी, प्रथम (ओडिशा तथा दिल्ली) एवं जेपीएएल–एसए के सहयोग द्वारा ओडीशा में शोध कार्य कर रहा है। इसका मकसद यह जानना है कि किस प्रकार प्रारंभिक प्रोत्साहन, पोषण कार्यक्रम के साथ संयोजित होकर, विभिन्न साधनों द्वारा (देखभालकर्ताओं को व्यक्तिगत व समूह समर्थन देकर), बाल–विकास के परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

वेस्टइंडीज यूनिवर्सिटी में दिसम्बर 2015 से डॉ. सैली ग्रांथम–मैकग्रेगर द्वारा प्रोत्साहन विश्लेषण के अनुरूप शिशु प्रोत्साहन दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार हैं–

- समूह पाठ्यक्रम एवं अतिरिक्त दस्तावेजों का विकास,
- समूह पाठ्यक्रम का संचालन,
- पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन उपकरणों का प्रशिक्षण, और
- जाँच यात्राएँ

ई–कुअल परियोजना (2013–2017) ब्रिटिश परिषद्/यूरोपीय संघ 'एन्हासिंग क्वालिटी, एक्सेस एंड गवर्नेनस ऑफ अंडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया (ई–कुअल)' परियोजना हेतु वर्ष 2014 में हस्ताक्षर किए गए। यह यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित अंतरराष्ट्रीय सहभागी परियोजना है जिसके अंतर्गत मई 2017 तक राशि सहायता के रूप में एक मिलियन से अधिक यूरो दिए जाऐंगे।

परियोजना संघ–भागीदारों, ब्रिटिश परिषद् प्रमुख भागीदार होने के साथ ही अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, जादवपुर विश्वविद्यालय, किंग्स कॉलेज (लंदन), शिव नादर विश्वविद्यालय, बोलोग्ना विश्वविद्यालय एवं हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।

इस परियोजना का उद्देश्य भारत–यूरोपीय संघ उच्चतर शिक्षा भागीदारी एवं सहयोग द्वारा

भारत में स्नातक शिक्षा की गुणवत्ता, पहुँच तथा नियमन में सुधार करना है। यह भारत में उच्च शिक्षा प्रदान करने और इसकी गुणवत्ता में सुधार लाने की भारत सरकार की योजना के अनुरूप है।

परियोजना की गतिविधियों को चार प्रमुख विषयों गहन सोच, सांस्कृतिक अध्ययन, मानव पारिस्थितिकी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं सतत विकास द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। परियोजना का उद्देश्य भारतीय संदर्भ हेतु प्रासंगिक दृष्टिकोण के अनुरूप तकनीक को बढ़ावा देते हुए, स्नातक शिक्षण व शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम पद्धति, अनुभव एवं ज्ञान के आदान–प्रदान को सुगम बनाना है।

इस परियोजना के अंतर्गत की गई प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार हैं–

- तीन डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का निर्माण किया गया–मेक वे! दि कुनो स्टोरी, अर्बन फ्यूचर्स इन दि इंडियन हिमालयाज़ एवं त्सो कार बेसिन ऑफ लद्दाख (यह अभी निर्माणोत्तर चरण में है)। इन डॉक्यूमेंट्री को मध्य प्रदेश के कुनो वन्यजीव अभयारण्य, हिमाचल प्रदेश के बंजर एवं लद्दाख, जम्मू और कश्मीर के त्सो कार बेसिन तथा इनके आसपास फिल्माया गया है। परियोजना के तहत तैयार ये एवं अन्य वीडियो व्याख्यान मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) का गठन करेंगे तथा इन तक www.youtube.com/EQUALatAUD के माध्यम से पहुँचा जा सकता है।
- स्नातक अध्ययन शिक्षालय के विद्यार्थियों को मानव पारिस्थितिकी से अवगत करवाने हेतु चार क्रेडिट का वैकल्पिक पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है। इसे 2015 मानसून सत्र के दौरान पढ़ाया गया।
- 19–20 फरवरी 2016 को भारत पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में विद्यार्थी सम्मेलन 'लर्निंग फ्रॉम लर्नर्स–ईकुअलाइजिंग डाइवर्स हायर एजुकेशन लैंडस्केप्स' आयोजित किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य छात्रों के माध्यम से आत्मकथात्मक महत्त्व को उजागर करना था जो शिक्षार्थियों के सीखने संबंधी अनुभवों को और भी प्रभावशाली ढंग से विश्लेषित तो करता ही है, साथ ही वास्तविक अधिगम वातावरण के भी अनुरूप है।
- परियोजना के तहत इस वर्ष तीन डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का कार्य जारी है। अभी ये फिल्में निर्माण के अलग–अलग चरणों में हैं। इस परियोजना के अंतर्गत क्रमशः अगस्त एवं अक्टूबर 2016 में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला तथा अकादमिक सम्मेलन का आयोजन भी किया जाना है।

नोटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी इस समझौते पर ब्रिटिश अकादमी इंटरनेशनल पार्टनरशिप एंड मोबिलिटी स्कीम 2014–2017 के तहत, नोटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी के आर्ट एंड डिजाइन स्कूल के साथ वर्ष 2014 में हस्ताक्षर किए गए। यह 'सस्टेनिंग कल्चर्स इन लोकल एनवायरमेंट्स : लर्निंग फ्रॉम दि इंडियन हैंडीक्राफ्ट्स सेक्टर' के अध्ययन हेतु ब्रिटिश अकादमी द्वारा वित्त पोषित है।

बेब्स–बोल्याई यूनिवर्सिटी, रोमानिया समझौते पर वर्ष 2015 में संकाय एवं विद्यार्थियों के विनिमय हेतु हस्ताक्षर किए गए। यह इरेस्मस प्लस द्वारा वित्त पोषित है। इसका उद्देश्य दो संस्थानों के मध्य छात्रों (स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी.) तथा संकाय–सदस्यों का

आदान–प्रदान करना है। जहाँ संकाय की यात्रा–अवधि दस दिनों की होगी, वहीं विद्यार्थियों के लिए यह अवधि पाँच महीनों अर्थात् एक सत्र की होगी।

आगंतुकों को उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा करने का अवसर भी प्राप्त होगा। प्रबंधन संचालन की रूपरेखा, विशेषतौर पर विद्यार्थी विनिमय के संदर्भ में दो संस्थानों के मध्य पाठ्यक्रम समानता एवं क्रेडिट हस्तांतरण पर कार्य करना अभी बाकी है।

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट अभिकल्प, संस्कृति एवं समाज पर स्नातकोत्तर शिक्षा एवं प्रशिक्षण की सर्वोत्तम प्रणालियों का विकास करने : 'डेवलपिंग करिकुलम, पेडागोजी एंड टीचिंग मैटेरियल्स थ्रू कॉलबोरेटिव, क्रॉस–कल्चरल पार्टनरशिप' हेतु वर्ष 2014 में हस्ताक्षर किए गए। अब परियोजना पूर्ण हो चुकी है एवं सहभागिता भी समाप्त हो चुकी है।

प्रशिक्षुओं से सीखना, छात्र सम्मलेन

अनुसंधान परियोजनाएँ

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली अपने संकाय एवं छात्रों को अनुसंधान करने हेतु प्रोत्साहित करता है। यह दोनों–शैक्षिणक तथा सामाजिक दुनिया हेतु सतत कार्य के महत्त्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। शोध परियोजनाओं को विभिन्न अनुदान अभिकरणों, उद्योगों तथा अन्य संगठनों के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। सभी जानकारी नीचे तालिका में सूचीबद्ध हैं–

परियोजना	अवधि	अनुदान अभिकरण (एंजेसी)	स्वीकृत कुल अनुदान	प्राप्त अनुदान
		विस्तृत परियोजनाएँ (जारी)		
अनुसंधान (दि स्टेट, गलोबलाइजेशन एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट इन इंडिया : दि पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ रेगुलेशन एंड डीरेगुलेशन)	3 वर्ष	नार्वेजियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनयूपीआई)	50000 अमरीकी डॉलर	33.08
स्नातक शिक्षण पाठ्यक्रम विकास {एन्हासिंग क्वालिटी, एक्सेस एंड गवर्नेंस ऑफ अंडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया (ई–कुअल)}	3 वर्ष	ब्रिटिश परिषद्	162455 यूरो	84.39
श्रव्य / सादगार व्याख्यान : एम. फिल विद्यार्थियों (विकास प्रणाली) हेतु वार्षिक एवं फेलोशिप	अनुपलब्ध	रोहिणी घडीक फाउंडेशन		4.30
बिल्डिंग एन ओरल हिस्ट्री आर्काइव एंड पब्लिकेशन : इंवॉल्वेस रिसर्चिंग, इंटरव्यूइंग, आर्काइविंग, रेलीजिंग ए पब्लिकेशन (डेल्ही ओरलिटीएस प्रोजक्ट)	2 वर्ष	आईसीएसएसआर	12.00	9.60
अनुसंधान (मैपिंग सोशियो–इकोलॉजिकल वल्नेरेबिलिटी : नेचर, सोसायटी एंड मार्केट्स)	अनुपलबध	आईसीएसएसआर	21.87	18.59
पाठ्यक्रम विकास (इंस्टीट्यू शलाइजिंग एन एम.फिल प्रोग्राम इन डेवलपमेंट प्रैक्टिस)	4 वर्ष	जमशेदजी टाटा ट्रस्ट	346.97	202.3
अनुसंधान (सर्विस क्वालिटी इन रेस्टोरेंट इंडस्ट्री : ए स्टडी ऑफ सिलेक्टेड स्टेट्स इन नार्थ इंडिया)	1.5 वर्ष	आईसीएसएसआर	5.00	4.00
अनुसंधान (लाइवलीहुड एंड आइडेंटिटी अमंग दि पलायस : ए केस स्टडी ऑफ सरपं थुल्लल इन केरल)	2 वर्ष	आईसीएसएसआर	15.00	10.50
अनुसंधान (सोशियो इकोनॉमिक स्टेट्स ऑफ पार्टिक्युरली वल्नरेबल ट्राइबल ग्रुप्स ऑफ ओडिशा)	3 वर्ष	आईसीएसएसआर	12.00	4.80

एम. फिल कार्यक्रम हेतु प्रायोजित छात्रवृत्ति (2014–15 बैच)		एनएसडीएल ई–गवर्नेंस	29.60	27.01
अनुसंधान (माइग्रेशन, अर्बन सेटलमेंट्स एंड लाइवलीहुड्स)	2 वर्ष	इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान	10.00	4.50
अनुसंधान (सपोर्ट फॉर रिसर्च ऑन नॉन–टिम्बर फॉरेस्ट प्रोड्यूस मार्केट्स टू स्टेंगथेन लाइवलीहुड्स ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज इन सम ऑफ इंडियाज पुअरस्ट मार्जिनलाइजड रीजन्स)	3 वर्ष	फोर्ड फाउंडेशन (यूएसए)	370000 अमरीकी डॉलर	81.48
लाइवलीहुड्स ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज इन सम ऑफ इंडियाज पुअरस्ट मार्जिनलाइजड रीजन्स)	3 वर्ष	फोर्ड फाउंडेशन (यूएसए)	370000 अमरीकी डॉलर	81.48
ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज इन सम ऑफ इंडियाज पुअरस्ट मार्जिनलाइजड रीजन्स)	3 वर्ष	फोर्ड फाउंडेशन (यूएसए)	370000 अमरीकी डॉलर	81.48
सोशल इंटरप्रर्न्योशिप एजुकेशन एंड इंक्यूबेशन थ्रू इंडो–यूके कोलैबोरेशन	1 वर्ष	ब्रिटिश परिषद्	30000 पाउंड	7.00
एजुकेशन एंड इंक्यूबेशन थ्रू इंडो–यूके कोलैबोरेशन	1 वर्ष	ब्रिटिश परिषद्	30000 पाउंड	7.00
सपोर्ट फॉर ट्रांसफॉरमेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट	1 वर्ष	जमशेदजी टाटा ट्रस्ट	4.59	4.59
एडवांसिंग म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग एंड कोऑपरेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट	1 वर्ष	चार्ल्स स्टर्ट यूनिवर्सिटी, पग्सली प्लेस, ऑस्ट्रेलिया	5.00	3.25
इंक्यूबेटिंग कम्युनिटी–बेस्ड सोशल इनिशिएटिव : किनारे	1 वर्ष	प्राइस वाटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) इंडिया फाउंडेशन	4.00	4.00
अनुसंधान (कल्चर एंड इकोलॉजी ऑफ सेक्रेड ग्रेव्स एंड टेम्पल्स इन मणिपुर)	1 वर्ष	आईसीएसएसआर	4.00	1.80
सेविंग ब्रेन्स : चेंजिंग माइंडसेट्स	2 वर्ष	मोबाइल क्रेचेस	40.16	31.35
शक्तिशाली विचारों द्वारा असाधारण सामाजिक उद्यमियों का समर्थन करने, नवाचार साझा करने तथा अधिगम व ज्ञान पर प्रकाश डालने हेतु एक ऐसा मंच प्रदान करना, जो सार्वजनिक नीति को प्रभावित कर सके।	1 वर्ष	सीएसएफ (सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन)	35.00	17.50
यूनिसेफ	1 वर्ष	आईईसीईआई	84.00	16.61
यूनिसेफ	1 वर्ष	ईएलडीएस	170.49	38.68
एनआईएच–येल	1 वर्ष	एनआईएच–येल	34.87	9.30
यूजीसी	5 वर्ष	यूजीसी	700.00	420.00
कोर्स एवं पाठ्यक्रम तैयार करना (ईसीसीई पर शैक्षणिक कार्यक्रम विकसित तथा प्रस्तुत करना)	2 वर्ष	एसआरटीटी (सर रतन टाटा ट्रस्ट)	70.00	50.00

विस्तृत परियोजनाएँ (पूर्ण)				
अनुसंधान (एन असेसमेंट ऑफ डिपेंडेंस ऑफ फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स एंड मार्केटिंग इश्यूज इन कंधमाल एंड कालाहांडी डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ ओडिशा)	2 वर्ष	आईसीएसएसआर	5.00	2.00
यूनिसेफ	1 वर्ष	ईएलडीएस (यूनिसेफ)	106.95	81.05
यूनिसेफ	1 वर्ष	आईईसीईआई (यूनिसेफ)	130.56	126.88
यूनिसेफ	1 वर्ष	यूनिसेफ, डब्ल्यूबी	13.47	6.27
कथा	1 वर्ष	कथा	13.47	6.27
स्टार्ट अर्ली : रीड इन टाइम प्रोजेक्ट	1 वर्ष	केयर इंडिया	7.63	7.63
यूनिसेफ	1 वर्ष	यूनिसेफ, सीएनएनएस	13.09	7.70
अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट फॉर दि पुअर : इम्पक्टिंग एट स्केल	1 वर्ष	एनआईएच येल	31.33	31.33
केयर	1 वर्ष	केयर इंडिया	5.50	4.95
प्रेम सीबीसीडी सेंटर का मूल्यांकन	1 वर्ष	बीवीएलएफ	20.57	20.57
लघु परियोजनाएँ (जारी)				
बिल्डिंग आर्काइव : इनवॉल्व्स रिसर्चिंग, डिजिटाइजिंग एंड आर्काइविंग (लोतिका वरदराजन एथनोग्राफिक आर्काइव)	9 महीने	वसंत जे. सेठ मेमोरियल फाउंडेशन	3.00	3.00
लघु परियोजनाएँ (पूर्ण)				
अगा खान फाउंडेशन	1 वर्ष	अगा खान फाउंडेशन	1.69	1.69
विक्रम सारा भाई फाउंडेशन		विक्रम सारा भाई फाउंडेशन	0.30	0.30
एक नारी संगठन	6 महीने	प्रोफेशनल असिस्टेंस फॉर डेवलपमेंट एक्शन (प्रदान)	1.98	1.98
अनुसंधान (इकोलॉजीकल रेस्टोरेशन ऑफ रेग्राडेड लैंडस्केप्स इन बोलनी आयरन और माइंस एरिया ऑफ सेल : ए मॉडल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन एंड को–मिटिगेशन स्ट्रेटेजी)	3 वर्ष	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड	74.97	74.97

विभाग

पुस्तकालय

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली का पुस्तकालय अपने मुख्य परिसर कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है। अध्ययन कक्ष एवं पुस्तक क्षेत्र पूरी तरह वातानुकूलित हैं। पुस्तकालय के अधिकांश कार्य स्वचालित कर दिए गए हैं और शेष कार्यप्रणालियाँ स्वचालन की प्रक्रिया में हैं। पुस्तकालय तीन राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पूरे वर्ष सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय समिति में अलग–अलग शिक्षालयों के 35 सदस्य हैं। प्रोफेसर गीता वेंकटरमण पुस्तकालय समिति की अध्यक्ष हैं।

पाठक सेवाएँ

वर्तमान में 2,000 से अधिक विद्यार्थी, संकाय सदस्य, विद्वान, प्रशासनिक कर्मचारी तथा अतिथि संकाय पुस्तकालय सेवाओं का उपयोग करते हैं। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को संदर्भ, जारी/वापसी पुस्तक सेवाएँ, इंटरनेट सेवाएँ, ट्यूटोरियल, ओपीएसी, ऑनलाइन एवं मुद्रित पत्रिकाएँ तथा ई–पुस्तक के उपयोग आदि की सुविधा प्रदान करता है।

संसाधन वितरण

एयूडी का पुस्तकालय डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) एवं इन्फॉर्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर (सूचना एवं पुस्तकालय तंत्र केंद्र/आईएनएफएलआईबीएनईटी) का सदस्य है। पुस्तकालय सदस्यों को अंतर–पुस्तकालय ऋण सेवाएँ भी प्रदान करता है।

पुस्तकालय के संसाधन

इस वर्ष पुस्तकालय ने 74,54,039 रु. की 3,023 पुस्तकें खरीदीं हैं एवं इसका 36,000 पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय में 1,49,86,407 रु. की 23,423 ई–पत्रिकाएँ तथा 5,44,494 रु. की मुद्रित पत्रिकाएँ भी हैं। सात अंग्रेजी व तीन हिन्दी अखबारों की सदस्यता ली गई है। इसमें 25 डेटाबेस, 120 ई–पुस्तक और 120 सीडी हैं।

उपलब्धियाँ/सम्मान

अलका राय एसएलए की सामरिक योजना समिति, एलआईएस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन समिति, क्योटो, जापान एवं लाइब्रेरी साइंस एंड रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल की समीक्षा समिति की सदस्य थीं।

प्रस्तुतियाँ

कुमार, दिनेश : 12–15 मार्च 2016 तक भारतीय पुस्तकाल संघ एवं सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, सौराष्ट्र, गुजरात द्वारा आयोजित 61वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'ससटैनिंग दि एक्सीलेंस : ट्रांसफॉर्मिंग लाइब्रेरीज थ्रू टैक्नोलॉजी, इनोवेशन एंड वैल्यू एडेड सर्विसेज इन ग्लोबल एरा' में "पराडिग्म शिफ्ट ऑफ लाइब्रेरीज इन हायर एजुकेशन" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

——. 26–29 नवम्बर 2015 तक इकोनॉमिक ग्रोथ इंस्टीट्यूट, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'सीओएलएनईटी 2015' में "ऑथोरशिप कंट्रिब्यूशन्स टू अकादमी ऑफ मैनेजमेंट जर्नल : साइंट्रोमेट्रिक्स एनालिसिस" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राय, अलका : अगस्त 2015 में ओसका, जापान में आयोजित सम्मेलन 'एलआईएस 2015' में "डिजिटल डिवाइड, लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

कार, देबल सी. : 22–24 अप्रैल 2015 तक एशियाई चैप्टर ऑफ दि स्पेशल लाइब्रेरीज एसोसिएशन ने कोरिया स्पेशल लाइब्रेरी एसोसिएशन (केएसएलए), कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (केआईएसटीआई) एवं नेशनल असेंबली लाइब्रेरी, सोल, दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एशियाई स्पेशल लाइब्रेरीज (आईसीओएएसएल 2015)' का आयोजन किया। इन्होंने इसके "वैल्यूज" सत्र की अध्यक्षता की।

——. 26–28 नवम्बर 2015 तक इकोनॉमिक ग्रोथ इंस्टीट्यूट, एशियाई चैप्टर ऑफ स्पेशल लाइब्रेरीज एसोसिएशन एवं सोसायटी ऑफ लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स, इकोनॉमिक ग्रोथ इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'वेबोमेट्रिक्स, इंफॉर्मेट्रिक्स एंड साइंटोमेट्रिक्स (डब्ल्यूआईएस)' तथा 16वीं 'सीओएलएलएनईटी' बैठक में उद्घाटन सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा 'साइंटोमेट्रिक्स / इंफॉर्मेट्रिक्स / वेबोमेट्रिक्स इवैल्यूएशन इंडीकेटर्स' सत्र की अध्यक्षता की।

कुमार, दिनेश : मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 28 जुलाई से 25 अगस्त 2015 तक आयोजित, यूजीसी प्रायोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

——. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के एम. फिल इतिहास के विद्यार्थियों हेतु पुस्तकालय उन्मुखीकरण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सूचना एवं तकनीकी सेवाएँ

सूचना एवं तकनीकी सेवाएँ सभी आईटी–संबंधित गतिविधियों के लिए रीढ़ की हड्डी के समान कार्य करती है। इसके द्वारा प्रदान की गई सेवाएँ हैं–इंटरनेट एक्सेस, ईमेल, आईटी सुरक्षा, वाईफाई कनेक्टिविटी, केंद्रीकृत बैकअप स्टोरेज, इंट्रानेट, मूडर सर्वर, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क एक्सेस व पुस्तकालय सेवाएँ, नौकरी पोर्टल, विश्वविद्यालय की वेबसाइट का रखरखाव एवं ईआरपी (वर्तमान में विद्यार्थी लाइफ सर्कल, एचआर, वित्त, खरीद/प्राप्ति, भंडार सूची के हेतु)। नेटवर्क में 500 से अधिक नोड्स शामिल हैं। प्रभाग द्वारा दी गई सभी आईसीटी सेवाएँ 24x7 आधार पर संचालित हैं। प्रभाग इंटरनेट की सुविधा एवं ऑनलाइन अधिगम सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नेशनल नॉलेज नेटवर्क हेतु 100 एमबीपीएस लिंक का संचालन करता है।

मौजूदा ईआरपी प्रणाली को प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक कार्यक्रमों, मानव संसाधनों, वित्त व लेखांकन एवं पेरोल प्रणाली जैसे कार्यों को स्वचालित रूप से करने हेतु उन्नत/अनुकूलित किया गया है।

इंट्रानेट

इंट्रानेट साइट उन्मुक्त स्रोत प्रौद्योगिकी पर आधारित है। इसके अतिरिक्त यह आंतरिक उपयोगकर्ताओं को विश्वविद्यालय–गतिविधियों की अद्यतित जानकारी प्रदान करती है। सुरक्षित प्रमाणीकरण के आधार पर वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क विकल्प के माध्यम से संकाय, कर्मचारी एवं विद्यार्थी ई–पत्रिकाओं, इंट्रानेट तथा ऑनलाइन पुस्तकालय सेवाओं तक पहुँच सकते हैं। इंट्रानेट सेवा के माध्यम से नई सुविधाओं को जोड़ा गया है–

- वित्त उद्यत चैक प्रणाली
- ऑनलाइन कैलेंडर के साथ लैब बुकिंग अनुसूची
- खोजनीय प्रणाली द्वारा ई–पत्रिकाओं तक पहुँच
- कर्मचारी एवं विद्यार्थी फार्म, परिपत्र एवं सूचनाओं तक पहुँच
- बैठकों की रपट तक पहुँच
- विद्यार्थी वाईफाई एक्सेस पंजीकरण

डोमेन नेम्स

एयूडी की मेजबानी मुख्य एवं उप–डोमेन करते हैं। इनको आईटी सेवा प्रभाग द्वारा रूप प्रदान किया गया है। इनका रखरखाव भी आईटी प्रभाग ही करता है। वो हैं–

http://faud.aud.ac.in (एयूडी परिसर)

http://verify.aud.ac.in (एयूडी परिसर)

गूगल ऐप्स

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कर्मचारियों को समर्थन देने हेतु आईटी सेवा ने गूगल कक्षा जैसी नई सुविधा का उपयोग करने के लिए गूगल ऐप्स कार्यान्वित किया है। पहले

से ही छः हजार से अधिक खाते संकाय, प्रशासनिक तथा तकनीकी कर्मचारियों एवं छात्रों हेतु बनाए जा चुके हैं। एयूडी मेल सेवा के अलावा उपयोगकर्ता गूगल डॉक्स, कैलेंडर, ग्रुप्स आदि को भी एक्सेस कर सकते हैं। प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए क्लाउड स्टोरेज की क्षमता 30 जीबी से बढ़ाकर 5 टीबी कर दी गई है।

अपग्रेड सेवाएँ

नियोजित तकनीकियों में सुधार एवं वृद्धि (अपग्रेड) की गई हैं–

- निर्देशिका आधारित प्रामाणिक सुरक्षा प्रणाली
- एचए मोड में साइबेरियम यूटीएम के माध्यम से गेटवे सुरक्षा एवं एंटी स्पैम
- एंडपॉइंट एंटरप्राइज एंटीवायरस सर्वर
- एप्लीकेशन सर्वर्स ऑन लिनक्स अपग्रेडेड
- एप्लीकेशन सर्वर्स ऑन विंडोज अपग्रेडेड
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रबंधन सेवा मूडल
- पुस्तकालय प्रबंधन सेवाएँ एवं ऑनलाइन वेब कैटलॉग
- सर्वर हेतु डीएमजेड ज़ोन बनाकर नेटवर्क सुरक्षा–वृद्धि
- सूचना प्रसार हेतु विश्वविद्यालय इंट्रानेट सेवाएँ
- सभी संगणक प्रयोगशालाओं में सीसीटीवी निगरानी
- सैन एकीकृत संचयन
- सभी कक्षाएँ ध्वनि प्रणाली से सुसज्जित

स्वामित्व एवं मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर

मैथमैटिका (25 नं.), एआरसी व्यू (20 नं.), स्टेटा सॉफ्टवेयर (45 उपयोगकर्ता), ऑटो सीएडी (225 उपयोगकर्ता), टैली ईआरपी : असीमित, टर्निटिन एंटी–प्लागिरिज्म एप्लीकेशन (500 उपयोगकर्ता) एवं एंड्रॉइड एप्लीकेशन (एयूडी प्लेस लोकेटर) हेतु स्वामित्व सॉफ्टवेयर लाइसेंस का नवीनीकरण किया गया है।

मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर लाइसेंस को नए संस्करण–उबंटु 14.04, डेबियन 7, रेडाहट 7, मूडल 2.8, ड्रुपल 7, अपाचे 2.4, टोमैक 7, डीस्पेश 4, वर्डप्रेस 4.3.1, मैक्स्यूल 5.0 के साथ अपग्रेड कर दिया गया है।

विद्यार्थी सेवाएँ

विद्यार्थी प्रभाग के अधिष्ठाता सभी छात्र सेवाओं की अध्यक्षता करते हैं। यह निम्नलिखित की देखरेख हेतु उत्तरदायी है–

- नामांकन से जुड़े विज्ञापन एवं प्रचार संबंधित मुद्दे, प्रवेश प्रक्रियाओं का समन्वय करना, नामांकन/मूल्यांकन प्रक्रियाओं संबंधित बैठकों का आयोजन, आवेदन/प्रवेश फार्म के संग्रह अभिलेख का रखरखाव, छात्र–शुल्क के लेन–देन और संग्रह की देखरेख करना;
- अंतिम प्रतिलेख/प्रवासन/बोनफाइड/स्थानांतरण/उपाधि प्रमाणपत्र जारी करना, सावधानी जमा–धन को वापस करना एवं वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित करना;
- शुल्क छूट समिति की बैठकों का आयोजन तथा छात्रवृत्ति व छात्र कल्याण कोष का वितरण करना;
- शोध विद्यार्थियों को मासिक छात्रवृत्ति जारी करना;
- उच्च शिक्षा निदेशालय व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार से संपर्क स्थापित करना तथा शैक्षिक मेलों में भागीदारी; और
- छात्र प्रकोष्ठ के साथ समन्वय करना एवं विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन समस्या निवारण प्रणाली (ओपीआरएसएस) को संभालना।

नामांकन प्रक्रिया

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया मई/जून 2015 में तथा एम. फिल व पीएच. डी. कार्यक्रमों की जुलाई/अगस्त 2015 में आरंभ हुई।

सीटों का आरक्षण नामांकन उच्चतर शिक्षा संस्थानों हेतु लागू विभिन्न सामाजिक समूहों एवं अन्य श्रेणियों संबंधित राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार की आरक्षण नीतियों के अनुसार किया गया। आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था हैः– एनसीटी, दिल्ली के छात्रों के लिए 85 प्रतिशत एवं एनसीटी, दिल्ली से बाहर के विद्यार्थियों हेतु 15 प्रतिशत।

विदेशी छात्रों का नामांकन प्रत्येक कार्यक्रम में विदेशी छात्रों के लिए कुछ सीटें आरक्षित हैं। विदेशी नागरिक, जो भारत के नहीं हैं, उन्हें अपने वाणिज्यदूत या दूतावास के माध्यम से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। विदेशी नागरिकों के विद्यार्थी वीजा (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राप्त) को अध्ययन की संपूर्ण अवधि के लिए मान्य होना चाहिए। इसके अलावा विदेशी नागरिकों की उपाधि भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।

विदेशी छात्रों का शुल्क, भारतीय विद्यार्थियों से प्रत्येक सत्र में दुगना है। इसके अतिरिक्त उन्हें 500 रु. प्रति सत्र छात्र कल्याण कोष में एवं 10,000 रु. वापसी जमा–राशि (रिफंडेबल डिपाजिट) के रूप में भी देना होता है।

विद्यार्थियों का चयन स्नातक कार्यक्रमों में छात्रों का नामांकन, योग्यता (बारहवीं कक्षा में प्राप्त अंक) पर एवं स्नातकोत्तर व शोध (एम. फिल और पीएच. डी.) कार्यक्रमों में लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार पर आधारित था।

स्नातक कार्यक्रम प्रवेश–पात्रता की निम्नलिखित शर्तें थीं–

बी. ए. गणित : प्रत्याशी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में गणित विषय में न्यूनतम अंक 65 प्रतिशत होने आवश्यक थे।

बी. ए. अर्थशास्त्र : प्रत्याशी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में गणित विषय में प्राप्त अंकों को 'सर्वश्रेष्ठ चार विषयों' की गणना में शामिल किया गया।

बी. ए. अंग्रेजी : प्रत्याक्षी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी विषय में न्यूनतम अंक 65 प्रतिशत होने आवश्यक थे।

विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में एससी/एसटी एवं पीडी श्रेणियों के प्रत्याशियों को पात्रता–मानदंड में 5 प्रतिशत की छूट दी गई थी।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रवेश–पात्रता की निम्नलिखित शर्तें थीं–

किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि में 45 प्रतिशत या इसके समान ग्रेड होने आवश्यक थे। इसके अतिरिक्त अन्य विशिष्टताएँ इस प्रकार थीं;

एम.ए. शिक्षा, एम.ए. सामाजिक उद्यमिता एवं प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हेतु : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में न्यूनतम अंक 50 प्रतिशत या इसके समान ग्रेड होने चाहिए थे।

एससीसीई हेतु : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में न्यूनतम अंक 40 प्रतिशत या इसके समान ग्रेड होने चाहिए थे।

एससी/एसटी एवं पीडी श्रेणियों के प्रत्याशियों को पात्रता–मानदंड में 5 प्रतिशत की छूट दी गई थी।

एम. फिल. : मान्यता प्राप्त संस्थान से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के किसी भी क्षेत्र में स्नातकोत्तर की उपाधि में 55 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष सीजीए (एससी/एसटी/पीडी आवेदकों हेतु 50 प्रतिशत से अधिक)।

पीएच. डी. : मान्यता प्राप्त संस्थान से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के किसी भी क्षेत्र में एम. फिल (शोध प्रबंध के साथ)। विशेष मामलों में, एम. ए. में अतिरिक्त इतिहास पाठ्यक्रम (उदाहरणस्वरूप, बिना शोध प्रबंध के एम. फिल. पाठ्यक्रम) पूरा करने वाले प्रत्याशी, प्रवेश–पात्रता योग्य समझे जाते हैं।

प्रवेश परीक्षा हेतु चयनित सभी प्रत्याशियों को प्रवेश परीक्षा की तिथि पर अंग्रेजी में शोध–प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

पार्श्विक प्रवेश समिति

पार्श्विक प्रवेश समिति अध्ययन के किसी भी विशेष कार्यक्रम में पार्श्विक प्रविष्टियों की प्रक्रिया को सुगम बनाती है। इस श्रेणी के माध्यम से नामांकन हेतु सभी संबंधित दस्तावेजों (पहले

सत्र/वर्ष आदि का परिणाम) को प्रस्तुत करना तथा शैक्षणिक कार्यक्रम की निर्धारित न्यूनतम योग्यता (यदि अतिरिक्त कोई हो) को पूरा करना आवश्यक है।

शुल्क संरचना

शुल्क (फीस) संरचना एवं छूट–पेशकश के माध्यम से एयूडी अपने विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करना चाहता है, जिससे वे अपने स्वाधिकारों के प्रति जागरूक हो सके तथा भविष्य में समाजिक सेवा करने हेतु वे अपनी पेशेवर क्षमताओं को विकसित कर सके।

एयूडी की शुल्क संरचना, कार्यक्रम के प्रति क्रेडिट 1,050 रु. से 2,200 रु. है। इसके अलावा अधिनियम के अनुसार 500 रु. प्रति सत्र 'छात्र कल्याण कोष' में तथा नामांकन के समय 5,000 रु. वापसी योग्य सावधि जमा–राशि के रूप में (एक बार) देने होते हैं।

कार्यक्रम में नामांकन हेतु सभी प्रत्याशियों को स्वीकारोक्ति सूचना में दिए गए निर्दिष्ट समय के भीतर शुल्क जमा करना अनिवार्य होता है। कक्षाओं के प्रारंभिक चार हफ्तों में विद्यार्थियों को आगामी सत्र/सत्रों के शुल्क का भुगतान करना आवश्यक होता है। विलंबित अदायगी हेतु 100 रु. प्रति सप्ताह जुर्माना लगाया जाता है एवं चार हफ्तों तक भुगतान न करने पर कार्यक्रम से विद्यार्थी का नामांकन रद्द कर दिया जाता है।

शुल्क वापसी : नामांकन के बाद, यदि कोई छात्र कार्यक्रम छोड़ना चाहता है तो समय–अन्तराल अनुसार शुल्क वापस किया जाता है:–

- उन्मुखीकरण कार्यक्रम से पूर्व कार्यक्रम छोड़ने पर 1,000 रु. की कटौती की जाती है।
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम छोड़ने पर केवल सावधि जमा–राशि वापस की जाती है।

शुल्क माफी एवं छात्रवृत्तियाँ : विद्यार्थियों की आर्थिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय जरूरतमंद छात्रों को पूर्ण अथवा आंशिक शुल्क माफी प्रदान करता है। वास्तव में, विद्यार्थियों से एकत्रित 25 प्रतिशत शुल्क, आर्थिक रूप से असहाय विद्यार्थियों को शुल्क–माफी एवं छात्रवृत्तियों के द्वारा वापस कर दिया जाता है।

शुल्क माफी एवं छात्रवृत्तियों हेतु आवेदन–प्रक्रिया : विद्यार्थियों को कार्यक्रम में नामांकन के समय शुल्क माफी संबंधी सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। यदि कार्यक्रम में छात्रों का अस्थायी–नामांकन हो गया है तो उन्हें बिना शुल्क भुगतान के प्रवेश लेने की अनुमति है। जिन विद्यार्थियों की पारिवारिक वार्षिक आय 5,00,000 रु. से कम है वे शुल्क माफी हेतु योग्य हैं। छात्रों को शुल्क माफी तब तक मिलती रहेगी जब तक वे नियमित रूप से कक्षाएँ लेंगे और शिक्षा (स्टडीज) में अपने प्रदर्शन का एक स्वीकार्य स्तर बनाए रखेंगे। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग विद्यार्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे उसी वर्ष के शैक्षणिक सत्र के लिए एससी/एसटी/पीडी श्रेणियों के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु फरवरी महीने में अपने आवेदन प्रस्तुत करें।

छात्र कल्याण कोष

विश्वविद्यालय ने छात्र कल्याण कोष का निर्माण जरूरतमंद विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता देने हेतु किया है। इसके अंतर्गत छात्रों को आकस्मिक चिकित्सा सहायता, पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री की खरीद, एयूडी की छात्रावास सुविधाओं की राशि के समतुल्य भोजन व आवास व्यय तथा उनकी अन्य आवश्यकताओं से संबंधित सहायता प्रदान की जाती है।

छात्र कल्याण कोष हेतु सभी विद्यार्थियों से प्रत्येक सत्र में 500 रु. की राशि ली जाती है एवं इतनी ही राशि का योगदान विश्वविद्यालय भी करता है। कोष का प्रबंध तथा निगरानी एक समिति करती है, जिसमें छात्र समुदाय द्वारा नामित विद्यार्थी भी शामिल होता है।

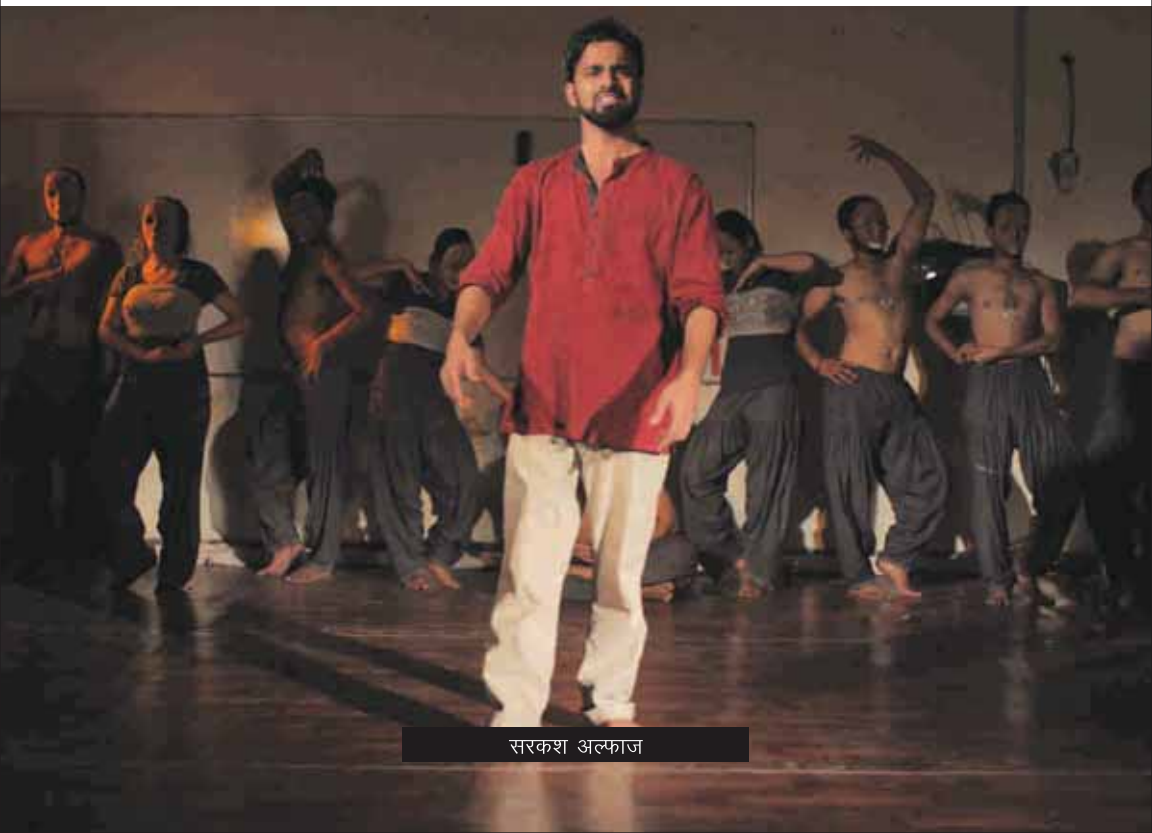

सरकश अल्फाज

विद्यार्थी रूपरेखा

विभिन्न कार्यक्रमों में (30.09.2015 तक) विद्यार्थियों की कुल संख्या तालिका में दी गई है:–

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	महिला	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	सैनिक / सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
बी.ए.	670	351	319	101	10	125	1	0	5	428
एम.ए.	882	257	625	74	109	127	2	0	2	568
एम.फिल	142	46	96	15	14	18	1	1	1	92
पीएच.डी.	63	25	38	8	2	6	0	0	1	46
कुल	**1757**	**679**	**1078**	**198**	**135**	**276**	**4**	**1**	**9**	**1134**

विभिन्न कार्यक्रमों में (30.09.2015 तक) स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की कुल संख्या तालिका में दी गई है:–

स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की कुल संख्या

स्नातक अध्ययन शिक्षालय										
बी.ए.अर्थशास्त्र	97	62	35	16	0	19	0	0	1	61
बी.ए. अंग्रेजी	107	37	70	21	3	22	0	0	0	61
बी.ए. इतिहास	111	72	39	20	3	22	1	0	0	65
बी.ए. गणित	71	50	21	05	0	11	0	0	0	55
बी.ए. मनोविज्ञान	90	33	57	10	1	16	0	0	0	63
बी.ए. सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी	96	51	45	10	1	18	0	0	4	63
बी.ए. समाजशास्त्र	98	46	52	19	2	17	0	0	0	60
कुल (बी.ए.)	**670**	**351**	**319**	**101**	**10**	**125**	**1**	**0**	**5**	**428**
व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता शिक्षालय										
एम.ए. व्यवसाय प्रशासन	75	37	38	17	1	19	0	0	0	38
एम.ए. सामाजिक उद्यमिता	02	0	02	0	0	0	0	0	0	02
पी.जी. डिप्लोमा प्रकाशन	10	0	10	0	0	0	0	0	0	10
संस्कृति एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति शिक्षालय										
एम.ए. फिल्म अध्ययन	20	14	06	1	0	1	0	0	0	18
एम.ए. साहित्य कला	14	04	10	1	1	1	0	0	0	11
एम.ए. अभिनय अध्ययन	20	10	10	0	0	0	0	0	0	20
एम.ए. दृश्य कला	20	07	13	1	0	1	0	0	0	18
डिजाइन शिक्षालय										
एम.ए. सामाजिक डिजाइन	25	07	18	1	1	0	0	0	0	23

विकास अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए. विकास अध्ययन	87	36	51	05	15	17	0	0	0	50
शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए. शिक्षाशास्त्र	52	03	49	7	6	8	0	0	1	30
एम.ए. प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा	44	03	41	3	6	1	0	0	0	34
पी.जी. डिप्लोमा प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा	02	01	01	0	0	0	0	0	0	2
मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय										
एम.ए. पर्यावरण एवं विकास	61	24	37	6	10	9	1	0	0	35
मानव अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए. जेंडर अध्ययन	56	01	55	4	7	5	0	0	0	40
एम.ए. मनोविज्ञान	93	19	74	14	11	13	1	0	0	54
ललित अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए. अर्थशास्त्र	73	26	47	3	2	21	0	0	0	47
एम.ए. अंग्रेजी	74	20	54	7	10	19	0	0	1	37
एम.ए. इतिहास	69	28	41	2	19	3	0	0	0	45
एम.ए. समाजशास्त्र	85	17	68	2	20	9	0	0	0	54
कुल (एम.ए.)	**882**	**257**	**625**	**74**	**109**	**127**	**2**	**0**	**2**	**568**

विभिन्न कार्यक्रमों में (30.09.2015 तक) नामांकित हुए एम.फिल एवं पीएच.डी. विद्यार्थियों की कुल संख्या तालिका में दी गई है:–

एम.फिल एवं पीएच.डी. विद्यार्थी

ललित अध्ययन शिक्षालय										
एम.फिल हिन्दी	12	4	8	3	1	2	0	0	0	6
एम.फिल इतिहास	20	8	12	3	2	2	1	0	0	12
मानव अध्ययन शिक्षालय										
एम.फिल मनोविश्लेषणात्मक एवं मनोचिकित्सा	17	3	14	1	0	1	0	1	0	14
एम.फिल विकास प्रणाली	60	29	31	4	6	7	0	0	1	42
एम.फिल महिला एवं जेंडर अध्ययन	33	2	31	4	5	6	0	0	0	18
कुल (एम.फिल)	**142**	**46**	**96**	**15**	**14**	**18**	**1**	**1**	**1**	**92**
ललित अध्ययन शिक्षालय										
पीएच.डी. हिन्दी	11	3	8	3	0	1	0	0	0	7
पीएच.डी. इतिहास	4	1	3	0	0	0	0	0	1	3

विकास अध्ययन शिक्षालय										
पीएच.डी. विकास अध्ययन	10	5	5	2	1	1	0	0	0	6
मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय										
पीएच.डी. पर्यावरण एवं विकास	10	5	5	0	0	1	0	0	0	9
मानव अध्ययन शिक्षालय										
पीएच.डी. मनोविज्ञान	13	4	9	2	1	2	0	0	0	8
पीएच.डी. महिला एवं जेंडर अध्ययन	6	1	5	0	0	1	0	0	0	5
संस्कृति एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति शिक्षालय										
पीएच.डी. दृश्य कला	3	2	1	0	0	0	0	0	0	3
पीएच.डी. साहित्य कला	3	2	1	1	0	0	0	0	0	2
पीएच.डी. फिल्म अध्ययन	3	2	1	0	0	0	0	0	0	3
कुल (पीएच.डी.)	**63**	**25**	**38**	**8**	**2**	**6**	**0**	**0**	**1**	**46**

विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि

पिछले कुछ वर्षों में छात्रों के नामांकन में हुई वृद्धि को निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:–

पिछले वर्षों में विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि

कार्यक्रम	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13	2013-14	2014–15	2015–16
बी.ए.	-	68	208	399	546	650	670
एम.ए.	100	118	306	651	795	885	882
एम.फिल	-	-	32	73	77	135	142
पीएच.डी.	-	-	14	33	39	57	63
कुल	**100**	**186**	**560**	**1156**	**1457**	**1727**	**1757**

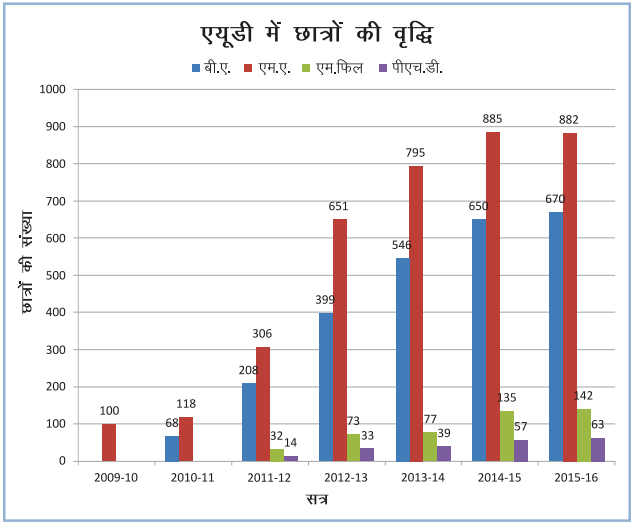

दीक्षांत समारोह 2015

4 दिसम्बर 2015 को चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस दीक्षांत समारोह में 502 (363 महिलाएँ एवं 139 पुरुष) विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यक्रमों में स्नातक उपाधि दी गई। छात्रों का श्रेणी–वार वर्गीकरण नीचे दिया गया है।

श्रेणी–वार वर्गीकरण

सामान्य	354
ओबीसी	55
एससी	45
एसटी	38
पीडी	4
विदेशी छात्र	5
सीडब्ल्यूएपी	1

एयूडी एट सिटी 2015

वर्ष 2011 से 'एयूडी एट सिटी' नामक अंतर–विश्वविद्यालय उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जो कि एयूडी के मुख्य महोत्सवों में से एक बन गया है। वर्ष 2015 में इसका आयोजन 16–17 अक्टूबर को किया गया। इसमें समस्त दिल्ली के छात्र विभिन्न प्रतियोगिताओं–रंगमंच, रंगोली, चित्रकला, नृत्य, वाद–विवाद, फोटोग्राफी, प्रश्नोत्तरी, शोध प्रस्तुति आदि में भाग लेते हैं। उत्सव में बहु–व्यंजनी भोजन के स्टॉल इसकी शोभा और बढ़ा देते हैं।

रैगिंग–विरोधी व्यवस्था

यूजीसी अधिनियम 2009 के अनुसार, उच्च शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की आशंका को टालने हेतु पैरा 6.3 (ए एवं सी) के तहत, विश्वविद्यालय ने रैगिंग–विरोधी समिति के साथ ही रैगिंग–विरोधी दस्ते का गठन किया है। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं–

रैगिंग–विरोधी समिति

नाम	पद का नाम	ई–मेल आईडी	संपर्क नंबर
कुल सचिव	अध्यक्ष	registrar@aud.ac.in	011-23865075
सलिल मिश्र	प्रोफेसर	salil@aud.ac.in	011-23863740
डेनिस पी. लीटन	अधिष्ठाता, एसएलएस	denys@aud.ac.in	
सत्यकेतु सांकृत	एसोसिएट प्रोफेसर एवं उप–अधिष्ठाता, एसयूएस	satyaketu@aud.ac.in	
ओइनम हेमलता देवी	सहायक प्रोफेसर, एसएचई एवं वार्डन	hemlata@aud.ac.in	

रैगिंग–विरोधी दस्ता

नाम	पद का नाम	ईमेल आईडी	संपर्क नंबर
अंशु गुप्ता	सहायक प्रोफेसर, एसबीपीपीएसई	anshu@aud.ac.in	011-23863740
अखा कैहरी माओ	सहायक प्रोफेसर, एसईएस	akha@aud.ac.in	
आइवी धर	सहायक प्रोफेसर, एसडीएस	ivy@aud.ac.in	
पुलक दास	सहायक प्रोफेसर, एसएचई	pulak@aud.ac.in	
ओइनम हेमलता देवी	सहायक प्रोफेसर, एसएचई एवं वार्डन	hemlata@aud.ac.in	
रचना जौहरी	सहायक प्रोफेसर, एसएचएस	rachna@aud.ac.in	
विधान चंद्र दास	सहायक प्रोफेसर, एसएलएस	bidhan@aud.ac.in	
प्रणय गोस्वामी	सहायक प्रोफेसर, एसएलएस	pranay@aud.ac.in	
भूमिका मीलिंग	सहायक प्रोफेसर, एसएलएस	bhoomika@aud.ac.in	

छात्रावास सुविधा

महिला विद्यार्थियों हेतु एयूडी को इंदिरा गांधी महिला तकनीकी विश्वविद्यालय दिल्ली (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) के ईस्ट हॉस्टल (पूर्व छात्रावास) का साझा रूप से, 45 छात्रों की क्षमता वाला संपूर्ण ऊपरी तल आबंटित है।

सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ (सीसीए)

परिसर में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक एवं पाठ्येतर जीवन को समृद्ध करने के ध्येय से एयूडी में विविध छात्र सभाओं/मंचों का गठन किया गया है। छात्र रंगमंच सभा, क्रीड़ा समिति, वाद–विवाद सभा तथा साहित्यिक सभा में सक्रियता से भाग लेते हैं। अर्थशास्त्र सभा एवं दृश्य संस्कृति हेतु सभा भी सक्रिय हो गई हैं। विद्यार्थियों के लिए परिसर में नियमित रूप से वार्ताओं, व्याख्यानों, प्रदर्शनों और अभिनय प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, इन उत्सवों का प्रबंध करने तथा इनमें बढ़–चढ़कर भाग लेने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी किया जाता है।

खेल गतिविधियाँ

एयूडी में खेल गतिविधियों को क्रीड़ा समिति के माध्यम से आयोजित किया जाता है। समिति ने कश्मीरी गेट परिसर में आभ्यंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार की खेल सुविधाओं की शुरुआत की है। अब एयूडी में टेबल टेनिस, कैरम एवं शतरंज हेतु पूर्ण कार्यात्मक आभ्यंतरिक खेल सुविधा उपलब्ध है। विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों को बैडमिंटन, क्रिकेट, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल और एथलेटिक गतिविधियों के लिए उपकरण, दैनिक आधार पर, आसानी से उपलब्ध हैं। क्रीड़ा समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष संकाय बनाम छात्र क्रिकेट मैच आयोजित किया जाता है। समिति ने खेल श्रृंखला की औपचारिक घोषणा की है जो एयूडी–वासियों के लिए वार्षिक आकर्षण बन गया है।

क्रीड़ा समिति ऐसे विद्यार्थियों के साथ कार्य करती है जो खेल महोत्सवों की योजना एवं प्रबंध में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। क्रीड़ा समिति की सामान्य सभा खेल मंडल में एयूडी के विभिन्न शिक्षालयों से निर्वाचित छात्र–सदस्यों को प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया जाता हैं। खेल

गतिविधियों को सुगम बनाने, छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने एवं राज्य व राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में एयूडी का प्रतिनिधित्व करने हेतु विद्यार्थियों की पहचान करने और/या चयन करने के लिए विश्वविद्यालय पेशेवर खेल प्रशिक्षकों की एक सूची भी तैयार कर रहा है। वर्तमान में, एयूडी पूर्णकालिक खेल प्रशिक्षक की भर्ती हेतु अग्रवर्ती चरण में है। इसके अलावा समिति एक बहुक्रियात्मक व्यायामशाला (मल्टीफंक्शन जिम) की स्थापना करने में भी व्यस्त है।

एयूडी में खेल गतिविधियों के माध्यम से सत्र 2015–16 में शिक्षकों एवं छात्रों के मध्य लाभदायक वचनबद्धता देखने को मिली। मानसून एवं शीतकालीन सत्रों में क्रमशः 'एयूडी वार्शिक इंडोर मीट' तथा 'एयूडी एथलीट मीट' के अलावा खेल–प्रतियोगिता की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई, जिसमें संकाय–सदस्यों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने समान उत्साह के साथ भाग लिया। संकाय–कर्मचारी और छात्रों के मध्य प्रथम संयुक्त–क्रिकेट मैच सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर, क्रीड़ा समिति ने औपचारिक रूप से अपनी टी–शर्ट भी जारी की। इस सत्र के दौरान दो क्रिकेट प्रतियोगिता और आयोजित की गई। अविरत क्रिकेट प्रतियोगिता के समानांतर एक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

शीतकालीन सत्र में अंतर–परिसर बास्केटबॉल प्रतियोगिता हुई जिसमें संयुक्त टीमें शामिल थीं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों में से एक, महिला टीम ने अपनी शानदार शुरुआत की। यह टीम आईजीडीटीयूडब्ल्यू का प्रतिनिधित्व कर रही थी। इन गतिविधियों के अलावा, क्रीड़ा समिति ने परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके 'राष्ट्रीय खेल दिवस' भी मनाया। सीसीके के द्वारा अधिकांश कार्यक्रमों की फोटोग्राफी की गई। दूसरी तरफ इसके अंर्तगत हुए आयोजनों का संग्रहण क्रीड़ा समिति के कुछ सदस्यों द्वारा किया गया। समिति विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से एक ऐसा मंच देना चाहती है, जिससे वे स्वयं को अभिव्यक्त कर सके।

आजीविका (कैरियर) प्रकोष्ठ

एयूडीसीसी (एयूडी आजीविका प्रकोष्ठ) की स्थापना छात्रों एवं बाहरी विश्व में मौजूद अवसरों के बीच अन्योन्य क्रिया हेतु की गई है। एयूडीसीसी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने वाली विभिन्न संस्थाओं की पहचान करता है। इसके अतिरिक्त छात्रों के सीवी को उनके हितों के अनुरूप संकलित करते हुए, उनके एवं संगठनों के बीच संपर्क सूत्र का कार्य करता है।

पूर्व–छात्र संघ

वर्तमान तक, एयूडी के विभिन्न कार्यक्रमों से 1,285 विद्यार्थियों ने उपाधि प्राप्त की है। यद्यपि कुछ शिक्षालयों/कार्यक्रमों ने भूतपूर्व छात्रों के लिए अपने स्तर पर संगठन बना दिए हैं, फिर भी हम एक विश्वविद्यालय–व्यापी पूर्व–छात्र संघ की स्थापना की तैयारी कर रहे हैं।

भाषा प्रकोष्ठ

हालाँकि एयूडी में अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी है, फिर भी एयूडी के विविध कार्यक्रमों में विभिन्न भाषा–भाषी विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अंग्रेजी में पठन, लेखन एवं समझ कौशलों को सुधारने में, छात्रों की सहायता करने हेतु एयूडी ने भाषा प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

परामर्श एवं सलाह सेवा

एयूडी का लक्ष्य विद्यार्थियों को उनकी पृष्ठभूमि के परे न केवल उच्चतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराना है, बल्कि यह देखना भी है कि सभी छात्र उच्चतर शिक्षा प्रक्रियाओं से सरलता एवं सफलतापूर्वक अवगत हों। विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र/छात्रा की सहायता का प्रयास करता है, जिससे वे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं सामाजिक विस्तार के पड़ावों को खोजने में संघर्ष कर सके। इस सुविधा हेतु विश्वविद्यालय में परामर्श एवं सलाह सेवा की व्यवस्था की गई है।

छात्र प्रकोष्ठ

छात्र प्रकोष्ठ विद्यार्थी सेवाओं एवं छात्रों के बीच एक संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करता है। छात्र प्रकोष्ठ विद्यार्थियों के समक्ष आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में उनकी सहायता करता है और हर संभव तरीके से उन्हें मदद उपलब्ध कराता है।

1,800 मीटर की दौड़ के बाद

अकादमिक सेवाएँ

अकादमिक प्रभाग की गतिविधियों में विश्वविद्यालय का शैक्षणिक शासन एवं विनियामक ढांचा, संकाय भर्ती, आजीविका प्रबंधन नीतियों को कार्यान्वित करना और बाह्य आमंत्रित व अतिथि संकाय से संबंधित मामलों का प्रबंध करना शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, अकादमिक प्रभाग शिक्षकों की नियुक्ति संबंधित मामलों, छुट्टी से जुड़े मुद्दों, मूल्यांकन, कैरियर उन्नति योजना, प्रशिक्षण आदि को भी संभालता है।

31 मार्च 2016 को यहाँ 12 प्रोफेसर, 22 एसोसिएट प्रोफेसर, 68 सहायक प्रोफेसर, 20 आगंतुक संकाय, 12 अस्थायी संकाय, 3 कार्यकाल/अवधि संकाय, 9 अनुबंधीय शैक्षणिक कर्मचारी एवं 3 पुस्तकालय अकादमिक कर्मचारी थे।

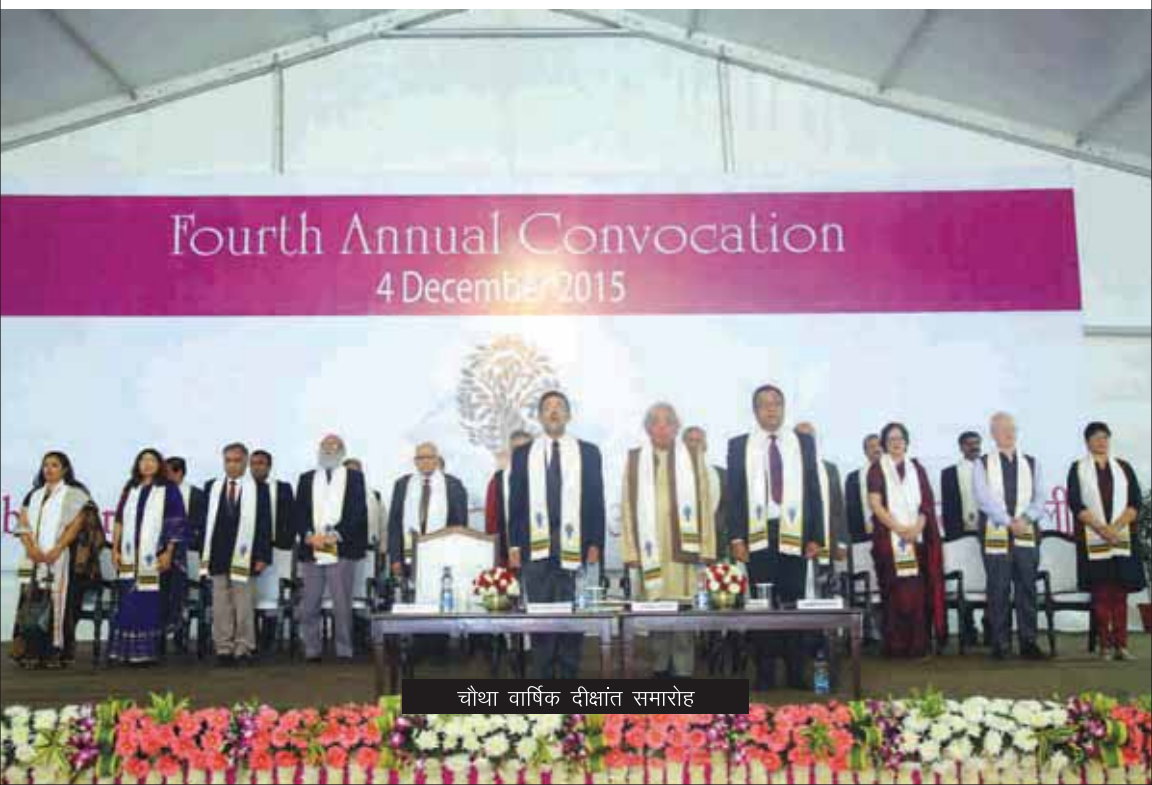

चौथा वार्षिक दीक्षांत समारोह

मानव संसाधन

एयूडी में मानव संसाधन छः सदस्यों की एक सुगठित इकाई है। प्रभाग, मानव संसाधन सेवाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षालयों, केंद्रों एवं परिसरों को संबल प्रदान करता है। यह मुख्य रूप से सभी सेवा संबंधी मामलों, भर्ती व स्टाफिंग, प्रशिक्षण एवं विकास का ध्यान रखने तथा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कर्मचारियों के कल्याण हेतु पहल के साथ–साथ कुलसचिव के वैधानिक कर्त्तव्यों का पालन करने में उनकी सहायता करता है। इसमें उपयुक्त कर्मचारी नीतियों व प्रक्रियाओं को विकसित तथा कार्यान्वित करना, संबंधित सहयोगियों को उचित सहायता और जानकारी प्रदान करना एवं कर्मचारी रिकॉर्ड व कर्मचारी–आधारित आँकड़ों की देखरेख करना शामिल है।

मानव संसाधन प्रभाग द्वारा भर्ती, चयन एवं स्टाफिंग जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। 2015–16 में व्यवस्था प्रशासकों, तकनीकी सहायकों, सुरक्षा पर्यवेक्षकों, परामर्शदाताओं तथा पुस्तकालय प्रशिक्षुओं को 16 पदों पर भर्ती किया गया। पीडब्ल्यूडी हेतु कुलसचिव और वित्त–नियंत्रक के साथ–साथ उप–कुलसचिव के वैधानिक पद भरे गए। 15 ग्रुप–ए अधिकारियों एवं 63 अनुबंधीय कर्मचारियों की प्रदर्शन समीक्षा भी पूरी की गई।

एसबीपीपीएसई के निदेशक प्रोफेसर कुरियाकोस ममकूट्टम तथा विद्यार्थी सेवाओं के अधिष्ठाता की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रशासनिक कर्मचारियों हेतु एचआर नीति की संपूर्ण समीक्षा की। समिति ने एयूडी के कर्मचारी–ढाँचे के व्यापक अध्ययन के बाद, अपनी रपट 10 मार्च 2016 को कुलपति के समक्ष पेश की, जिसे प्रबंधन मंडल द्वारा विचारित एवं अनुमोदित किया गया।

नीति एवं कार्यप्रणाली उपाय के 0ठप में, 1 जनवरी 2016 से 'बॉयोमेट्रिक उपस्थिति पद्धति' को डिजाइन तथा कार्यान्वित किया गया।

कर्मचारी कल्याण उपाय के अंतर्गत, एचआर प्रभाग ने एयूडी के नियमित व अनुबंधीय कर्मचारियों के लिए समूह बीमा योजना लागू करने हेतु एक प्रस्ताव तैयार किया। इसी तरह, एयूडी कर्मचारियों के लिए मौजूदा चिकित्सा उपस्थिति एवं उपचार विनियमों को और अधिक आकर्षक बनाने हेतु समीक्षा की गई।

प्रशिक्षण एवं विकास, मानव संसाधन प्रभाग के महत्त्वपूर्ण पहलू हैं, जो विश्वविद्यालय को कुशलता से कार्य करने तथा तरक्की करने की शक्ति प्रदान करते हैं। एचआर प्रभाग ने कर्मचारियों के कौशल वृद्वि हेतु चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। एयूडी के 21 एमटीएस के लिए प्रमाण पत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अंग्रेजी भाषा, आईटी व संगणक एवं कार्यालय प्रक्रिया शामिल थीं। इसी उद्देश्य के लिए आयोजित बैठक में कुलपति द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र दिए गए। दस कनिष्ठ कार्यकारियों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन, सेवा मुद्दों, खरीद मामलों एवं वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विषयों की पुन चर्या करने हेतु आधे दिन के दो पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। वित्त विभाग के ग्यारह कर्मचारियों को वित्त और लेखांकन सॉफ्टवेयर के साथ–साथ गणना का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष का अंत विश्वविद्यालय अधिकारियों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन पर

आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की सराहना जैसे उच्चतम बिंदु के साथ हुआ। पूरे देश के आठ विश्वविद्यालयों के 39 अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया। 20 एयूडी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के बाहर आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नियुक्त किया गया। ये कार्यक्रम आपदा प्रबंधन हेतु टिप्पणी व प्रारूपण संबंधी विषयों की श्रेणी पर आधारित थे।

31–03–2016 तक प्रशासनिक कर्मचारियों के स्वीकृत व रिक्त पदों की स्थिति :–

क्र. सं.	पदों के नाम	समूह	वेतन बैंड़ जीपी	स्वीकृत पद	पद पर	रिक्त पद
1	कुलसचिव	ए	पीबी–4, जीपी 10000रु.	01	01	00
2	वित्त नियंत्रक	ए	पीबी–4, जीपी 10000रु.	01	01	00
3	निदेशक (आईटी सेवाएँ)	ए	पीबी–4, जीपी 10000रु.	01	00	01
4	उप–कुलसचिव	ए	पीबी–3, जीपी 7600रु.	05	05	00
5	सहायक कुलसचिव	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	15	15	00
6	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	02	02	00
7	सहायक कुलसचिव (योजना)	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	02	01	01
8	सहायक कुलसचिव (पीआर)	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	01	00	01
9	सहायक कुलसचिव (प्रकाशन)	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	01	00	01
10	उद्यान विशेषज्ञ	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	01	00	01
11	कार्यकारी	बी	पीबी–2, जीपी 4600रु.	18	00	18
12	कनिष्ठ कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	बी	पीबी–2, जीपी 4600रु.	01	00	01
13	कनिष्ठ कार्यकारी (सामान्य)	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	30	14	16
14	कनिष्ठ कार्यकारी (आईटी)	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	01	00	01
15	कनिष्ठ कार्यकारी (पुस्तकालय)	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	03	02	01
16	सुरक्षा पर्यवेक्षक	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	02	02	00
17	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	01	00	01
18	कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	01	01	00
19	सहायक (सामान्य)	सी	पीबी–1, जीपी 2400रु.	36	28	08
20	पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1, जीपी 2800रु.	02	00	02
21	तकनीकी सहायक (आईटी)	सी	पीबी–1, जीपी 2800रु.	03	04	00
22	उद्यान पर्यवेक्षक	सी	पीबी–1, जीपी 2800रु.	01	01	00
23	कनिष्ठ सहायक / सहायक अभीक्षक (केयरटेकर)	सी	पीबी–1, जीपी 1900रु.	05	00	05
24	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1, जीपी 1800रु.	27	19	08
25	एमटीएस (पुरुष)	सी	पीबी–1, जीपी 1800रु.	06	05	01
26	एमटीएस (विद्युत कारीगर)	सी	पीबी–1, जीपी 1800रु.	02	02	00
27	एमटीएस (पलंबर)	सी	पीबी–1, जीपी 1800रु.	01	00	01
	कुल			170	103	68

शिक्षालय

28	तकनीकी प्रशिक्षक (मैक.), एसडिज	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	01	00	01
29	तकनीकी प्रशिक्षक (सॉफ्टवेयर एवं आईटी), एसडिज	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	01	00	01
30	स्टूडियो सहायक, एससीसीई	सी	पीबी–1, जीपी 2800रु.	01	00	01
31	प्रयोगशाला तकनीशियन (मैक. एवं मैट्रियल वर्कशॉप), एसडिज	सी	पीबी–1, जीपी 1800रु.	01	00	01
32	प्रयोगशाला तकनीशियन (लैदर एवं सॉफ्ट मैट्रियल वर्कशॉप), एसडिज	सी	पीबी–1, जीपी 1800रु.	01	00	01
	कुल			05	00	05

परिसर विकास (परियोजना पद)

33	सह–निदेशक (तकनीकी)	ए	पीबी–4, जीपी 10000रु.	01	01	00
34	वास्तुकार (आर्किटेक्ट)	ए	पीबी–3, जीपी 7600रु.	01	01	00
35	वरिष्ठ परियोजना अभियन्ता (सिविल)	ए	पीबी–3, जीपी 7600रु.	01	00	01
36	वरिष्ठ परियोजना अभियन्ता (विद्युत)	ए	पीबी–3, जीपी 7600रु.	01	00	01
37	उप निदेशक (प्रशासन एवं वित्त)	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	02	00	02
38	परियोजना अभियन्ता (सिविल)	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	01	00	01
39	परियोजना अभियन्ता (विद्युत)	ए	पीबी–3, जीपी 5400रु.	01	00	01
40	कनिष्ठ कार्यकारी (तकनीकी)	बी	पीबी–2, जीपी 4200रु.	01	00	01
41	एमटीएस	सी	पीबी–1, जीपी 1800रु.	01	00	01
	कुल			10	02	08
	कुल			**185**	**105**	**80**

बारदेसिकला सामूहिक भोज

योजना विभाग

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली का योजना विभाग विश्वविद्यालय के समग्र विकास हेतु कार्य करता है। इसमें विश्वविद्यालय के विकास कार्यक्रमों को स्कूलों के परामर्श द्वारा तैयार करना, बजटीय आवंटन को ध्यान में रखते हुए पाँच वर्षीय योजनाएँ तैयार करना, विश्वविद्यालय संबंधित सूचनाओं के प्रकाशन का आयोजन एवं नियोजन करना, विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास की योजना बनाना तथा पर्यवेक्षण करना, सभी महत्त्वपूर्ण वित्त पोषण उपक्रमों हेतु योजना तैयार व प्रस्तुत करना और इन प्रस्तावों के लिए जीएनसीटीडी एवं यूजीसी जैसे निधि निकायों से सहायता प्राप्त करना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह समय–समय पर विश्वविद्यालय की वार्षिक रपट एवं अन्य सूचना बुलेटिन की तैयारी व प्रकाशन का भी प्रबंधन करता है। विभाग की अन्य प्रमुख गतिविधियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं–

एकाधिक–परिसर एकात्मक विश्वविद्यालय की स्थापना

एयूडी ने व्यावसायिक/सामुदायिक महाविद्यालय आधारित कार्यक्रमों पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करने हेतु एकाधिक–परिसर एकात्मक विश्वविद्यालय बनने का निश्चय किया है। अभी यह कश्मीरी गेट परिसर से संचालित है। नए परिसरों के निर्माण हेतु रोहिणी एवं धीरपुर में दो भूखंडों को आवंटित किया गया है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के नए परिसर को स्थापित करने के लिए कर्मपुरा में स्थिति डीडीयू के पुराने परिसर की पेशकश भी की जा रही है।

विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रबंधन दल के परामर्श द्वारा अगले 10 वर्षों में नए परिसरों की स्थापना का सिंहावलोकन तथा आवश्यकताओं को अंतिम रूप दिया गया है। अनुमान के अनुसार रोहिणी परिसर में 3,500 (1400 स्नातक + 2100 स्नातकोत्तर) छात्रों के साथ ही 248 संकाय–सदस्यों की क्षमता होगी। धीरपुर परिसर के चरण 1 में, 4,200 (1300 स्नातक + 1600 स्नातकोत्तर + 1300 सामुदायिक महाविद्यालय) छात्रों के साथ ही 298 संकाय–सदस्यों की संख्या का अनुमान है।

यूजीसी सामान्य विकास सहायता

यूजीसी ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली को 12वीं योजना के तहत सामान्य विकास सहायता के रूप में 7 करोड़ रुपए देने की स्वीकृत दी है। एयूडी की विभिन्न गतिविधियों हेतु यूजीसी ने वर्ष 2015–16 में 1.4 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त एयूडी को जारी की है।

एनआईआरएफ श्रेणी (रैंकिंग)

एयूडी ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रथम बार आयोजित राष्ट्रीय संस्थागत श्रेणी ढांचे (एनआईआरएफ) के अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थान श्रेणी हेतु भाग लिया। भारत के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों एवं श्रेणी हेतु पंजीकृत 233 विश्वविद्यालयों में एयूडी का स्थान 96वें पर है।

अकादमिक संघ पहल (जीआईएएन)

एयूडी भारत के उन पच्चीस राज्य विश्वविद्यालयों में से एक है जो भारत सरकार की उच्चतम शिक्षा के अंतर्गत वैश्विक अकादमिक संघ पहल (जीआईएएन) से लाभान्वित है। जीआईएएन

का इरादा भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ प्रतिभावान वैज्ञानिकों/उद्यमियों की अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को प्रोत्साहित करना है। इस पहल का उद्देश्य देश के मौजूदा शैक्षणिक संसाधनों को बढ़ाना, गुणवत्ता सुधार की गति में तेजी लाना एवं वैश्विक उत्कृष्टता हेतु भारत की वैज्ञानिक तथा तकनीकी क्षमता को बढ़ाना है।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए)

एयूडी ने राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) हेतु अपनी संस्थागत विकास योजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार को सौंप दी है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) ने प्रत्येक मान्यता प्राप्त संस्थान द्वारा मान्यतोत्तर गुणवत्ता निर्वाह की पूर्ति के रूप में, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं। आईक्यूएसी के प्राथमिक उद्देश्य हैं–

- संस्था के शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार हेतु अभिज्ञ, संगत तथा उत्प्रेरक अनुयोजन के लिए पद्धति तैयार करना;
- और गुणवत्ता संस्कृति के आंतरिकीकरण व सर्वोत्तम क्रियाओं के संस्थाकरण के माध्यम से संस्थागत कार्य हेतु गुणवत्ता उपायों को बढ़ावा देना।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) के प्रबंधन मंडल की 18वीं बैठक का आयोजन 8 अक्टूबर 2015 को हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता कुलपति द्वारा की गई। इसमें एयूडी आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना को मंजूरी दी गई।

आईक्यूएसी ने वर्ष 2015–16 में नैक में अपनी प्रथम एक्यूएआर (वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रपट) प्रस्तुत की।

परिसर विकास विभाग

धीरपुर परिसर

शहरी विकास मंत्रालय (दिल्ली प्रभाग, भारत सरकार) ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय के धीरपुर परिसर चरण–1 की स्थापना हेतु 20 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। जीएनसीटीडी के उच्च शिक्षा निदेशालय ने इस जमीन हेतु डीडीए को 140.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। भूमि अधिग्रहण के तुरंत बाद, पीडब्ल्यूडी को चाहरदीवारी बनाने की जिम्मेदारी 1.32 करोड़ रुपये के अनुबंध पर सौंपी गई है। मौजूदा अनुमानों के मुताबिक कार्य 31 अगस्त 2016 तक पूरा होने की संभावना है। स्थल पर सुरक्षा को मजबूत करने हेतु प्रकाश व्यवस्था का प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत भूखंड के भीतर तीन उच्च मस्तूल लाइट के साथ ही चाहरदीवारी पर फ्लडलाइट की व्यवस्था के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा ही 31.73 लाख रुपयों का कार्यान्वयन किया गया है। स्थल पर मौजूदा स्थितियों को देखते हुए, अब भूखंड की सुरक्षा एयूडी द्वारा ली गई है।

भूमि के ऊपर स्थित (ओवरहेड) 33/11 केवी पावर विद्युत तार का स्थानांतरण: भूखंड में स्थित ओवरहेड 33/11 केवी एचटी–एलटी विद्युत तार कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। वस्तुतः इन तारों के स्थानांतरण हेतु जीएनसीटीडी ने 5.44 करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। जीएनसीटीडी ने इस राशि को दिसम्बर 2015 में मंजूरी दी एवं यह कार्य मैसर्स टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। इसकी 30 अक्टूबर 2016 तक पूरा होने की संभावना है।

जलविज्ञान संबंधी अध्ययन : राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एमआईए), रूड़की को धीरपुर स्थल पर जलविज्ञान संबंधी अध्ययन (1) उपलब्ध सतह जल व भूजल की मात्रा तथा गुणवत्ता, दोनों के संदर्भ में मूल्यांकन करने, (2) वर्षा जल संचयन और (3) तूफानी पानी की निकासी ढांचे/पद्धति की योजना बनाने हेतु लगाया गया है। 30 जून 2016 तक एनआईएच का सर्वेक्षण पूरा होने व अंतिम रपट आने की संभावना है। इसके बावजूद भी, एनआईएच की प्रारंभिक रपट को एयूडी के शहरी पारिस्थितिकी स्थिरता केंद्र (सीयूईएस) के पास उनके इनपुट के लिए भेज दिया गया है।

रोहिणी परिसर

डीडीए ने वर्ष 2010 में एयूडी को नए परिसर हेतु रोहिणी में 2.98 हेक्टेयर एवं 4.03 हेक्टेयर भूमि के दो भूखंडों को आवंटित किया है। इनके मध्य 13.5 मीटर की सड़क द्वारा इन्हें 7.03 हेक्टेयर का एक संयुक्त भूखंड का रूप दे दिया गया है। सिद्धांत अनुरूप डीडीए ने सड़क को पुनः स्थानांतरित करने की पहले ही मंजूरी दे दी थी, ताकि एयूडी का रोहिणी में एक संयुक्त परिसर बन सके। हालांकि डीडीए के उत्तरवर्ती फैसले अनुसार दो भूखंडों के मध्य पहुँच हेतु अंडरपास को विकल्प के रूप में स्वीकृति दी गई है।

रोहिणी में एयूडी को आवंटित भूखंड पर पहले से ही चाहरदीवारी बनी हुई थी। यह चाहरदीवारी पुरानी थी। वस्तुतः कई जगहों से मरम्मत करने व इसे मजबूत करने की आवश्यकता थी। पीडब्ल्यूडी ने इस कार्य को पूरा करने के साथ ही अतिरिक्त कार्य भी किया। हालांकि इसका भुगतान पहले पीडब्ल्यूडी को करना था, लेकिन अब एयूडी इसका भुगतान कर

रहा है। इसके अलावा रोहिणी भूखंड की सुरक्षा भी एयूडी ने ही ले ली है।

पीडब्ल्यूडी रात में बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उच्च मस्तूल लाइट के साथ ही चाहरदीवारी पर प्रकाश की व्यवस्था के लिए प्रस्ताव को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया में है। स्थल के समोच्च सर्वेक्षण को पीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है। इसके लिए राशि भी जारी कर दी गई है। यह सर्वेक्षण दो महीने में पूरा होने की संभावना है। इससे एनआईएच को रोहिणी भूखंड के जलविज्ञान संबंधी अध्ययन को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

बागवानी : नए परिसरों के एक भाग के रूप में, एयूडी के दोनों स्थलों पर बागवानी संचालन शुरू करने का फैसला लिया गया है।

परियोजनाओं का कार्यान्वयन

दोनों स्थलों पर परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु पीडब्ल्यूडी परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में कार्य करेगा। एयूडी ने अपने आंतरिक संसाधनों के माध्यम द्वारा तैयार अनिवार्य परियोजना विवरण को पीडब्ल्यूडी के पास आगे की कार्रवाई हेतु भेज दिया है। उनके प्रतिक्रिया मिलने के बाद विस्तृत प्रस्ताव को अनुमोदन हेतु जीएनसीटीडी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

कश्मीरी गेट परिसर

पीडब्ल्यूडी द्वारा वार्षिक पुनर्निर्माण व रखरखाव का कार्य जारी है। पीडब्ल्यूडी ने प्रमुख नवीकरण कार्यों का संचालन भी किया है। हालांकि परिसर विकास विभाग (सीडीडी) में अभियंता कर्मचारियों को शामिल करने के साथ ही सीडीडी द्वारा उद्भवन केंद्र एवं एन 6 क्षेत्र के पुनर्निर्माण का कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य भी निष्पादित किया जा रहा है।

कर्मपुरा परिसर

2016 के अकादमिक सत्र में कुछ कार्यक्रमों के संचालन हेतु एयूडी को कर्मपुरा में दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय का एक हिस्सा आवंटित किया गया है। परिसर की सिविल व विद्युत सेवाओं तथा नवीकरण योजनाओं को परिसर विकास विभाग द्वारा 1.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है। इसे वर्तमान में पीडब्ल्यूडी द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

प्रशासन विभाग

प्रशासन विभाग विश्वविद्यालय–संचालन की संपूर्ण व्यवस्था को प्रशासनिक एवं रसद सहायता प्रदान करता है। यह एयूडी के शिक्षालयों, केंद्रों तथा प्रभागों के लिए सामग्री एवं सेवाओं का उपार्जन करता है। विभाग वार्षिक खरीद योजना तैयार करने और कार्यान्वित करने हेतु उत्तरदायी है। इनके अलावा यह वस्तुसूची का प्रबंधन भी करता है, जिसमें संपत्तियों की रसीद, संबंधित मुद्दे तथा लेखा शामिल हैं।

खरीद–फरोख्त

प्रशासन विभाग द्वारा खरीद–फरोख्त (एक लाख रुपये से अधिक मूल्य') की सूची नीचे दी गई है–

	Items	Value (In Rs.)
1.	एंटी–प्लेगारिज्म सॉफ्टवेयर	434,265
2.	डिजाइन शिक्षालय के लिए एप्पल आईमैक संगणक	182,229
3.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला हेतु रेफ्रिजरेशन यूनिट, माइक्रोवेव ओवन एवं डिजिटल एनालिटिकल बैलेंस	3,38,578
4.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला के लिए ऑटो क्लेव, बेंच टॉप सेंट्रीफ्यूज एवं वाटर बाथ	4,15,456
5.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला हेतु स्पेक्ट्रोफोटोमीटर एवं सीएचएनओएस एनालाइजर	33,30,900
6.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला के लिए लमिनर फ्लो	1,97,600
7.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला हेतु ड्राईनिंग ओवन	94,500
8.	पारिस्थितिकी के लिए वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम	3,40,000
9.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला हेतु वैइंग मशीन, सॉइल एवं वाटर मल्टी पैरामीटर टेस्टिंग यूनिट	3,08,500
10.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला के लिए कद्देबैक सी 123 एवं कद्देबैक सी	1 2,15,000
11.	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला हेतु कंप्यूटर वर्क स्अेशन	2,04,000
12.	परिसर विकास के लिए बहुआयामी प्रिंटर	1,56,250
13.	ऑडियो कान्फ्रेंस सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम एवं ऑडियो सिस्टम	31,37,698
14.	पुस्तकालय हेतु मुख्य पुस्तकालय स्टैक रैक यूनिट एवं यूनिट पर पुस्तकालय स्टैक रैक को जोड़ा गया	2,11,464
15.	व्यावसायिक वीडियो कैमरा, वीडियो कैमरा, डिजिटल स्टिल कैमरा, ऑडियो रिकॉर्डर एवं कैमरा बैग	3,32,995
16.	कैमरा हेतु ट्राइपॉड, पोर्टेबल पीए सिस्टम	1,64,775
17.	एंटी–प्लेगारिज्म सॉफ्टवेयर	4,76,091
18.	मैथमैटिका सॉफ्टवेयर	8,37,360

19.	आईटी सेवाओं हेतु डी–लिंक नेटवर्क स्विच 24 पोर्ट्स	2,38,500
20.	आईटी सेवाओं के लिए एकीकृत संग्रहण डिवाइस (सैन एवं एनएएस)	9,92,250
21.	पुस्तकालय में डबल फेस पुस्तकालय स्टैक रैक जोड़ा गया	1,88,843
22.	पुस्तकालय हेतु मुख्य पुस्तकालय स्टैक रैक यूनिट	1,32,000
23.	पुस्तकालय के लिए केओएचए (कोहा)	1,23,660
24.	अध्यापकों हेतु मेज, विद्यार्थी कुर्सियाँ एवं मंच	3,47,734
25.	स्टील अलमारी, फाइलों एवं पुस्तकों की अलमारियाँ	4,63,050
26.	प्रोजेक्टर	11,82,750
27.	कक्षाओं हेतु पीए सिस्टम	3,26,250
28.	प्रिंटर–डीजीएस एंड डी	5,44,703

*कर शामिल नहीं है।

कार्य अनुबंध

इस वर्ष निम्नलिखित ठेके दिए गए :–

1	सुरक्षा सेवाएँ	टाइगर ज़र्स सिक्योरिटी
2	हाउसकीपिंग सेवाएँ	सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस संगठन
3	जलपान गृह	स्त्रीशक्ति कैंटीन (दो वर्ष के लिए)
4	प्रिंटर एम्पनेलमेंट	दो वर्ष के लिए
5	अपशिष्ट कागज की पुनरावृत्ति	जागृति वेस्ट पेपर रीसाइक्लिंग सर्विस
6	लेखन सामग्री	केंद्रीय भण्डार एवं प्रतीक कंप्यूटर पेरिफेरल
7	टोनर/कार्ट्रिज	केंद्रीय भण्डार, प्रतीक कंप्यूटर पेरिफेरल, फरोक्स ऑटोमेशन एवं कॉम्पटेक टेक्नोलॉजी

वार्षिक रखरखाव अनुबंध

वार्षिक रखरखाव ठेके निम्नलिखित को दिए गए :–

1	एयूडी वेबसाइट	आईएएनएस इंडिया लिमिटेड	3,60,000 रु.
2	डेस्कटॉप कंप्यूटर	कॉम्पटेक टेक्नोलॉजी	1,22,057 रु.
3	लैपटॉप	कॉम्पटेक टेक्नोलॉजी	87,568 रु.
4	प्रिंटर	कॉम्पटेक टेक्नोलॉजी	1,03,090 रु.
5	प्रोजेक्टर	कॉम्पटेक टेक्नोलॉजी	2,82,150 रु.
6	आरओ वाटर प्यूरीफायर	एक्वा हेल्थ केयर	99,100 रु.

संपत्ति (भूसंपत्ति) विभाग

परिसर में वातानुकूलित कक्षाओं, संगोष्ठी कक्ष, अच्छा भंडारित पुस्तकालय, पठनालय एवं संगणक प्रयोगशाला संबंधित उत्तम बुनियादी ढाँचा मौजूद है। यह 5.517 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है।

दिव्यांग मित्रवत परिसर

विश्वविद्यालय परिसर के सभी प्रमुख स्थानों पर चिन्ह पट्ट लगाए गए हैं। सड़के तथा रास्ते चौड़े एवं बाधा मुक्त हैं। दिव्यांगों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने हेतु आवश्यकतानुसार कई जगहों पर रैंप का निर्माण किया गया है एवं पकड़ने के लिए कटघरे लगाए गए है। शारीरिक रूप से दिव्यांगों हेतु दो कार पार्किंग क्षेत्र आरक्षित है। इसके अलावा उनके उपयोग के लिए तीन भौचालयों को भी संशोधित किया गया है।

आधारभूत संरचना

कक्ष (प्रशासन)	29
कक्ष (प्राध्यापक)	49
कक्षा	41
बृहत कक्षा	04
समिति कक्ष	03
अनुवर्ग (ट्यूटोरियल्स)	03
संगोष्ठी कक्ष	01 (सीआर 12)
रसोई–भंडार	03
संगणक प्रयोगशालाएँ	04
पारिस्थितिकी प्रयोगशाला	04
कार्यशालाएँ	04
स्टूडियो	02
छात्र मनोरंजन कक्ष	01
कर्मचारी मनोरंजन कक्ष	01
व्यायामशाला	01
जलपान गृह	02
फोटोकॉपी की दुकान	01
औषधालय	01
निदान गृह–एहसास	05
कन्या छात्रावास	22 कक्ष (क्षमता : 45)
भंडार गृह	03

शौचालय	पुरुष : 22 महिलाएँ : 22 सामान्य : 05 पीडब्ल्यूडी : 03
पेय जल स्थल	10

शैक्षणिक प्रयासों को समर्थन देने तथा अधिगम की प्रमुख संस्था के रूप में एयूडी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने हेतु परिसर का रखरखाव, उसका सुधार एवं विकास करना अनिवार्य गतिविधियाँ हैं। भूसंपत्ति विभाग विभिन्न प्रकार की लचीली सेवाएँ प्रदान करता है जो विश्वविद्यालय के दिन–प्रतिदिन के कार्यों को सक्षम बनाती हैं।

चिकित्सालय : विश्वविद्यालय चिकित्सालय प्राथमिक चिकित्सा और सामान्य चिकित्सकीय उपचार के लिए सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित है।

रखरखाव : भूसंपत्ति विभाग भवनों, सड़कों, उद्यानों, बिजली उपकरणों, जल आपूर्ति, टेलीफोन आदि समेत सभी भौतिक सुविधाओं का रखरखाव करता है। बाहरी संस्थाओं की सहायता से यह विभाग सुरक्षा, साफ–सफाई, जलपान गृह सेवाओं, ढुलाई का प्रबंध भी करता है।

सुरक्षा : विभाग का उद्देश्य विश्वविद्यालय समुदाय हेतु भयरहित एवं सुरक्षित बाह्य वातावरण बनाना है। इसके लिए वह सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए उत्तरदायी है। कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आगंतुकों को सहायता एवं भरोसा देने के लिए सुरक्षा दल प्रति दिन 24 घंटे तथा वर्ष में 365 दिन कार्य करता है।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

भूसंपत्ति विभाग के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ नीचे सूचीबद्ध की गई है :–

- स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महिला शौचालयों में से सैनिटरी पैड के निपटान हेतु योजना शुरू की गई।
- 22 जून 2015 को आयोजित योग दिवस का पर्यवेक्षण।
- 22 नवम्बर 2015 को परिसर सफाई अभियान का आयोजन।
- दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) हेतु एयूडी परिसर को और अधिक अनुकूल बनाने के लिए 24 फरवरी 2016 को एक्शन फॉर एबिलिटी डेवलपमेंट एंड इंक्लूजन (एएडीआई), हौज खास का दौरा किया गया।
- वित्त नियंत्रक द्वारा नई धूमन मशीन का उद्घाटन।
- 31 अक्टूबर 2015 को सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर एयूडी विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस दौड़ में भाग लिया।
- परिसर में वर्मीकंपोस्ट यूनिट स्थापित की गई।
- 20 नवम्बर 2015 को छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया।
- 19 जून 2015 को धीरपुर परिसर में कुलपति द्वारा वृक्षारोपण।

- परिसर में पाँच स्थानों पर प्राथमिक चिकित्सा बक्से स्थापित किए गए।
- "अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली" एंड्रॉइड एप्लीकेशन के माध्यम से स्थान प्रणाली सक्षम की गई।
- परिसर में अपशिष्ट कागज की पुनरावृत्ति की जा रही है।
- 1 अप्रैल 2016 को एयूडी कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों एवं स्वच्छता कर्मचारियों हेतु बुनियादी जीवनरक्षा तथा प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण का आयोजन।
- 8 एवं 18 अप्रैल 2016 को सुरक्षा कर्मियों तथा स्वच्छता कर्मचारियों हेतु अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन।
- 12 अप्रैल 2016 को सुरक्षा कर्मियों तथा स्वच्छता कर्मचारियों हेतु आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन।

विश्वविद्यालय संचालन पर कार्यशाला

वित्त विभाग

वित्त विभाग कुलपति की अध्यक्षता वाली वित्त समिति के निर्देशानुसार कार्य करता है। यह अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली अधिनियम, 2007 के तहत दिए गए अधिदेश का पालन करता है। यह कोष प्रबंधन संबंधी आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु कार्य करता है जिसमें नियमों के अनुसार समय–समय पर धन की उपलब्धता एवं उसका उचित उपयोग शामिल है।

प्रबंधन मंडल के अनुमोदन हेतु वित्त समिति द्वारा एयूडी के वार्षिक खाते तदर्थ, विचारित एवं संस्तुति किए जाते हैं। प्रबंधन मंडल के अनुमोदन के बाद, वार्षिक खातों को कुलाधिपति की अध्यक्षता में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के निर्णायक मंडल द्वारा अपनाया जाता है।

वर्तमान में विभाग वित्त नियंत्रक की अध्यक्षता में तथा उनकी टीम (जिसमें उप–कुलसचिव, सहायक कुलसचिव व कर्मचारी शामिल हैं) द्वारा संचालित है।

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान, विभाग ने निर्धारित समय के भीतर 2015–16 वर्ष हेतु वार्षिक खातों को अंतिम 0ठप देने का वैधानिक कार्य पूर्ण किया। इसके अलावा, विभाग ने ऑडिट के उचित संचालन को सुनिश्चित करने हेतु राज्य व केंद्र सरकारों के वैधानिक लेखा–परीक्षा दलों के साथ समन्वय भी किया।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के संकाय–सदस्यों एवं कर्मचारियों हेतु नई पेंशन योजना को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसके अतिरिक्त परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र और विश्वविद्यालय विकास कोष के निर्माण के लिए कई सुधारवादी कदम उठाए गए तथा इन्हें लागू भी किया गया।

वित्त विभाग ने प्रत्यक्ष भुगतान सुविधा के अलावा सीधे विद्यार्थियों के बैंक खाते में सभी बकाया राशि एवं छात्रवृत्ति वितरण संबंधित सेवाएँ समय पर सुनिश्चित की हैं।

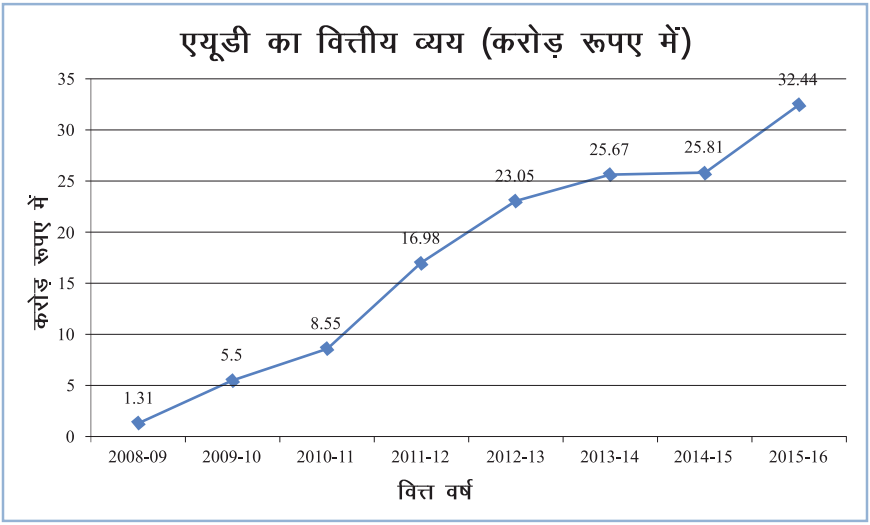

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली
31 मार्च 2016 की अवधि तक आय व व्यय खाता

(राशि रुपये में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
शुल्क से आय	8	–	4,02,59,414
राज्य अनुदान	9	62,41,61,926	38,85,66,090
अन्य आय	10	3,68,352	45,45,245
– बचत बैंक खाता		–	27,36,301
– एफडीआर		–	73,27,623
कुल (अ)		**62,45,30,278**	**44,34,34,673**
व्यय			
शैक्षिक व्यय	11	2,99,64,616	2,08,98,132
प्रशासनिक व्यय	11.1	5,81,72,288	5,28,84,401
कर्मचारी वेतन	12	21,81,65,161	16,17,89,542
अचल परिसंपत्ति			2,25,50,554
मूल्यह्रास			
– जीआईए	5	1,50,96,736	
– परिसर विकास		34,190	
– यूजीसी		41,51,139	
कुल (ब)		**32,55,84,130**	**25,81,22,629**
व्यय पर अधिक आय का शेष (अ–ब)		29,89,46,148	18,53,12,044
विशिष्ट संचित निधि को प्रेषित (प्रत्येक को विनिर्दिष्ट करें)		–	–
संचित निधि को / से प्रेषित		–	–
शेष (अधिशेष / घाटा) संग्रह / पूँजी निधि में ले जाया गया		**31,39,46,148**	**18,53,12,044**
अर्थपूर्ण लेखा नीतियाँ	13		

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा

(जे. एर्नेस्ट सैम्युएल रतनकुमार)
वित्त नियंत्रक
दिनाँक : 06.09.2016
स्थान : दिल्ली

सिंगला एंड एसोसिएट द्वारा
चार्टर्ड अकाउंटेंट

महावीर प्रसाद
सहयोगी
एमईएम. नं. 0899313

परिशिष्ट

परिशिष्ट 1 :– संकाय

क्र.सं.	प्रोफेसर	विषय	शिक्षालय
1	अनिता घई	दिव्यांग	एसएचएस
2	अशोक नागपाल	मनोविज्ञान	एसएचएस
3	चन्दन मुखर्जी	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
4	डेनिस पी. लीटन	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
5	गीता वेंकटरमण	गणित	एसयूएस / एसएलएस
6	हनी ओबेरॉय वहाली	मनोविज्ञान	एसएचएस
7	जतिन भट्ट	डिजाइन	एसडिज
8	कुरियाकोस ममकूट्टम	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
9	राधा रानी चक्रवर्ती	सीएलटीएस	एसएलएस
10	सलिल मिश्र	इतिहास	एसएलएस
11	शिवाजी के. पणिक्कर	दृश्य कला	एससीसीई
12	वनिता कौल	शिक्षा	एसईएस

क्र. सं.	एसोसिएट प्रोफेसर	विषय	शिक्षालय
1	अनूप कुमार धर	मनोविज्ञान	एसएचएस
2	अरिंदम बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
3	अस्मिता काबरा	अर्थशास्त्र, ई एवं डी'	एसएचई
4	चिरश्री दासगुप्ता	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
5	दीपम शिवरमण	प्रदर्शन कला	एससीसीई
6	धीरेंद्र दत्त डंगवाल	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
7	डायमंड ओबेरॉय वहाली	अंग्रेजी	एसयूएस / एसएलएस
8	गोपालजी प्रधान	हिन्दी	एसयूएस / एसएलएस
9	कार्तिक दवे	प्रबंधन	एसबीपीपीएसइ
10	मो. शरीफ फारूकी	डिजाइन	एसडिज
11	नक्कीरन नंजप्पन	सीएसएसआरएम	सीएसएसआरएम
12	निहारिका बनर्जी	समाजशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
13	प्रवीण सिंह	ग्लोबल अध्ययन, ई एवं डी' तथा इतिहास	एसएचई
14	रचना जौहरी	मनोविज्ञान	एसएचएस
15	राजन कृष्णन	फिल्म कला	एससीसीई
16	राजेन्द्र पी. कुंडू	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
17	रुक्मिणी सेन	समाजशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
18	सजीश कुमार सी.	प्रकाशन	सीपी

19	संजय कुमार शर्मा	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
20	सत्यकेतु सांकृत	हिन्दी	एसयूएस / एसएलएस
21	सुचित्रा बालासुबह्मण्यम	डिजाइन	एसडिज
22	सुमंगला दामोदरन	अर्थशास्त्र	एसडीएस

क्र.सं.	विशिष्ट प्रोफेसर		शिक्षालय
1	बाबू सीआर		एसएचई

क्र. सं.	सहायक प्रोफेसर	विषय	शिक्षालय
1	अबीर गुप्ता	डिजाइन	एसडिज
2	अखा कैहरी माओ	शिक्षा	एसईएस
3	अनिल परसाद	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
4	अनिर्बान बिस्वास	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
5	अनिर्बान सेनगुप्ता	समाजशास्त्र	एसडीएस
6	अंशु गुप्ता	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
7	अंशुमिता पाण्डे	मनोविज्ञान	एसएचएस
8	बालचंद प्रजापति	गणित	एसयूएस / एसएलएस
9	बेनिल बिस्वास	साहित्य कला	एससीसीई
10	भूमिका मीलिंग	अंग्रेजी	एसयूएस / एसएलएस
11	बिधान चन्द्र दास	समाजशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
12	बिन्दु के. कोविलक्कम	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
13	दीप्ति सचदेव	मनोविज्ञान	एसएचएस
14	धरित्री चक्रवर्त्ती	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
15	धीरज कुमार नाइट	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
16	दीपा सिन्हा	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
17	दिव्या चौपड़ा	डिजाइन	एसडिज
18	गंगमुमी कामी	मनोविज्ञान	एसएचएस
19	गुंजन शर्मा	शिक्षा	एसईएस
20	गुंजीत अरोड़ा	अंग्रेजी	एसयूएस / एसएलएस
21	आइवी धर	राजनीति विज्ञान	एसडीएस
22	ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
23	कालिंदी महेश्वरी	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
24	कंचरला वैलेंटिना	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
25	कनिका महाजन	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
26	कँवल अनिल	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
27	क्रांति कुमार	गणित	एसयूएस / एसएलएस
28	कृतिका माथुर	एसबीपीपीएसई	एसबीपीपीएसइ
29	लोवितोली जिमो	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
30	ममता करोल्लिल	मनोविज्ञान	एसएचएस
31	मानसी थपलियाल नवानी	शिक्षा	एसईएस

32	मनीश जैन	शिक्षा	एसईएस
33	मीनाकेतन बेहरा	अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
34	मौशुमी कंदली	दृश्य कला	एससीसीई
35	नंदिनी नायक	विकास अध्ययन	एसडीएस
36	नीतू सरीन	मनोविज्ञान	एसएचएस
37	निधि कैकर	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
38	ओइनम हेमलता देवी	मानवविज्ञान, ई एवं डी*	एसएचई
39	पल्लवी बनर्जी	मनोचिकित्सा	एसएचएस
40	पल्लवी चक्रवर्ती	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
41	प्रणय गोस्वामी	गणित	एसयूएस / एसएलएस
42	पुलक दास	पारिस्थितिकी विज्ञान	एसएचई
43	रचना चौधरी	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
44	रमणीक खस्सा	गणित	एसयूएस / एसएलएस
45	रिंजु रसैली	समाजशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
46	रोहित नेगी	भूगोल, ई एवं डी*	एसएचई
47	संदीप आर सिंह	सीएलटीएस	एसयूएस / एसएलएस
48	संजू थॉमस	अंग्रेजी	एसयूएस / एसएलएस
49	संतोश एस	दृश्य कला	एससीसीई
50	संतोश कुमार सिंह	समाजशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
51	सयनदेव चौधरी	अंग्रेजी	एसयूएस / एसएलएस
52	शाद नावेद	सीएलटीएस	एसयूएस / एसएलएस
53	शैलजा मेनन	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
54	शैफाली जैन	दृश्य कला	एससीसीई
55	शेल्मी संखिल	सीएलटीएस	एसयूएस / एसएलएस
56	शिफा हक	मनोविज्ञान	एसएचएस
57	शुभ्रा नागलिया	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
58	सुरेश बाबू	पारिस्थितिकी विज्ञान	एसएचई
59	तनुजा कोठियाल	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस
60	तापोसिक बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसएलएस
61	थोकचॉम बीबीनाज देवी	मनोविज्ञान	एसएचएस
62	उरफत अंजेम मीर	समाजशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
63	ऊशा मुदिगंति	अंग्रेजी	एसयूएस / एसएलएस
64	वेणुगोपाल मद्दिपति	डिजाइन	एसडिज
65	विक्रम सिंह ठाकुर	अंग्रेजी	एसयूएस / एसएलएस
66	विनोद आर	मनोविज्ञान	एसएचएस
67	व्रिक मित्रा	मनोविज्ञान	एसएचएस
68	योगेश स्नेही	इतिहास	एसयूएस / एसएलएस

*पर्यावरण एवं विकास (ई एवं डी)

क्र.सं.	अतिथि संकाय	पद	शिक्षालय
1	अनुराधा कपूर	प्रोफेसर	एससीसीई
2	अपूर्वा गौतम	सहायक प्रोफेसर, जेंडर अध्ययन	एसएचएस
3	अरुंधति चौधरी	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसएलएस
4	आशा सिंह	सहायक प्रोफेसर, जेंडर अध्ययन	एसएचएस
5	बेलिंदर धनोआ	एसोसिएट प्रोफेसर	एससीसीई
6	देवव्रत बराल	सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
7	गार्गी भारद्वाज	सहायक प्रोफेसर, प्रदर्शन कला	एससीसीई
8	लेकी थुंगोन	सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र	एसएलएस
9	मेधा गुप्ता	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसएचएस
10	मोणिमालिका डे	एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा	एसईएस
11	नेहा वाधवा	सहायक प्रोफेसर	एसडीएस
12	रमन सक्सेना	एसोसिएट प्रोफेसर, डिजाइन	एसडिज
13	रामप्रसाद सेनगुप्ता	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसएलएस
14	ऋतु सिन्हा	सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र	एसएलएस
15	रमानी आर वी	प्रोफेसर	एससीसीई
16	सराह हक	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसएचएस
17	सुनीता सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर,	सीईसीईडी
18	स्वाति वेंकट	सहायक प्रोफेसर	एसडिज
19	विक्रमादित्य सहाय	सहायक प्रोफेसर, जेंडर अध्ययन	एसएचएस
20	वृन्दा दत्ता	प्रोफेसर, शिक्षा	एसईएस

क्र.सं.	अस्थायी संकाय	पद	शिक्षालय
1	अमित कु. सिंह	सहायक प्रोफेसर, लॉजिक एवं रीजनिंग	एसयूएस / एसएलएस
2	अमित सिंह	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी	एसएलएस
3	अपराजिता भरगढ़	सहायक प्रोफेसर	सीईसीईडी
4	वनोज्योत्सना लाहिरी	सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र	एसएलएस
5	ईशिता मेहरोत्रा	सहायक प्रोफेसर, विकास अध्ययन	एसडीएस
6	कोपल चौबे	सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान	एसयूएस
7	रचना मेहरा	सहायक प्रोफेसर, इतिहास	एसएलएस
8	सैकत बनर्जी	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
9	शरणिका सरकार	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसएलएस
10	सरोज बी. मलिक	एसोसिएट प्रोफेसर, गणित	एसयूएस
11	शांतनु डे रॉय	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसयूएस / एसएलएस
12	शिव कुमार	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी	एसएलएस

क्र.सं.	कार्यकाल संकाय	पद	शिक्षालय
1	मोणिशिता हाजरा पांडे	सहायक प्रोफेसर – ईएलटी	एसयूएस
2	नुपूर सेमुअल	सहायक प्रोफेसर – ईएलटी	एसयूएस
3	सुरजीत सरकार	एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर पर समन्वयक (कार्यक्रम)	सीसीके

क्र.सं.	अनुबंधीय संकाय	पद	शिक्षालय
1	आनंद सौरभ	अकादमिक फेलो (एल–1)	एसयूएस
2	अनन्या खुशवाहा	मनोचिकित्सक (अंशकालिक)	एसएचएस
3	अनुष्का ए मैथ्यूज	अनुसंधान सहायक – ए	एसडीएस
4	अशीस रॉय	मनोचिकित्सक	एसएचएस
5	अतुल्य गुरहा	मनोचिकित्सक (अंशकालिक)	एसएचएस
6	जूही ऋतुपर्ण	अकादमिक फेलो (एल–1)	एसयूएस
7	करण सचदेवा	अनुसंधान सहायक – बी	सीसीके
8	राजिन्दर सिन्ह	मनोचिकित्सक	एसएचएस
9	शालिनी मसीह	मनोचिकित्सक	एसएचएस

धीमी साइकिल दौड़

परिशिष्ट 2 :– शिक्षकेतर कर्मचारी

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्याम बी. मेनन	कुलपति
2	एम. ए. सिकंदर	कुलसचिव
3	सैम्युएल एर्नेस्ट रतनकुमार जे.	वित्त नियंत्रक
	कुलपति कार्यालय	
4	मलेशा बी.'	उप कुलसचिव
5	ममता असवाल	सहायक
6	रुद्रेश सिंह नेगी	कार्यालय परिचारक
7	संदीप	कार्यालय परिचारक
	उप कुलपति कार्यालय	
8	शर्मिष्ठा रॉय	उप कुलसचिव
9	सुनीता त्यागी	सहायक कुलसचिव
	कुलसचिव कार्यालय	
10	नीलिमा घिल्डियाल	सहायक (पीआर)
	मानव संसाधन विभाग	
11	प्रसाद टीएसवीके	उप कुलसचिव
12	सत पाल	सहायक कुलसचिव
13	महेश कुमार	सहायक
14	भूपेंद्र सिंह	सहायक
15	नीरू शर्मा	सहायक
16	सुशीला देवी	कार्यालय परिचारक
	प्रशासन	
17	मनीश कुमार (लेफ्टिनेंट कर्नल, सेवानिवृत्त)	उप कुलसचिव
18	नरेंद्र मिश्रा	सहायक कुलसचिव
19	केशर सिंह बिष्ट	वरिष्ठ परामर्शदाता
20	एम. आर. कपूर	परामर्शदाता
21	शिव कुमार	परामर्शदाता
22	सुभाष'	कनिष्ठ कार्यकारी
23	सौरभ	सहायक
24	रीतिका कटरमल	सहायक
25	नवीन कुमार	कार्यालय परिचारक

भूसंपत्ति विभाग

26	राजीव कुमार	सहायक कुलसचिव
27	अजित सिंह	सुरक्षा पर्यवेक्षक
28	मोहम्मद हसीन	सुरक्षा पर्यवेक्षक
29	सीता राम शर्मा	अभीक्षक (केयरटेकर)
30	यतींदर सिंह	अभीक्षक (केयरटेकर)

बागवानी इकाई

31	दया चंद	उद्यान पर्यवेक्षक
32	राज कुमार मौर्य	माली
33	नरेश कुमार	माली
34	रिजवान	माली
35	रंजीत भूइमाली	माली
36	फिदा हुसैन	माली

वित्त विभाग

37	आहुजा ए. के.	उप कुलसचिव
38	राज कुमार भारद्वाज'	सहायक कुलसचिव
39	हरीश गुरनानी	सहायक कुलसचिव
40	सुमर पाल	वरिष्ठ परामर्शदाता
41	अजय कुमार ठाकुर'	कनिष्ठ कार्यकारी
42	सना खान	कनिष्ठ कार्यकारी
43	प्रभात कुमार	कनिष्ठ कार्यकारी
44	मोहन सिंह यादव	कनिष्ठ कार्यकारी
45	ब्रजेश कुमार यादव'	सहायक
46	मोहित जगोता	सहायक
47	अंजना कुमारी	सहायक
48	सुमन नेगी	सहायक
49	केशव ठाकुर	कार्यालय परिचारक

परिसर विकास विभाग

50	वर्मा एन. के.	सह–निदेशक, तकनीकी
51	शर्मा आर. पी.	प्रशासनिक अधिकारी
52	मणि पी.	सहायक कुलसचिव
53	आशीष पाटीदार	सहायक कुलसचिव
54	युधिष्टर के.	कनिष्ठ अभियंता
55	विकास दलाल	परामर्शदाता
56	भूपेन्द्र सिंह चौहान	सहायक
57	दीपक	विद्युत कारीगर
58	मेवा लाल	विद्युत कारीगर

आईटी सेवाएँ

59	दीपक बिश्ला	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)
60	प्रवीण भट्ट	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)
61	मुकेश सिंह डाँगी	तकनीकी सहायक (आईटी)
62	रमीज काजमी	तकनीकी सहायक (आईटी)
63	मानस रंजन दकुआ	तकनीकी सहायक (आईटी)
64	भांभु भारण सिंह	तकनीकी सहायक (आईटी)
65	आशु मान	कार्यालय परिचारक
66	अजय सिंह डाँगी	कार्यालय परिचारक

पुस्तकालय सेवाएँ

67	देबल सी. कार	पुस्तकालयाध्यक्ष
68	अलका राय	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
69	दिनेश कुमार	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
70	रविंदर रावत	कनिष्ठ कार्यकारी (पुस्तकालय)
71	मंजू	कनिष्ठ कार्यकारी (पुस्तकालय)
72	ओम प्रकाश मिश्रा	पुस्तकालय प्रशिक्षु
73	मीनाक्षी	पुस्तकालय प्रशिक्षु
74	संजय सिंह रावत	कार्यालय परिचारक
75	नेक्सन	कार्यालय परिचारक
76	पिंकी	कार्यालय परिचारक

योजना विभाग

77	पुनीत गोयल	सहायक कुलसचिव
78	समीर खान	कनिष्ठ कार्यकारी
79	शिव चरण	कार्यालय परिचारक

अकादमिक सेवाएँ

80	पी. के. कटरमल	उप कुलसचिव
81	सी. पी. सिंह	सहायक कुलसचिव
82	जितेन्द्र कुमार दुग्गल	परामर्शदाता
83	यूसुफ रजा नकवी	सहायक
84	अशोक कुमार – 1	कार्यालय परिचारक

विद्यार्थी सेवाएँ

85	बिन्दु नायर	सहायक कुलसचिव
86	मनमोहन असवाल	सहायक
87	अरुणिमा शुक्ला	सहायक

88	नितिन चौधरी	सहायक
89	अजय कुमार	कार्यालय परिचारक
90	सुमित सोलंकी	कार्यालय परिचारक

शिक्षालय एवं केंद्र

स्नातक अध्ययन शिक्षालय

91	हर्ष कपूर'	सहायक कुलसचिव
92	प्रियंका अलघ	कनिष्ठ कार्यकारी
93	आशा देवी डी	सहायक
94	संदीप कुमार – 2	कार्यालय परिचारक

ललित अध्ययन शिक्षालय

95	पूनम पेटवाल	सहायक
96	अशोक कुमार – 2	कार्यालय परिचारक

मानव अध्ययन शिक्षालय

97	संतोश थॉमस	कनिष्ठ कार्यकारी
98	मीनाक्षी सिंह जुगरान	सहायक
99	संदीप कुमार – 1	कार्यालय परिचारक

विकास अध्ययन शिक्षालय

100	संगीता	सहायक
101	शफीक अहमद	कार्यालय परिचारक

मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय

102	राज कुमार	सहायक

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता शिक्षालय

103	दीपक कुमार	सहायक
104	शिवम कौशिक	सहायक

संस्कृति एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति शिक्षालय

105	एस. रामकृष्णन पोट्टी	परामर्शदाता

शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय

106	तेजेश्वर सिंह	सहायक

डिजाइन शिक्षालय

107	निशांत मैस्सी	सहायक
108	रुद्र पाल	कार्यालय परिचारक

प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

109	अनिल सिंह रावत	सहायक

एयूडी औषधालय

110	निधि चौपड़ा	चिकित्सा अधिकारी (अंशकालिक)

*प्रतिनियुक्ति पर

विश्वविद्यालय के कर्मचारी

परिशिष्ट 3 :– इस वर्ष में निम्न अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यारंभ तिथि	नियुक्ति विवरण	टिप्पणी
1	एम. ए. सिकंदर	कुलसचिव	29.07.2015	कार्यकाल (प्रतिनियुक्ति)	
2	प्रसाद टीएसवीके	उप कुलसचिव	30.07.2015	नियमित	
3	जे. एर्नेस्ट सैम्युएल रतनकुमार	वित्त नियंत्रक	29.09.2015	कार्यकाल	
4	दीपक बिश्ला	कार्यकारी प्रशासक	01.05.2015	अनुबंधीय	
5	आर. पी. शर्मा	एओ / उप निदेशक (प्रशासन)	27.05.2015	अनुबंधीय	
6	प्रवीण भट्ट	कार्यकारी प्रशासक	29.05.2015	अनुबंधीय	
7	सुमर पाल	परामर्शदाता	06.08.2015	अनुबंधीय	एआर के रिक्त पद के प्रतिकूल
8	एस. रामकृष्णन पोट्टी	कनिष्ठ परामर्शदाता	01.09.2015	अनुबंधीय	कनिष्ठ कार्यकारी के रिक्त पद के प्रतिकूल
9	शिव कुमार	कनिष्ठ परामर्शदाता	19.10.2015	अनुबंधीय	कनिष्ठ कार्यकारी के रिक्त पद के प्रतिकूल
10	केशर सिंह बिश्ट	परामर्शदाता	09.11.2015	अनुबंधीय	एआर के रिक्त पद के प्रतिकूल
11	अजित सिंह	सुरक्षा पर्यवेक्षक	15.01.2016	अनुबंधीय	
12	जितेन्द्र कुमार दुग्गल	कनिष्ठ परामर्शदाता	18.01.2016	अनुबंधीय	कनिष्ठ कार्यकारी के रिक्त पद के प्रतिकूल
13	मोहम्मद हसीन	सुरक्षा पर्यवेक्षक	17.03.2016	अनुबंधीय	

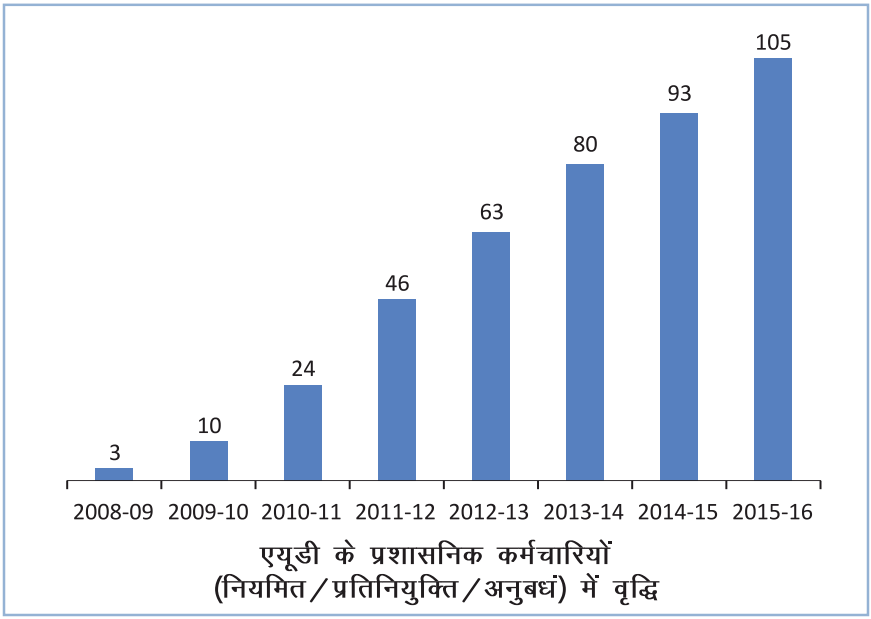

सितम्बर के तीस दिन, प्ले बैक

नोट